भारत सरकार
युवा कार्यक्रम
और खेल मंत्रालय

सत्यमेव जयते

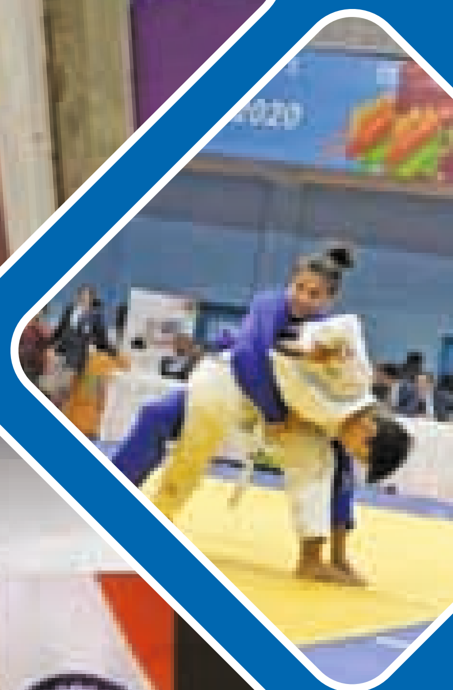

वार्षिक रिपोर्ट
2020-21

सत्यमेव जयते

भारत सरकार

वार्षिक रिपोर्ट
2020–21

युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय

विषय सूची

संगठन i-v

युवा कार्यक्रम विभाग

		पृष्ठ संख्या
1.	प्रस्तावना	1
2.	राष्ट्रीय युवा नीति, 2014 (एनवाईपी–2014)	2
3.	विभाग की योजनाओं का पुनर्गठन	5
4.	नेहरु युवा केंद्र संगठन (एनवाईकेएस)	8
5.	राष्ट्रीय युवा कोर (एनवाईसी)	29
6.	राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस)	30
7.	राजीव गांधी राष्ट्रीय युवा विकास संस्थान (आरजीएनआईवाईडी)	50
8.	राष्ट्रीय युवा एवं किशोर विकास कार्यक्रम (एनपीवाईएडी)	65
9.	अंतरराष्ट्रीय सहयोग (आईसी)	68
10.	राष्ट्रीय युवा नेता कार्यक्रम (एनवाईएलपी)	71
11.	युवा छात्रावास	72
12.	स्काउटिंग और गाइडिंग संगठनों को सहायता	73

विषय सूची

खेल विभाग

		पृष्ठ संख्या
1.	खेल	76
2.	भारतीय खेल प्राधिकरण (एसएआई)	77
3.	लक्ष्मीबाई राष्ट्रीय शारीरिक शिक्षा संस्थाान, ग्वालियर (समविश्वविद्यालय)	120
4.	खेलों इंडिया योजना	132
5.	खेलों में उत्कृष्टता के संवर्धन से सबंधित योजनाएं	148
6.	खिलाड़ियों को प्रोत्साहन संबधित योजनाएं	161
7.	राष्ट्रीय डोप रोधी एजेंसी (नाडा)	172
8.	राष्ट्रीय डोप परीक्षण प्रयोगशाला (एनडीटीएल)	180
9.	2020–21 के दौरान प्रमुख उपलब्धिया	182
10.	2020–21 के दौरान खेल विभाग की प्रमुख उपलब्धियां एवं पहल– एक नजर में	188

विषय सूची

अनुबंध

		पृष्ठ संख्या
I	संगठनात्मक चार्ट	195
II	वित्तीय परिव्यय	197
III	भारत के नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक के बकाया पैरा और उनकी वर्तमान स्थिति दर्शाने वाला विवरण	200
IV	विभाग के सीधे नियंत्रणाधीन युवा छात्रावासों की सूची	203
V	ने.यु.के.सं./भा.खे.प्रा./ राज्य सरकारों को हस्तांतरित युवा छात्रावासों की सूची	204
VI	01.04.2020 से 31.12–2020 की अवधि के दौरान 'उपयोग और निर्माण/खेल अवसंरचना के उन्नयन के तहत जारी अनुदान का विवरण	205
VII	खेलो इंडिया योजना के अन्य कार्यक्षेत्रों के तहत जारी अनुदान का ब्यौरा 01.04.2020 से 31.12.2020 तक की अवधि के दौरान जारी किया गया	215
VIII	2020–2021 के लिए एनएसएफ को सहायता योजना के तहत एनएसएफ को दी गई राशि का विवरण (01/04/2020 से 31/01/2021)	216

संगठन

सचिवालय

युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय, युवा कार्यक्रम और खेल राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) के समग्र दिशा–निर्देशों के तहत कार्य करता है। अप्रैल, 2008 में, मंत्रालय के तहत दो पृथक विभाग नामतः युवा कार्यक्रम विभाग और खेल विभाग सृजित किए गए थे, इनमें से प्रत्येक विभाग भारत सरकार के एक सचिव के प्रभार के अंतर्गत कार्य करता है।

31.12.2020 की स्थिति के अनुसार मंत्रालय में संयुक्त सचिव के 4 स्वीकृत पदों में से एक संयुक्त सचिव युवा कार्यक्रम विभाग का कार्य देखते हैं और एक संयुक्त सचिव खेल विभाग का कार्य देखते हैं। लेखा एवं लेखापरीक्षा से संबंधित मामले संयुक्त सचिव एवं वित्तीय सलाहकार के प्रभार के अंतर्गत हैं। 31.12.2020 की स्थिति के अनुसार संयुक्त सचिव अर्थात् संयुक्त सचिव (खेल) का चौथा पद रिक्त था।

31.12.2020 की स्थिति के अनुसार युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय की स्वीकृत संख्या 229 है जिसमें 46 समूह 'क' पद, 73 समूह 'ख' पद (30 राजपत्रित और 43 अराजपत्रित), 46 समूह 'ग' पद हैं। मंत्रालय का संगठनात्मक चार्ट अनुबंध–1 में दिया गया है।

सत्यमेव जयते

मंत्रालय के कार्य

भारत सरकार (कार्यों का आबंटन) नियमावली, 1961 की द्वितीय अनुसूची में उल्लिखित दोनों विभागों अर्थात युवा कार्यक्रम विभाग और खेल विभाग के अंतर्गत निम्नलिखित कार्य आते हैं:–

(क) युवा कार्यक्रम विभाग

1. युवा कार्यक्रम/युवा नीति
2. नेहरू युवा केन्द्र संगठन
3. राजीव गांधी राष्ट्रीय युवा विकास संस्थान
4. राष्ट्रीय सेवा योजना
5. स्वयंसेवी युवा संगठन, उन्हें वित्तीय सहायता सहित (युवा एवं किशोर विकास के लिए युवा संगठनों को वित्तीय सहायता)
6. राष्ट्रीय युवा कोर
7. राष्ट्रमंडल युवा कार्यक्रम तथा संयुक्त राष्ट्र स्वयंसेवक
8. युवा कल्याण कार्यकलाप, युवा महोत्सव इत्यादि (राष्ट्रीय युवा महोत्सव)
9. बाल स्काउट्स तथा बालिका गाइड
10. युवा छात्रावास
11. राष्ट्रीय युवा पुरस्कार (राष्ट्रीय युवा पुरस्कार और तेनजिंन नोर्गे राष्ट्रीय साहस पुरस्कार)
12. पूर्ववर्ती राष्ट्रीय अनु ाासन स्कीम के शेष कार्य
13. विदेशों के साथ युवा प्रतिनिधिमंडलों का आदान–प्रदान

(ख) खेल विभाग

1. खेल नीति
2. खेल–कूद
3. खिलाड़ियों के लिए राष्ट्रीय कल्याण कोष
4. नेताजी सुभाष राष्ट्रीय खेल संस्थान
5. भारतीय खेल प्राधिकरण
6. भारतीय ओलंपिक संघ तथा राष्ट्रीय खेल परिसंघों से जुड़े मामले
7. विदेशों में टूर्नामेंटों में भारतीय खेल टीमों की भागीदारी तथा भारत में अंतर्राष्ट्रीय टूर्नामेंटों में विदेशी खेल टीमों की भागीदारी
8. अर्जुन पुरस्कारों सहित राष्ट्रीय खेल पुरस्कार
9. खेल छात्रवृत्तियां
10. विदेशों के साथ खिलाड़ियों, विशेषज्ञों तथा टीमों का आदान–प्रदान
11. खेल अवसंरचना के सृजन व विकास के लिए सहायता सहित खेल अवसंरचना
12. कोचिंग, टूर्नामेंटों, उपकरण इत्यादि के लिए वित्तीय सहायता
13. संघ राज्य क्षेत्रों से जुड़े खेल मामले
14. शारीरिक शिक्षा

अधीनस्थ कार्यालय/स्वायत्तशासी संगठन

युवा कार्यक्रम विभाग

इस विभाग का एक अधीनस्थ कार्यालय अर्थात राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) और दो स्वायत्त ाासी संगठन अर्थात नेहरू युवा केन्द्र संगठन (एनवाईकेएस), नई दिल्ली और राजीव गांधी राष्ट्रीय युवा विकास संस्थान

(आरजीएनआईवाईडी) श्रीपेरम्बदूर, तमिलनाडु हैं, (जिन्हें 2012 में संसद के अधिनियम द्वारा राष्ट्रीय महत्व के संस्थान के रूप में अधिसूचित किया गया है)।

खेल विभाग

खेल विभाग के प्रशासनिक नियंत्रणाधीन निम्नलिखित स्वायत्त संगठन कार्यरत हैं:—

(i) भारतीय खेल प्राधिकरण (एसएआई),

(ii) लक्ष्मीबाई राष्ट्रीय शारीरिक शिक्षा संस्थान (एलएनआईपीई), ग्वालियर, मध्य प्रदेश

(iii) राष्ट्रीय डोप रोधी एजेंसी (नाडा)।

(iv) राष्ट्रीय डोप परीक्षण प्रयागेशाला (एनडीटीएल)।

अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति तथा अन्य पिछड़ा वर्ग का प्रतिनिधित्व

मंत्रालय में अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति तथा अन्य पिछड़ा वर्ग से संबंधित 55 कार्मिक हैं। समूह ''क'' के पदों में 4 अधिकारी अनुसूचित जाति तथा 5 अधिकारी अन्य पिछड़ा वर्ग के हैं। समूह ''ख'' के पदों में 8 अधिकारी अनुसूचित जाति श्रेणी, से 03 अधिकारी अनुसूचित जनजाति श्रेणी से और 10 अधिकारी अन्य पिछड़ा वर्ग श्रेणी से हैं। समूह ''ग'' के पदों में 7 कार्मिक अनुसूचित जाति श्रेणी से और 2 कार्मिक अनुसूचित जनजाति श्रेणी और 16 कार्मिक अन्य पिछड़ा वर्ग श्रेणी से हैं।

बजट आबंटन

2020–21 के लिए मंत्रालय का कुल बजट आबंटन (बीई) 2826.92 करोड़ रूपए था और 2020–21 के लिए संशोधित बजट आबंटन (आरई) 1800.15 करोड़ रूपए है। वर्ष 2021.22 के लिए बजट आकलन (बीई) 2596.14 करोड़ है जिसमें राजस्व के लिए 2549.41 करोड़ रू. और पूंजीगत के लिए 46.73 करोड़ रूपए शामिल हैं। ब्यौरा अनुबंध– 2 में दिया गया है।

हिंदी का प्रगामी प्रयोग

युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय में रोजमर्रा के सरकारी कामकाज में राजभाषा हिंदी के प्रगामी प्रयोग को बढावा देने तथा संघ की राजभाषा नीति और इसके तहत बनाए गए राजभाषा नियमों का कार्यान्वयन करने के लिए और संघ की राजभाषा नीति और इसमें निर्मित नियमावली के कार्यान्वयन के लिए हिंदी अनुभाग में उप–निदेशक (रा.भा.) का एक पद, सहायक निदेशक (रा.भा.) का एक पद, वरिष्ठ अनुवाद अधिकारी के दो पद, कनिष्ठ अनुवाद अधिकारी के दो पद और अन्य सहायक कर्मचारियों के पद स्वीकृत किए गए हैं। मंत्रालय में संयुक्त सचिव (युवा कार्यक्रम) की अध्यक्षता में एक राजभाषा कार्यान्वयन समिति का गठन किया गया है जिसकी नियमित बैठकें आयोजित की जाती हैं।

इस वर्ष तिमाही प्रगति रिपोर्ट पर कार्यशाला का आयोजन 17.03.2020 को किया गया जिसमें 21 अधिकारियों/कर्मचारियों ने भाग लिया। 14–27 सितंबरए 2020 तक हिंदी पखवाड़ा का वर्चुअल आयोजन किया गया। इस अवधि के दौरान 7 हिंदी प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया और 42 अधिकारियों/कर्मचारियों को पुरस्कार दिए गए। इसके अतिरिक्त, मंत्रालय के अधिकारियों और कर्मचारियों में हिंदी के प्रयोग को बढ़ावा देने की दृष्टि से वर्ष दर वर्ष आधार पर दो योजनाएं लागू की जा रही हैं अर्थात अधिकारियों द्वारा हिंदी में डिक्टेशन देने के लिए प्रोत्साहन योजना तथा सरकारी काम–काज में मूल हिन्दी टिप्पण/आलेखन हेतु प्रोत्साहन योजना। 5 वर्श के दौरान अधिकारियों/कर्मचारियों को मूल

हिन्दी टिप्पण/आलेखन हेतु प्रोत्साहन योजना के तहत पुरस्कार दिए गए। माननीय युवा कार्यक्रम और खेल राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) की ओर से हिंदी में अधिकाधिक कार्य करने के लिए अधिकारियों एवं कर्मचारियों हेतु हिंदी संदेश परिचालित किया गया ।

वर्ष के दौरान संसदीय राजभाषा समिति की पहली उप समिति द्वारा मंत्रालय के एक संबद्ध और अधीनस्थ कार्यालयों का राजभाषायी निरीक्षण किया गया।

मंत्रालय की वेबसाइट हिंदी और अंग्रेजी अर्थात् द्विभाषी रूप में उपलब्ध है जिसे नियमित रूप से अद्यतन किया जाता है ।

सतर्कता प्रकोष्ठ

मंत्रालय में अवधि (अप्रैल, 2020 से दिसम्बर, 2020) के दौरान सीवीओ तथा सचिव (युवा कार्यक्रम) तथा सचिव (खेल) के अधीन एक सतर्कता प्रकोष्ठ तंत्र कार्य कर रहा है ।

मंत्रालय का मुख्य सतर्कता अधिकारी मंत्रालय के प्रशासनिक नियंत्रण में अधीनस्थ तथा स्वायतशासी संगठनों (भारतीय खेल प्राधिकरण तथा नेहरू युवा केंद्र संगठन को छोड़कर) के लिए नोडल अधिकारी के रूप में भी कार्य करता है और इन संगठनों से संबंधित सतर्कता के मामले सीवीओ, युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय की सिफारिश के साथ सीवीसी को भेजे जाते हैं। सीवीओ इन सभी मामलों में सीवीसी को संबद्ध संगठन के परामर्श से आव यक स्पष्टीकरण प्रदान करता है। मंत्रालय के तहत संबद्ध संगठनों के पुराने सतर्कता मामलों की समीक्षा हेतु सीवीसी द्वारा आयोजित बैठकों में मंत्रालय के सीवीओ द्वारा भाग लिया जाता है तथा सीवीसी के निर्देशानुसार मामलों को शीघ्रता से निपटाया जाता है। इस अवधि के दौरान 17 अन्य मामलों को संसाधित/बंद किया गया और सीडब्लयूजी से संबंधित कुछ मामलों में सीवीसी को अंतिम रिपोर्ट प्रस्तुत की गयी है। इस अवधि के दौरान सतर्कता प्रकोष्ठ में केन्द्रीय सतर्कता आयोग से 8 तथा अन्य स्रोतों से 10 शिकायतें प्राप्त हुईं और इन सभी मामलों में निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार समुचित कार्रवाई की गयी है और समुचित कार्रवाई के लिए अनुवर्ती कार्रवाई की गयी।

सार्वजनिक खरीद में पारदर्शिता, जवाबदेही पर जोर देने के लिए, आयोग जागरूकता बढ़ाने के प्रति कटिबद्व है। निवारक सर्तकता के उपाय के रूप में, राश्ट्रीय डोप रोधी एजेंसी का एक निवारक सतर्कता निरीक्षण किया गया। केन्द्रीय सतर्कता आयोग यह भी उम्मीद करता है कि सतर्कता प्रयासों में सार्वजनिक संगठनों द्वारा सकारात्मक योगदान प्रदान किया जाए।

मंत्रालय में 27 अक्तूबर, 2020 से 2 नवंबर, 2020 तक सतर्कता जागरूकता सप्ताह मनाया गया। मंत्रालय के सभी अधिकारियों और कर्मचारियों द्वारा शपथ ली गयी। सप्ताह के दौरान सर्तकता जागरूकता के संबंध में बैनर और पोस्टर प्रदर्शित किए गए।

मंत्रालय में सतर्कता जागरूकता सप्ताह के दौरान विभिन्न प्रतियोगिताए आयोजित की गई। ये प्रतियोगिताएं निम्नलिखित थीः

(i) युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय के अधिकारियों द्वारा वास्तविक और वर्चुअल दोनों रूप में अखंडता की शपथ से शुरूआत की गई। इस मंत्रालय के सचिव (युवा कार्यक्रम) सीवीओ और अधिकारियों द्वारा प्रतिज्ञा लेने वाले वीडियो को मंत्रालय के सोशल मीडिया प्लेटफार्मों पर पोस्ट किया गया था।

(ii) माननीय राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) वाईएएस का लिखित संदेश भी इस मंत्रालय और केंद्रीय सतर्कता आयोग की वेबसाइट पर प्रकाशित किया गया ।

(iii) निवारक सतर्कता के उपाय के रूप में इस मंत्रालय के कर्मचारियों के लिए क्या करें और क्या न करें की एक सूची प्रसारित की गई ।

(iv) जागरूकता पैदा करने के लिए सोशल मीडिया प्लेटफार्मों पर पिछले साल की सर्वश्रेष्ठ स्लोगन प्रतियोगिता के आधार पर क्रिएटिव को प्रसारित किया गया ।

(v) उपरोक्त के अलावा, निम्नलिखित चार प्रतियोगिताओं को सतर्कता जागरूकता सप्ताह–2020 के दौरान आयोजित किया गया :–

(क) ''सतर्क भारत, समृद्ध भारत'' विषय पर निबंध लेखन प्रतियोगिता

(ख) ''एक लोकतंत्र में कौन अधिक सतर्क होना चाहिए– राष्ट्र अथवा नागरिक'' विषय पर वाद–विवाद प्रतियोगिता

(ग) ऑनलाइन क्विज प्रतियोगिता

(घ) सर्वश्रेष्ठ स्लोगन प्रतियोगिता।

सभी में, 122 प्रतिभागियों ने सतर्कता जागरूकता सप्ताह, 2020 की प्रतियोगिताओं के दौरान भाग लिया, प्रतियोगिताओं के विजेताओं को 33 पुरस्कार वितरित किए गए।

महिला कर्मचारियों के यौन उत्पीड़न संबंधी शिकायत समिति

विशाखा एवं अन्य बनाम राजस्थान राज्य तथा अन्य के मामले में माननीय उच्चतम न्यायालय के निर्णय में दिए गए निर्देशों के अनुसरण में मंत्रालय में महिला कर्मचारियों के यौन उत्पीड़न की शिकायतों के निवारण के लिए युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय में एक शिकायत समिति गठित की गई है। मंत्रालय के मुख्य सचिवालय के संबंध में समिति को वर्ष 2020–21 के दौरान कोई शिकायत प्राप्त नहीं हुई है।

सूचना का अधिकार और जन शिकायत प्रकोष्ठ

सूचना का अधिकार अधिनियम, 2005 के अंतर्गत सभी आवेदनों को इस मंत्रालय के सूचना का अधिकार प्रकोष्ठ में केन्द्रीय रूप से प्राप्त किया जाता है जिसके प्रभारी एक अनुभाग अधिकारी हैं और इसका समन्वय अवर सचिव द्वारा किया जाता है। आवेदन, निर्धारित समय के भीतर याचिकाकर्ता को उचित उत्तर भेजने के लिए संबंधित सीपीआईओ को अग्रेषित किए जाते हैं। चालू वित्त वर्ष के दौरान मंत्रालय द्वारा 1121 आरटीआई आवेदन प्राप्त हुए और निपटाए गए। इसी प्रकार मंत्रालय में 161 अपीलें प्राप्त हुई और तदनुसार निपटाई गई। सूचना का अधिकार अधिनियम, 2005 की धारा 5(1) में विहित प्रावधानों के अनुसरण में, मंत्रालय ने उक्त अधिनियम के अंतर्गत निदेशक/उप सचिव और अवर सचिव के स्तर पर विशय–वार जन सूचना अधिकारियों तथा निदेशक/संयुक्त सचिव के स्तर पर अपीलीय प्राधिकारियों को नियुक्त किया गया है। ब्यौरों को मंत्रालय की आधिकारिक वेबसाइट पर भी डाला गया है। इसी प्रकार, सभी जन शिकायतें केन्द्रीय रूप से जन शिकायत प्रकोष्ठ में प्राप्त की जाती हैं। श्रीमती देबंजना रे, उप सचिव (आरटीआई/पीजी) को मंत्रालय में जन शिकायत अधिकारी के रूप में नामित किया गया है।

लंबित लेखा परीक्षा पैरा

भारत के नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक के बकाया लेखापरीक्षा पैरा/टिप्पणियों का विवरण अनुबंध–3 में दिया गया है।

*****

सत्यमेव जयते

युवा कार्यक्रम विभाग

अध्याय – 1

प्रस्तावना

भारत में दुनिया की सबसे बड़ी युवा आबादी है। यह जनसांख्यिकीय लाभांश, कार्य भागीदारी और निर्भरता अनुपात पर इसके प्रभाव के मद्देनजर, हमारे देश के विकास और विकास के संदर्भ में अवसर की राह कहा जाता है, एक अवसर जिसे राह बंद होने से पहले उसका उपयोग करने की आवश्यकता होगी। यह समावेशी विकास के संदर्भ में अपनी चुनौतियों का सामना करना है और विभाजन को पाटने की आवश्यकता है। इसके लिए अपेक्षा है कि क्षेत्रीय आव यकताओं से उपर उठ कर युवाओं को बहुआयामी तरीके से संबोधित करना होगा और इसके लिए विभिन्न प्रकार के उपायों और कार्यक्रमों की आवश्यकता होगी।

युवाओं की रचनात्मक और रचनात्मक ऊर्जाओं को बेहतर ढंग से टैप करने के लिए, युवा कार्यक्रम विभाग व्यक्तित्व के दोहरे उद्देश्यों – भवन और राष्ट्र–निर्माण, अर्थात् युवाओं के व्यक्तित्व को विकसित करने और उन्हें विभिन्न राष्ट्र–निर्माण गतिविधियों में शामिल करता है। विभाग ने ''किशोरों'' को युवाओं के एक महत्वपूर्ण खंड के रूप में भी मान्यता दी है। युवाओं से संबंधित अधिकांश मुद्दे अन्य मंत्रालयों/विभागों के कार्य हैं, जैसे शिक्षा, रोजगार और प्रशिक्षण, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण इसके अतिरिक्त, राज्य सरकारें और कई अन्य प्रतिभागी भी युवा विकास में सहायता देने और उपयोगी युवा भागीदारी सुकर बनाने में कार्यरत हैं। युवा कार्यक्रम विभाग की भूमिका एक सुविधा और उत्प्रेरक एजेंट के रूप में कार्य करना है।

*****

अध्याय – 2

राष्ट्रीय युवा नीति, 2014

राष्ट्रीय युवा नीति, 2014 (एनवाईपी–2014) भारत के युवाओं के समग्र विकास के लिए पूरे राष्ट्र की वचनबद्धता को दोहराती है ताकि वे अपनी क्षमता का पूरा लाभ उठा सके और राष्ट्र निर्माण की प्रक्रिया में उत्पादक रूप से योगदान दे सकें।

राष्ट्रीय युवा नीति, 2014 (एनवाईपी–2014) पूर्ववर्ती राष्ट्रीय युवा नीति, 2003 को प्रतिस्थापित करते हुए फरवरी, 2014 में आरंभ की गई थी। राष्ट्रीय युवा नीति, 2014 को सभी हितधारकों के साथ गहन परामर्शों के पश्चात अंतिम रूप दिया गया है। यह नीति "युवा" को 15–29 वर्ष के आयु समूह में व्यक्तियों के रूप में परिभाषित करती है।

परिकल्पना, उद्देश्य और प्राथमिकता के क्षेत्र

एनवाईपी–2014 भारत के युवाओं के लिए एक समग्र "दृष्टिकोण" का प्रस्ताव करती है जो "देश के युवाओं को अपनी पूर्ण क्षमता प्राप्त करने हेतु सशक्त बनाना तथा उनके माध्यम से भारत को राष्ट्रों के समुदाय में अपना सही स्थान पाने के लिए समर्थ बनाना है।"

इस परिकल्पना को पूरा करने के लिए एनवाईपी–2014 स्पष्ट रूप से परिभाषित 5 'उद्देश्यों' व प्रत्येक उद्देश्य के अंतर्गत 'प्राथमिकता क्षेत्र' की पहचान करता है। एनवाईपी–2014 के अंतर्गत अभिज्ञात उद्देश्य और प्राथमिकता क्षेत्र निम्नानुसार है:

उद्देश्य	प्राथमिकता क्षेत्र
1. ऐसा उपयोगी कार्यबल तैयार करना जो भारत के आर्थिक विकास में सतत रूप से योगदान दे सकता है	1. शिक्षा 2. रोजगार और कौशल विकास 3. उद्यमशीलता
2. भविष्य की चुनौतियों का सामना करने के लिए सुसज्जित एक मजबूत और स्वस्थ पीढ़ी तैयार करना	4. स्वास्थ्य एवं स्वस्थ जीवन शैली 5. खेल
3. राष्ट्रीय स्वामित्व का निर्माण करने के लिए सामाजिक मूल्यों को समाविष्ट करना तथा समुदाय सेवा का संवर्धन करना	6. सामाजिक मूल्यों का संवर्धन 7. समुदाय भागीदारी
4. अभिशासन के स्तरों पर भागीदारी तथा नागरिक सहयोग को सुकर बनाना	8. राजनीति और अभिशासन में भागीदारी 9. युवा भागीदारी
5. जोखिम में युवाओं की सहायता करना तथा सभी लाभ वंचित और उपेक्षित युवाओं के लिए समान अवसर पैदा करना	10. समावेशन 11. सामाजिक न्याय

एनवाईपी–2014 के अंतर्गत सिफारिश किए गए नीतिगत उपाय

एनवाईपी–2014 सभी 11 अभिज्ञात प्राथमिकता क्षेत्रों के तहत नीतिगत उपायों की सिफारिश करता है। यह वर्तमान स्थिति के सावधानीपूर्वक विश्लेषण और भविष्य की आवश्यकताओं पर आधारित है। संक्षिप्त रूप में इन्हें नीचे दिया गया है:

क्र.सं.	प्राथमिकता क्षेत्र	सुझाए गए उपाय
1.	शिक्षा	♦ तंत्र की क्षमता और गुणवत्ता का निर्माण ♦ कौशल विकास और जीवन पर्यन्त अधिगम का संवर्धन
2.	रोजगार और कौशल विकास	♦ लक्षित युवा आउटरीच और जागरूकता ♦ तंत्र और हितधारियों के बीच संपर्क बनाना ♦ अन्य भागीदारों की तुलना में सरकार की भूमिका परिभाषित करना
3.	उद्यमशीलता	♦ लक्षित युवा आउटरीच कार्यक्रम ♦ क्षमता निर्माण के लिए प्रभावी कार्यक्रमों में वृद्धि करना ♦ युवा उद्यमशीलता के लिए कार्यक्रम तैयार करना ♦ वृहत मॉनीटरिंग तथा मूल्यांकन प्रणाली क्रियान्वित करना
4.	स्वास्थ्य एवं स्वस्थ जीवन शैली	♦ सेवा प्रदायगी में सुधार करना ♦ स्वास्थ्य, पोषण और उपचारात्मक देखभाल के प्रति जागरूकता ♦ युवाओं के लिए लक्षित रोग नियंत्रक कार्यक्रम
5.	खेल	♦ खेल सुविधाओं और प्रशिक्षण तक अधिक पहुंच ♦ युवाओं में खेल संस्कृति का संवर्धन ♦ प्रतिभाशाली खिलाड़ियों के लिए सहायता और विकास
6.	सामाजिक मूल्यों का संवर्धन	♦ मूल्य शिक्षा प्रणाली को औपचारिक बनाना ♦ युवाओं के लिए भागीदारी कार्यक्रमों को सुदृढ़ बनाना ♦ मूल्यों और सद्भावना के प्रसार के लिए कार्यरत गैर–सरकारी संगठनों और लाभकारी संगठनों को सहायता प्रदान करना
7.	समुदाय भागीदारी	♦ मौजूदा समुदाय विकास संगठनों को सुदृढ़ करना ♦ सामाजिक उद्यमशीलता का संवर्धन करना
8.	राजनीति और अभिशासन में भागीदारी	♦ राजनीतिक तंत्र से बाहर युवाओं की भागीदारी ♦ ऐसा अभिशासन तंत्र तैयार करना जिसका युवा सदुपयोग कर सके शहरी अभिशासन में युवा भागीदारी का संवर्धन करना

9.	युवा भागीदारी	♦ युवा विकास योजनाओं की प्रभाविता के उपाय और निगरानी ♦ युवाओं के साथ भागीदारी के लिए मंच तैयार करना
10.	समावेशन	♦ लाभ वंचित युवाओं के लिए भागीदारी और क्षमता निर्माण ♦ संघर्ष प्रभावित क्षेत्रों में युवाओं के लिए आर्थिक अवसर सुनिश्चित करना ♦ दिव्यांग युवाओं को सहायता के लिए एक बहुआयामी दृष्टिकोण प्रदान करना ♦ युवाओं को जोखिम से बचाने के लिए जागरूकता एवं अवसर प्रदान करना
11.	सामाजिक न्याय	♦ सामाजिक कुरीतियों को दूर करने के लिए युवाओं को समर्थ बनाना ♦ सभी स्तरों पर न्याय तक पहुंच को सुदृढ़ करना

****

अध्याय – 3

योजनाओं का पुनर्गठन

पुनर्गठन से पहले योजनाओं की स्थिति

2015–16 तक, विभाग 10 योजनाओं का कार्यान्वयन कर रहा था, नामतः

(क) नेहरू युवा केन्द्र संगठन (एनवाईकेएस)

(ख) राष्ट्रीय युवा कोर (एनवाईसी)

(ग) राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस)

(घ) राजीव गांधी राष्ट्रीय युवा विकास संस्थान (आरजीएनआईवाईडी)

(ड.) राष्ट्रीय युवा एवं किशोर विकास कार्यक्रम (एनपीवाईएडी)

(च) अंतरराष्ट्रीय सहयोग

(छ) युवा छात्रावास (वाईएच)

(ज) स्काउटिंग एवं गाइडिंग संगठनों को सहायता

(झ) राष्ट्रीय अनुशासन योजना (एनडीएस)

(ञ) राष्ट्रीय युवा नेता कार्यक्रम (एनवाईएलपी)

उपरोक्त योजनाओं में से, राष्ट्रीय अनुशासन योजना (एनडीएस) एक योजनेतर स्कीम थी और बाकी 9 स्कीमें योजनागत स्कीम थी। राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) 2015–16 तक केन्द्र द्वारा प्रायोजित योजना थी परंतु इसे 01.04.2016 से केन्द्रीय क्षेत्र की योजना बना दिया गया है। बाकी सभी योजनाएं केन्द्रीय क्षेत्र की योजनाएं है। राजीव गांधी राष्ट्रीय युवा विकास संस्थान (आरजीएनआईवाईडी) आरजीएनआईवाईडी अधिनियम, 2012 (संसद का अधिनियम) द्वारा एक सांविधिक निकाय है। इन योजनाओं में से कुछ योजनाएं काफी छोटी योजनाएं हैं जिनमें परिव्यय 10 करोड़ रूपए से कम है।

01.04.2016 से योजनाओं का पुनर्गठन

मानव संसाधन विकास संबंधी विभागीय संसदीय स्थायी समिति विभाग की योजनाओं के आमेलन/समेकन पर जोर देती रही है ताकि उनकी प्रभाविता में वृद्धि की जा सके। वित्त मंत्रालय, भारत सरकार ने भी विभाग को बेहतर तालमेल और संसाधनों के अधिक प्रभावी उपयोग के लिए योजनाओं को कुछ सुसंगत योजनाओं में पुनर्गठित करने की सलाह दी थी। तदनुसार, समुचित विचार करने के पश्चात युवा कार्यक्रम विभाग ने विभाग द्वारा कार्यान्वित सभी योजनाओं को 01.04.2016 से निम्नानुसर 3 योजनाओं में पुनर्गठित/समेकित कर दिया हैः

क्रम.सं.	योजनाओं का नाम (पुनर्गठन से पहले)	योजनाओं का नाम (पुनर्गठन से बाद)
1.	नेहरू युवा केन्द्र संगठन (एनवाईकेएस)	**'राष्ट्रीय युवा सशक्तीकरण कार्यक्रम (आरवाईएसके)''** नामक एक नई 'अम्ब्रेला' योजना में आमेलित
2.	राष्ट्रीय युवा कोर (एनवाईसी)	
3.	राष्ट्रीय युवा एवं किशोर विकास कार्यक्रम (एनपीवाईएडी)	
4.	अंतरराष्ट्रीय सहयोग	
5.	युवा छात्रावास (वाईएच)	

6.	स्काउटिंग एवं गाइडिंग संगठनों को सहायता	
7.	राष्ट्रीय अनुशासन योजना (एनडीएस)	
8.	राष्ट्रीय युवा एवं किशोर विकास कार्यक्रम (एनपीवाईएडी)	
9.	राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस)	राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस)
10.	राजीव गांधी राष्ट्रीय युवा विकास संस्थान (आरजीएनआईवाईडी)	राजीव गांधी राष्ट्रीय युवा विकास संस्थान (आरजीएनआईवाईडी)

इस प्रकार, यह उल्लेखनीय है कि राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) और राजीव गांधी राष्ट्रीय युवा विकास संस्थान (आरजीएनआईवाईडी)को उनके संचालनात्मक ढांचे की विशिष्ट प्रकृति के कारण अलग योजनाओं के रूप में रखा गया है, बाकी सभी योजनाओं को ''राष्ट्रीय युवा स क्तिकरण कार्यक्रम (आरवाईएसके)'' नामक एकछत्र योजना में आमेलित कर दिया गया है, जो अब युवाओं के सशक्तिकरण के लिए विभाग के प्रमुख कार्यक्रम के रूप में कार्य करेगी ताकि युवाओं को राष्ट्र निर्माण की प्रक्रिया में योगदान हेतु उनकी क्षमताओं के दोहन में समर्थ बनाया जा सके। कई योजनाओं को एकल योजना में आमेलित करने से अन्य बातों के साथ-साथ निम्नलिखित लाभ होंगे:

(क) पूर्व में केवल एनवाईकेएस और एनवाईसी (जिन्हें प्रशासनिक रूप से पहले ही समेकित कर दिया गया था) की फील्ड स्तर पर प्रशासनिक उपस्थिति थी। अन्य कार्यक्रमों की जमीनी उपस्थिति नहीं थी। अतः उनका अकेले कार्यक्रम के रूप में कार्यान्वयन करने से उनके प्रभावी कार्यान्वयन और पर्यवेक्षण में समस्या उत्पन्न हुई। कार्यक्रमों को नई अम्ब्रेला योजना में आमेलित करने से विभाग को अन्य कार्यक्रमों के प्रभावी कार्यान्वयन के लिए एनवाईकेएस/ एनवाईसी के प्रशासनिक ढ़ांचे का प्रयोग करने में समर्थ बनाता है।

(ख) एनपीवाईएडी के तहत युवा विकास कार्यक्रमों के लिए एनजीओ को सहायता दी जाती है। इस कार्यक्रम का एनवाईकेएस/एनवाईसी के साथ समेकन करने से विभाग को एनजीओ को दी गयी सहायता में की गयी कार्यकलापों की प्रभावी निगरानी हेतु एनवाईकेएस ढांचा तैयार करने में समर्थ बनाती है। इसके अलावा यह सुनिश्चित करना भी संभव होगा कि एनवाईकेएस ढांचा (एनवाईकेस कार्यालय/राष्ट्रीय युवा स्वयंसेवक तथा युवा क्लब) और एनजीओ एक दूसरे के घनिष्ट सहयोग में कार्य करें जो कार्यक्रम के कार्यान्वयन की प्रभाविता में सुधार करेगा। विभाग द्वारा सहायित स्काउटिंग और गाइडिंग संगठनों के कार्यकलापों की नजदीक से निगरानी करना भी संभव हो सकेगा।

(ग) विभाग में 84 संचालनरत युवा छात्रावास हैं जिनका गठन देश में युवा यात्रा का संवर्धन करने के उद्देश्य से किया गया है। युवा छात्रावासों का प्रबंधन सीधे विभाग से किया जाता है। इसके परिणामस्वरूप निकट पर्यवेक्षण संभव नहीं हो पाया है। छात्रावासों की क्षमता का पूरी तरह से प्रयोग नहीं किया जा रहा है। एनवाईकेएस के साथ युवा छात्रावास कार्यक्रम का समेकन जमीनी स्तर पर एनवाईकेएस कार्यकर्ताओं के जरिए युवा छात्रावासों के प्रभावी प्रबंधन में सहायक होगा।

(घ) 'अंतरराष्ट्रीय सहयोग' में विभिन्न देशों के साथ युवा आदान-प्रदान कार्यक्रम शामिल है। विभिन्न देशों के युवा प्रतिनिधिमंडलों ने भारत का दौरा किया और उन्हें दर्शनीय स्थान दिखाने के लिए

और भारतीय युवाओं के साथ सम्पर्क का प्रबंधन करने के लिए विभिन्न शहरों में ले जाया जाता था। इन कार्यक्रमों को एनवाईकेएस के साथ समेकन जमीनी स्तर पर अधिक प्रभावी तरीके से इन कार्यक्रमों का आयोजन करने में सहायक होगा।

(ङ.) राष्ट्रीय युवा नेता कार्यक्रम (एनवाईएलपी) जिसमें पड़ोस में युवा संसद, श्रमदान और राष्ट्रीय युवा विकास निधि की सहायता से युवा विकास सहित महत्वपूर्ण घटक हैं, भी एनवाईकेएस के पूर्ण समेकन से लाभांवित होंगे, चूंकि एनवाईकेएस का प्रशासनिक ढांचा तब इस कार्यक्रम के प्रभावी कार्यान्वयन के लिए पूरी तरह से प्रयोग किया जा सकेगा।

(च) चूंकि पूर्ण प्रशासनिक/कार्यान्वयन ढ़ांचा विभाग को इस प्रमुख योजना के एक भाग के रूप में उपलब्ध होगा, भविष्य में युवा विकास/सशक्तीकरण के लिए आवश्यक माने जाने वाला कोई नया कदम अकेले नई छोटी योजना आरंभ करने के बजाय इस अम्ब्रेला योजना के भाग के रूप में किया जा सकता है।

'राष्ट्रीय युवा सशक्तिकरण कार्यक्रम (आरवाईएसके)' और अन्य योजनाओं; एनएसएस और (आरजीएनआईवाईडी) के विभिन्न घटकों के कार्यान्वयन के ब्यौरे आगे अध्यायों में दिए गए हैं।

*****

अध्याय – 4

नेहरू युवा केंद्र संगठन

प्रस्तावना

1972 में आरंभ किया गया नेहरु युवा केंद्र संगठन (एनवाईकेएस) विश्व में सबसे बड़े युवा संगठनों में से एक है। एनवाईकेएस 623 जिलों में नेहरू युवा केंद्रों के माध्यम से कार्य कर रहा है। इसका उद्देश्य *युवाओं के व्यक्तित्व का विकास करना तथा उन्हें राष्ट्र निर्माण के कार्यकलापों में शामिल करना है।*

एनवाईकेएस के कार्यकलापों के कार्यक्षेत्र में शिक्षा, स्वास्थ्य और स्वच्छता, पर्यावरण, सामाजिक मुद्दों पर जागरूकता, महिला सशक्तिकरण, नागरिक शिक्षा, आपदा राहत एवं पुनर्वास आदि शामिल हैं। नेहरु युवा केंद्रों से जुड़े युवा न केवल सामाजिक रूप से जागरूक और प्रेरित हैं बल्कि स्वयंसेवी प्रयासो के माध्यम से सामाजिक विकास के कार्यों के प्रति भी समर्पित हैं।

उद्देश्य

एनवाईकेएस का मुख्य उद्देश्य देश के ग्रामीण युवाओं को जुटाना, प्रेरित करना, संगठित करना और गाँव आधारित यूथ क्लबों के रूप में लोकतांत्रिक संस्थागत तंत्र विकसित करने की उनकी क्षमताओं को बढ़ाना है। यह उन्हें उत्पादक और जिम्मेदार नागरिक बनने के लिए आगे विकसित करने और सशक्त बनाने के लिए है, स्थानीय नेतृत्व को सामुदायिक विकास और राष्ट्र निर्माण गतिविधियों में समता, धर्मनिरपेक्षता और स्वैच्छिकवाद की भावना के साथ सक्रिय भागीदारों के रूप में कार्य करने के लिए मानते हैं।

एनवाईकेएस के कार्यक्रम/कार्यकलाप

नेहरू युवा केन्द्र संगठन द्वारा निश्पादित किये जाने वाले कार्यक्रमों/ कार्यकलापों को मोटे तौर पर निम्न श्रेणियों में वर्गीकृत किया जा सकता है, नामतः

क) एनवाईकेएस द्वारा अपने बजटीय संसाधनों (युवा कार्यक्रम विभाग द्वारा जारी ब्लॉक अनुदान) से कार्यान्वित मुख्य कार्यक्रम।

ख) युवा कार्यक्रम विभाग की स्कीम अर्थात एनपीवाईएडी (राष्ट्रीय युवा और किशोर विकास कार्यक्रम) और एनवाईएलपी (राष्ट्रीय युवा नेता कार्यक्रम)

ग) युवा विकास और सशक्तीकरण के लिए अन्य मंत्रालयों/संगठनों के सहयोग/ वित्त–पोषण से आयोजित परियोजनाएं।

घ) विभिन्न विकास विभागों/एजेंसियों के साथ स्वैच्छिक आधार पर समन्वय/कार्यकलाप।

कार्यक्रम, जिला एनवाईकेएस से संबद्ध युवा क्लबों (वर्तमान में देश भर में 35.06 लाख युवाओं की सदस्यता के साथ 1.79 लाख यूथ क्लब हैं), राष्ट्रीय युवा स्वयंसेवक और विभिन्न विकास विभाग, एजेंसियों, जिला और राज्य स्तर पर चुने गए स्थानीय निकाय और अन्य हितधारकों की सहभागिता और सक्रिय भागीदारी के साथ जिला और राज्य स्तर पर कार्यान्वित किए जाते हैं।

क) एनवाईकेएस के मुख्य कार्यक्रम

12 मुख्य कार्यक्रम हैं जो हर साल वार्षिक कार्य योजना के रूप में विकसित किए जाते हैं और एनवाईकेएस के बोर्ड ऑफ गवर्नर्स की मंजूरी के बाद इन्हे अंतिम रूप दिया जाता है। वे युवा कार्यक्रम विभाग के

ब्लॉक अनुदान के माध्यम से वित्त पोषित हैं और सभी 623 जिलों में समान हैं, जहां एनवाईकेएस की भारत में उपस्थिति है। हालाँकि, किसी जिले में मुख्य कार्यक्रमों की संख्या उसके आकार पर निर्भर करती है अर्थात किसी जिले में ब्लॉक की संख्या।

जनवरी 2020 से दिसंबर 2020 के दौरान कार्यान्वित प्रत्येक मुख्य कार्यक्रम की संक्षिप्त जानकारी नीचे दी गई है।

1. **युवा क्लब विकास अभियान–कार्रवाई योजना का गठनः** इस कार्यक्रम का उद्देश्य युवा क्लबों के मौजूदा नेटवर्क को मजबूत करना, नए युवा क्लबों का गठन करना और नए सदस्यों का पंजीकरण करना है, जिसमें समाज के सभी वर्गों का प्रतिनिधित्व हो। यह ब्लॉक स्तर पर 1 दिवसीय कार्यक्रम है जिसमें एनवाईकेएस युवा क्लब के 80–100 युवा नेता शामिल हैं। कार्यक्रम के दौरान युवा नेता, निष्क्रिय युवा क्लबों की सक्रियता, बिना पहुंच वाले गांवों में नए युवा क्लबों का गठन और समाज के सभी वर्गों के प्रतिनिधित्व के साथ युवा क्लबों के मौजूदा नेटवर्क को मजबूत करने पर प्रशिक्षित किए जाते हैं। ये युवा नेता युवा क्लब अभियान को मजबूत करने के लिए गांवों में ग्राम पंचायत प्रधानों और सदस्यों और अन्य महत्वपूर्ण नेताओं के साथ मिलने और बातचीत करने के लिए प्रेरित किए जाते हैं। प्रत्येक कार्यक्रम के आयोजन के लिए 15,000/– रू. का आवंटन किया गया है। रिपोर्ट की अवधि के दौरान, 3,168 ऐसे कार्यक्रम आयोजित किए गए हैं जिनमें 2,08,349 युवा नेताओं ने भाग लिया।

2. **युवा नेतृत्व और सामुदायिक विकास पर प्रशिक्षण (टीवाईएलसीडी):** कार्यक्रम का उद्देश्य युवा लोगों की क्षमता को बढ़ाने के लिए नेतृत्व का दायित्व लेना ताकि दूसरों को एक सार्थक जीवन जीने और राष्ट्र–निर्माण में योगदान करने, मजबूत चरित्र, आत्म–अनुशासन, निश्ठा, सकारात्मक दृष्टिकोण, राष्ट्र के प्रति प्रतिबद्धता और राष्ट्र निर्माण के लिए संदेशों को फैलाने की स क्त इच्छा पैदा करने में सहायता करना है। यह एक 3–दिवसीय कार्यक्रम है, जिसमें 20 यूथ क्लबों के क्लस्टर से 40 प्रतिभागी शामिल हैं। प्रत्येक कार्यक्रम के आयोजन के लिए 64,000/–रू. आवंटित किए गए हैं। रिपोर्ट की अवधि के दौरान, 627 ऐसे कार्यक्रम आयोजित किए गए हैं जिनमें 27,907 युवा नेताओं ने भाग लिया।

3. **खेलों को बढ़ावा देना (युवा क्लबों को खेल सामग्री):** कार्यक्रम का उद्देश्य ग्रामीण युवाओं के बीच खेल संस्कृति का विकास करना है। कार्यक्रम के दो घटक हैं, अर्थात (i) युवा क्लबों को खेल सामग्री प्रदान करना) जिसकी लागत प्रति क्लब 4000/– रू. का है और (ii) प्रत्येक जिला स्तर के कार्यक्रम के लिए 30,000 रू. की दर से और प्रत्येक जिला स्तरीय कार्यक्रम के लिए 18,000 रू. की दर से स्पोर्ट्स मीट का आयोजन। रिपोर्ट की अवधि के दौरान, 3,632 एनवाईकेएस यूथ क्लबों को खेल सामग्री प्रदान की गई है।

   रिपोर्ट की अवधि के दौरान, 1504 ऐसे कार्यक्रम आयोजित किए गए हैं जिनमें 2,87,870 युवा नेताओं ने भाग लिया।

4. **मूल व्यवसायों में शिक्षाः** कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं को बुनियादी व्यवसाय में शिक्षित करना और समाज में उनके आत्म सम्मान को बढ़ाना है; अन्य एजेंसियों से कौशल विकास प्रशिक्षण लेने के लिए उनका मार्गदर्शन करने और युवा महिलाओं और पुरुषों को उनके दैनिक जीवन में

सामना करने वाले मुद्दों और चिंताओं का समाधान करने के लिए सशक्त करना है। स्थानीय प्रशिक्षकों के सहयोग से कई प्रकार के बुनियादी व्यावसायिक पाठ्यक्रम संचालित किए जाते हैं। प्रत्येक पाठ्यक्रम में 25 युवाओं (80 प्रतिशत लड़कियों और 20 प्रतिशत लड़कों) का पंजीकरण किया जाता है और प्रतिभागियों की स्थानीय आवश्यकताओं के अनुसार पाठ्यक्रमों को चिन्हित किया जाता है। 3 महीने के पाठ्यक्रम के लिए 21,000/–रू. का बजट प्रावधान रखा गया है। रिपोर्ट के तहत अवधि के दौरान, 734 मूल व्यवसाय शिक्षा केन्द्र चलाए जा रहे हैं जिनमें 32,468 युवा भाग ले रहे हैं।

5. **लोक कला और संस्कृति का संवर्धनः** कार्यक्रम का उद्देश्य ग्रामीण युवाओं को अपनी लोक सांस्कृतिक प्रतिभा को प्रदर्शित करने और उसी के संरक्षण और संवर्धन में सहायता करना है। यह एक दिवसीय कार्यक्रम है जो जिला स्तर पर आयोजित किया जाता है, जिससे न्यूनतम 120 युवाओं को अपनी लोक कला और संस्कृति प्रदर्शित करने का अवसर मिलता है। प्रत्येक जिले के लिए 20,000/–रू. का बजट प्रावधान रखा गया है। रिपोर्टाधीन अवधि के दौरान, 401 ऐसे कार्यक्रम आयोजित किए गए हैं जिनमें 75,604 युवा नेताओं ने भाग लिया।

6. **राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय महत्व दिवस मनानाः** कार्यक्रम का उद्देश्य राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय महत्व के महत्वपूर्ण मुद्दों के बारे में जागरूकता पैदा करना है। प्रत्येक 623 जिला एनवाईके को राष्ट्रीय युवा दिवस सहित न्यूनतम 25 राष्ट्रीय महत्व के दिवस मनाना अपेक्षित है। प्रत्येक कार्यक्रम में कम से कम 100 युवाओं को भाग लेना चाहिए। प्रत्येक जिला एनवाईके को इस उद्देश्य के लिए 80,000/–रू. प्रदान किए जाते हैं। रिपोर्टाधीन अवधि के दौरान, 17,002 ऐसे कार्यक्रम आयोजित किए गए हैं जिनमें 28,39,334 युवा नेताओं ने भाग लिया।

7. **जिला युवा सम्मेलनः** युवा नेताओं को चर्चा करने, खुद को व्यक्त करने, अनुभवों को साझा करने और युवा सशक्तीकरण कार्यक्रमों के लिए सर्वोत्तम प्रक्रियाओं का सुझाव देने और वृहत प्रदर्शन में भाग लेने के लिए युवा नेताओं को अवसर और मंच प्रदान करने के लिए सभी जिला एनवाईके द्वारा वार्शिक रूप से कार्यक्रम आयोजित किया जाता है। यह एक दिवसीय कार्यक्रम है, जिसमें युवा क्लबों से न्यूनतम 100 युवा शामिल होते हैं। प्रत्येक जिले के लिए 30,000/– रु. का बजट प्रावधान का रखा गया है। रिपोर्टाधीन अवधि के दौरान, 183 ऐसे कार्यक्रम आयोजित किए गए हैं जिनमें 45,588 युवा नेताओं ने भाग लिया।

8. **महात्मा गांधी की 150 वीं जयंती पर आयोजित समारोह**

क) **स्वच्छता कार्य योजना** – कार्यक्रम का उद्देश्य स्वच्छता पर ध्यान केंद्रित करना और स्वच्छता का वातावरण बनाना है; लोगों को सफाई और स्वच्छता के बारे में जागरूक करना और युवाओं में श्रमदान (स्वैच्छिक श्रम) की भावना पैदा करना है। गतिविधियों को शुरू करने के लिए प्रति जिले 50,000 रुपये रखे गए है। स्वछता जागरूकता एवं श्रमदान गतिविधियां 60 जिला एनवाईके में की गईं जिनमें 2,33,561 युवाओं ने भाग लिया।

ख) **कार्य शिविर** – का उद्देश्य युवा क्लब के सदस्यों के बीच स्वेच्छाचारिता और सहयोग की भावना को बढ़ावा देना है। जल स्रोतों की स्वच्छता और संरक्षण पर ध्यान केंद्रित किया गया है, ताकि युवाओं में श्रम की गरिमा की भावना पैदा हो सके और जल साक्षरता से संबंधित कई मुद्दों

को समझने का अवसर प्रदान किया जा सके। गतिविधियों को शुरू करने के लिए प्रति जिला 25,000 रू. की राशि निर्धारित की गई है। रिपोर्ट के तहत अवधि के दौरान, 89 कार्य ि ाविर आयोजित किए गए, जिसमें 5,729 युवाओं ने भाग लिया। युवाओं को तालाबों, जलाशयों चेक बांधों को बनाए रखने, और जल संचयन गतिविधियों को करने के लिए प्रेरित किया गया। युवा विभिन्न गाँवों, स्कूलों, कॉलेजों, अस्पतालों, सार्वजनिक मूर्तियों और ओडीएफ गाँवों की सफाई में कार्यरत थे।

9. **उद्देश्य आधारित जागरूकता और शिक्षा अभियानः** कार्यक्रम का उद्देश्य ग्रामीण युवाओं की क्षमताओं को बढ़ाने और उनके जीवन को प्रभावित करने वाले मुद्दों और चिंताओं को दूर करना है। कार्यक्रम 20 गांवों के एक समूह में आयोजित किया जा रहा है। यह एक दिन का जिला स्तरीय कार्यक्रम है जिसमें प्रत्येक कार्यक्रम में 80 युवाओं की भागीदारी है। गतिविधियों के लिए 15,000 रुपये प्रति जिला रखे गए हैं। रिपोर्टाधीन अवधि के दौरान, 1,392 ऐसे कार्यक्रम आयोजित किए गए हैं जिनमें 1,54,136 युवा नेताओं ने भाग लिया।

10. **देशभक्ति और राष्ट्र निर्माण पर राष्ट्रव्यापी भाशण प्रतियोगिताः** इसका उद्देश्य युवाओं में राष्ट्रवाद और देशभक्ति की भावना को मजबूत करना और उनके भविश्य के विकास और सशक्तिकरण के लिए नेतृत्व गुणों और अच्छे संचार कौशल वाले युवाओं की पहचान करना है।

    देशभक्ति और राष्ट्र निर्माण पर 5 वीं राष्ट्रीय स्तर की भाशण प्रतियोगिता नेहरू युवा केंद्र संगठन (एनवाईकेएस), युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय (एमओवाईएएंडएस), भारत सरकार द्वारा 24 और 25 जनवरी, 2020 को नेहरू मेमोरियल संग्रहालय और पुस्तकालय के सभागार, तीन मूर्ति भवन, किशोर मूर्ति मार्ग, नई दिल्ली में आयोजित की गई थी। दो दिवसीय कार्यक्रम 26 जनवरी, 2020 को भारत के 71 वें गणतंत्र दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित किया गया था। प्रतियोगिता का विषय 'सबका साथ, सबका विकास, सबका वि वास' था। राष्ट्रीय स्तर की भाशण प्रतियोगिता में, विभिन्न राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों के 29 प्रतिभागियों ने भाग लिया और हिंदी/अंग्रेजी में अपना भाषण प्रस्तुत किया और प्रत्येक वक्ता को 10 मिनट का स्लॉट दिया गया। 24 जनवरी, 2020 को युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय के सचिव (युवा कार्यक्रम और खेल), श्री राधेश्याम जुलानिया द्वारा राष्ट्रीय स्तर की भाशण प्रतियोगिता का उद्घाटन किया गया। 25 जनवरी, 2020 को राष्ट्रीय स्तर के तीन विजेताओं को माननीय श्री किरेन रीजीजू राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार), युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय द्वारा पुरस्कार दिए गए। 28 जनवरी, 2020 को राष्ट्रीय भाशण प्रतियोगिता के तीन विजेताओं को माननीय, राजनाथ सिंह जी, रक्षा मंत्री, भारत सरकार द्वारा सम्मानित किया गया। । राष्ट्रीय स्तर के विजेताः

    - सुश्री सुमेधा तिवारी, उत्तर प्रदेश – प्रथम पुरस्कार विजेता
    - सुश्री रिद्धि हार्दिक मकेचा, गुजरात – द्वितीय पुरस्कार विजेता
    - श्री सौरज्योति रॉय चौधरी, पश्चिम बंगाल – तृतीय पुरस्कार विजेता
    - 26 राज्य स्तरीय विजेता – प्रोत्साहन पुरस्कार

ख) युवा कार्यक्रम विभाग की योजनाएं अर्थात् एनपीवाईएडी (राष्ट्रीय युवा और किशोर विकास कार्यक्रम)

1. **एक भारत श्रेष्ठ भारत–** "एक भारत श्रेष्ठ भारत कार्यक्रम भारत सरकार का एक प्रमुख कार्यक्रम है जिसका उद्देश्य हमारे देश की विविधता में एकता का उत्सव मनाना, एक भारत श्रेष्ठ भारत की भावना को बढ़ावा देना, समझ विकसित करना और सराहना करना और राज्यों, साझा संस्कृति, परंपरा, व्यंजनों, भाषा और विभिन्न प्रथाओं के बीच दीर्घकालिक जुड़ाव स्थापित करना और इस तरह राज्यों के बीच बेहतर समझ और संबंध पैदा करना है। एनवाईकेएस वित्त वर्ष 2017–18 से एक भारत श्रेष्ठ भारत कार्यक्रम को लागू कर रहा है। यह एक 15 दिवसीय आवासीय कार्यक्रम है, जिसमें 100 युवाओं (प्रत्येक जोड़ा राज्य के 50 युवाओं) को भाग लेने का अवसर प्रदान किया जाता है।

   <u>जनवरी, 2020 से मार्च, 2020 तक:</u>

   एनवाईकेएस ने होम स्टे, कार्य शिविर/श्रमदान जैसी गतिविधियों का आयोजन किया, जुड़े हुए राज्य की भाषा सीखना, सांस्कृतिक आदान–प्रदान, स्वयं और अन्य राज्यों के भोजन और पाक; साझा; क्रॉस लर्निंग, कॉस्ट्यूमः परेड/एक्सचेंज, जुड़े हुए राज्य अर्थात् रायपुर (छत्तीसगढ़ और गुजरात), हैदराबाद (तेलंगाना और हरियाणा), बैंगलौर (कर्नाटक और उत्तराखंड), कोझीकोड (केरल और हिमाचल प्रदेश), चेन्नई (तमिलनाडु और जम्मू–कश्मीर), भुवनेश्वर (ओडिशा और महाराष्ट्र), नानी दमन (दमन) और दीव और पुदुचेरी), इंफाल (मणिपुर और मध्य प्रदेश और नागालैंड), सिलवासा (दादर और नगर हवेली और चंडीगढ़), इटानगर (अरुणाचल प्रदेश और उत्तर प्रदेश और मेघालय), देवघर (झारखंड और गोवा) और गंगटोक (सिक्किम और दिल्ली) से 1165 युवाओं की भागीदारी 12 एक भारत श्रेष्ठ कार्यक्रमों में संबंधित राज्यों की स्क्रीनिंग फिल्म्स का आयोजन किया गया।

   <u>अप्रैल 2020 से दिसंबर, 2020 तक वर्चुअल मोड में:</u>

   काविड–19 महामारी के कारण, एनवाईकेएस ने कार्यक्रम की प्राथमिकता और महत्व पर विचार करते हुए, युग्मित राज्यों के बीच पीपीटी प्रारूप का उपयोग करके वर्चुअल मोड के माध्यम से ईबीएसबी का आयोजन किया। एनवाईकेएस ने सभी राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों के 14,398 युवाओं की भागीदारी के साथ इतिहास, लोग, व्यंजन, संस्कृति और ऐतिहासिक महत्व के स्थानों और पर्यटक रुचि और भाषा सीखने जैसे विषयों पर एक भारत श्रेष्ठ भारत के 23 वेबिनार सफलतापूर्वक आयोजित किए हैं।

2. **राष्ट्रीय एकता शिविरः** इसका उद्देश्य युवाओं की भागीदारी के लिए राष्ट्रव्यापी अवसर पैदा करना और देश में एकता, राष्ट्रवाद और भाईचारे की भावना को बढ़ावा देना है। एनआईसी की गतिविधियों में सिम्पोसिया सेमिनार, योग/शारीरिक फिटनेस व्यायाम/पारंपरिक और लोकप्रिय खेल, निट इंडिया प्रदर्शनी, सांस्कृतिक रैली/पदयात्रा, क्षेत्रीय भाषा और गीत सीखना, युवा लोगों की आवाज, भारत क्विज प्रतियोगिता, सामुदायिक विकास कार्यक्रम – कार्य शिविर, राष्ट्रीय सदभावना उद्यान, फील्ड विजिट आदि शामिल हैं। रिपोर्ट के तहत अवधि के दौरान, 3,403 युवाओं की भागीदारी के साथ एनवाईकेएस द्वारा 13 राष्ट्रीय एकता शिविर चलाए गए।

3. **जीवन कौशल शिक्षा कार्यक्रम** – इसका उद्देश्य मौजूदा सकारात्मक व्यवहार के सुदृढीकरण और जीवन कौशल को मजबूत करने के लिए अवसर प्रदान करना है जो युवाओं को उनकी रक्षा करने और उनके जीवन में आने वाली जोखिम भरी परिस्थितियों से निपटने में सक्षम बनाता है।

कार्यक्रम के घटकों में किशोरों के लिए जीवन कौशल प्रशिक्षण, सामाजिक मुद्दों पर संवेदनशीलता और सामुदायिक आधारित गतिविधियाँ शामिल हैं। रिपोर्ट की अवधि के दौरान, एनवाईकेएस ने 4,243 कि ोरों की भागीदारी के साथ 102 जीवन कौशल शिक्षा कार्यक्रम आयोजित किए।

4. **साहसिक कार्य शिविर–** इसका उद्देश्य युवाओं में उत्साह और जोखिम लेने की भावना को प्रोत्साहित करना है, जो कि पारिस्थितिकी और प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण पर जोर देने के साथ प्रकृति की प्रशंसा को बढ़ाता है। शिविरों की गतिविधियों में ग्राउंड/रॉकः अच्छी तरह से स्थापित ट्रैक पर ट्रेकिंग, रॉक क्लाइम्बिंग, रिपेलिंग, सफारी, कृत्रिम चट्टान/दीवार पर चढ़ना; पानीः व्हाईट वाटर राफ्टिंग, कयाकिंग और कैनोइंग, लंबी तैराकी, जल खेल और वायुः पैरा सेलिंग, पेयर ग्लाइडिंग, हैंग ग्लाइडिंग, हॉट एयर बैलूनिंग। शामिल हैंः 1 जनवरी, 2020 से 31 दिसंबर, 2020 तक एनवाईकेएस ने 1,168 युवाओं की भागीदारी के साथ 45 साहसिक कार्य ि ाविर चलाए।

ग) देश भर में युवा विकास और सशक्तिकरण के लिए अन्य मंत्रालयों से सहयोग और वित्त पोशण की परियोजनाएंः

अपने मुख्य कार्यक्रमों के अलावा, नेहरू युवा केंद्र संगठन (एनवाईकेएस), युवा कार्य विभाग, युवा कार्य एवं खेल मंत्रालय का स्वायत्त निकाय ने विभिन्न प्रकार के क्षेत्रों और राष्ट्रीय महत्व के मुद्दों के कार्यक्रमों और गतिविधियों को संचालित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है, जिसे स्वयं भारत के माननीय प्रधान मंत्री द्वारा अलग–अलग अवसरों पर और साथ ही साथ माननीय प्रधान मंत्री के निर्देश पर पीएमओ, नीति आयोग और अन्य मंत्रालय द्वारा संचालित किया गया। इसके अलावा, एनवाईकेएस ने देश में आकांक्षी जिलों, कश्मीर घाटी, पूर्वोत्तर राज्यों और वामपंथी उग्रवाद वाले जिलों में अपने कार्यक्रमों और गतिविधियों पर विशेष ध्यान दिया है।

यह सराहना की जा सकती है कि एनवाईकेएस न केवल दिए गए कार्यों को समयबद्ध तरीके से भी लागू करने और कार्यान्वित करने में सफल रहा है, बल्कि इसे गुणवत्ता परिणाम और दृश्यता के साथ किया है। परिणामस्वरूप, एनवाईकेएस के साथ सीमित संसाधनों और बजट की उपलब्धता के बावजूद, जीवन के सभी क्षेत्रों से युवाओं की महत्वपूर्ण भागीदारी रही है।

उपरोक्त संदर्भ में, निम्नलिखित मुख्य प्रमुख क्षेत्र हैं जहां एनवाईकेएस ने प्रयास किया है और काफी प्रभाव डाला है।

1. नमामि गंगे कायाकल्प गतिविधी में युवकों का शामिल होना

परियोजना ''नमामि गंगे में युवाओं का समावेश'' स्वच्छ गंगा (एनएमसीजी), जल संसाधन, नदी विकास और गंगा कायाकल्प, नेहरू युवा केंद्र संगठन (एनवाईकेएस), जल विभाग के साथ जल विभाग के राष्ट्रीय मिशन का एक सहयोगी प्रयास है। युवा कार्य विभाग, युवा कार्य और खेल मंत्रालय गंगा नदी के संरक्षण और कायाकल्प के लिए ''नमामि गंगे'' के प्रमुख कार्यक्रम को बढ़ावा देते हैं।

उत्तर प्रदेश (उत्तराखंड की भागीदारी के साथ), पश्चिम बंगाल और बिहार में 3 क्षेत्रीय स्तर के ब्रेनस्टार्मिंग, उन्मुखीकरण प्रशिक्षण सह योजना कार्यशालाओं का आयोजन किया गया। कार्यशाला का उद्देश्य परियोजना के अध्

ाकारियों को प्रशिक्षित करना और परियोजना की जिला विशिष्ट रणनीतियों की समझ विकसित करना और जिला और ग्राम स्तर पर विभिन्न गतिविधियों के कार्यान्वयन का पाठ्यक्रम था।

एनएमजीसी द्वारा दिल्ली में 13 मार्च 2020 को आयोजित फ्लैग–इन गंगा आमंत्रण अभियान में एनवाईकेएस, राज्य निदेशकों, जिला युवा अधिकारियों, राज्य परियोजना सहायकों और नए तैनात जिला परियोजना अधिकारियों ने भाग लिया।

परियोजना के तहत नेहरू युवा केंद्र संगठन, उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल और बिहार के जिला परियोजना अधिकारियों, गंगा डॉट्स और स्पीयरहेड टीम के सदस्यों द्वारा विभिन्न गतिविधियाँ की गई थीं। अवधि के दौरान 3,29,192 पौधे लगाए गए; लोगों को गंगा को स्वच्छ रखने के लिए प्रेरित करने के लिए 4153 जागरूकता कार्यक्रम जैसे रैलियां, शपथ लेना, ड्राइंग और पेंटिंग प्रतियोगिता, सोशल मीडिया का उपयोग, गंगा आरती, ऑनलाइन क्विज आदि का आयोजन किया गया। 2875 स्वच्छता अभियान जिसमें पोगल रन, नो–प्लास्टिक अभियान ओडीएफ पर 41 जागरूकता गतिविधियां की गईं।

कोविड–19 महामारी के प्रकोप के कारण, कोविड–19 के प्रसार को रोकने से संबंधित कुल 25,051 गतिविधियाँ भी की गईं जैसे मास्क बनाना और वितरण, खाद्य वितरण, आरोग्य सेतु ऐप पंजीकरण, वॉल पेंटिंग, थर्मल स्कैनर के माध्यम से स्क्रीनिंग तापमान, गांवों का सैनिटाइजेशन, आईजीओटी प्लेटफॉर्म पर युवाओं का पंजीकरण और प्रशिक्षण, कोविड योद्धाओं का नामांकन, पोस्टर वितरण, कोविड के प्रसार को रोकने हेतु शपथ लेने, हैंड वाश कार्यक्रम।

गंगा दूतों के साथ 40 बैठकें, रेन वाटर हार्वेस्टिंग पर सोशल मीडिया के माध्यम से 14,950 जागरूकता गतिविधियाँ, हिंदी भाषा का प्रयोग, राष्ट्रीय पोशण माह, आत्म निर्भर भारत का प्रचार किया गया। 327 युवाओं ने कौशल मानचित्रण अभ्यास के दौरान कुशल युवाओं की पहचान की। 84 रक्तदान शिविर, 480 निर्वाचन मतदाता जागरूकता रैलियाँ, 1009 स्वस्थ भारत का शुभारंभ और जागरूकता गतिविधियाँ, वंचित बच्चों के लिए 96 निःशुल्क शिक्षण, 190 कलंतर चित्रकला प्रतियोगिता, नई शिक्षा नीति पर 70 जागरूकता गतिविधियाँ, 6 खेल टुर्नामेंट, वर्चुअल गंगा उत्सव में 2133 व्यक्ति पंजीकृत, एक दीया सैनिक के नाम की 10 गतिविधियाँ, जूम ऐप के माध्यम से विश्व बाल दिवस मनाने पर 26 गतिविधियाँ, श्री अटल बिहारी वाजपेयी की जयंती पर 2 गतिविधियाँ आयोजित की गईं। इन गतिविधियों में कुल 2,45,640 युवाओं ने भाग लिया।

भारतीय वन्यजीव संस्थान (डब्ल्यूआईआई) ने 6 और 7 अक्टूबर 2020 और 26 और 27 नवंबर 2020 को 2 ऑनलाइन प्रशिक्षण पाठ्यक्रम (प्रशिक्षकों का प्रशिक्षण) आयोजित किए, ताकि जिला युवा अधिकारियों (डीवाईओ) और डीपीओ को नदी, इसकी जैव विविधता और मुद्दों से अवगत कराया जा सके और दो–दिन के सत्र में वर्तमान चुनौतियों और संभावित समाधान के बारे में बताया गया।

2. जल संरक्षण और कटाई के लिए परियोजना "पार्टिसिपेशन–कैच द रेन, व्हेयर इट फाल्स, व्हेन इट फाल्स " का कार्यान्वयन

नेहरू युवा केंद्र संगठन ने देश के सभी राज्यों/ संघ राज्य क्षेत्रों के 623 जिलों में राष्ट्रीय जल मिशन, जल ˙ ाक्ति मंत्रालय, भारत सरकार के

सहयोग से जल संरक्षण और कटाई के लिए यूथ पार्टिसिपेशन–कैच द रेन, व्हेयर इट फाल्स, व्हेन इट फाल्स पर एक परियोजना शुरू की है।

परियोजना का उद्देश्य युवा नेताओं और स्वयंसेवकों, परिवारों और ग्राम समुदायों को विविध मुद्दों पर और जल संरक्षण और वर्षा जल संचयन की आवश्यकता पर जोर देना और युवाओं को वर्षा जल संचयन अभ्यास करने के लिए लोगों को शिक्षित करने के लिए अग्रणी भूमिका निभाने के लिए सशक्त बनाना, टैगलाइन "कैच द रेन, व्हेयर इट फाल्स, व्हेन इट फाल्स'' को लोकप्रिय करने के लिए जागरूक और शिक्षित करना है।

परियोजना की गतिविधियों में एनवाईकेएस अधिकारियों का उन्मुखीकरण, संयुक्त शुरूआत, युवा नेताओं और स्वयंसेवकों का उन्मुखीकारण और प्रेरणा, परामर्श, पर्यावरण निर्माण और सामुदायिक जुटाव, ज्ञान प्रतियोगिता, सामुदायिक कार्य शिविर, संदेशों के प्रसार के लिए हैश टैग शामिल किए जाएंगे।

उपरोक्त गतिविधियों के एक हिस्से के रूप में, एनवाईकेएस के अधिकारियों/फील्ड फंक्शनरीज का उन्मुखीकरण और सुग्राहीकरण 10 दिसंबर, 2020 को वेबिनार के माध्यम से आयोजित किया गया था। कार्यक्रम में कुल 2.92 लाख एनवाईकेएस अधिकारी, एनवाईवी, यूथ क्लब के सदस्य और अन्य हितधारक शामिल हुए। 21 दिसंबर 2020 को परियोजना का राष्ट्रीय स्तर पर सफलतापूर्वक शुभारंभ किया गया था। माननीय मंत्री, जल शक्ति मंत्रालय, युवा कार्यक्रम और खेल के माननीय राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार), और माननीय राज्य मंत्री, जल शक्ति मंत्रालय, सचिव, युवा कार्यक्रम और संयुक्त सचिव, युवा कार्यक्रम विभाग ने शुभारंभ सत्र को संबोधित किया।

एनवाईकेएस के अधिकारियों, राष्ट्रीय युवा स्वयंसेवकों, गंगादूतों, कोविड वारियर्स और अन्य संबद्ध हितधारकों सहित कुल 9.35 लाख लोग परियोजना के राष्ट्रीय स्तर की भाुरूआत के साक्षी बने। जल संरक्षण और वर्षा जल संचयन के संबंध में आम लोगों के संदेश और प्रतिबद्धता को सुदृढ़ करने के लिए, 12.50 लाख राष्ट्रीय युवा स्वयंसेवकों, परिवारों के सदस्यों और युवा क्लब के सदस्यों और अन्य की भागीदारी के साथ देश के सभी राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों के 623 जिलों में जल प्रतिज्ञा ली गई।

3. निवेशक शिक्षा और संरक्षण कोष प्राधिकरण (आईईपीएफए) की सहायता से निवेशक शिक्षा, जागरूकता और संरक्षण में युवा भागीदारी

एनवाईकेएस और आईईपीएफए ने 16 अक्टूबर, 2019 को पायलट प्रोजेक्ट "निवेशक शिक्षा, जागरूकता और संरक्षण में युवा भागीदारी" के लिए समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं। इस परियोजना के तहत 250 ब्लॉक और 08 उत्तरी राज्यों के 2500 गांवों को कवर करने वाले 50 जिलों का चयन किया गया है। परियोजना की कुल लागत 5.89 करोड रु. है।

परियोजना का उद्देश्य एनवाईकेएस अधिकारियों, युवा नेताओं और स्वयंसेवकों को निवेशक शिक्षा, जागरूकता और संरक्षण के मुद्दों पर जागरूक करना और शिक्षित करना है, युवाओं को अग्रणी भूमिका निभाने और लोगों को अंतिम लक्ष्य तक शिक्षित करने के लिए उत्प्रेरक एजेंट के रूप में कार्य करने और युवाओं और जनता को पोंजी योजनाओं के बजाय सरकारी वित्तीय योजनाओं में बचत निवेश करने के लिए शिक्षित करना है।

पहल में एनवाईकेएस की भागीदारी – सिस्को वेबएक्स के माध्यम से माह जुलाई, अगस्त और

अक्टूबर, 2020 के दौरान उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड, जम्मू, कश्मीर और लद्दाख, हिमाचल प्रदेश और पंजाब और चंडीगढ़ और दिल्ली, हरियाणा और राजस्थान से एसडी, डीडी, डीवाईसी और एनवाईवी और युवा स्वयंसेवकों की भागीदारी के साथ आयोजित वेबिनार के माध्यम से निवेशक जागरूकता पर 07 क्षेत्रीय स्तर के अभिविन्यास कार्यक्रम आयोजित किए गए। लगभग 900 एनवाईकेएस अधिकरियों, एनवाईवी और युवा नेताओं ने भाग लिया।

इसके अलावा, लखनऊ (उत्तर प्रदेश) और दिल्ली में 02 क्षेत्रीय स्तर की कार्यशालाएँ आयोजित की गईं जिसमें 43 राज्य निदेशकों, उप निदेशकों और उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, राजस्थान, दिल्ली और हरियाणा के चयनित जिला युवा अधिकारियों ने भाग लिया।

उपरोक्त कार्यक्रमों के दौरान, विषय अर्थात बचत और बजट, बैंकिंग और बीमा, निवेश बुनियादी ढांचा, वित्तीय धोखाधड़ी, निवेश पद्धति, सरकारी योजनाएं, शिकायत निवारण की स्थिति का पुनः पता लगाने वाले तंत्र, आदि को कवर किया गया।

4. **पायलट परियोजना " मानव अधिकारों से संबंधित युवा नेता प्रशिक्षण "**

राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (एनएचआरसी) द्वारा द्वारा देशभर के 200 ब्लॉक, 80–90 जिलों, 10–12 राज्यों को कवर करके 76.65 लाख रूपए की लागत वाले ''मानवाधिकार से संबंधित युवा नेताओं के प्रशिक्षण कार्यक्रम'' नामक पायलट परियोजना के प्रस्ताव को अनुमोदित किया गया है। प्रस्ताव में पृष्ठभूमि, व्यापक उद्देश्य, लक्ष्य समूह, समन्वय और समर्थन जुटाना, एनएचआरसी से अपेक्षाएं और बजट आवश्यकता शामिल हैं।

एनएचआरसी के अनुरोध पर एनवाईकेएस ने नवंबर, 2020 में उत्तर प्रदेश, और उत्तराखंड, ओडिशा और झारखंड और तमिलनाडु और कर्नाटक के एनवाईकेएस क्षेत्र अधिकारियों (राज्य निदेशकों, उप निदेशकों, जिला युवा समन्वयक, राष्ट्रीय युवा स्वयंसेवकों और युवा नेताओं) को उन्मुख करने के लिए 03 वेब एक्स बैठकें आयोजित कीं।

एनएचआरसी ने वेबिनार के माध्यम से कार्यक्रम आयोजित करने के लिए विषय, अभिविन्यास अनुसूची और समयरेखा, विशे ाज्ञ व्यक्तियों की सूची, अक्सर पूछे जाने वाले प्रश्न, आईईसी सामग्री, मार्गदर्शन नोट आदि प्रदान किए।

5. **कश्मीरी युवा आदान–प्रदान कार्यक्रम**

कार्यक्रम का आयोजन गृह मंत्रालय के सहयोग से किया गया । कार्यक्रम का उद्देश्य कश्मीर घाटी में युवा लोगों के बीच राष्ट्रीय एकता, अखंडता और शांति के समर्थकों के रूप में काम करने के लिए उन्मुख और संवेदनशील बनाना है।

इसके तहत, कश्मीर घाटी के 6 जिलों अर्थात अनंतनाग, कुपवाड़ा, बारामूला, बडगाम, श्रीनगर और पुलवामा में से प्रत्येक से 18–22 वर्ष की आयु वर्ग में 1,007 युवाओं की भागीदारी के साथ हैदराबाद (तेलंगाना), तिरुवनंतपुरम (केरल), अनंतपुर (आंध्र प्रदेश), गांधीनगर (गुजरात), पुणे (महाराष्ट्र), वाराणसी (उत्तर प्रदेश), मैसूर (कर्नाटक) और मोहाली (पंजाब) में 8 कार्यक्रम आयोजित किए गए। कार्यक्रम के दौरान आयोजित गतिविधियों में सेमिनार, पैनल चर्चा, व्याख्यान सत्र, कौशल विकास, उद्योग यात्रा, कश्मीर घाटी के खाद्य उत्पादों और स्थानीय उत्पादों की प्रदर्शनी, खाद्य उत्सव, सर्वोत्तम प्रथाओं, संस्कृति और रीति–रिवाजों का साझाकरण, भाषा सीखना,

कैरियर मार्गदर्शन और सांस्कृतिक कार्यक्रम शामिल थे।

6. **बारहवां जनजातीय युवा आदान–प्रदान कार्यक्रम**

कार्यक्रम का उद्देश्य देश की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत के प्रति एलडब्ल्यूई आदिवासी युवाओं को संवेदनशील बनाना और उन्हें विविधता में एकता की अवधारणा की सराहना करना और उन्हें विकास गतिविधियों और औद्योगिक उन्नति से अवगत कराना है। इसके तहत 18–22 वर्ष की आयु के 3, 696 युवाओं की भागीदारी के साथ भुवनेश्वर (ओडिशा), गांधीनगर (गुजरात), एर्नाकुलम (केरल), कोलकाता (पश्चिम बंगाल), पुदुचेरी (तमिलनाडु), गुवाहाटी (असम), विशाखापत्तनम (आंध्र प्रदेश), हैदराबाद (तेलंगाना), चेन्नई (तमिलनाडु), भोपाल (मध्य प्रदेश), चंडीगढ़ (पंजाब), बैंगलोर (कर्नाटक), अमृतसर (पंजाब), लखनऊ (उत्तर प्रदेश), जम्मू (जम्मू और कश्मीर), पुणे (महाराष्ट्र) और अलीपुर (दिल्ली) में 17 कार्यक्रम आयोजित किए गए। वे छत्तीसगढ़, झारखंड, महाराष्ट्र, बिहार, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना और ओडिशा राज्यों से 31 एलडब्ल्यूई प्रभावित जिलों से आए थे।

कार्यक्रम के दौरान आयोजित गतिविधियों में संवैधानिक प्राधिकारी, गणमान्य व्यक्तियों और प्रतिष्ठित व्यक्तित्वों के साथ परामर्श सत्र,, पैनल चर्चा, व्याख्यान सत्र, कौशल विकास, उद्योग यात्रा, उद्योग एक्सपोजर विजिट संबंधित कैरियर मार्गदर्शन, चल रहे बड़े खेल आयोजन एक्सपोजर और सांस्कृतिक कार्यक्रम भाामिल थे।

7. **पूर्वोत्तर युवा आदान–प्रदान कार्यक्रम**

इसका उद्देश्य हमारे देश की विविधता में एकता का उत्सव मनाना है और हमारे देश के लोगों के बीच पारंपरिक रूप से विद्यमान भावनात्मक बंधन के ताने–बाने को बनाए रखना और मजबूत करना है। इसके तहत, बंगलौर (कर्नाटक) और हैदराबाद (तेलंगाना) में दो कार्यक्रम आयोजित किए गए, जिसमें 18–22 वर्ष की आयु के 521 युवाओं की भागीदारी थी। वे 8 उत्तर पूर्वी राज्यों (अरुणाचल प्रदेश, असम, मेघालय, मिजोरम, मणिपुर, नागालैंड, सिक्किम और त्रिपुरा) से आए थे। कार्यक्रम के दौरान आयोजित गतिविधियों में भारत सरकार की राष्ट्रीय फ्लैगशिप योजनाओं से संबंधित जागरूकता, राष्ट्रीय स्तर की संगोष्ठी, पेनल चर्चा, करियर मार्गद र्नन, और प्रख्यात व्यक्तित्व के साथ इंटरएक्टिव सत्र, सांस्कृतिक कार्यक्रम और फील्ड विजिट भाामिल थे।

युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय अन्य महत्वपूर्ण कार्यक्रम

1. **राष्ट्रीय युवा संसद समारोह**

राष्ट्रीय युवा संसद महोत्सव का उद्देश्य जिला, राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर विचार–विमर्श के माध्यम से युवाओं की आवाज सुनना, युवाओं को सार्वजनिक मुद्दों से जुड़ने के लिए प्रोत्साहित करना, आम आदमी की बात को समझना, उनकी राय बनाना और इसे एक स्पष्ट रूप में व्यक्त करना, निर्णय लेने की क्षमताओं को विकसित करना और बढ़ाना, युवाओं में दूसरों के विचारों के लिए सम्मान और सहिष्णुता विकसित करना, एक समझ विकसित करने के लिए कि नियमों का अनुपालन चर्चा के दौरान आवश्यक है, न्यू इंडिया के विजन पर उनकी राय प्राप्त करने और उससे संबंधित दस्तावेज तैयार करने के लिए नीति निर्माताओं और कार्यान्वयनकर्ताओं को आगे बढ़ाने के लिए अपने विचार उपलब्ध कराना है।

रिपोर्ट की अवधि के दौरान निम्नलिखित गतिविधियाँ आयोजित की गईं:

- **राष्ट्रीय युवा संसद उत्सव का शुभारंभ (एनवाईपीएफ)**

  राष्ट्रीय युवा संसद महोत्सव (एनवाईपीएफ) का शुभारंभ सुश्री उषा शर्मा, सचिव (युवा कार्यक्रम) द्वारा 23 दिसंबर, 2020 को किया गया था। उन्होंने कहा कि जिला, राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर युवा संसद आयोजित की जाएगी। एनवाईपीएफ को पूर्ण रूप से सफल बनाने के लिए एनवाईकेएस और एनएसएस दोनों को एक महत्वपूर्ण भूमिका निभानी होगी। संयुक्त सचिव (युवा कार्यक्रम) ने एनवाईपीएफ के बारे में जानकारी दी और एनवाईकेएस क्षेत्र के अधिकारियों को दी गई समय सीमा के भीतर जिला और राज्य स्तर पर युवा संसदों का आयोजन करने के लिए कहा। एनवाईपीएफ पर एक पीपीटी देश समन्वयक, यूएनवी द्वारा प्रस्तुत किया गया था।

  शुभारंभ समारोह को एनवाईकेएस, यूएनवी इंडिया, वाईएएस और एनएसएस फेसबुक पेजों पर भी प्रसारित किया गया। कार्यक्रम को देश भर के 8,21,813 युवाओं ने देखा। 4,460 इंप्रेशन और 23 शेयर एनवाईकेएस फेसबुक पेज पर रिकॉर्ड किए गए।

- **जिला युवा संसद का आयोजन, (डीवाईपी)**

  जिला युवा संसद 24 और 29 दिसंबर, 2020 के बीच वर्चुअल मोड पर 150 जिला स्थानों पर आयोजित की गई, जिसमें 36 राज्यों और संघ राज्य क्षेत्रों के 698 जिलों (एनवाईके जिलों और गैर– एनवाईके जिला) ने भाग लिया। कुल 2,34,353 युवाओं ने हिस्सा लिया। 30 नवंबर, 2020 तक 18 से अधिक और 25 वर्ष से कम उम्र के युवाओं को युवा संसद में भाग लेने की अनुमति दी गई थी। जिले में भाषण के लिए भाषा हिंदी, अंग्रेजी या राज्य की आधिकारिक भाषा थी। 5 सदस्य जूरी ने प्रथम और द्वितीय विजेताओं का चयन तय मानदंडों के अनुसार किया।

  चर्चा के लिए विषय थे: राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 भारत में शिक्षा को परिवर्तित करेगी, उन्नत भारत अभियान–समुदायों की शक्ति को बढ़ावा देना और उनके उत्थान के लिए प्रौद्योगिकियों का उपयोग करना, ग्रामीण अर्थव्यवस्था को नए सामान्य और शून्य बजट प्राकृतिक कृषि के लिए अनलॉक करना किसानों के लिए वरदान है। जिला युवा संसद से जूरी द्वारा चयनित युवा राज्य युवा संसद (एसवाईपी) में राज्य स्तर पर भाग लेंगे।

2. फिट इंडिया अभियान

फिट इंडिया अभियान का आयोजन एनवाईकेएस द्वारा अधिक से अधिक लोगों के बीच फिट इंडिया अभियान की थीम का प्रचार करने और युवाओं और ग्रामीणों को रोजाना आधे घंटे का फिटनेस पद्धति को अपनाने के लिए शिक्षित और प्रेरित करने के उद्देश्य से किया गया था। गतिविधियों का विवरण निम्नलिखित है:

- 15 अगस्त, 2020 को वेबकास्ट के माध्यम से माननीय राज्य मंत्री (प्रभारी), युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय द्वारा **स्वस्थ भारत अभियान युवा क्लब पंजीकरण** का शुभारंभ। कार्यक्रम को 96,790 गांवों के 21,80,700 युवाओं ने देखा।

- फिटनेस को लोकप्रिय बनाने और देशभक्ति की भावना सिखाने के लिए जिला नेहरू युवा केंद्रों द्वारा 15 अगस्त, 2020 को **फिट इंडिया फ्रीडम रन** का आयोजन किया गया था। कुल 5,07,560 एनवाईकेएस क्षेत्र के

अधिकारी, कोविड स्वयंसेवक, एनवाईकेएस से जुड़े युवा क्लबों के सदस्य, गंगा दूत और एनडीआरएफ प्रशिक्षित युवा स्वयंसेवकों और अन्य लोगों ने दोड़ में भाग लिया और 10,15,120 किलोमीटर की दूरी तय की।

- **फिट इंडिया यूथ क्लब पंजीकरण** – फिट इंडिया यूथ क्लब की वेबसाइट www.fitindia.gov.in पर 49,635 एनवाईकेएस यूथ क्लब पंजीकृत किए गए।

- **फिट इंडिया डायलॉग** – माननीय प्रधान मंत्री ने 24 सितंबर, 2020 को फिट इंडिया मूवमेंट की एक साल की सालगिरह के अवसर पर देश भर के फिटनेस विशेषज्ञों और प्रभावितों के साथ बातचीत की। उन्होंने ऑनलाइन फिट इंडिया डायलॉग के दौरान 'फिट इंडिया एज अप्रोप्रिएट फिटनेस प्रोटोकॉल' की भाुरूआत की। 9.11 लाख लोगों ने फिट इंडिया डायलॉग देखा।

- जिला नेहरू युवा केंद्रों द्वारा 51,588 प्रभात फेरी का आयोजन किया गया, जिसमें 13.09 लाख राष्ट्रीय युवा स्वयंसेवकों, युवा क्लबों के सदस्यों और समाज के विभिन्न वर्गों के लोगों ने भाग लिया। 2.74 लाख युवा स्वयंसेवकों ने उन्हें फिट इंडिया पोर्टल पर पंजीकृत कराया। है ा न्यू इंडिया फिट इंडिया के 82,736 हैश टैग छाप दर्ज किए गए।

- जिला एनवाईके द्वारा 25,690 साइक्लोथोन का आयोजन फिट इंडिया मूवमेंट संदेश को बढ़ाने के लिए किया गया था, जिसमें 7 से 31 दिसंबर 2020 तक एनवाईकेएस यूथ क्लब की सक्रिय भागीदारी थी। समाज के सभी वर्गों से 11.56 लाख युवा शामिल हुए। साइक्लोथोन के संचालन के दौरान 67.05 लाख कि.मी. दूरी को कवर किया गया था

3. आत्मनिर्भर भारत अभियान और कौ ाल मैपिंग अभ्यास

व्हाट्सएप ग्रुप के माध्यम से प्रचार अभियान चलाया गया, पीडीएफ साझा किया गया, स्थानीय, ई–पोस्टर, वीडियो, दस्तावेज आदि के लिए मुखर जागरूकता का उपयोग किया गया, सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म का भी उपयोग किया गया। दीवार लेखन प्रचार अभियान का एक और प्रभावी तरीका है। कुल 80,000 गांवों को कवर किया गया है और 20,42,338 ग्रामीणों को पैकेज में शामिल योजनाओं और कार्यक्रमों के बारे में जागरूक किया गया है ताकि पात्र लोगों को इन योजनाओं का लाभ मिल सके।

कौशल मैपिंग एक्सरसाइज – इसका उद्देश्य युवाओं को एक सार्थक जीवन जीने के लिए आर्थिक और व्यक्तिगत भलाई के अवसरों का लाभ उठाने के लिए जागरूक करना और प्रेरित करना है। उपयोगकर्ता के अनुकूल ऐप विकसित करने के लिए एनवाईकेएस बिहार, झारखंड, ओडिशा, छत्तीसगढ़, उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड के एनवाईकेएसयुवा स्वयंसेवकों के साथ बातचीत करने के लिए एमएसएमई को सहायता प्रदान कर रहा है। ऐप जॉब सीकर और जॉब प्रोवाइडर्स दोनों के लिए मददगार होगा। इस उद्देश्य के लिए, एमएसएमई के साथ 06 सिस्को वेबएक्स की बैठकें आयोजित की गई हैं जिसमें राज्य निदेशक, उप निदेशक, जिला युवा समन्वयक और 800 युवाओं ने भाग लिया। अब तक 6.27 लाख स्वयंसेवकों के कौशल मानचित्रण एमएसएमई को प्रस्तुत किए गए हैं और इसे चैंपियंस नाम के अपने पोर्टल पर रखा गया है।

4. स्वच्छ गांव–हरा गांव (स्वच्छता एवं श्रमदान)

गतिविधियाँ जैसे गंगा घाटों, सार्वजनिक स्थानों,

जल निकायों, ग्राम सड़कों और अन्य सामान्य स्थानों की सफाई, प्लास्टिक का संग्रहण, रिफ्यूज और उनके सुरक्षित निपटान, पौध रोपण, लघु फिल्म शो, दीवार पेंटिंग, विषय विशेषज्ञों द्वारा व्याख्यान, सम्मेलन और चर्चाएँ, पेंटिंग, ड्राइंग, क्विज, नारा लेखन, निबंध लेखन आदि प्रतियोगिताओं का आयोजन देश भर में जिला, ब्लॉक और ग्राम स्तर पर किया गया जिसमें बड़ी संख्या में युवाओं ने भाग लिया।

स्वच्छ ग्राम हरित ग्राम कार्यक्रम के तहत, 623 जिलों के 1,17,254 गांवों को कवर किया गया। 2,90,027 गतिविधियों का आयोजन किया गया, जिसमें 1,11,46,055 युवाओं ने भाग लिया। विभिन्न प्रजातियों के 93,45,176 पौधे लगाए गए।

गंदगी मुक्त भारत अभियान के एक भाग के रूप में कुल 3,41,084 गतिविधियों का संचालन किया गया, जिसमें 95,13,775 युवाओं ने भाग लिया। स्वच्छता पखवाड़ा मनाने के दौरान कुल 4,52,094 युवाओं ने स्वच्छता अभियान में भाग लिया।

5. महात्मा गांधी की 150 वीं जयंती उत्सव

युवाओं के बीच महात्मा गांधी जी के जीवन और कार्यों के बारे में जानकारी का प्रसार करने और उन्हें सफाई और स्वच्छता के बारे में जागरूक करने के लिए, एनवाईकेएस ने और एनवाईकेएस ग्राम आधारित युवा क्लबों के राष्ट्रीय युवा स्वयंसेवकों और सदस्यों की सक्रिय भागीदारी से महात्मा गांधी की 150 वीं जयंती के एक भाग के रूप में विभिन्न प्रकार की गतिविधियों का आयोजन किया।

कुल 6,05,821 गतिविधियों का आयोजन किया गया, जिसमें देश भर के 98,63,798 युवाओं ने भाग लिया।

भारत में युवाओं और समुदायों के बीच महात्मा गांधी जी के जीवन और कार्यों के बारे में जानकारी का प्रसार करने के लिए एनवाईकेएस ने शांति, अहिंसा और भाईचारे का संदेश फैलाने के लिए 81,457 युवाओं की भागीदारी के साथ 2,678 पद यात्रा और 38,572 युवाओं के साथ 2,545 प्रभात फेरी का आयोजन किया।

6. आपदा जोखिम प्रशमन के लिए एनवाईकेएस युवा स्वयंसेवक आपदा राहत दल

एनडीआरएफ द्वारा जनवरी, 2020 से 14 मार्च, 2020 तक 23 राज्यों केंद्रशासित प्रदेशों के 25 जिलों से कुल 3,929 एनवाईकेएस युवा स्वयंसेवकों को प्रशिक्षित किया गया। ये प्रशिक्षित स्वयंसेवक सितंबर 2019– दिसंबर, 2019 से प्रशिक्षित थे, जो कोविड –19 महामारी से संबंधित विभिन्न गतिविधियों में लगे हुए थे, जैसे सार्वजनिक स्थानों पर सामाजिक दूरी बनाए रखना, क्वारंटीन केंद्रों में जिला प्रशासन की सहायता करना, नियंत्रण कक्ष की व्यवस्था करना, लॉकडाउन के दौरान अंतरराज्यीय और ब्लॉक लेवल चेक पोस्ट पर तैनाती करना और वॉल पेंटिंग, सोशल मीडिया, हेल्पडेक्स, घोषणाओं के माध्यम से जागरूकता फैलाना, आरोग्य सेतु के उपयोग को बढ़ावा देना, आदि। 2020–21 में प्रशिक्षित स्वयंसेवकों द्वारा 41 मॉक ड्रिल किए गए हैं जिसमें कुल 1254 लोगों ने भाग लिया।

मई 2020 के महीने में, जब अम्फान सुपर चक्रवात ने ओडिशा और पश्चिम बंगाल के तटीय राज्यों पर हमला किया, एनवाईके कोलकाता (उत्तर और दक्षिण) के लगभग 120 स्वयंसेवकों ने बचाव, राहत या पुनर्वास कार्य में सक्रिय रूप से भाग लिया। उन्होंने सड़क से पेड़ों को हटाने में मदद की और समुदाय के लोगों को सामान्य जीवन

जीने में मदद की। स्वयंसेवकों ने भी अम्फान सुपर चक्रवात के बाद समुदाय के लोगों को भोजन वितरित किया।

जुलाई के महीने में, बिहार के बाढ़ प्रभावित भागलपुर जिले में, 10 एनडीआरएफ प्रशिक्षित स्वयंसेवकों ने गंगा नदी से एक जलमग्न मृत शरीर को खोजने में जिला प्रशासन की मदद की। अगस्त, 2020 के महीने में, बिहार के बाढ़ प्रभावित भागलपुर जिले में, एनडीआरएफ प्रशिक्षित स्वयंसेवकों ने राहत और बचाव कार्य किया। केरल के एरनाकुलम जिले के चेल्लानम गांव में, 29 डीआरटी स्वयंसेवकों ने दक्षिण–पश्चिम मानसून की शुरुआत के बाद समुद्र तट पर उच्च ज्वार की लहरों से बचाव के लिए दीवार बनाई। छठ पूजा के दौरान, भागलपुर जिला के 35 प्रशिक्षित स्वयंसेवकों ने जिला प्रशासन की सहायता की।

दिसंबर, 2020 के महीने में, राज्य स्तरीय भूकंप मॉक अभ्यास राहत और आपदा प्रबंधन निदेशालय, मणिपुर सरकार के साथ समन्वय में आयोजित किया गया था जिसमें एनवाईके थाउबल और इम्फाल पश्चिम के 60 प्रशिक्षित स्वयंसेवकों ने भाग लिया।

7. अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस

एनवाईकेएस भारत भर के राज्य, जिला, ब्लॉक और ग्राम स्तरों पर 2015–16 से 21 जून को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मना रहा है।

कोविड 19 के मद्देनजर 2020–21 के दौरान, इस वर्ष का विषय 'योग एट होम एंड योगा विद फैमिली' है। सरकार के निर्देशों का कड़ाई से पालन करते हुए, पिछले वर्षों की तरह, नेहरू युवा केंद्र संगठन ने 21 जून 2020 को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया। समाज के सभी वर्गों के लोगों और विशेष रूप से युवाओं की भागीदारी सुनिश्चित की गई है।

कार्यक्रम को देश भर के 623 जिला नेहरू युवा केंद्रों द्वारा कार्यान्वित किया गया था। एनवाईके यूथ क्लब द्वारा 98,969 गांवों में योग का प्रदर्शन किया गया जिसमें 39,58,760 परिवारों ने हिस्सा लिया। कुल 1,97,93,800 राष्ट्रीय युवा स्वयंसेवकों, युवा क्लबों के सदस्यों, एनडीआरएफ प्रशिक्षित स्वयंसेवकों, गंगा दूतों, कोविड स्वयंसेवकों, ग्रामीण ों और अन्य हितधारकों ने योग को सामान्य योग प्रोटोकॉल के रूप में प्रदर्शित किया।

8. **पोषण माह मनाना** (1 से 30 सितंबर, 2020)

एनवाईकेएस सितंबर के महीने में पिछले दो वर्षों से पूरे देश में राष्ट्रीय पोषण माह मना रहा है। हर घर पोशण त्यौहार के संदेश को आगे बढ़ाया जाएगा।

राष्ट्रीय पोषन माह मनाने के एक भाग के रूप में, जिला नेहरू युवा केंद्रों ने राष्ट्रीय युवा स्वयंसेवकों (एनवाईवी), यूथ क्लबों के सदस्यों, कोविड स्वयंसेवकों, गंगा दूतों और अन्य एनवाईवी को प्रेरित किया कि वे कुपोषण, स्तनपान के महत्व पर ग्रामीणों को जागरूक करें, जिला प्रशासन के सहयोग से किचन गार्डन को बढ़ावा दें, प्रभावी कार्यान्वयन के लिए आंगनवाड़ी, आशा कार्यकर्ताओं को प्रेरित करें।

जिला नेहरू युवा केंद्रों ने यह सुनिश्चित किया कि पोशण माह गतिविधियों को संचालित करते समय, युवाओं को फेस मास्क पहनना चाहिए, नियमित अंतराल पर अपने हाथ धोना चाहिए, कार्मिक स्वच्छता और सामाजिक दूरियों के रखरखाव के साथ–साथ सरकार और जिला प्रशासन द्वारा जारी किए गए परामर्श और दिशानिर्देशों

का पालन किया जाए। इसके अलावा, स्थानीय अधिसूचनाओं के अनुसार, गतिविधियों के संचालन की अनुमति जिला प्रशासन से मांगी जा सकती है।

निम्नलिखित प्रमुख क्षेत्रों पर ग्रामीणों को जागरूक किया गया:

क) आंगनवाड़ी और आशा कार्यकर्ताओं और स्थानीय स्वास्थ्य विभाग को उपचार शुरू करने और जटिलताओं के जोखिम को कम करने के लिए गंभीर कुपोषण की पहचान और संदर्भ में सहायता की गई।

ख) फलों और सब्जियों का महत्व और उनका नियमित सेवन अच्छे स्वास्थ्य, पोषण और स्वास्थ्य के लिए आवश्यक है। खट्टे फल, हल्दी, अदरक और इस तरह के स्थानीय रूप से ग्राउंड उत्पादों का सेवन प्रतिरक्षा को बढ़ावा देने से जुड़ा हुआ है, वायरल संक्रमण और बीमारियों को रोकने में मदद करेगा।

ग) पौष्टिक, मौसमी और स्थानीय पौधों/पेड़ों जैसे मोरिंगा, बैंगन, पत्तेदार सब्जियों (साग, केला, पपीता, टमाटर, नींबू, अमरूद, बीन्स, गाजर, चुकंदर, विभिन्न प्रकार के लौकी, हल्दी, अदरक) तुलसी, पुदीना आदि।

घ) किचन गार्डन विकसित करने में लाभार्थियों को प्रेरित करने के लिए होम विजिट के दौरान मार्गदर्शन।

ड.) पोषण के महत्व के बारे में जागरूकता पैदा करना वयस्कों के साथ बढ़ते हुए मानसिक और शारीरिक विकास के लिए महत्वपूर्ण है, जो किसी भी खाद्य पदार्थ जो हम किशोरों को देते हैं, उसमें संतुलित आहार होना चाहिए जिसमें कार्बोहाइड्रेट, प्रोटीन, वसा और फलों के अलावा मानव शरीर के आव यक विकास के लिए अंडे जैसे प्रोटीन भी हों।

च) लोगों को अपने परिवेश को स्वच्छ रखने के लिए प्रेरित करना क्योंकि खाद्य और जल जनित बीमारी को कीटाणु और इन बीमारियों को फैलाने वाले संदूषक के रूप में रोकना आवश्यक है। इसके लिए पर्याप्त स्वच्छता का पालन करना होता है जैसे कि सेफ ड्रिंकिंग वॉटर, खाने से पहले हाथ धोना और सैनिटाइजर के साथ टॉयलेट के इस्तेमाल के बाद, फेसवाश का सुरक्षित निपटान आदि।

छ) एनीमिया से बचाव के लिए आयरन या आयरन सप्लीमेंट का सेवन करना चाहिए।

ज) लोगों को शिक्षित करना कि किशोरों को हर छह महीने में एक बार डी-वार्म किया जाना चाहिए। डी-वर्मिंग न करने के परिणाम अक्सर पेट में दर्द और उल्टी के असुविधाजनक उदाहरण होते हैं।

झ) तम्बाकू, गुटखा, शराब और नशीले पदार्थों जैसे नशे के उत्पादों के उपयोग के दुष्प्रभाव के लिए संदेश फैलाने के लिए स्वयंसेवक को प्रेरित करना।

संचालित की गई गतिविधियां और उनकी उपलब्धियों का ब्यौरा निम्नलिखित है :

- पोषण संसाधनों की रोकथाम, विशेष रूप से गंभीर कुपोषित बच्चों के दौरान और पोषण विशेषज्ञों, सर्वोत्तम प्रथाओं और सफलता की कहानियों, आदि के साथ महामारी के बाद विशेष रूप से गंभीर कुपोषित बच्चों जैसे विषयों पर मार्गदर्शन करने के लिए विभिन्न संसाधन व्यक्तियों के सहयोग से 1,125 वेबिनार आयोजित किए गए।
- 74,213 गांवों के 6,12,384 युवाओं और ग्रामीणों

को पोषण के मुख्य मुद्दों पर संवेदनशील बनाया गया। डिजिटल सहित बैनर और प्रचार सामग्री 74,213 गांवों में पोषण के मुख्य मुद्दों को प्रदर्शित/साझा किया गया। सामाजिक दूरी बनाए रखते हुए, प्रख्यात नागरिकों के साथ 1862 बैठकें आयोजित की गईं, जिनमें 36,274 युवाओं ने मुख्य भूमिका निभाई।

- 25,164 प्रतिज्ञा समारोह आयोजित किए गए, जिसमें 6,54,320 युवाओं ने पोशण के लिए प्रतिज्ञा ली।
- सोशल मीडिया प्लेटफार्मों के माध्यम से पोशण माह पर संदेशों का प्रसार किया गया जिसके माध्यम से 38.00 लाख युवाओं और ग्रामीणों को लाभान्वित किया गया। 29,057 रैलियां, रन, पैड यात्रा, साइकिल यात्रा, सांस्कृतिक कार्यक्रम, नुक्कड़ नाटक, लघु फिल्म शो, प्रदर्शनियां, प्रतियोगिताएं (क्विज, पेंटिंग, पोस्टर मेकिंग, निबंध और नारा लेखन, दीवार लेखन, घोषणा, आदि)। कुल 1,04,421 गतिविधियाँ की गईं जिनमें 51,02,912 युवाओं और ग्रामीणों ने भाग लिया।
- जिला नेहरू युवा केंद्रों द्वारा की गई गतिविधियों को व्यापक रूप से प्रिंट और इलेक्ट्रॉनिक मीडिया द्वारा कवर किया गया था। व्यापक प्रचार के लिए सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म का भी उपयोग किया गया।

9. संविधान दिवस मनाना :

क) संविधान दिवस मनाना और परवर्ती गतिविधियां

भारतीय संविधान के मूल सिद्धांतों और भावना के प्रसार के एक भाग के रूप में और डॉ. बी. आर. अम्बेडकर जी के जीवन और कार्यों और वर्तमान पीढ़ी को एक नागरिक के कर्तव्यों और अधिकारों को जानने में सक्षम बनाने के लिए कार्यक्रम के तहत, जनवरी से मार्च 2020 के दौरान, एनवाईकेएस ने विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया, जैसे कि संविधान और बुनियादी अधिकारों की प्रस्तावना पर आधारित मौलिक कर्तव्यों पर प्रतिज्ञा, संविधान की प्रस्तावना पढ़ना और मौलिक अधिकारों पर सार्वजनिक संदे ा प्रसारित करना, डॉ. बी. आर. अंबेडकर जी के जीवन और कार्य पर व्याख्यान और सेमिनार, रन बाई यूथ एंड स्क्रीमिंग ऑफ फिल्म एंड डॉक्यूमेंट्रीज। उपरोक्त कार्यक्रम के तहत, 3,11,945 युवाओं और अन्य लोगों की भागीदारी के साथ 8,957 गतिविधियों का आयोजन किया गया।

कोविड–19 महामारी के मद्देनजर, एनवाईकेएस ने अप्रैल, 2020 से नवंबर, 2020 तक सोशल मीडिया और वेब आधारित प्लेटफार्मों का उपयोग करके विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया। इन गतिविधियों में व्हाट्सएप ग्रुप का गठन, युवाओं के बीच संदेश साझा करना, चर्चा मंच का गठन, प्रस्तावना शामिल हैं। घरों में पढ़ना, ई–बैनर्स का प्रदर्शन, ई–पोस्टर, मौलिक कर्तव्यों पर फ्लायर्स, अपने घरों में स्वच्छता, व्यक्तिगत स्वच्छता और पर्यावरण संरक्षण की पहल पर गतिविधियाँ करना। उपरोक्त कार्यक्रम के तहत, 32,91,452 युवाओं और अन्य लोगों की भागीदारी के साथ 81,283 गतिविधियों का आयोजन किया गया था।

ख) एनवाईकेएस कार्यालयों के कार्यालय परिसर में प्रस्तावना वाल लगाना।

भारत के संविधान को अपनाने की 70 वीं वर्षगांठ के मद्देनजर, संविधान पर नागरिक जागरूकता बढ़ाने पर विशेष जोर देने के साथ एक राष्ट्रव्यापी वार्षिक कार्यक्रम चलाने का निर्णय लिया गया है। इस पहल के एक भाग के रूप में, 615 जिला एनवाईके और राज्य कार्यालय ने संविधान

दिवस और उसके बाद की गतिविधियों के रूप में एनवाईकेएस कार्यालयों के कार्यालय परिसर में प्रस्तावना वाल लगाई हैं।

ग) संविधान दिवस युवा क्लब गतिविधियां

भारतीय संविधान के मूल सिद्धांतों और भावना को साझा करने और प्रसारित करने के उद्देश्य से, एनवाईकेएस ने राष्ट्रीय युवा स्वयंसेवकों, युवा नेताओं, पूरे देश में युवा क्लबों के सदस्यों के सहयोग से एक अभियान मोड में संविधान दिवस यूथ क्लब गतिविधियाँ आयोजित कीं। अभियान का उद्देश्य लोगों में भारतीय संविधान के बारे में ज्ञान और जानकारी को बढ़ाना है।

रिपोर्ट के तहत और उपरोक्त कार्यक्रम के एक भाग के दौरान, 81,473 गांवों के 4.27 लाख युवा स्वयंसेवकों ने संवैधानिक मूल्यों और मौलिक पर वेबिनार/वार्ता में भाग लिया

कर्तव्य; संविधान दिवस को 7,304 और 27,756 चित्रों के साथ प्रचारित किया गया; 2.76 लाख के छापों के साथ मेरा कर्तव्य के 30,769 पोस्ट साझा करने करने संबंधी प्रचार के लिए 8.80 लाख युवा और अन्य हितधारकों की भागीदारी के साथ अभियान के संवर्धन के लिए 15,680 बज निर्माण/प्रचार गतिविधियां; 18,523 युवाओं की भागीदारी के साथ 661 पेंटिंग प्रतियोगिता; 28,149 युवाओं की भागीदारी के साथ 964 विशेषज्ञों ने संविधान और श्री बी.आर. अम्बेडकर के जीवन पर व्याख्यान दिया; 25,236 युवाओं की भागीदारी के साथ 1,326 स्लोगन लेखन गतिविधियाँ; 1,927 युवाओं की भागीदारी के साथ 144 ऑनलाइन प्रश्नोत्तरी कार्यक्रम; 14,759 युवाओं की भागीदारी के साथ 205 रक्तदान कार्यक्रम; 615 मौलिक कर्तव्यों पर प्रस्तावना वाल। कुल भागीदारी की सीमा 35.61 लाख नागरिक थी।

10. कोविड–19 महामारी के दौरान स्टिग्मा और भेदभाव से लड़ना

इसका उद्देश्य कोविड–19 महामारी के दौरान स्टिग्मा और भेदभाव का मुकाबला करना है, जो जनसंख्या की आशंकाओं को दूर करने के लिए निरंतर सामुदायिक जागरूकता और संदेशों के प्रसार के माध्यम से सकारात्मक कथा के आधार पर प्यार, देखभाल, सम्मान और एकजुटता को बढ़ावा देता है।

सरकार के निर्देशों के अनुसार नेहरू युवा केंद्र संगठन (एनवाईकेएस), युवा कार्य विभाग अपन युवा स्वयंसेवकों और युवा क्लबों के सदस्यों के सहयोग से वकालत, क्षमता निर्माण, प्रशिक्षण, शिक्षा, स्टिग्मा और भेदभाव का मुकाबला करने के लिए ज्ञान साझा करना, सामुदायिक भागीदारी और जवाबदेही – स्टिग्मा और भेदभाव का मुकाबला करने के लिए सामाजिक जुटाव और स्टिग्मा और भेदभाव का समाधान करने के लिए सो ल मीडिया का उपयोग जैसी विभिन्न गतिविधियों का संचालन किया। एनवाईकेएस ने 41.62 लाख की भागीदारी के साथ कुल 1.91 लाख गतिविधियों का आयोजन किया।

क. जन आंदोलन – कोविड–19 का मुकाबला करने के लिए उपयुक्त व्यवहार मानदंड अपनाने के लिए जागरूकता और शिक्षा

लोगों द्वारा उचित व्यवहार मानदंडों को अपनाने के लिए वास्तव में कोविड–19 महामारी के प्रसार को समाहित करना आवश्यक है। उपरोक्त को ध्यान में रखते हुए, एनवाईकेएस ने कोविड–19 से निपटने के लिए उपयुक्त व्यवहार मानदंड का पालन करने के लिए लोगों को ि क्षित और प्रेरित करने के लिए कोविड–19 से निपटने के

लिए जन आंदोलन– जागरूकता और शिक्षा की शुरूआत की। एनवाईकेएस विभिन्न गतिविधियों जैसे कि घर पर फेस मास्क बनाना और उनका सही उपयोग, सामाजिक दूरी का पालन करना, स्वच्छता को बनाए रखने के लिए हाथ धोना, बीमारी, मिथक और गलतफहमी का डी–स्टिमेटाइजेशन, आयुष उपायों को बढ़ावा देने वाले प्रतिरक्षा तंत्र को बढ़ावा देना, कोविड–19 परीक्षण के लिए लोगों को प्रोत्साहित करना, आरोग्य सेतु के डाउनलोड और उपयोग के प्रोत्साहन से यह 3.42 करोड़ नागरिकों तक सफलतापूर्वक पहुंच गया है।

ख. कोविड–19 का मुकाबला करने के लिए युवा भाक्ति को कार्य में लगाना

जब हमारे देश में कोविड–19 महामारी ने अपने पैर जमाए, तब विजय पाने के लिए कई चुनौतियाँ थीं। महामारी नई थी और इसके उपचार के उपाय शायद ही ज्ञात थे। इसके अलावा, महामारी और इसके क्या करें और क्या न करें के बारे में कम से कम समय में लोगों के बीच जागरूकता का प्रसार और अन्य महत्वपूर्ण कार्य थे।

स्थिति की विशालता और आपातकाल को ध्यान में रखते हुए, नेहरू युवा केंद्र संगठन (एनवाईकेएस), युवा कार्यक्रम विभाग और युवा क्लबों के सदस्यों के सहयोग से युवा कार्य विभाग ने लोगों को मास्क पहनने के लिए प्रोत्साहित करने और घर का बना मास्क तैयार करने, सामाजिक दूरी बनाए रखने, हाथ धोने, स्वच्छता और व्यक्तिगत स्वच्छता को प्रोत्साहित करने, नियंत्रण कक्ष बनाए रखने में जिला प्रशासन की सहायता करने और राहत कार्यों को राहत देने और सहायता के लिए सहायता प्रदान करने के लिए विभिन्न पहलें की और प्रशासन के सहयोग से अन्य कमजोर समूहों, कोविड 19 रोगियों की स्क्रीनिंग के लिए चिकित्सा शिविर, बाजार स्थानों पर दूरियों का अंकन और अन्य उपायों जो लोगों के स्वास्थ्य के लिए आवश्यक थे, किए गए विवरण निम्नलिखित हैं:

- स्वयंसेवकों द्वारा 2.19 करोड़ व्यक्तियों को सेतु ऐप डाउनलोड करने के लिए प्रेरित किया गया।
- 61.35 लाख स्वयंसेवकों ने covidwarriors.gov.in पर नामांकन किया।
- 1.46 करोड़ नागरिकों ने घर पर फेस मास्क बनाने का प्रशिक्षण लिया।
- 22.78 लाख बुजुर्ग लोगों ने कोविड–19 के खिलाफ अपनी सुरक्षा का ध्यान रखा।
- 7.39 लाख दिव्यांग तक पहुंचे और अवधि के दौरान देखभाल की।
- 19 लाख स्वयंसेवकों को कोविड–19 महामारी के दौरान जोड़ा गया।
- 62 लाख से अधिक स्वयंसेवकों ने आईजीओटी / एमओएचएफडब्ल्यू / डब्ल्यूएचओ / एनसीडीसी के मॉड्यूलों पर प्रशिक्षण दिया।

11. राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 की मुख्य विशेषताओं पर सूचना का प्रसार करना

भारत सरकार ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति –2020 की घोषणा की है। एनवाईकेएस को छात्रों,

अभिभावकों, ग्राम पंचायतों और समुदाय के बीच राष्ट्रीय शिक्षा नीति, 2020 की मुख्य विशेषताओं के प्रसार की भूमिका सौंपी गई थी। इसके एक हिस्से के रूप में, एनवाईकेएस ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के व्हाट्सएप और वेबिनार के माध्यम से माननीय प्रधान मंत्री के मुख्य पते पर वीडियो साझा करने, शिक्षकों, अभिभावकों, समुदाय और सदस्यों की भूमिका की व्याख्या पीआरआई, परिवारों तक पहुंचना, शिक्षकों को बच्चों के घरों तक अध्ययन सामग्री पहुंचाने में मदद करना और स्वयंसेवकों द्वारा युवा शिक्षार्थियों को पढ़ाना, जो अपने घर से पास के स्थानों से हैं, जैसी गतिविधियों को संचालित किया।

एनईपी – 2020 की मुख्य विशेषताओं पर कुल 3.90 करोड़ नागरिकों को सुग्राही बनाया गया है।

12. पौध रोपण

नेहरू युवा केंद्र संगठन ने देश भर में बड़े पैमाने पर वृक्षारोपण अभियान चलाया। इस अभियान का उद्देश्य आम तौर पर विशेष रूप से जलवायु परिवर्तन के खतरों से लड़ने के लिए व्यवहार परिवर्तन लाने और पर्यावरणीय क्षरण और साथ ही जलवायु परिवर्तन के प्रभावों को कम करने की दिशा में ठोस कार्रवाई करने के लिए आम लोगों और युवाओं में जनता को जागरूक और प्रोत्साहित करना है। लोगों को सरल कदमों के बारे में प्रेरित करने के लिए जो वे अपने नियमित जीवन में पृथ्वी को बचाने के लिए कर्तव्य के रूप में ले सकते हैं।

विचार यह है कि एनवाईकेएस से संबद्ध ग्राम आधारित यूथ क्लबों को व्यक्तिगत निवास/खेतों और सार्वजनिक स्थानों जैसे कि स्कूल, सड़क के किनारे, नहरों, तालाबों, पार्कों, धार्मिक स्थलों, आदि में अलग-अलग प्रजातियों के वृक्षों को लगाने के लिए शामिल किया गया है। युवा क्लब को पौधों के पोषण और उनके अस्तित्व को सुनिश्चित करने के लिए जिम्मेदार बनाया गया। रिपोर्ट की अवधि के दौरान, विभिन्न प्रजातियों के कुल 71,83,910 पौधे लगाए गए थे

घ) विभिन्न विकास विभागों और एजेंसियों के साथ स्वैच्छिक आधार पर समन्वय गतिविधियाँ

<u>मुख्य फोकस क्षेत्र</u>

भावना – भागीदारी, स्वैच्छिकता और नेतृत्व

- स्वछता – सेवा भाव, निष्काम सेवा के साथ श्रमदान
- राष्ट्रीय मुख्य कार्यक्रमों को बढ़ावा देना
- निवारक स्वास्थ्य देखभाल – योग, स्वैच्छिक रक्तदान, मिशन इंद्रधनुष, आयुष्मान, एचआईवी / एड्स
- पर्यावरण संवर्धन – जल संरक्षण, पौध-रोपण
- युवा सशक्तीकरण के लिए मतदान के लिए जागरूकता
- कौशल विकास के लिए प्रेरणा और प्रारंभिक सहायता
- स्कूलों में बच्चों के पंजीकरण की सुगमता के लिए जागरूकता

एनवाईकेएस, विभिन्न विकास विभागों और एजेंसियों के साथ समन्वय में विभिन्न गतिविधियों का आयोजन करता है। जिला एनवाईके और राष्ट्रीय युवा स्वयंसेवक (एनवाईवी) उनके साथ निरंतर मिलकर काम करते हैं और युवा क्लबों को शामिल करके गतिविधियों को निश्पादित

करते हैं। रिपोर्ट की अवधि के दौरान प्रमुख उपलब्धियां इस प्रकार थीं:

क्र.सं.	कार्यक्रम	उपलब्धि
1.	युवा क्लब के सदस्यों को रोजगारपरक कौशल विकास प्रशिक्षणों से जोड़ना	400531
2.	नए जलाशय बनाना	4595
3.	विद्यमान जलाशयों का रखरखाव/ मरम्मत/ सुधार करना	5739
4.	तालाबों, पेयजल के प्राकृतिक स्त्रोतों, सिंचाई के छोटे चैनलों, पानी की टंकियों आदि की सफाई, खुदाई, रखरखाव, गाद निकालना और मरम्मत करना	7287
5.	शमशान भूमि और खेल के मैदानों का रखरखाव और मरम्मत	3941
6.	कुंओं का पुनर्भरण/गाद निकालना	7963
7.	गांवों में जल संचयन	2786
8.	गांव में बोरी बाड़ बनाना	82981
9.	कृषि भूमि मृदा कार्ड	21560
10.	ब्लॉक जिला और राज्य स्तर पर स्वच्छता दूतों का चयन	1668
11.	दूतों की श्रृंखला	11030
12.	स्कूल/कॉलेज की सफाई	9257
13.	पीएचसी/उप केंद्र/अस्पतालों की सफाई	12957
14.	सड़कों और सार्वजनिक स्थानों को साफ करने अभियान	5464
15.	जिला और राज्य कार्यालयों के कार्यालय परिसरों, शौचालयों तथा कूड़ा घरों की सफाई	3082
16.	सार्वजनिक प्रतिमाओं की सफाई	11963
17.	प्रेरणा देना जिसके परिणामस्वरूप खुले में शौच मुक्त (ओडीएफ) बनाने के लिए शौचालयों का निर्माण हो सके	301884
18.	पौधारोपण करना और उनकी देखभाल करना	7183910
19.	पर्यावरण की सुरक्षा के लिए जागरूकता पैदा करने और उसे सुगम बनाने के लिए प्लास्टिक की थैलियां इकट्ठी करना	5374
20.	गांवों में खरपतवार (जैसे गजर घास, लटाना, जलकुंभी) को उखाड़ना	33982
21.	रक्तदान	33960
22.	स्वैच्छिक रक्तदाताओं के पंजीकरण सहित उनके रक्त समूहों का वर्गीकरण करना	66770

23.	किशोरियों को आयरन फोलिक एसिड गोलियां उपलब्ध कराना	45786
24.	लड़कियों और उनके अभिभावकों को लड़की की शादी 18 वर्ष की आयु प्राप्त करने के बाद ही करने के लिए प्रेरित करना	20164
25.	अस्पताल में प्रसूति कराने के लिए प्रेरित करना और इसमें सहायता करना	119098
26.	गर्भवती माताओं का टीकाकरण	131149
27.	बच्चों (0–5 वर्ष) के टीकाकरण के लिए प्रेरित करना	2425
28.	मोतियाबिंद (नेत्र) के ऑपरेशन	4026
29.	स्वास्थ्य जांच शिविर(डीओटी ,हाइपरटेंशन, मधुमेह और अन्य)	59082
30.	बच्चों का स्कूल में दाखिला कराना	20177
31.	बेटी बचाओ–बेटी पढ़ाआ	64566
32.	मतदाता पहचान पत्र प्राप्त करने में सहायता करना	16091
33.	युवा नेताओं को कैशलेस लेन–देन के संबंध में प्रशिक्षण देना	8360
34.	स्थानीय जरूरतों और प्राथमिकता के अनुसार अन्य कार्यक्रमों को लक्ष्य के साथ योजना में जोड़ा जा सकता है	8360

****

अध्याय – 5

राष्ट्रीय युवा कोर

युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय ने 2010–11 के दौरान राष्ट्रीय युवा कोर नामक नई स्कीम पेश की है। एनवाईसी योजना के उद्देश्य हैं– अनुशासित और समर्पित युवाओं का समूह बनाना जिनका राष्ट्र निर्माण के कार्य में शामिल होने के प्रति झुकाव और भावना हो, समावेशी उन्नति (सामाजिक और आर्थिक दोनों) को साकार करने के कार्य को सुकर बनाना, समुदाय में सूचना, बुनियादी ज्ञान के प्रसार के केंद्र के रूप में कार्य करना, समूह मॉडयूलेटर तथा साथी समूह शिक्षकों के रूप में कार्य करना, युवा वर्ग के लिए विशेषकर सार्वजनिक आचार, ईमानदारी तथा श्रम की गरिमा को बढ़ाने के लिए रोल मॉडल के रूप में कार्य करना।

इस स्कीम के प्रावधान के अनुसार, वर्ष 2020–21 के दौरान 13,206 के लक्ष्य की तुलना में 706 जिलों में कुल 12,245 स्वयंसेवक तैनात किए गए हैं। स्वयंसेवकों के चयन के लिए जिले के डीएम/डीसी की अध्यक्षता में एक चयन समिति है। 18–29 वर्ष की आयु के स्वयंसेवकों को अधिकतम 2 वर्ष की अवधि के लिए तैनात किया जा रहा है। प्रत्येक स्वयंसेवक को अक्तूबर 2016 से 5000/–रु. प्रति माह का मासिक मानदेय दिया जा रहा है जो पहले प्रति स्वयंसेवक मात्र 2500/– रु. था। स्वयंसेवक युवा क्लब के सदस्यों और संबंधित नेहरू युवा केंद्र/ विभिन्न अन्य विभागों के बीच कड़ी के रूप में कार्य करते हैं।

ये स्वयंसेवक कोविड–19 संबंधित गतिविधियों सहित एनवाईकेएस के मुख्य कार्यक्रमों और विशेष कार्यक्रमों के कार्यान्वयन के साथ–साथ ग्राम/समुदाय स्तर पर युवा क्लबों और महिला मंडलों को प्रेरित करने और मजबूत करने में सक्रिय रूप से शामिल थे ।

****

अध्याय – 6

राष्ट्रीय सेवा योजना

(समुदाय सेवा में एक शैक्षिक प्रयोग – समुदाय का परिसर)

प्रस्तावना

राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) स्वयंसेवी समुदाय सेवा के माध्यम से युवा छात्रों के व्यक्तित्व और चरित्र का विकास करने के मुख्य उद्देश्य के साथ 1969 में आरंभ की गई थी। 'सेवा के माध्यम से शिक्षा' एनएसएस का उद्देश्य है। एनएसएस की विचाराधारा का उन्मुखीकरण महात्मा गांधी के विचारों से प्रेरित हैं। उचित रूप से एनएसएस का विचार "स्वयं से पहले आप" है। एक एनएसएस स्वयंसेवी 'स्वयं' से पहले 'समुदाय' को रखता है।

एनएसएस के उद्देश्य: एनएसएस का उद्देश्य स्वयंसेवकों में निम्नलिखित गुणों/सक्षमताओं का विकास करना है:

क) उस समुदाय को समझना जिसमें एनएसएस स्वयंसेवक कार्य करते हैं और स्वयं को उनके समुदाय के संबंध में समझाना;

ख) समुदाय की आवश्यकताओं और समस्याओं की पहचान करना तथा स्वयं को समस्या सुलझाने की कार्रवाई में शामिल करना;

ग) स्वयं में सामाजिक और नागरिक जिम्मेदारी की भावना विकसित करना;

घ) अपने ज्ञान की व्यक्ति तथा समुदाय की समस्याओं को व्यावहारिक रूप से हल करने में प्रयोग करना;

ङ) समुदाय भागीदारी जुटाने में कौशल प्राप्त करना;

च) नेतृत्व के गुण तथा लोकतांत्रिक मूल्य अर्जित करना;

छ) आपात स्थितियों और प्राकृतिक आपदाओं का सामना करने के लिए क्षमता का विकास करना; और

ज) राष्ट्रीय एकता तथा सामाजिक सद्भावना अपनाना।

एनएसएस का प्रयास "कैम्पस और समुदाय", "कॉलेज और गांव" तथा "ज्ञान तथा कार्रवाई" के बीच अर्थपूर्ण संबंध स्थापित करना है।

एनएसएस लगभग 40,000 स्वयंसेवकों को शामिल करते हुए 37 वि वविद्यालयों में 1969 में आरंभ किया गया था जो अब 17,676 कॉलेजों/तकनीकी संस्थाओं और 12,087 वरिष्ठ माध्यमिक स्कूलों को शामिल करके 479 वि वविद्यालयों और 51 +2 परिषदों/निदेशालयों तक फैल गया है। शुरूआत से अब तक 7 करोड़ से अधिक छात्रों ने एनएसएस से लाभ उठाया है।

एनएसएस की बुनियादी अभिकल्पना/कार्यक्रम संरचना

एनएसएस वरिष्ठ माध्यमिक स्कूलों, कॉलेजों और वि वविद्यालयों में कार्यान्वित की जा रही है। एनएसएस की संकल्पना में इस संभावना पर बल दिया जाता है कि योजना के तहत शामिल प्रत्येक शैक्षिक संस्थान में 100 छात्र स्वयंसेवकों (कुछ मामलों में संख्या कम हो सकती है) वाली कम से कम एक एनएसएस यूनिट हो जिसका प्रमुख एक अध्यापक हो जिसे कार्यक्रम अधिकारी(पीओ) के रूप में नामोद्दिष्ट किया जाएगा। प्रत्येक एनएसएस यूनिट एक गांव या मलिन बस्ती को अपने कार्यकलापों का संचालन करने के लिए अपनाती है। एक एनएसएस स्वयंसेवक के लिए निम्नलिखित कार्य/ कार्यकलाप करना अपेक्षित है:

क) **नियमित एनएसएस कार्यकलापः** प्रत्येक एनएसएस स्वयंसेवक को दो वर्ष के लिए प्रतिवर्ष न्यूनतम 120 घंटों अर्थात 2 वर्षों में कुल 240 घंटों की सेवा देनी होती है। यह कार्य एनएसएस यूनिट द्वारा अपनाए गए गांवों/मलिन बस्तियों या विद्यालय/ कॉलेज कैंपस में सामान्यतः पढ़ाई के घंटों के बाद या सप्ताहांत में किया जाता है। प्रथम वर्ष के दौरान 20 घंटे (कुल 120 घंटों में से) एनएसएस स्वयंसेवकों के अभिविन्यास के लिए चिन्हित किए जाते हैं ताकि उन्हें व्याख्यानों, चर्चाओं, कार्यस्थल का भ्रमण, श्रव्य–दृश्य आदि के माध्यम से एनएसएस की मूलभूत जानकारी दी जा सके।

ख) **विशेष शिविर कार्यक्रमः** प्रत्येक एनएसएस यूनिट अपनाए गए गांवों/ मलिन बस्तियों में छुट्टियों के दौरान स्थानीय समुदाय को शामिल करते हुए किसी विशिष्ट परियोजना पर 7 दिनों का विशेष शिविर आयोजित करती है। प्रत्येक स्वयंसेवक के लिए 2 वर्ष की अवधि के दौरान ऐसे विशेष शिविर में एक बार भाग लेना अनिवार्य है। इस प्रकार एक यूनिट के लगभग 50 प्रतिशत एनएसएस स्वयंसेवक विशेष शिविर में प्रतिभागिता करते हैं।

एनएसएस द्वारा किए जा रहे कार्यकलापों का स्वरूपः

एनएसएस द्वारा किए जा रहे कार्यकलापों को मुख्यतः दो श्रेणियों में बांटा जा सकता है यथाः

1. **मुख्य कार्यकलापः** एनएसएस के अंतर्गत किए जा रहे कार्यकलाप समुदाय की आवश्यकताओं के अनुसार विकसित होते रहते हैं। एनएसएस द्वारा किए जा रहे कुछ कार्यकलापों की एक सूची नीचे दी गई है:–

   क) शिक्षाः प्रौढ़ शिक्षा, स्कूल पूर्व शिक्षा, पढ़ाई छोड़ चुके व्यक्तियों को पढ़ाई जारी रखने में सहायता करना, सामाजिक बुराइयों को दूर करने के लिए कार्यक्रम आदि।

   ख) स्वास्थ्य, परिवार कल्याण और पोषणः टीकाकरण, रक्तदान, स्वास्थ्य शिक्षा, एड्स जागरूकता आदि।

   ग) पर्यावरण संरक्षणः पौध और उनका परिरक्षण/देखरेख, नालों/ सड़कों की सफाई और अनुरक्षण आदि।

   घ) समाज सेवा कार्यक्रमः अस्पतालों, दिव्यांगजनों के लिए संस्थाओं, अनाथ आश्रमों, वृद्धाश्रमों, महिला कल्याण संस्थानो आदि में कार्य करना।

   ङ) महिलाओं की स्थिति में सुधार के लिए कार्यक्रमः महिला अधिकारों के संबंध में जारूकता उत्पन्न करना, महिलाओं को कौशल प्रशिक्षण प्रदान करना इत्यादि।

   च) उत्पादन–उन्मुख कार्यक्रमः लोगों को उन्नत कृषि संबंधी पद्धतियों के संबंध में शिक्षित करना, पशु संसाधन विकास के लिए मार्गदर्शन आदि।

   छ) आपदा राहत और पुनर्वासः बचाव एवं राहत कार्यों में स्थानीय प्राधिकरण के साथ मिलकर कार्य करना।

2. **एनएसएस के अंतर्गत अन्य कार्यकलाप/कार्यक्रमः** एनएसएस के मुख्य कार्यकलापों के अलावा अन्य कार्यकलाप भी किए जाते हैं। उदाहरण के लिएः

   क) गणतंत्र दिवस परेड शिविर में सहभागिता।

   ख) साहस कार्यकलापों में सहभागिता।

   ग) पूर्वोत्तर एनएसएस महोत्सवों का आयोजन।

   घ) एनएसएस स्वयंसेवकों के लिए आत्मरक्षा प्रशिक्षण।

   ङ) एनएसएस पुरस्कार।

   च) राष्ट्रीय अखण्डता शिविर

छ) महिला और बाल विकास मंत्रालय, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय, सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय, पेयजल और स्वच्छता मंत्रालय, आदि जैसे लाइन मंत्रालयों के कार्यक्रम।

प्रशासनिक ढांचाः

किसी संस्था में प्रत्येक एनएसएस यूनिट का प्रमुख "कार्यक्रम अधिकारी (पीओ)" के रूप में नामोद्दिष्ट एक अध्यापक होता है जो अपने अंतर्गत एनएसएस यूनिट के लिए एक शिक्षक, आयोजक, समन्वयक, पर्यवेक्षक, प्रशासक और जनसंपर्क व्यक्ति के रूप में महत्वपूर्ण भूमिका अदा करता है।

विश्वविद्यालय स्तर पर विश्वविद्यालय और संबद्ध कॉलेजों में एनएसएस यूनिटों के संबंध में एनएसएस कार्यकलापों के समन्वय के लिए एक एनएसएस सेल और एक नामोद्दिष्ट कार्यक्रम समन्वयक (पीसी) होता है। इसी प्रकार वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालयों के लिए वरिष्ठ माध्यमिक शिक्षा निदेशालय में एक एनएसएस सेल बनाया गया है।

राज्य स्तर पर, उच्चतर शिक्षा/युवा कार्य और खेल विभाग में स्थित एक राज्य एनएसएस सेल है जो एनएसएस इकाइयों को अनुदान जारी करने को नियंत्रित करता है। रीडर/एसोसिएट प्रोफेसर स्केल में राज्य सरकार से प्रतिनियुक्ति पर एक राज्य एनएसएस अधिकारी (एसएनओ) है, जो राज्य एनएसएस सेल की गतिविधियों और कार्यों की देखभाल करता है। राज्य एनएसएस सेल का पूरा व्यय भारत सरकार द्वारा वहन किया जाता है।

राष्ट्रीय स्तर पर एक एनएसएस निदेशालय है जो 15 क्षेत्रीय निदेशालयों (अहमदाबाद, बेंगलुरु, भोपाल, भुवने वर, चंडीगढ़, चेन्नई, दिल्ली, गुवाहाटी, हैदराबाद, जयपुर, कोलकाता, लखनऊ, पटना, पुणे और त्रिवेंद्रम में स्थित) के माध्यम से कार्य करता है।

उपरोक्त के अतिरिक्त, एनएसएस के कार्यकर्ताओं को आवश्यक मार्गदर्शन देने के लिए राज्य, वि ववविद्यालय और संस्था के स्तर पर सरकारी और गैर–सरकारी सदस्यों वाली सलाहकार समितियां हैं।

वित्तीय तंत्र

वर्तमान में, एनएसएस के मुख्य कार्यकलापों के संचालन के लिए नियमित एनएसएस कार्यकलापों हेतु प्रतिवर्ष 250 रुपए प्रति स्वयंसेवक और विशेष शिविर कार्यकलापों के लिए 450 रुपए प्रति स्वयंसेवक (वि ेश वर्ष में स्वयंसेवक का 50 प्रति ात) की दर से निधियन प्रदान किया जाता है। सभी निधियों का प्रयोग एनएसएस कार्यकलापों के संचालन के लिए किया जाता है और किसी भी स्वयंसेवक को कोई नकद भुगतान नहीं किया जाता। कुल प्रावधान में से, एनएसएस से जुड़ी शैक्षिक संस्थाओं में से स्थापना की लागत भी वहन की जानी आवश्यक होती हैं।

2015–16 तक एनएसएस एक केन्द्रीय प्रायोजित योजना के रूप में कार्यानिवत की गई। तथापि, 01. 04.2016 से इसका कार्यान्वयन केन्द्रीय क्षेत्र योजना के रूप में किया जा रहा है।

स्व-वित्त पोषण ईकाइयां (एसएफयू)

इस विभाग ने एनएसएस की स्व–वित्त पोषण ईकाइयों की स्थापना के लिए एक तंत्र आरंभ किया है ताकि एनएसएस का विस्तार पर्याप्त सरकारी निधियन के अभाव में बाधित न हो। इस तंत्र के अंतर्गत स्थापित ईकाइयों को किसी अन्य एनएसएस ईकाइयों के समान दर्जा दिया जाता है, एकमात्र अंतर यह है कि इन ईकाइयों का वित्त पोषण इनकी स्थापना करने वाली संस्थाओं द्वारा किया जाता है। अब तक 3,99,100 स्वयंसेवकों को भाामिल करके एनएसएस की 3991 स्व–वित्त पोषण ईकाइयां स्थापित की गई है।

2020–21 के दौरान प्रदर्शन/विकास

गांवों/झुग्गी बस्तियों को अपनाना: एनएसएस इकाईयों ने अपने कार्यकलापों के लिए 33,747 गांवों/झुग्गी बस्तियों को अपनाया है।

विशेष शिविरों का आयोजन: विशेष शिविर एनएसएस का अभिन्न भाग हैं जिसमें स्वयंसेवक ग्रामीण लोगों के साथ निकटता से मिलने का अवसर, उनके जीवन को समझने, सात दिन के लिए उनके साथ रहने और विभिन्न विकास कार्यकलाप करने का अवसर प्राप्त करते हैं।

पौधरोपण: पौधरोपण तथा उनका रखरखाव एनएसएस के सर्वाधिक लोकप्रिय कार्यकलापों में से एक है। विभिन्न स्थानों जैसे कि सरकारी भवनों, पार्कों, विश्वविद्यालय/ कॉलेज परिसरों, सड़क के किनारे रोपण, वन्य क्षेत्रों आदि में 23,90,519 पौधों का रोपण किया गया।

रक्तदान: एनएसएस के स्वयंसेवक देश में गरीबों, जरूरतमंदों और अस्पतालों में आपातकालीन मामलों में रक्तदान करने के लिए सदैव अग्रणी रहते हैं। नियमित कार्यक्रम के अंतर्गत अधिकांश एनएसएस इकाइयां भारतीय रेड क्रॉस सोसायटी, सरकारी अस्पतालों और ब्लड बैंकों के सहयोग से रक्तदान शिविरों का अनिवार्य रूप से आयोजन करती हैं। अधिकांश विश्वविद्यालय/ संस्थाएं एनएसएस स्वयंसेवी रक्तदाताओं की एक निदेशिका रखती हैं जिन्हें आपातकालीन समय पर रक्तदान करने के लिए बुलाया जा सके। 2020–21 के दौरान भारत भर में एनएसएस के स्वयंसेवकों द्वारा 1,08,000 यूनिट रक्तदान किया गया।

स्वास्थ्य/नेत्र/टीकाकरण शिविरः एनएसएस ने पल्स पोलियो टीकाकरण कार्यक्रम के दौरान ग्रामीण क्षेत्र में जागरूकता अभियान चलाए। एनएसएस के स्वयंसेवकों ने देशभर में स्थानीय प्रशासन को बच्चों को पल्स पोलियो की दवा पिलाने में सहायता की। कुल 2,40,925 एनएसएस स्वयंसेवक पल्स पोलियो टीकाकरण के लिए बच्चों को एकत्रित करने में शामिल थे और 11,02,935 बच्चों ने इस कार्यक्रम से लाभ उठाया।

स्वास्थ्य/नेत्र/टीकाकरण शिविरः एनएसएस इकाईयों ने 1,582 स्वास्थ्य/नेत्र/टीकाकरण शिविरों के आयोजन में सक्रिय भूमिका निभाई जिसमें 93,720 एनएसएस स्वयंसेवकों ने भाग लिया।

जागरूकता कार्यक्रम/रैलियां/अभियानः एनएसएस इकाईयों ने समुदाय से संबंधित मुद्दों पर 1,44,823 जागरूकता कार्यक्रमों/रैलियों/अभियानों का आयोजन किया जिसमें 57,34,143 स्वयंसेवकों ने भाग लिया।

कोविड–19 जागरूकता गतिविधियाँ: कोविड–19 महामारी के दौरान, 69,693 स्वयंसेवकों ने जिला प्रशासन के साथ अस्पतालों, बैंकों में सामाजिक दूरी को बनाए रखने, जरूरतमंदों को खाद्य सामग्री का प्रावधान और समाज के बुजुर्गों की मदद करने जैसी विभिन्न गतिविधियों में साथ मिलकर कार्य किया उन्होंने सुरक्षा सुझावों सहित कोरोना वायरस के विभिन्न पहलुओं पर 1.47 करोड़ लोग को सैनिटाइजड किया है। देश भर की एनएसएस इकाइयों से प्रेरित होकर 52.90 लाख लोगों ने आरोग्य सेतु ऐप डाउनलोड किया। स्वयंसेवक भी फेस मास्क के वितरण के लिए 2.34 करोड़ लोगों तक पहुंचे। जहां तक कोविड–19 जन आंदोलन का संबंध है,एनएसएस इकाइयां देश में 2.64 करोड़ लोगों तक पहुंची हैं। एनएसएस इकाइयां कोविड–19 टीकाकरण कार्यक्रमों में स्थानीय प्रशासन की भी मदद कर रही है।

एक भारत श्रेश्ठ भारत 2020–21: कोविड–19 महामारी के कारण, एनएसएस ने वर्चुअल मोड के माध्यम से ईबीएसबी कार्यक्रम आयोजित किए। 1,45,900 एनएसएस स्वयंसेवकों और एनएसएस कार्यक्रम अधिकारियों की भागीदारी के साथ युग्मित राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों के बीच 45 राष्ट्रीय स्तर और 1,143 यूनिट स्तर के वेबिनार आयोजित किए गए थे। वेबिनार में कवर किए गए विशय इतिहास, संस्कृति, ऐतिहासिक महत्व के स्थान, भाषा शिक्षण, वेशभूषा, व्यंजन, लोक कला, लोक गीत, नृत्य रूप, युग्मित राज्यों के संगीत वाद्ययंत्र थे।

राष्ट्रीय स्तर पर, सचिव, युवा कार्यक्रम, संयुक्त सचिव, युवा कार्यक्रम, निदेशक, एनएसएस, एनएसएस निदेशालय के अधिकारी और राज्य एनएसएस अधिकारी भी वेबिनार में शामिल हुए। सचिव, युवा कार्यक्रम, और संयुक्त सचिव, युवा कार्यक्रम विभाग ने युवा स्वयंसेवकों को इनके राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों के सहकर्मियों और मित्रों के बीच एक भारत श्रेष्ठ भारत के संदेश को फैलाने के लिए प्रोत्साहित किया। यह गतिविधि जारी रहेगी।

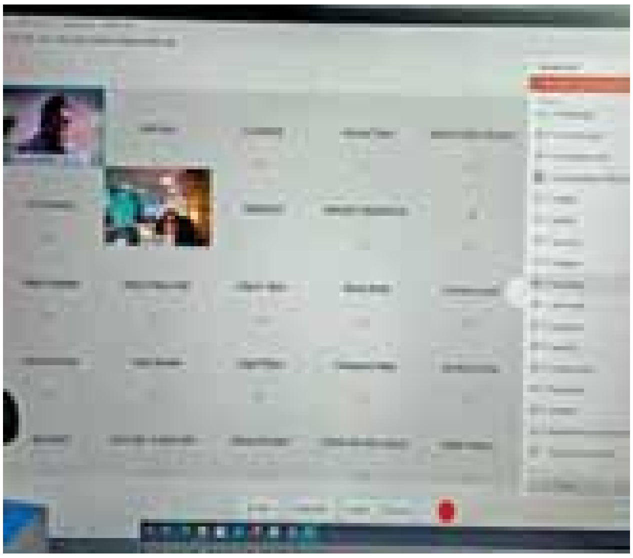

विश्व पर्यावरण दिवस 2020: पूरे देश में पौधारोपण अभियान चलाया गया और पर्यावरण संरक्षण पर ऑनलाइन प्रतियोगिताओं जैसे विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया गया जिसमें 2,37,728 एनएसएस स्वयंसेवकों ने भाग लिया।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस समारोहः योग प्रदर्शन और विभिन्न प्रतियोगिताओं जैसे ऑनलाइन प्रतियोगिताओं, वेबिनार और योग विषय पर अन्य गतिविधियों का आयोजन किया गया जहां देश भर के 17,50,927 एनएसएस स्वयंसेवकों ने भाग लिया।

राष्ट्रीय पोषण माह –2020.21: 1–30 सितंबर, 2020 से एनएसएस इकाइयों द्वारा पोशण माह का आयोजन किया गया। कुल 18,219 स्वयंसेवकों ने पोषण जागरूकता अभियान और मोटापा संबंधी खाने के विकार, फास्ट फूड और पैकेज्ड खाद्य पदार्थों के शरीर पर प्रभाव पर व्याख्यान में भाग लिया और और जैविक आहार का प्रचार किया गया।

राष्ट्रीय सेवा योजना पुरस्कार 2018–19: राष्ट्रीय सेवा योजना पुरस्कार 2018–19 समारोह का आयोजन 24 सितंबर, 2020 को विज्ञान भवन, नई दिल्ली में किया गया, जिसमें भारत के माननीय राष्ट्रपति द्वारा 42 एनएसएस पुरस्कार प्रदान किए गए

गांधी जयंती, 2020 समारोह: महात्मा गांधी की 151 वीं जयंती देश भर में एनएसएस द्वारा उत्साहपूर्वक मनाई गई। इस अवसर पर, फिट इंडिया प्लॉग रन, वेबिनार, लेक्चरर, ऑनलाइन निबंध लेखन, पेंटिंग, पोस्टर, क्विज और गांधीवादी दर्शन पर विभिन्न प्रतियोगिताओं जैसे विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया जिसमें 11,30,792 स्वयंसेवकों ने भाग लिया।

फिट इंडिया प्लाग दौड़: – युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय ने 2 अक्टूबर 2020 को महात्मा गांधी की 151 वीं जयंती के अवसर पर फिट इंडिया प्लाग दौड़ का आयोजन किया, जिसमें देश भर के 9,73,898 स्वयंसेवकों ने भाग लिया।

फिट इंडिया साइक्लोथॉन: फिट इंडिया साइक्लोथॉन का आयोजन माह दिसंबर, 2020 को किया गया। युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय मुख्य रूप से देश के 15–29 वर्ष की आयु के युवाओं के कार्यक्रम करता है। लेकिन यह आयोजन केवल इस आयु वर्ग तक ही सीमित नहीं था और युवाओं के अलावा सभी आयु वर्ग के लोगों को भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया गया जैसा माननीय प्रधान मंत्री द्वारा इस राष्ट्र को फिट बनाने के लिए इस आयोजन की परिकल्पना की गई है। सांसदों, विधायकों, जिला परिषद सदस्यों, जिला कलेक्टरों, अन्य अधिकारियों और गणमान्य व्यक्तियों जैसे जन प्रतिनिधियों की भागीदारी को भी प्रोत्साहित किया गया। कुल 5,60,299 एनएसएस स्वयंसेवकों ने फिट इंडिया साइक्लोथॉन की गतिविधियों में सक्रिय रूप से भाग लिया और देश में कुल 33,61,794 किलोमीटर को कवर किया।

राष्ट्रीय एकता दिवस: सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती 31 अक्टूबर, 2020 को "राष्ट्रीय एकता दिवस" के रूप में मनाई गई, जिसमें 10,63,079 एनएसएस स्वयंसेवकों ने देश भर में ऑफलाइन और ऑनलाइन दोनों तरह की गतिविधियों में भाग लिया।

संविधान दिवसः 26 नवंबर, 2020 को संविधान दिवस मनाया गया, जिसमें कुल 16,47,350 एनएसएस स्वयंसेवकों ने विभिन्न कार्यक्रमों में भाग लिया।

एनएसएस गणतंत्र दिवस परेड शिविर, 2021ः एनएसएस के स्वयंसेवक प्रत्येक वर्ष राजपथ पर गणतंत्र दिवस परेड में भाग लेते हैं। स्वयंसेवकों को इस भागीदारी के लिए तैयार करने हेतु प्रत्येक वर्ष जनवरी में नई दिल्ली में एक माह लंबे गणतंत्र दिवस परेड शिविर का आयोजन किया जाता है जिसमें भारत के सभी राज्यों और संघ राज्य क्षेत्रों का प्रतिनिधित्व करते हुए 200 चुनिंदा एनएसएस स्यवंसेवक (100 लड़के और 100 लड़कियां) भाग लेते हैं। एनएसएस गणतंत्र दिवस परेड शिविर जनवरी, 2021 अंतरराष्ट्रीय युवा छात्रावास और वि व युवक केंद्र, चाणक्यपुरी, नई दिल्ली में आयोजित किया गया था। शिविर के दौरान, स्वयंसेवकों ने माननीय प्रधानमंत्री और माननीय युवा कार्यक्रम और खेल मंत्री के साथ मुलाकात करने का अवसर प्राप्त किया।

सड़क सुरक्षा माह, 2021–

इस वर्ष सड़क सुरक्षा सप्ताह के बजाय, देश भर में एनएसएस इकाइयों द्वारा 18 जनवरी, 2021 से सड़क सुरक्षा माह का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें विभिन्न गतिविधियाँ जैसे यातायात जागरूकता रैलियाँ, वॉकथॉन, ट्रैफिक सुरक्षा नियमों पर व्याख्यान, व्याख्यान और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के माध्यम से ऑनलाइन जागरूकता का कार्य किया जा रहा है।

राष्ट्रीय युवा संसद उत्सव, 2021– राष्ट्रीय युवा संसद उत्सव 11 से 12 जनवरी, 2021 तक सेंट्रल हॉल, पार्लियामेंट हाउस नई दिल्ली में आयोजित किया गया, जिसमें 1–5 जनवरी, 2021 से देश भर में आयोजित राज्य युवा संसद से चुने गए 84 युवाओं ने भाग लिया। माननीय प्रधान मंत्री ने राष्ट्रीय युवा संसद समारोह के प्रतिभागियों को संबोधित किया और उन्हें राष्ट्र निर्माण में उनकी रचनात्मक भूमिका के लिए प्रेरित किया।

राष्ट्रीय युवा महोत्सव, 2021: राष्ट्रीय युवा महोत्सव, 2021 का आयोजन 12–16 जनवरी, 2021 से किया गया था। इस सम्मान समारोह का आयोजन 16 जनवरी, 2021 को आंबेडकर भवन में मुख्य अतिथि सुश्री स्मृति जुबिन ईरानी, माननीय महिला और बाल विकास और कपड़ा मंत्री और श्री किरेन रीजीजू माननीय युवा कार्यक्रम और खेल मंत्री की उपस्थिति में किया गया था।

इस अवसर पर आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रम में 132 एनएसएस स्वयंसेवकों के दल ने भाग लिया। सुश्री स्मृति जुबिन ईरानी, माननीय महिला एवं बाल विकास और वस्त्र मंत्री ने ऊर्जावान, रंगारंग कार्यक्रम की सराहना की और समुदाय में निस्वार्थ सेवाओं के लिए एनएसएस के प्रति आभार व्यक्त किया।

नेताजी सुभाष चंद्र बोस की 125वीं जयंती और पराक्रम दिवस– नेताजी सुभाष चंद्र बोस की 125वीं जयंती एनएसएस इकाइयों द्वारा धूमधाम से मनाई गई। इस अवसर को चिह्नित करने के लिए, पराक्रम दिवस 23 जनवरी, 2021 को मनाया गया। नेताजी सुभाष चंद्र बोस को श्रद्धांजलि ज्ञापन, रैली, साइक्लोथॉन, वेबिनार, व्याख्यान, ऑनलाइन निबंध लेखन, पोस्टर प्रतियोगिताओं, नेताजी सुभाष चंद्र बोस के दर्शन और विचारधारा पर क्विज, रक्तदान शिविर, सांस्कृतिक कार्यक्रम आदि मुख्य गतिविधियों का आयोजन किया गया, जिसमें देश भर के 10,52,497 एनएसएस स्वयंसेवकों ने भाग लिया।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी)–2020: एनएसएस इकाइयों ने देश भर के शैक्षणिक संस्थानों में राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी), 2020 के बारे में जागरूकता फैलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है और 479 विश्वविद्यालयों में से लगभग 16.89 लाख स्वयंसेवक विभिन्न सोशल मीडिया प्लेटफार्मों के माध्यम से संदेश प्रसार करने की प्रक्रिया में शामिल थे।

आत्मरक्षा प्रशिक्षण : देश में संबंधित एनएसएस इकाइयों के माध्यम से 38,209 एनएसएस बालिका स्वयंसेवकों को आत्मरक्षा प्रशिक्षण दिया गया था।

श्रमदानः राष्ट्रीय सेवा योजना के अभिन्न अंग के रूप में श्रमदान के 15,11,000 स्वयंसेवी–घंटों का योगदान एनएसएस स्वयंसेवकों द्वारा किया गया था।

उत्तर पूर्व के एनएसएस स्वयंसेवकों द्वारा किए गए सामाजिक कार्यकलापों की झलक

- एनईटीईएस इंस्टीट्यूट ऑफ फार्मास्यूटिकल साइंसेज, असम के एनएसएस स्वयंसेवकों ने पहल की और 40,000 रुपये मूल्य की खाद्य सामग्री एकत्र की। नेमकेयर ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस और स्थानीय कर्मचारियों ने भी संसाधनों को तैयार करने में मदद की। प्राचार्य और कार्यक्रम अधिकारियों के साथ साथ एनएसएस स्वयंसेवकों ने 20.04.2020 को हाथ से संचालित नौकाओं में खाद्य सामग्री लेकर गाँव में पहुँचे और सामाजिक दूरी और मास्क संबंधी मानकों का पालन करते हुए 108 ग्रामीणों के बीच भोजन सामग्री का वितरण किया।

- एनएसएस स्वयंसेवकों ने भी अवसर का लाभ उठाते हुए स्थानीय ग्रामीणों को कोविड 19 के संबंध में जागरूक किया और हाथ धोने, दस्ताने और मास्क का उपयोग करने और कोरोना वायरस से कैसे सुरक्षित रहें इस संबंध में व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया।

पश्चिम सियांग जिला, अरुणाचल प्रदेश की एनएसएस इकाई ने 22 अप्रैल, 2020 को कम्बा क्षेत्र के लोगों को मास्क वितरित किया, जिसे कम्बा सर्किल, पश्चिम सियांग जिला, अरुणाचल प्रदेश के जन नेता श्री दामली नीरी द्वारा दान दिया गया था।

जैसा कि जिला प्रशासन और सिविल हॉस्पिटल, आईजॉल द्वारा रक्तदान करने का अनुरोध किया गया था, डर्टलैंग हायर सेकेंडरी स्कूल, मिजोरम हिंदी ट्रेनिंग कॉलेज और मिजोरम विश्वविद्यालय के एनएसएस स्वयंसेवकों ने आगे आकर कोविड–19 महामारी के दौरान रक्तदान किया।

****

अध्याय – 7

राजीव गांधी राष्ट्रीय युवा विकास संस्थान (आरजीएनआईवाईडी)

परिचय

आरजीएनआईवाईडी एक शीर्ष संस्थान है, जो देश भर में विस्तार और आउटरीच की पहल करने के अलावा युवाओं के विकास के विभिन्न आयामों को समाहित करने, युवा विकास के महत्वपूर्ण क्षेत्रों में मौलिक शोध से जोड़ने और प्रशिक्षण कार्यक्रमों को समन्वित करने के लिए आधुनिक विशेष शैक्षणिक कार्यक्रमों की पेशकश के बहुआयामी कार्यों के साथ एक महत्वपूर्ण संसाधन केंद्र के रूप में कार्य कर रहा है।

संस्थान मंत्रालय के एक थिंक–टैंक और देश में युवाओं से संबंधित गतिविधियों के प्रमुख संगठन के रूप में कार्य करता है। शीर्ष संस्थान के रूप में, यह प्रशिक्षण कार्यक्रमों के कार्यान्वयन में एनएसएस, एनवाईकेएस और अन्य युवा संगठनों के साथ गहन सहयोग में कार्य करता है। संस्थान ग्रामीण, शहरी और जनजातीय क्षेत्रों में युवा विकास गतिविधियों के सुविधा प्रदाता के रूप में युवाओं को प्रशिक्षित करने वाला एक नोडल एजेंसी है।

वर्ष 2020–2021 के दौरान आरजीएनआईवाईडी के कार्यक्रम और गतिविधियां

प्रशिक्षण/ ओरिएंटेशन और क्षमता निर्माण

14 – 18 सितंबर, 2020 तक साइबर सुरक्षा पर सर्टिफिकेट प्रोग्राम

आरजीएनआईवाईडी और एनआईटी–जालंधर ने साइबर सुरक्षा पर संयुक्त रूप से शॉर्ट टर्म सर्टिफिकेट प्रोग्राम का आयोजन ऑनलाइन माध्यम से 14 से 18 सितंबर 2020 तक किया था। इस कार्यक्रम में लगभग 64 छात्र शामिल हुए थे, जिनमें से 20 युवा विभिन्न उत्तर पूर्वी राज्यों से थे। 34 अभ्यर्थी जिनकी कम से कम 70 प्रतिशत उपस्थिति थी और पाठ्यक्रम को सफलता पूर्वक पूरा किया, उन्हें एक ई–प्रमाणपत्र जारी किया गया था।

सर्टिफिकेट कोर्स ऑन आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एंड मशीन लर्निंग 28 सितंबर – 02 अक्टूबर 2020

आरजीएनआईवाईडी और एनआईटी–जालंधर ने संयुक्त रूप से 28 सितंबर से 2 अक्टूबर 2020 तक आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एंड मशीन लर्निंग पर शॉर्ट

19 – 21 अक्टूबर 2020 तक युवा स्वास्थ्य मुद्दों पर प्रशिक्षकों का तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम

एनएसएस कार्यक्रम अधिकारियों के लिए वाई वी विश्वविद्यालय, कडप्पा, आंध्र प्रदेश के साथ सहयोग से कोविड 19 महामारी के दौरान युवा स्वास्थ्य मुद्दों पर प्रशिक्षकों का तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया था। इसमें कोविड महामारी के दौरान मानसिक तनाव का सामना करने के तरीके, युवाओं में आत्महत्या का कारण और आत्महत्या की उच्च दर, जिसे युवाओं की उचित काउंसलिंग

के माध्यम से रोका जा सकता है, युवा की पोषण संबंधी आवश्यकताओं और शांति और सद्भाव के लिए योग और ध्यान जैसे कई विषय शामिल थे। कार्यक्रम में विभिन्न कॉलेजों और विश्वविद्यालय के कुल 34 प्रतिभागियों में से 25 पुरुष और 09 महिलाएँ उपस्थित थीं।

19– 23 अक्टूबर 2020 तक डाटा साइंस में हाल की प्रगति संबंधी सर्टिफिकेट कोर्स

आरजीएनआईवाईडी और एनआईटी–जालंधर ने 19 से 23 अक्टूबर 2020 तक ऐसे छात्रों के लिए डाटा साइंस में हाल की प्रगति संबंधी शॉर्ट टर्म सर्टिफिकेट कोर्स का आयोजन किया है, जो ऑनलाइन माध्यम से कंप्यूटर साइंस एंड टेक्नोलॉजी, इंजीनियरिंग और साइंस में डिप्लोमा कर रहे हैं, कंप्यूटर साइंस, गणित, सांख्यिकी, भौतिक विज्ञान से ग्रेजुएट्स/पोस्ट ग्रेजुएट या समकक्ष इंजीनियरिंग युवा हैं। कार्यक्रम में देश के विभिन्न हिस्सों से 72 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

युवा विकास (पूर्वोत्तर क्षेत्र के एनसीसी अधिकारियों के लिए एक विशेष कार्यक्रम) 27– 31 अक्टूबर 2020

राजीव गांधी राष्ट्रीय युवा विकास संस्थान (आरजीएनआईवाईडी), श्रीपेरुम्बुदूर, तमिलनाडु ने 27–31 अक्टूबर, 2020 के दौरान ऑनलाइन माध्यम से पांच दिवसीय युवा विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम– जो उत्तर पूर्वी क्षेत्र के एनसीसी अधिकारियों के लिए एक विशेष कार्यक्रम है, का आयोजन किया। उद्घाटन कार्यक्रम के दौरान, आरजीएनआईवाईडी के निदेशक ने कार्यक्रम, इसके उद्देश्यों और अपेक्षित परिणाम और एनसीसी अधिकारियों को लाभ के बारे में बताया। यह कार्यक्रम एनसीसी अधिकारियों के लिए एक वास्तविक व्यावसायिक विकास अवसर साबित हुआ और से काफी सराहा गया। कार्यक्रम में लगभग 250 एनसीसी अधिकारियों ने भाग लिया।

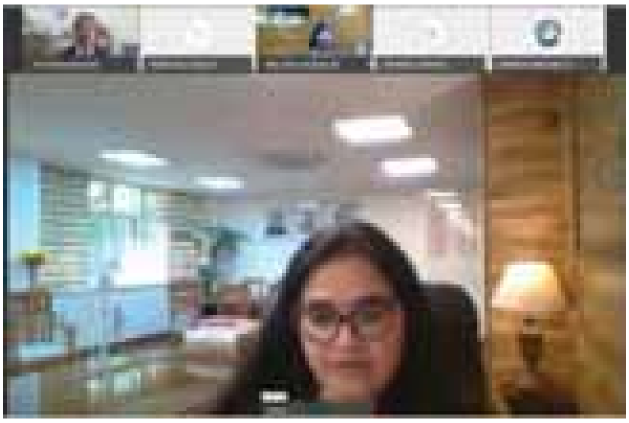

विशेष व्याख्यान/वेबिनार

कोविड 19 और छात्र : टाईम टू बी रिसाइलैंट विषय पर एक विशेष व्याख्यान 04 जून 2020

कोविड 19 और छात्र : टाईम टू बी रिसाइलैंट विषय पर एक विशेष व्याख्यान – निदेशक, आरजीएनआईवाईडी और प्रोफेसर बी एन रूपेश, नैदानिक मनोविज्ञान विभाग, निमहंस, बैंगलोर द्वारा आरजीएनआईवाईडी के संकाय और छात्रों के लिए एक लाइव स्ट्रीमिंग। आरजीएनआईवाईडी के 25 छात्रों और संकाय ने विशेषज्ञ व्यक्तियों के साथ बातचीत की।

शैक्षणिक प्रेरणा और कैरियर पर छात्रों की सफलता को बढ़ाने के लिए रणनीतियाँ विषय पर एक विशेष व्याख्यान – 09 जून 2020

शैक्षणिक प्रेरणा और कैरियर पर छात्रों की सफलता को बढ़ाने के लिए रणनीतियाँ विषय पर एक विशेष व्याख्यान – प्रोफेसर सिबनाथ देब, निदेशक,

आरजीएनआईवाईडी, डॉ.बिशाखा मजुमदार, असिस्टेंट प्रोफेसर आईआईएम, विशाखापत्तनम, डॉ.अंजलि गिरीसन, वैज्ञानिक, डीआरडीओ, भारत सराकार, डॉ. अनीश कुमार, सहायक प्रोफेसर, मनोविज्ञान विभाग, क्राइस्ट और डॉ. शिंटो थॉमस, असिस्टेंट प्रोफेसर, मनोविज्ञान विभाग, क्राइस्ट द्वारा लाइव स्ट्रीमिंग। वेबिनार के माध्यम से आरजीएनआईवाईडी के 90 छात्रों, रिसर्च स्कॉलर्स और संकाय ने चर्चा की।

वेबिनार के माध्यम से 'कोविड 19 महामारी के दौरान छात्रों का मानसिक स्वास्थ्य और भावनात्मक कल्याण' – 07 अगस्त 2020

प्रो. सिबनाथ देब, निदेशक, आरजीएनआईवाईडी ने मनोविज्ञान विभाग, महाराजा बीर बिक्रम कॉलेज, अगरतला, त्रिपुरा द्वारा आयोजित वेबिनार के माध्यम से 'कोविड 19 महामारी के दौरान छात्रों का मानसिक स्वास्थ्य और भावनात्मक कल्याण' विषय पर मुख्य भाषण दिया ।

भारत में युवा उद्यमियों के लिए स्कोप 14 अगस्त 2020

प्रशिक्षण, अभिविन्यास और क्षमता निर्माण केंद्र (सीटीओसीबी) ने 14 अगस्त 2020 को तिरुपत्तुर के पीजी और रिसर्च डिपार्टमेंट ऑफ सोशल वर्क, सेक्रेड हार्ट कॉलेज के सहयोग से एक वेबिनार का आयोजन किया, जिसमें 35 युवाओं ने भाग लिया। उद्यमिता विशेषज्ञ डॉ. बालाचंद्रन, वरिष्ठ महाप्रबंधक, वीआईटी–टेक्नॉलॉजी बिजनेस इनक्यूबेटर, वेल्लोर इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी ने भारत में युवा उद्यमियों के लिए स्कोप पर एक प्रस्तुति दी। उन्होंने एक युवा उद्यमी के लिए आवश्यक ज्ञान, दृष्टिकोण और कौशल के बारे में बताया।

किशोरों और युवाओं के मानसिक स्वास्थ्य को बनाए रखने संबंधी वेबिनार 18 अगस्त 2020

प्रशिक्षण, अभिविन्यास और क्षमता निर्माण केंद्र द्वारा 18 अगस्त 2020 को पी.जी. और सामाजिक कार्य विभाग, सेक्रेड हार्ट कॉलेज, तिरुपत्तुर के सहयोग से किशोरों और युवाओं के मानसिक स्वास्थ्य को बनाए रखने विषय पर एक वेबिनार का आयोजन किया गया था । इस कार्यक्रम में कुल 76 प्रतिभागी (44 पुरुष और 32 महिला) शामिल हुए। वेबिनार का उद्घाटन करते हुए आरजीएनआईवाईडी के निदेशक प्रो. शिबनाथ देब ने इस कठिन दौर में किशोरों और युवाओं के मानसिक स्वास्थ्य को बनाए रखने के महत्व, विशेष रूप से कोविड–19 महामारी के दौरान, पर प्रकाश डाला। किशोरों और युवाओं के मानसिक स्वास्थ्य के विशेषज्ञ, अरुल जेवियर राज, निदेशक, फाउंटेन इंस्टीट्यूट ऑफ काउंसलिंग एंड साइकोथेरेपी, कृष्णागिरि, तमिलनाडु ने युवाओं के किशोरावस्था के मानसिक स्वास्थ्य संबंधी मुद्दों पर एक प्रस्तुति दी।

उभरते करियर पर 'मनोविज्ञान परामर्श के लिए कॉल करें' 11 सितंबर 2020

प्रो.सिबनाथ देब, निदेशक, आरजीएनवाईडी ने एबीपी एजुकेशन द्वारा आयोजित कॉलेज में दाखिला के इच्छुक छात्रों के लिए उभरते करियर पर 'मनोविज्ञानः परामर्श के लिए कॉल करें' विषय पर एक व्याख्यान दिया।

युवाओं में मादक द्रव्यों के सेवन का निवारण विषय पर राष्ट्रीय वेबिनार 06 अक्टूबर 2020

युवाओं में मादक द्रव्यों के सेवन का निवारण विषय पर राष्ट्रीय वेबिनार 6 अक्टूबर 2020 को ऑनलाइन के

माध्यम से आयोजित किया गया था। डॉ वी सुरेन्द्रन, प्रमुख, साइको–ऑन्कोलॉजी विभाग, रिसोर्स सेंटर फॉर टोबैको काउंसिल कैंसर इंस्टिट्यूट (डब्ल्यूआईए), चेन्नई विशेषज्ञ वक्ता थे।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति के तहत नए भारत की शैक्षणिक पद्धति 07–11 अक्टूबर 2020

प्रो. सिबनाथ देब, निदेशक, आरजीएनआईवाईडी, व्यवसाय प्रशासन विभाग, असम विश्वविद्यालय, व्यवसाय प्रबंधन विभाग, त्रिपुरा विश्वविद्यालय और मणिपुर इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज, मणिपुर विश्वविद्यालय द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित पांच दिवसीय ऑनलाइन संकाय विकास कार्यक्रम के लिए विशेषज्ञ व्यक्ति के पैनल में थे। ।

स्वास्थ्य और पर्यावरण पर भारत और स्विट्जरलैंड में शोधकर्ताओं के लिए ऑनलाइन वेब एक्सचेंज 24 नवंबर 2020

प्रोफेसर सिबनाथ देब, निदेशक, आरजीएनआईवाईडी ने जेडएचएडब्ल्यू स्कूल ऑफ मैनेजमेंट एंड लॉ, ज्यूरिख यूनिवर्सिटी ऑफ एप्लाइड साइंसेज, स्विट्जरलैंड और आईसीएसएसआर, नई दिल्ली द्वारा आयोजित स्वास्थ्य और पर्यावरण विषय पर भारत और स्विट्जरलैंड में शोधकर्ताओं के लिए लघु ऑनलाइन वेब एक्सचेंज के दौरान 'पर्यावरण और स्वास्थ्य पर इसका प्रभाव' विषय पर प्रस्तुति दी। ।

कोविड–19 महामारी के दौरान छात्रों का कल्याण विषय पर वेबिनार 24 नवंबर 2020

त्रिपुरा विश्वविद्यालय (केन्द्रीय विश्वविद्यालय) के सहयोग से आरजीएनआईवाईडी ने 24 नवंबर, 2020 को कोविड–19 महामारी के दौरान छात्रों का कल्याण विषय पर एक वेबिनार का आयोजन किया। वेबिनार का उद्घाटन प्रो. गंगा प्रसाद प्रसैन, कुलपति, त्रिपुरा विश्वविद्यालय ने किया। प्रोफेसर सिबनाथ देब, निदेशक, आरजीएनआईवाईडी ने युवाओं का कल्याण विषय पर एक व्याख्यान दिया और प्रोफेसर रूपेश बी एन, प्रोफेसर, नैदानिक मनोविज्ञान विभाग, नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ मेंटल हेल्थ एंड न्यूरो साइंसेज (एनआईएमएचएएनएस), बैंगलोर ने भारतीय युवाओं द्वारा सामना की जा रही चुनौतियां और प्रतिकूलताओं और समाधान विषय पर एक सत्र को संबोधित किया। डॉ दीपायण चौधरी, एसोसिएट प्रोफेसर और प्रमुख, मानव मनोविज्ञान विभाग, त्रिपुरा विश्वविद्यालय ने कार्यक्रम का समन्वय किया।

कार्यशालाएं/परामर्श/ संगोष्ठी/ सेमिनार/ सम्मेलन

शैक्षणिक लेखन पर कार्यशाला 22 – 25 जून 2020

आरजीएनआईवाईडी ने अकादमिक लेखन पर एक ऑनलाइन कार्यशाला का आयोजन किया जिसमें 44 संकाय, रिसर्च स्कॉलर और छात्रों ने भाग लिया। कार्यशाला के प्रमुख संसाधन व्यक्ति प्रो लिंगम ने शोध के उद्देश्य, शोध में चरणों, साहित्य समीक्षा के उद्देश्य और ई–स्रोतों तक पहुंच पर प्रकाश डाला। उन्होंने गहन अध्ययन में उन चरणों को भी विस्तार से बताया, जो प्रतिभागियों में अकादमिक दृढ़ता को प्रबुद्ध बनाता है। उन्होंने साहित्य की समीक्षा से संबंधित विषयों पर प्रतिभागियों द्वारा उठाए गए प्रश्नों का उत्साहपूर्वक समाधान किया।

युवाओं के कौशल की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए तमिलनाडु में उद्योगों के मानव संसाधन प्रबंधकों के साथ ऑनलाइन परामर्श 11 जुलाई 2020

नवंबर 2019 में, सेंटर फॉर मॉनिटरिंग इंडियन इकोनॉमी (सीएमआईई) द्वारा किए गए एक अध्ययन के अनुसार, तमिलनाडु में बेरोजगारी की दर 2.5 प्रतिशत थी। अप्रैल, 2020 में जब लॉकडाउन की स्थिति थी, तो अध्ययन के अनुसार बेरोजगारी दर बढ़कर 43.5 प्रतिशत हो गई। मई में, जैसा कि लॉकडाउन प्रतिबंधों में छूट दी गई थी, उसी संगठन द्वारा किए गए अध्ययन में उल्लेख किया गया कि बेरोजगारी की दर 33 प्रतिशत थी । इस पृष्ठभूमि में, आरजीएनआईवाईडी ने रोजगारपरक बनने और अपनी आजीविका कमाने के लिए परिणाम आधारित

कौशल प्रशिक्षण लेने हेतु बड़ी संख्या में युवाओं को सक्षम बनाने और मोबिलाइज करने के लिए कौशल प्रशिक्षण शिक्षा प्रमाणन योजना की पेशकश का प्रस्ताव दिया। इसके लिए, चेन्नई में और उसके आसपास उद्योगों की कौशल आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए विभिन्न उद्योगों के मानव संसाधन विभागों के प्रबंधकों के साथ 11 जुलाई 2020 को एक प्रारंभिक ऑनलाइन परामर्श आयोजित किया गया था ।

स्कूल आधारित पारिवारिक परामर्श में ऑक्सफोर्ड संगोष्ठी 06 अगस्त 2020

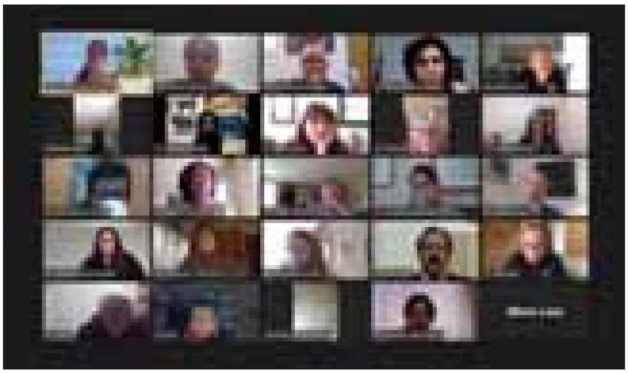

प्रोफेसर सिबनाथ देब, निदेशक, जीएनआईवाईडी ने 6 अगस्त, 2020 को वेबिनार के माध्यम से सीएसडब्ल्यूएस बच्चों के लिए शिक्षा संबंधी ऑक्सफोर्ड संगोष्ठी समुदाय आधारित भागीदारी दृष्टिकोण का अनुभव विषय पर मुख्य भाषण दिया ।

'जेनेरेशन इक्वेलिटी बिल्डिंग बैक बेटर फ्रॉम कोविड–19' विषय पर तीसरा राष्ट्रीय सम्मेलन 26 अगस्त 2020

प्रो सिबनाथ देब, निदेशक, आरजीएनआईवाईडी ने संयुक्त राष्ट्र की 75 वीं वर्षगांठ के अवसर पर रुयूएन75 वार्तालाप की दिशा में योगदान देते हुए संयुक्त राष्ट्र (यूएनआईसी) के सहयोग से डीड्स, आंध्र प्रदेश द्वारा 26 अगस्त, 2020 को आयोजित 'जनरेशन इक्वैलिटीः बिल्डिंग बैक फ्रॉम कोविड–19' विषय पर तीसरे राष्ट्रीय सम्मेलन के लिए एक विशेष व्याख्यान दिया। यह आयोजन देश भर में भारतीय अकादमिक, उद्योग और अनुसंधान समुदाय के बीच वार्तालाप को सुगम बनाता है।

'राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 की भूमिका' विषय पर राज्यपाल का सम्मेलन 07 सितंबर 2020

प्रो सिबनाथ देब, निदेशक, आरजीएनआईवाईडी ने उच्चतर शिक्षा को बदलने में राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 की भूमिका विषय पर राज्यपाल के सम्मेलन में भाग लिया। सम्मेलन ने सरकार द्वारा शुरू की गई राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 की भूमिका के महत्व पर जोर दिया।

भारत के माननीय राष्ट्रपति की अध्यक्षता में विजिटर्स सम्मेलन 19 सितंबर 2020

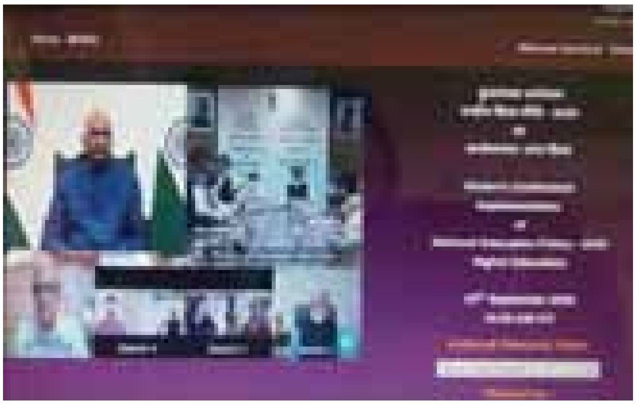

प्रोफेसर सिबनाथ देब, निदेशक, आरजीएनआईवाईडी ने भारत के माननीय राष्ट्रपति की अध्यक्षता में आयोजित विजिटर्स सम्मेलन में भाग लिया।

उत्तर पूर्वी राज्यों के युवाओं के बीच डिजिटल कौशल बढ़ाने संबंधी राष्ट्रीय कार्यशालाः डिजिटल इंडिया की ओर 24 – 26 नवम्बर 2020

आरजीएनआईवाईडी ने व्यवसाय प्रबंधन विभाग के सहयोग से, त्रिपुरा विश्वविद्यालय ने उत्तर पूर्वी राज्यों के युवाओं के बीच डिजिटल कौशल बढ़ाने संबंध ी एक 3–दिवसीय ऑनलाइन राष्ट्रीय कार्यशालाः डिजिटल इंडिया की ओर, का आयोजन किया ।

उत्तर पूर्व भारत के लिए रोजगार और उद्यमिता कौशल विकास के अवसर 27 – 29 नवंबर 2020

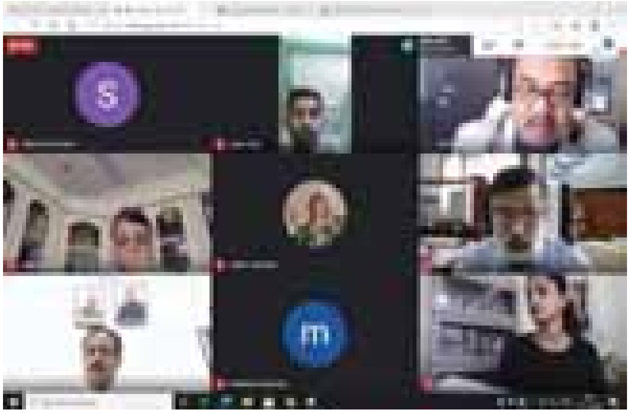

तेजपुर विश्वविद्यालय के सहयोग से आरजीएनआईवाईडी ने 27 से 29 नवंबर 2020 तक पूर्वोत्तर भारत के लिए रोजगार और उद्यमिता कौशल विकास के अवसर पर 3–दिवसीय कार्यक्रम का आयोजन किया।

सतत विकास पर संगोष्ठी 02 – 03 दिसंबर 2020

आरजीएनआईवाईडी ने अनुसंधान समिति, यिंगली कॉलेज, लोंगलेंग, नागालैंड के सहयोग से यिंगली कॉलेज, लोंगलेंग, नागालैंड में 2 से 3 दिसंबर 2020 तक सतत विकास पर एक संगोष्ठी का आयोजन किया। प्रो सिबनाथ देब, निदेशक आरजीएनआईवाईडी ने 2 दिसंबर 2020 को ऑनलाइन कार्यक्रम का उद्घाटन किया।

नृवंशविज्ञान और दृश्य प्रलेखन पर तीन दिवसीय राज्य स्तरीय कार्यशाला 03 – 05 दिसंबर 2020

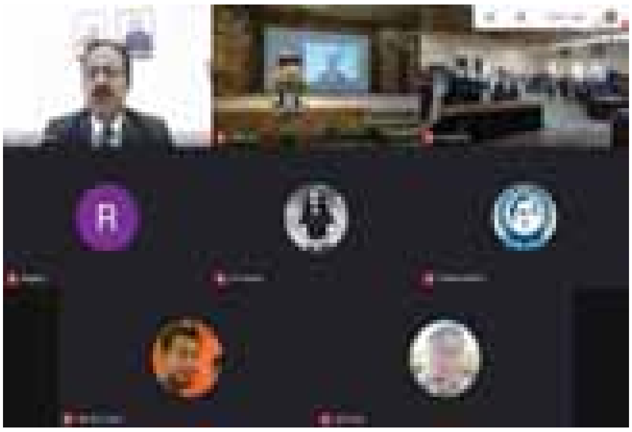

आरजीएनआईवाईडी ने नृवंशविज्ञान विभाग, कोहिमा साइंस कॉलेज, जोत्सोमा, नागालैंड के सहयोग से 3 से 5 दिसंबर 2020 तक कोहिमा साइंस कॉलेज, जोत्सोमा, नागालैंड में नृवंशविज्ञान और दृश्य प्रलेखन पर तीन दिवसीय राज्य स्तरीय कार्यशाला आयोजित की।

उद्यमिता विकास पर एक दिवसीय कार्यशाला

10 दिसंबर 2020

आरजीएनआईवाईडी द्वारा कोहिमा कॉलेज, कोहिमा, नागालैंड के साथ 10 दिसंबर 2020 को उद्यमिता विकास पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया था। सत्र में उद्यमिता के विभिन्न आयाम और सफल उद्यमियों द्वारा प्रेरक वार्ता शामिल था।

पूर्वोत्तर भारत में प्रकृति, कृषि और आजीविका विषय पर दो दिवसीय कार्यशाला 29 – 30 दिसंबर 2020

आरजीएनआईवाईडी ने 29–30 दिसंबर 2020 तक सेंटर फॉर पब्लिक पॉलिसी एंड गवर्नेंस, तेजपुर विश्वविद्यालय (केन्द्रीय विश्वविद्यालय) के सहयोग से पूर्वोत्तर भारत में प्रकृति, कृषि और आजीविका पर दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया। प्रो.सिबनाथ देब, निदेशक, आरजीएनआईवाईडी ने प्रतिभागियों को ऑनलाइन संबोधित किया। कार्यक्रम में कुल 130 छात्र युवाओं ने भाग लिया।

बैठक

अंतर–मंत्रालयी बैठक – भारत–बांग्लादेश के लिए तैयारी 09 दिसंबर 2020

9 दिसंबर 2020 को विदेश मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा एक अंतर–मंत्रालयी बैठक आयोजित की गई थी जिसमें निदेशक, आरजीएनआईवाईडी ने आरजीएनआईवाईडी, युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय, भारत सरकार के अध्यक्ष के रूप में भाग लिया था। बैठक के दौरान, बांग्लादेश के अपने समकक्ष के साथ चर्चा करने के लिए भारत के माननीय प्रधान मंत्री के लिए मंत्रालय–वार इनपुट मांगे गए थे। बैठक के दौरान निदेशक, आरजीएनआईवाईडी ने उन कार्यक्रमों का विवरण प्रस्तुत किया, जो युवा विकास और अन्य विभिन्न विषयों पर बांग्लादेश सरकार के लिए आरजीएनआईवाईडी द्वारा आयोजित किए जा सकते हैं।

समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर

आरजीएनआईवाईडी और डब्ल्यूडब्ल्यूआईएल के बीच समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर 25 दिसंबर 2020

4 नवंबर 2020 को युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय तथा व्हिसलिंग वुड्स इंटरनेशनल के अधिकारियों के साथ आयोजित बैठक के अनुरूप, मीडिया और संचार पर ऑफबीट कैरियर उन्मुख शैक्षणिक कार्यक्रमों की पेश करने के लिए रणनीतियों को औपचारिक रूप देने हेतु डब्ल्यूडब्ल्यूआईएल, मुंबई परिसर में 25 दिसंबर 2020 को आरजीएनआईवाईडी, जो केन्द्रीय युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय के तहत भारत का प्रमुख युवा विकास संस्थान है, और व्हिस्लिंग वुड्स इंटरनेशनल लिमिटेड, मुंबई के बीच समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए थे।

डॉ. बी आर अंबेडकर नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, जालंधर के साथ समझौता ज्ञापन

जनवरी 2021 के दौरान आरजीएनआईवाईडी ने डॉ बी आर अम्बेडकर नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, जालंधर (एनआईटीजे) के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किया है। समझौता ज्ञापन के माध्यम से, यह परिकल्पना की गई है कि आईटी क्षेत्र में ऑनलाइन प्लेटफॉर्म के माध्यम से युवाओं के लिए अल्पकालिक नौकरी–उन्मुख कौशल प्रशिक्षण पाठ्यक्रम सहित विभिन्न शैक्षणिक कार्यक्रम संचालित किए जाएंगे।

राजीव गांधी विश्वविद्यालय, अरुणाचल प्रदेश के साथ समझौता ज्ञापन

आरजीएनआईवाईडी ने औपचारिक रूप से राजीव गांधी विश्वविद्यालय (केन्द्रीय विश्वविद्यालय), अरुणाचल प्रदेश के साथ विभिन्न शैक्षणिक सहयोग के लिए और राजीव गांधी विश्वविद्यालय, इटानगर परिसर में आरजीएनआईवाईडी का पूर्वोत्तर क्षेत्रीय केंद्र स्थापित करने के लिए एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किया।

आरजीएनआईवाईडी के संकाय द्वारा प्रकाशन

वेबिनार के माध्यम से विक्टिमोलॉजी एंड क्रिमिनोलॉजी पर पुस्तक विमोचन 02 अगस्त 2020

प्रो. चोकालिंगम, अध्यक्ष कार्यकारी परिषद, आरजीएनआईवाईडी ने वेबिनार के माध्यम से 'विक्टिमोलॉजी एंड क्रिमिनोलॉज' नामक पुस्तक का विमोचन किया।

रिपोर्टिंग अवधि के दौरान निदेशक, आरजीएनआईवाईडी द्वारा निम्नलिखित लेख प्रकाशित किए गए:

- प्रो. सिबनाथ देब, निदेशक, आरजीएनआईवाईडी द्वारा अपहोल्डिंग जस्टिसः सोशल, साइकोलॉजिकल एंड लिगल प्रस्पेक्टिव (रूटलेज, 2020)
- प्रो. सिबनाथ देब, निदेशक, आरजीएनआईवाईडी द्वारा डिलीवरिंग जस्टिसः इसूज एंड कंसर्न (रूटलेज, 2020)

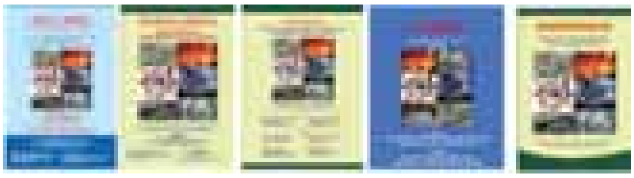

- प्रो. सिबनाथ देब, निदेशक, आरजीएनआईवाईडी द्वारा सामुदायिक मनोविज्ञानः सिद्धांत और अनुप्रयोग (सेज, 2020)
- प्रो. सिबनाथ देब, निदेशक, आरजीएनआईवाईडी द्वारा भारत में वंचित बच्चे – अनुभवजन्य साक्ष्य, नीतियां और कार्य (स्प्रिंगर, 2020)
- टेलर और फ्रांसिस के साथ युवा विकास पर प्रकाशन के लिए समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए, जो कि प्रो.सिबनाथ देब, निदेशक, आरजीएनआईवाईडी द्वारा प्रक्रियाधीन है।
- एडोलसेंट पॉलिसी फ्रेमवर्क एंड एडवोकेसी (किशोर संसाधन केंद्र, विकास अध्ययन विभाग, आरजीएनआईवाईडी द्वारा तैयार) यूनीसेफ द्वारा प्रायोजित

डॉ एस ललिता, असिस्टेंट प्रोफेसर और प्रमुख, सामाजिक कार्य विभाग, आरजीएनआईवाईडी का शोध आलेख ब्रिटिश जर्नल ऑफ सोशल वर्क द्वारा प्रकाशित किया गया है।

डिजास्टर शॉक का अनुवाद और प्रसार

अदृश्य कोरोना वायरस के कारण उत्पन्न अप्रत्याशित वैश्विक संकट और तबाही ने हमारे देश में लोगों के मानसिक स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव डाला है, विशेष रूप से युवाओं के एक विशाल वर्ग पर। हमारे देश में आम लोगों को तनाव और कोविड–19 के बाद के प्रभावों से निपटने के लिए, आरजीएनआईवाईडी ने ब्रायन गेरार्ड, पीएचडी, एमिली गिरौल्ट, पीएचडी, वैलेरी ऐप्लटन, एड. डी, सुजैन जिराडो, एड. डी, और सू लिनविले शेफर, एड. डी द्वारा लिखे गए "डिजास्टर शॉक – हाऊ टू कोप विद इमोशनल स्ट्रेस ऑफ ए मेजर डिजास्टर" शीर्षक मैनुअल का विभिन्न भारतीय भाषाओं जैसे बंगाली, हिंदी, मलयालम और तमिल में अनुवादित संस्करण निकाला है। यह निःशुल्क संसाधन महामारी के दौरान मानसिक रूप से लचीला और मजबूत बने रहने के लिए एक अमूल्य खजाना है।

महत्वपूर्ण दिवसों का आयोजन

आरजीएनआईवाईडी ने श्रीपेरंबदूर में अपने परिसर में 75वां स्वतंत्रता दिवस मनाया

15 अगस्त 2020

आरजीएनआईवाईडी ने श्रीपेरंबदूर में अपने परिसर में 75वां स्वतंत्रता दिवस मनाया। प्रो सिबनाथ देब, निदेशक, आरजीएनआईवाईडी ने राष्ट्रीय ध्वज फहराया और सभा को संबोधित किया और आरजीएनआईवाईडी परिसर में हर्बल गार्डन और फलों के गार्डन का उद्घाटन भी किया।

महात्मा गांधी जयंती का आयोजन

02 अक्टूबर 2020

राजीव गांधी राष्ट्रीय युवा विकास संस्थान (आरजीएनआईवाईडी), क्षेत्रीय केंद्र, चंडीगढ़ ने महात्मा गांधी की 151 वीं जयंती मनाई, जिन्होंने अहिंसा को एक दर्शन, एक सिद्धांत और एक अनुभव माना है जिसके आधार पर एक बेहतर समाज का निर्माण संभव है। कार्यक्रम में आरजीएनआईवाईडी क्षेत्रीय केंद्र के 21 कर्मचारियों ने भागीदारी की ।

संविधान दिवस का आयोजन 26 नवंबर 2020

प्रोफेसर सिबनाथ देब, निदेशक, आरजीएनआईवाईडी, अधिकारी और कर्मचारी, आरजीएनआईवाईडी ने श्रीपेरंबदूर में संविधान दिवस संकल्प लिया।

सतर्कता जागरूकता सप्ताह–2020 का आयोजन

27 अक्टूबर 2020

सतर्कता जागरूकता सप्ताह 27 अक्टूबर से 2 नवंबर 2020 तक सीवीसी की सलाह के अनुसार 27 अक्टूबर

2020 को दोपहर 12.45 बजे आरजीएनआईवाईडी के कर्मचारियों द्वारा ईमानदारी का संकल्प लेते हुए मनाया गया, इसका विषय (सतर्क भारत, समृद्ध भारत (विजिलेंट इंडिया, प्रॉस्परस इंडिया) था। कर्मचारियों और अन्य हितधारकों के लिए सतर्क भारत, समृद्ध भारत– विजिलेंट इंडिया, प्रॉस्परस इंडिया विषय पर एक ऑनलाइन वेबिनार का आयोजन किया गया था, जिसमें अतिथि वक्ता, वी वी गीतांजलि, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक, विशेष जाँच सेल, सतर्कता और भ्रष्टाचार–निरोध, चेन्नई को आमंत्रित किया गया था। वेबिनार में संकाय और गैर–शिक्षण कर्मचारियों को शामिल करते हुए इक्तालिस सदस्यों ने भाग लिया।

अन्य गतिविधियां

काँचीपट्म गाँव, श्रीपेरुम्बदूर तालुक, कांचीपुरम जिले में यूथ क्लब का उद्घाटन।

21 अक्टूबर 2020

आरजीएनआईवाईडी के गाँव गोद लेने के कार्यक्रम के एक हिस्से के रूप में, 21 अक्टूबर 2020 को कच्चीपट्टू गांव में एक युवा क्लब कार्यालय का उद्घाटन किया गया। युवा क्लब कार्यालय का उद्घाटन प्रो. सिबनाथ देब, निदेशक आरजीएनआईवाईडी द्वारा स्थानीय नेताओं, समन्वयक, एनवाईकेएस, कांचीपुरम, सामुदायिक सदस्यों, युवा क्लब सदस्यों और सामाजिक कार्य विभाग, आरजीएनआईवाईडी के फील्डवर्क छात्रों की उपस्थिति में किया गया।

आरजीएनआईवाईडी के क्षेत्रीय केंद्र, चंडीगढ़ की गतिविधियाँ

प्रशिक्षण /क्षमता निर्माण कार्यक्रम

जेंडर सेंसिटाइजेशन पर ऑनलाइन सत्र

31 अक्टूबर 2020

राजीव गांधी राष्ट्रीय युवा विकास संस्थान क्षेत्रीय केन्द्र, (आरजीएनआईवाईडी आरसी) चंडीगढ़ ने 31 अक्टूबर, 2020 को आरजीएनआईवाईडी आरसी, चंडीगढ़ में जेंडर सेंसिटाइजेशन' विषय पर अपने दो घंटे के ऑनलाइन सत्र का सफलतापूर्वक आयोजन किया। नेहरू युवा केंद्र संगठन, त्रिपुरा के 41 युवा क्लब सदस्यों और राष्ट्रीय युवा स्वयंसेवकों (एनवाईवी) ने वेबिनार में भाग लिया। वक्ता ने जेंडर की मूल अवधारणा को समझाया और जेंडर एवं सेक्स के बीच अंतर बताने के लिए ड्राइंग विधि का उपयोग किया। कहानी कला 24 घंटे काम करने के चार्ट और प्रश्नोत्तरी का उपयोग करते हुए पितृसत्ता और लैंगिक भूमिका की अवधारणा पर चर्चा की गई।

नेतृत्व और व्यक्तित्व विकास पर वेबिनार

14 दिसंबर 2020

राजीव गांधी राष्ट्रीय युवा विकास संस्थान, क्षेत्रीय केंद्र ने 14 दिसंबर 2020 को हरियाणा के एनएसएस (राष्ट्रीय सेवा योजना) के स्वयंसेवकों के लिए नेतृत्व और व्यक्तित्व विकास पर एक वेबिनार का सफलतापूर्वक आयोजन किया है। इस कार्यक्रम में 47 एनएसएस स्वयंसेवकों की भागीदारी देखी गई। डॉ कोट्टू शेखर, समन्वयक, आरजीएनआईवाईडी आरसी ने कार्यक्रम को संबोधित किया और उन्हें वेबिनार में सक्रिय रूप से भाग लेने के लिए प्रेरित किया। डॉ मनोज कुमार, प्रोफेसर, डीएवी कॉलेज, पिहोवा ने प्रतिभागियों को प्रेरित किया।

युवा विकास पर वेबिनार 16 दिसंबर 2020

राजीव गांधी राष्ट्रीय युवा विकास संस्थान, क्षेत्रीय केंद्र, चंडीगढ़ और सेंटर फॉर सोशल वर्क, पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ़ ने 16 दिसंबर 2020 को युवा विकास पर एक वेबिनार का आयोजन किया है। इस कार्यक्रम में पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ़ से मास्टर ऑफ सोशल वर्क और सोशल वर्क एंड फील्ड इंटरवेंशन में सर्टिफिकेट कोर्स के 42 छात्रों ने भाग लिया । इस सत्र में प्रतिभागियों से बहुत सारे सवाल पूछे गए जिसका संसाधन व्यक्तियों द्वारा समाधान किया गया।

उद्यमिता विकास पर वेबिनार 16 दिसंबर 2020

राजीव गांधी राष्ट्रीय युवा विकास संस्थान, क्षेत्रीय केंद्र, चंडीगढ़ ने 16 दिसंबर 2020 को नेहरू युवा केंद्र संगठन मणिपुर के राष्ट्रीय युवा स्वयंसेवकों और युवा क्लब के सदस्यों के लिए भउद्यमिता विकास पर एक वेबिनार का आयोजन किया। डॉ कोट्टू शेखर, समन्वयक, आरजीएनआईवाईडी आरसी चंडीगढ़ ने स्वागत भाषण दिया । श्रीमती जैकी रूइवा, राज्य निदेशक, एनवाईकेएस मणिपुर ने उद्घाटन भाषण दिया और कहा कि कोविड-19 के कारण भारत में बेरोजगारी की दर में व्यापक रूप से वृद्धि हुई है। कार्यक्रम में 38 एनवाईकेएस स्वयंसेवकों की भागीदारी देखी गई।

युवा विकास पर वेबिनार 17 दिसंबर 2020

राजीव गांधी राष्ट्रीय युवा विकास संस्थान, क्षेत्रीय केंद्र, चंडीगढ़ और जम्मू विश्वविद्यालय ने 17 दिसंबर 2020 को युवा विकास पर एक वेबिनार का सफलतापूर्वक आयोजन किया। इस कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के 66 स्नातकोत्तर छात्रों ने भाग लिया । प्रो नीरू शर्मा, समन्वयक, एनएसएस कैम्पस यूनिट्स, जम्मू विश्वविद्यालय ने स्वागत भाषण दिया और सभा को संबोधित किया। डॉ कोट्टू शेखर ने कहा कि युवाओं के पास आज अपने समुदायों और दुनिया में मानव जाति के लिए एक बेहतर स्थान बनाने हेतु गतिशील शक्ति और क्षमता है।

उन्होंने सामुदायिक सेवा भागीदारी पर जोर दिया और युवाओं को नागरिक भागीदारी में संलग्न करने और जोड़ने के लिए विभिन्न नए तरीकों को अपनाने पर जोर दिया।

नेतृत्व और व्यक्तित्व विकास पर वेबिनार 19 दिसंबर 2020

राजीव गांधी राष्ट्रीय युवा विकास संस्थान, क्षेत्रीय केंद्र ने 19 दिसंबर 2020 को हिमाचल प्रदेश के एनएसएस स्वयंसेवकों के लिए नेतृत्व और व्यक्तित्व विकास पर एक वेबिनार का आयोजन किया । इस कार्यक्रम में 50 स्वयंसेवकों की भागीदारी देखी गई। श्री शशि राणा, जिला समन्वयक, एनएसएस हिमाचल प्रदेश ने स्वागत भाषण दिया और स्वयंसेवकों को संबोधित किया। सफल होने के लिए सभी युवाओं को नेतृत्व कौशल का प्रदर्शन करना होगा, जिसमें सही निर्णय लेना और नीतियों और कार्यक्रमों को प्रभावित करना शामिल है। इस वेबिनार को प्रतिभागियों को कौशल की एक श्रृंखला विकसित करने में सक्षम बनाने के लिए डिजाइन किया गया था, जो सार्थक भागीदारी के माध्यम से नेतृत्व करने और नीतियों और कार्यक्रमों को प्रभावित करने की उनकी क्षमता को बढ़ाएगा।

युवा विकास पर वेबिनार 22 दिसंबर 2020

राजीव गांधी राष्ट्रीय युवा विकास संस्थान (आरजीएनआईवाईडी), क्षेत्रीय केंद्र (आरसी), चंडीगढ़ ने सिक्किम विश्वविद्यालय, सिक्किम के सहयोग से 22 दिसंबर, 2020 को सिक्किम विश्वविद्यालय के एनएसएस स्वयंसेवकों के लिए युवा विकास पर एक वेबिनार का आयोजन किया। डॉ कोट्टू शेखर, समन्वयक आरसी के प्रमुख, वेबिनार में वक्ता थे। वेबिनार का प्राथमिक उद्देश्य युवा मुद्दों के बारे में युवाओं की समझ को बढ़ाना था। समाजीकरण, संक्रमण, वयस्कता, तनाव, पीढ़ीगत संघर्ष, जिम्मेदार नागरिकता, उपभोक्तावाद, वैश्वीकरण, नागरिक जुड़ाव, युवा संस्कृति, उप–संस्कृतियां, विपरीत–संस्कृति, रोजगार का विविधीकरण, शैक्षिक विकल्प, आभासी सदस्यता, एडवोकेसी, सक्रियतावाद, अपराध, युवा नेतृत्व आंदोलनों, कौशल विकास और नीतिगत हस्तक्षेप जैसे मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की गई।

युवा विकास पर वेबिनार 23 दिसंबर 2020

राजीव गांधी राष्ट्रीय युवा विकास संस्थान, क्षेत्रीय केंद्र, चंडीगढ़ ने 23 दिसंबर 2020 को उत्तर प्रदेश के राष्ट्रीय सेवा योजना कार्यक्रम अधिकारियों के लिए युवा विकास पर एक वेबिनार आयोजित किया था। कार्यक्रम में 40 एनएसएस पीओ ने प्रतिभागिता की। डॉ अंशुमाली शर्मा, राज्य एनएसएस अधिकारी, उत्तर प्रदेश ने कार्यक्रम के महत्व के बारे में बात की और कार्यक्रम अधिकारियों को प्रेरित किया। डॉ कोट्टू शेखर, समन्वयक, आरजीएनआईवाईडी आरसी चंडीगढ़ कार्यक्रम के वक्ता थे। शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और भागीदारी और नीति की आलोचना जैसे क्षेत्रों पर गहन चर्चा के माध्यम से युवा मुद्दों की एक व्यापक समझ युवा सशक्तिकरण के लक्ष्य की प्राप्ति के लिए अपरिहार्य है।

नेतृत्व और व्यक्तित्व विकास पर वेबिनार 23 दिसंबर 2020

राजीव गांधी राष्ट्रीय युवा विकास संस्थान, क्षेत्रीय केंद्र ने 23 दिसंबर 2020 को राजस्थान के नेहरू युवा केंद्र संगठन (एनवाईकेएस) के स्वयंसेवकों के लिए नेतृत्व और व्यक्तित्व विकास पर एक वेबिनार का सफलतापूर्वक आयोजन किया । इस कार्यक्रम में 105 एनवाईकेएस स्वयंसेवकों ने भागीदारी की। श्री भुवनेश जैन, राज्य निदेशक, नेहरू युवा केंद्र संगठन–राजस्थान ने स्वागत भाषण दिया और वेबिनार को संबोधित किया। उन्होंने एक सच्चा नेता बनने और अपने व्यक्तित्व विकास के महत्व पर प्रकाश डालते हुए स्वयंसेवकों को प्रेरित किया। इस वेबिनार को प्रतिभागियों को कौशल की एक श्रृंखला विकसित करने में सक्षम बनाने के लिए डिजाइन किया गया था, जो सार्थक भागीदारी के माध्यम से नेतृत्व करने और नीतियों और कार्यक्रमों को प्रभावित करने की उनकी क्षमता को बढ़ाएगा।

युवा विकास पर वेबिनार 24 दिसंबर 2020

राजीव गांधी राष्ट्रीय युवा विकास संस्थान, क्षेत्रीय केंद्र, चंडीगढ़ और गौहाटी विश्वविद्यालय ने 24 दिसंबर 2020 को सफलतापूर्वक युवा विकास पर एक वेबिनार आयोजित किया । इस कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के 49 स्नातकोत्तर छात्रों ने भागीदारी की । डॉ रंजन कुमार काकती, निदेशक, छात्र कल्याण निदेशालय, गौहाटी विश्वविद्यालय ने स्वागत भाषण दिया और सभा को संबोधित किया। उन्होंने आगे उल्लेख किया कि आज की युवा आबादी अपने अधिकारों के बारे में अधिक कुशल, व्यावहारिक, बेहतर प्रशिक्षित, अधिक शिक्षित और अधिक राजनीतिक रूप से जागरूक है, लेकिन उनके पास कार्रवाई, नागरिक जुड़ाव और बड़े पैमाने पर समुदाय की सेवा में कमी है। उन्होंने सकारात्मक युवा विकास, युवा संस्कृति, उप संस्कृति, और विपरीत संस्कृति के पहलुओं को भी शामिल किया।

उद्यमिता विकास पर वेबिनार 30 दिसंबर 2020

राजीव गांधी राष्ट्रीय युवा विकास संस्थान, क्षेत्रीय केंद्र, चंडीगढ़ ने 30 दिसंबर 2020 को गुरु तेग बहादुर खालसा कॉलेज फॉर वुमन, पंजाब के पीजी यूजी छात्रों के लिए भउद्यमिता विकास पर एक वेबिनार का सफलतापूर्वक आयोजन किया। डॉ कोट्टू शेखर, समन्वयक, आरजीएनआईवाईडी आरसी चंडीगढ़ ने स्वागत भाषण दिया और वर्तमान दुनिया में इस तरह के वेबिनार के आयोजन के महत्व पर प्रकाश डाला । जीटीबी खालसा कॉलेज के सहायक प्रोफेसर श्री जतिंदर सहगल ने उद्घाटन भाषण दिया और छात्रों को सत्र में सक्रिय रूप से भाग लेने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम में 71 महिला छात्रों की भागीदारी देखी गई।

जेंडर सेंसिटाइजेशन पर ऑनलाइन सत्र 30 दिसंबर 2020

राजीव गांधी राष्ट्रीय युवा विकास संस्थान, क्षेत्रीय केंद्र (आरजीएनआईवाईडी आरसी) चंडीगढ़ ने आरजीएनआईवाईडी आरसी, चंडीगढ़ में 30 दिसंबर, 2020 को जेंडर सेंसिटाइजेशन' पर अपने दो घंटे के ऑनलाइन सत्र का सफलतापूर्वक आयोजन किया। पश्चिम बंगाल के नेहरू युवा केंद्र संगठन के पचास युवा क्लब सदस्यों और राष्ट्रीय युवा स्वयंसेवकों (18 महिलाएं और 34 पुरुष) ने वेबिनार में भाग लिया। संचार का माध्यम हिंदी और बंगाली था। वक्ता ने जेंडर की मूल अवधारणा को समझाया और जेंडर एवं सेक्स के बीच अंतर बताने के लिए ड्राइंग विधि का उपयोग किया। लैंगिक सामाजिक निर्माण और लैंगिक पहचान के निर्माण पर चर्चा करने के लिए व्याख्यान और गहन विचार विमर्श विधियों का उपयोग किया गया था।

मासिक धर्म स्वच्छता प्रबंधन पर वेबिनार दिसंबर 2020

नेहरू युवा केंद्र संगठन के सहयोग से राजीव गांधी राष्ट्रीय युवा विकास संस्थान, क्षेत्रीय केंद्र, (आरजीएनआईवाईडी आरसी) चंडीगढ़ ने जम्मू और कश्मीर, बिहार जैसे विभिन्न राज्यों के लिए चार वेबिनार आयोजित किए, जिसका शीर्षक था ब्रेक द साइलेंस। वेबिनार में राज्यों की युवा लड़कियों की भागीदारी देखी गई। यह कार्यक्रम मासिक धर्म स्वच्छता प्रबंधन का ऐसा विषय जो हमारे समाज में चुप्पी और शर्म की संस्कृति में लिपटा हुआ है और प्रतिभागियों को आवश्यक जानकारी और संचार रणनीतियों से लैस करने के लिए प्रशिक्षण प्रदान करने और वैज्ञानिक जानकारी का प्रसार करने हेतु आयोजित किया गया था ताकि वे चुप्पी तोड़ सकें और समुदाय में पीयर शिक्षक की भूमिका निभा सकें।

महत्वपूर्ण दिवस का आयोजन

राष्ट्रीय एकता दिवस का आयोजन 31 अक्टूबर 2020

राजीव गांधी राष्ट्रीय युवा विकास संस्थान, क्षेत्रीय केंद्र, (आरजीएनआईवाईडी आरसी) चंडीगढ़ ने 31 अक्टूबर, 2020 को सरदार वल्लभ भाई पटेल की जयंती के अवसर पर 'राष्ट्रीय एकता दिवस' मनाया। कार्यक्रम में एनवाईकेएस, त्रिपुरा (ऑनलाइन) के इक्तालीस स्वयंसेवकों की आभासी भागीदारी सहित आरसी के कर्मचारी सदस्य, एटीडीसी, चंडीगढ़ के छात्रों और संकाय सदस्यों ने भाग लिया।

विश्व एड्स दिवस का पालन 1 दिसंबर 2020

राजीव गांधी राष्ट्रीय युवा विकास संस्थान, क्षेत्रीय केन्द्र चंडीगढ़ ने आरजीएनआईवाईडी आरसी के सूचना प्रौद्योगिकी छात्रों और एटीडीसी छात्रों के लिए 'ग्लोबल सॉलिडारिटी रिसेलिएंट एचआईवी सर्विसेज' विषय सहित 1 दिसंबर 2020 को विश्व एड्स दिवस मनाया गया । इस आयोजन में 29 पुरुषों और 36 महिलाओं ने भागीदारी की । डॉ कोट्टू शेखर, समन्वयक आरजीएनआईवाईडी आरसी ने स्वागत भाषण दिया और सभा को ऐसी महामारियों के बारे में अधिक जानने के लिए कहा जिसने पिछले तीन दशकों के दौरान हमें प्रभावित किया है।

अंतर्राष्ट्रीय मानवाधिकार दिवस का पालन 10 दिसंबर 2020

राजीव गांधी नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ यूथ डेवलपमेंट रीजनल सेंटर, (आरजीएनआईवाईडीआरसी) चंडीगढ़ ने 10 दिसंबर, 2020 को कोविड प्रोटोकॉल के अनुरूप चंडीगढ़ में अंतर्राष्ट्रीय मानवाधिकार दिवस मनाया है। चंडीगढ़ से 59 प्रतिभागियों (22 पुरुष और 37 महिला) ने आयोजन में भाग लिया। आरजीएनवाईडी आरसी के समन्वयक डॉ कोट्टू शेखर ने वक्ता और सभी प्रतिभागियों का स्वागत किया। डॉ कामला, सहायक प्रोफेसर, राजनीति विज्ञान विभाग, पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ़ ने मानवाधिकारों और उनके उल्लंघनकर्ताओं के बारे में चर्चा की। वक्ता ने संक्षेप में मैग्ना कार्टा, भारतीय संविधान की प्रस्तावना, संवैधानिक उपचार के अधिकार और एक जिम्मेदार नागरिक बनने के लिए मौलिक कर्तव्यों को भी समझाया।

****

अध्याय – 8

राष्ट्रीय युवा और किशोर विकास कार्यक्रम

प्रस्तावना

राष्ट्रीय युवा और किशोर विकास कार्यक्रम (एनपीवाईएडी) राष्ट्रीय युवा सशक्तिकरण कार्यक्रम (आरवाईएसके) का एक घटक है। एनपीवाईएडी के तहत सरकारी/गैर–सरकारी संगठनों को युवाओं तथा किशोर विकास के लिए कार्यकलापों हेतु वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है। एनपीवाईएडी के अंतर्गत 5 प्रमुख घटकों के अंतर्गत सहायता प्रदान की जाती है, नामतः

क) युवा नेतृत्व और व्यक्तित्व विकास प्रशिक्षण

ख) राष्ट्रीय एकता का संवर्धन (राष्ट्रीय अखण्डता शिविर, अंतर राज्य युवा आदान– प्रदान कार्यक्रम, युवा महोत्सव, बहु– सांस्कृतिक गतिविधियां आदि)।

ग) साहस का संवर्धन; तेनजिंग नोर्गे राष्ट्रीय साहस पुरस्कार

घ) किशोर विकास और सशक्तिकरण (जीवन कौशल शिक्षा, काउंसलिंग, करियर गाइडेंस आदि)

ड.) तकनीकी और संसाधन विकास (युवा संबंधी मामलों में अनुसंधान और अध्ययन, प्रलेखन, सेमिनार/कार्यशाला)

प्रचालन दिशा– निर्देश

सहायता के पात्र संगठनों में सरकार द्वारा आंशिक अथवा पूर्णतः वित्त पोषित स्वायत्त संगठन, पंजीकृत सोसायटियां, न्यास, एनजीओ, विश्वविद्यालय, भारतीय विश्वविद्यालय संघ, राज्य स्तरीय संगठन जैसे कि राज्य सरकार के विभाग, पंचायती राज संस्थाएं और शहरी स्थानीय निकाय, शिक्षा संस्थान इत्यादि शामिल हैं।

योजना के लाभार्थी 15–29 वर्ष आयु समूह के युवा और 10–19 वर्ष आयु समूह के किशोर होते हैं। स्कीम के तहत प्रत्येक प्रकार की गतिविधि के लिए सहायता के वित्तीय मानदंड स्कीम में दिए गए हैं।

सचिव, युवा कार्यक्रम की अध्यक्षता में परियोजना मूल्यांकन समिति (पीएसी) की सिफारिश के आधार पर सहायता मंजूर की जाती है।

2020–21 (15.02.2021 तक) के दौरान, कुल 9.05 करोड़ रुपये खर्च किए गए हैं।

राष्ट्रीय युवा महोत्सव

एनपीवाईएडी के राष्ट्रीय अखण्डता के संवर्धन के घटक (ख) के अंतर्गत, प्रत्येक वर्ष स्वामी विवेकानंद की जयंती (12 जनवरी), जिसे राष्ट्रीय युवा दिवस के रूप में मनाया जाता है, के आयोजन के लिए जनवरी माह के दौरान एक राष्ट्रीय युवा महोत्सव आयोजित किया जाता है। यह महोत्सव इच्छुक तथा इसकी मेजबानी के लिए तैयार किसी एक राज्य में आयोजित किया जाता है। व्यय को केंद्र तथा मेजबान राज्य के बीच साझा किया जाता है। महोत्सव के भाग के रूप में आयोजित कार्यक्रमों में विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम (प्रतिस्पर्धी और गैर–प्रतिस्पर्धी दोनों), युवा सम्मेलन, सुविचार, प्रदर्शनियां, साहस कार्यक्रम आदि शामिल होते हैं। इस वर्ष, कोविड–19 प्रतिबंधों को ध्यान में रखते हुए, उत्सव को 20 दिसंबर, 2020 से 16 जनवरी, 2021 तक तीन चरणों अर्थात् जिला स्तर, राज्य स्तर और राष्ट्रीय स्तर पर पहली बार हाइब्रिड मोड में मनाया गया। पहले दो

चरणों में, जिलों में और बाद में राज्यों में विभिन्न प्रतिस्पर्धी और गैर–प्रतिस्पर्धी कार्यक्रम आयोजित किए गए थे। इसके अलावा, पहली बार, कोई विशेष मेजबान राज्य नहीं था, इसके बजाय, विभिन्न राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों ने एक के बाद एक मेजबान राज्य की भूमिका निभाई।

उत्सव के अंतिम चरण में, 12 से 16 जनवरी 2021 तक राष्ट्रीय स्तर के कार्यक्रम आयोजित किए गए थे। राष्ट्रीय स्तर के राष्ट्रीय युवा महोत्सव का उद्घाटन

राष्ट्रीय युवा संसद समारोह के दूसरे आयोजन के समापन के साथ हुआ और 12 जनवरी, 2021 को संसद के सेंट्रल हॉल में आयोजित किया गया। महोत्सव के व्यापक प्रचार के लिए #NYF2021, #YUVAAH और #UtsahNayeBharatKa जैसे विभिन्न हैशटैग और समर्पित वेबसाइट (https://www.nationalyouthfestival.com/) बनाई गई थी। लगभग 6 लाख युवाओं ने वेबसाइट पर अपना पंजीकरण कराया और उत्सव का हिस्सा बने। प्रतिस्पर्धात्मक आयोजनों को आभासी प्लेटफार्मों पर प्रदर्शित किया गया था। निर्णायकों ने 18 एकल आयोजनों और 6 सामूहिक आयोजनों में 81 विजेताओं का चयन करने के लिए आभासी मंच का उपयोग किया।

तेनजिंग नोर्गे राष्ट्रीय साहस पुरस्कार

तेनजिंग नोर्गे राष्ट्रीय साहस पुरस्कार जमीन, समुद्र और हवा में साहस के क्षेत्र में उत्कृष्ट उपलब्धियों के लिए सर्वोच्च राष्ट्रीय पुरस्कार हैं। पुरस्कार प्राप्त करने वाले प्रत्येक व्यक्ति को 5.00 लाख रुपए का नकद पुरस्कार और एक प्रशस्ति–पत्र प्रदान किया जाता है। यह पुरस्कार खेल उत्कृष्टता के लिए अर्जुन पुरस्कार के समान है। तेनजिंग नोर्गे राष्ट्रीय साहस पुरस्कार भारत के माननीय राष्ट्रपति द्वारा प्रत्येक वर्ष राष्ट्रपति भवन में आयोजित एक समारोह में अर्जुन पुरस्कारों के साथ प्रदान किए जाते हैं। इस वर्ष, यह पुरस्कार जमीन, जल, हवा और जीवनपर्यंत उपलबधियों के क्षेत्र में साहस के लिए भारत के माननीय राष्ट्रपति द्वारा 29/08/2020 को राष्ट्रपति भवन में आयोजित एक समारोह में 7 व्यक्तियों को प्रदान किया गया था।

युवा प्रवासी भारतीय दिवस,2021 का आयोजन

16 जनवरी प्रवासी भारतीय दिवस (पीबीडी) के दौरान, भारत और भारतीय प्रवासी के युवा उपलब्धि प्राप्त कर्ताओं को एक साथ लाना विषय पर विदेश मंत्रालय के साथ मिलकर 8 जनवरी, 2021 को आभासी रूप में यूथ पीबीडी मनाया गया। इस आयोजन के विशेष अतिथि महामहिम सुश्री प्रियंका राधाकृष्णन, न्यूजीलैंड के सामुदायिक और स्वैच्छिक क्षेत्र मंत्री थी।

****

अध्याय – 9

अंतरराष्ट्रीय सहयोग

प्रस्तावना

इस विभाग का प्रयास विभिन्न युवा संबंधी मुद्दों पर अन्य देशों और अंतरराष्ट्रीय एजेंसियों/ संगठनों के सहयोग से युवाओं में एक अंतरराष्ट्रीय दृष्टिकोण पैदा करना है। यह विभाग संयुक्त राष्ट्र की एजेंसियों जैसे कि संयुक्त राष्ट्र स्वयंसेवक (यूएनवी)/संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम (यूएनडीपी) और राष्ट्रमंडल युवा कार्यक्रम (सीवाईपी) के साथ युवाओं से संबंधित विभिन्न मुद्दों पर भी सहयोग करता है। विभाग ने युवाओं को कौशल प्रशिक्षण प्रदान करने और लाभकारी रोजगार उपलब्ध कराने के लिए जुलाई, 2020 से संयुक्त राष्ट्र बाल कोष (यूनिसेफ) के साथ सहयोग शुरू किया है।

अंतरराष्ट्रीय युवा आदान- प्रदान

मित्र राष्ट्रों के साथ पारस्परिक आधार पर विभिन्न देशों के युवाओं के बीच विचारों, मूल्यों और संस्कृति के आदान–प्रदान का संवर्धन करने और शांति तथा समझ का संवर्धन करने के लिए युवा शिष्टमंडलों का आदान प्रदान किया जाता है। यह युवाओं में अंतरराष्ट्रीय दृष्टिकोण विकसित करने में सहायता प्रदान करता है।

चीन, दक्षिण कोरिया, वियतनाम, मालदीव, श्रीलंका, नेपाल, बहरीन और रूस, ताजिकिस्तान, किर्गिस्तान के साथ नियमित वार्षिक युवा विनिमय कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं।

इसके अतिरिक्त, वर्ष 2012 से बांग्लादेश से 100 सदस्यीय युवा शिष्टमंडल भारत का दौरा करता रहा है। इसके अलावा, समय–समय पर कुछ कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं, परंतु यह नियमित वार्षिक कार्यक्रम नही हैं। हालाँकि, महामारी के कारण, वित्त वर्ष 2020–21 के दौरान कोई वास्तविक युवा विनिमय कार्यक्रम आयोजित नहीं किया गया है। वित्तीय वर्ष 2020–21 (01.04.2020 से 31.12.2021) के दौरान आयोजित युवा विनिमय कार्यक्रमों और अन्य कार्यक्रमों का विवरण निम्नानुसार हैं:

1	2 भारतीय युवाओं ने 2–7 सितंबर, 2020 तक ओरेनबर्ग क्षेत्र रूस में आयोजित 5वें वर्चुअल इंटरनेशनल यूथ फोरम ग्लोबल यूरेशिया में भाग लिया
2	3 भारतीय युवाओं ने 15–17 अक्टूबर, 2020 से सऊदी अरब में आयोजित वर्चुअल वाई20 शिखर सम्मेलन में भाग लिया
3	9 भारतीय युवाओं ने 20 अक्टूबर से 2 नवंबर, 2020 तक रूस में आयोजित वर्चुअल इंटरनेशनल यूथ ब्रिक्स इनक्यूबेटर फोरम में भाग लिया
4	15 भारतीय युवाओं ने 29 नवंबर से 2 दिसंबर, 2020 तक रूस में आयोजित वर्चुअल 6वें ब्रिक्स यूथ समिट में भाग लिया
5	9 भारतीय युवाओं ने 4 से 5 दिसंबर, 2020 तक रूस में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय स्वयंसेवक दिवस को समर्पित वर्चुअल मैराथन कार्यक्रम में भाग लिया

6	माननीय राज्य मंत्री (प्रभारी), युवा कार्यक्रम और खेल, श्री किरेन रीजीजू ने भाग लिया और आभासी मोड में ब्रिक्स युवा शिखर सम्मेलन की मंत्रिस्तरीय बैठक को संबोधित किया। बैठक में रूस, चीन, ब्राजील, दक्षिण अफ्रीका के गणमान्य लोग भी शामिल हुए। मंत्रिस्तरीय बैठक का विषय 'ब्रिक्स युवाओं के सहयोग को विकसित करने के लिए भारत गणराज्य के मुख्य दृष्टिकोण और प्राथमिकताएं'' था
7	माननीय राज्य मंत्री (प्रभारी), युवा कार्यक्रम और खेल, श्री किरेन रीजीजू ने वाई–20 शिखर सम्मेलन की आधिकारिक पैनल बैठक में भाग लिया और इसे वर्चुअल मोड में संबोधित किया। इटली, सिंगापुर और सऊदी अरब के गणमान्य लोग भी बैठक में शामिल हुए।

यह मंत्रालय ऐसे और अधिक युवा आदान–प्रदान कार्यक्रम आरंभ करने के गंभीर प्रयास करता रहता है । वर्तमान में, युवा कार्यक्रम विभाग ने विभिन्न देशों नामतः अर्मेनिया, बहरीन, बेलारूस, ब्रिक्स देश (ब्राजील, रूस, भारत, चीन और दक्षिण अफ्रीका), इंडोनेशिया, दक्षिण कोरिया, रूस, किर्गिस्तान, कुवैत, मोजांबिक, मोरक्को, फिलिस्तीन, पुर्तगाल, ट्यूनीशिया, ताजकिस्तान, वियतनाम, नेपाल, बांग्लादेश और श्रीलंका के साथ अंतरराष्ट्रीय युवा आदान–प्रदान कार्यक्रमों और युवा संबंधी मामलों पर सहयोग के लिए 19 समझौता ज्ञापन हस्ताक्षरित किए हैं। और अधिक देशों के साथ समझौता ज्ञापन/युवा आदान – प्रदान कार्यक्रमों के लिए कार्यवाही शुरू कर दी गई है।

यूएन एजेंसियों/सीवाईपी के साथ सहयोग

संयुक्त राष्ट्र स्वयंसेवक (यूएनवी)/ संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम (यूएनडीपी) : यह मंत्रालय युवा संबंधित विभिन्न मामलों पर इन एजेंसियों के साथ मिलकर कार्य करने का प्रयास कर रहा है। मंत्रालय यूएनवी कार्यक्रम के लिए प्रतिवर्ष 20,000 डॉलर भारत के स्वयंसेवी योगदान के रूप में जारी करता है।

युवा कार्यक्रम विभाग ने वित्त मंत्रालय के अनुमोदन से वित्तीय वर्ष 2015–16 से "नेहरू युवा केंद्र संगठन (एनवाईकेएस) और राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) को सुदृढ़ करने" के लिए यूएनडीपी/ यूएनवी के साथ संयुक्त रूप से विकसित योजना शुरू की है। इस परियोजना का पहला चरण 2018 में समाप्त हो गया। 2018 से 2020 तक एनवाईकेएस और एनएसएस को सुदृढ़ करने की परियोजना के दूसरे चरण के कार्यान्वयन के लिए युवा कार्यक्रम विभाग और यूएनडीपी/यूएनवी ने एक समझौता ज्ञापन (एमओए) पर हस्ताक्षर किए हैं। इस परियोजना के लिए लोगों की भर्ती की गई, उन्हें प्रशिक्षित किया गया तथा उन्हें क्षेत्र में नियुक्त किया गया है। इस परियोजना के चरण–।। में इसे प्रत्येक राज्य में एक–एक के आधार पर 29 शुरुआती जिलों से बढ़ाकर 58 जिलों में विस्तारित कर दिया गया है। इस परियोजना का कार्यान्वयन भली–भांति किया जा रहा है। परियोजना के कार्यान्वयन के लिए वित्तीय वर्ष 2020–21 में यूएनडीपी/यूएनवी को भारत सरकार के हिस्से के रूप में 5.00 करोड़ रु. प्रदान किए गए हैं।

मंत्रालय ने सामाजिक, सांस्कृतिक, नागरिक और आर्थिक पहल में उनकी सार्थक सहभागिता और भागीदारी को सुविधाजनक बनाकर युवाओं की क्षमता का विकास करने हेतु युवाह, भारत में जेनेरेशन अनलिमिटेड (जेनयू) की स्थापना करने के लिए 20.07.2020 को संयुक्त राष्ट्र बाल कोष (यूनिसेफ) के साथ एक स्टेटमेंट ऑफ इंटेंट (एसओआई) पर हस्ताक्षर किया। इस पहल के तहत, यूवाह साझेदारी के तहत सहयोग और अवसरों पर एनएसएस और एनवाईकेएस को जोड़ने तथा राज्य कार्य योजनाओं के विकास के लिए नियमित ऑनलाइन राष्ट्रीय स्तर

की बैठकें आयोजित की जा रही हैं। कोविड–19 पर जागरूकता फैलाने और रक्तदान जारी रखने के लिए पूरे भारत में नियमित गतिविधियाँ, कार्यशालाएँ, अभियान चलाए जा रहे हैं। अनुवर्ती कार्रवाई में, वैश्विक विचार नेतृत्व रिपोर्ट का अनावरण करने और 'आज के युवाओं को जोड़ना – डिजिटल रूप से वंचितों तक पहुंच' विषय पर एक वार्ता आयोजित करने के लिए 07.12.2020 को एक आभासी बैठक आयोजित की गई थी। एक सुलभ और सक्षम पारिस्थितिकी तंत्र बनाने के अभिनव तरीकों का पता लगाने के लिए ऑनलाइन बैठक, जो माननीय राज्य मंत्री (प्रभारी), युवा कार्यक्रम और खेल की अध्यक्षता में भारत के युवाओं को डिजिटल रूप से सशक्त बनाती है।

राष्ट्रमंडल युवा कार्यक्रम (सीवाईपी): सीवाईपी 1973 से कार्य कर रहा है और इसका संचालन लंदन स्थित मुख्यालय तथा भारत, गुयाना, जांबिया और सोलोमन द्वीप समूह के 4 क्षेत्रीय केंद्रों से किया जा रहा था। तथापि, 2013–14 के दौरान सीवाईपी ने पुनर्गठन कार्रवाई के रूप में अपने सभी क्षेत्रीय केंद्रों को बंद करने का निर्णय लिया जो अन्य बातों के साथ–साथ इनकी निधि संबंधी बाध्यताओं के कारण आवश्यक था। तदनुसार, चंडीगढ़ में सीवाईपी के क्षेत्रीय केंद्र को 28.02.2004 से बंद कर दिया गया है। भारत सीवाईपी में वार्षिक अनुदान देता है वर्ष 2020–21 के लिए वार्षिक अंशदान के रूप में राष्ट्रमंडल सचिवालय को 1.41 करोड़ रु. दिए गए हैं ।

****

अध्याय – 10

राष्ट्रीय युवा नेता कार्यक्रम

पृष्ठभूमि

2014–15 की बजट घोषणा के अनुसरण में, युवाओं में नेतृत्व गुण विकसित करने के उद्देश्य से एक नई केंद्रीय क्षेत्र स्कीम नामतः 'राष्ट्रीय युवा नेता कार्यक्रम (एनवाईएलपी)' दिसंबर, 2014 में आरंभ की गई थी ताकि उन्हें राष्ट्र निर्माण की प्रक्रिया में योगदान देने के लिए अपनी क्षमता का लाभ उठाने के लिए समर्थ बनाया जा सके। इस स्कीम की मुख्य विशेषताएं नीचे दी गई हैं।

कार्यक्रम का उद्देश्य

राष्ट्रीय युवा नेता कार्यक्रम (एनवाईएलपी) का उद्देश्य युवाओं में नेतृत्व गुणों का विकास करना है ताकि उन्हें राष्ट्र निर्माण की प्रक्रिया में योगदान देने के लिए अपनी पूर्ण क्षमता का लाभ उठाने के लिए समर्थ बनाया जा सके। इस कार्यक्रम का लक्ष्य युवाओं को उनके संगत क्षेत्रों में उत्कृष्टता के लिए प्रयास करने हेतु प्रेरित करना तथा उन्हें विकास की प्रक्रिया के अग्रणी स्तर पर लाना है। इसके अंतर्गत राष्ट्र–निर्माण के लिए बड़ी संख्या में उपलब्ध युवा शक्ति को उपयोग में लाने की अपेक्षा की गई है।

कार्यक्रम के लाभार्थी

इस कार्यक्रम के लाभार्थी, राष्ट्रीय युवा नीति, 2014 में 'युवा' की परिभाषा के अनुसरण में 15–29 वर्ष आयु समूह के युवा हैं।

वर्ष 2020–21 (31.12.2020 तक) के दौरान एनवाईएलपी के कार्यान्वयन की स्थिति।

(क) ब्लॉक स्तर पर नेबरहुड युवा पार्लियामेंट

इस कार्यक्रम का उद्देश्य सामान्यतया ग्रामीण समुदायों तथा विशेष रूप से युवाओं से संबंधित समकालीन सामाजिक–आर्थिक विकास संबंधी मुद्दों के बारे में युवा क्लब सदस्यों को शिक्षित करना और उन्हें इस प्रकार के मुद्दों पर बहस/विचार–विमर्श में शामिल करना है। प्रत्येक 'ब्लाक युवा संसद' कार्यक्रम में वित्तीय और सामाजिक समावेशन स्कीमों और महिला सशक्तिकरण, कौशल विकास और उद्यमशीलता, स्वयंसेविता, नागरिक शिक्षा तथा स्थानीय समुदाय से जुड़े अन्य संबंधित मुद्दों पर विचार–विमर्श/बहस की जाती है। प्रत्येक कार्यक्रम के आयोजन के लिए 12,000 रुपये दिए जाते हैं। रिपोर्ट की अवधि के दौरान, एनवाईकेएस ने ब्लॉक स्तर पर 4,166 नेबरहुड यूथ पार्लियामेंट का आयोजन किया, जिसमें 3,65,063 युवाओं ने भाग लिया।

****

अध्याय – 11

युवा छात्रावास

युवा छात्रावासों का निर्माण युवाओं में यात्रा करने की प्रवृत्ति को बढ़ावा देने के लिए किया जाता है ताकि वे देश की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत का अनुभव ले सकें। युवा छात्रावासों का निर्माण केंद्रीय और राज्य सरकारों का संयुक्त उद्यम है। जबकि केंद्रीय सरकार निर्माण की कुल लागत वहन करती है, राज्य सरकार जलापूर्ति, बिजली के कनेक्शन व पहुंच सड़कों सहित पूर्ण रूप से विकसित भूमि निःशुल्क उपलब्ध कराती है। युवा छात्रावास ऐतिहासिक तथा सांस्कृतिक महत्व वाले क्षेत्रों, शैक्षणिक केंद्र, पर्यटन गंतव्यों आदि में अवस्थित हैं। युवा छात्रावास उचित दरों पर युवाओं को अच्छे आवास प्रदान करते हैं।

इन युवा छात्रावासों की देखरेख, केंद्रीय सरकार द्वारा नियुक्त प्रबंधकों द्वारा की जाती है। मंत्रालय अधिमानतः युवा छात्रावास के कैचमेंट क्षेत्र से सेवानिवृत्त रक्षा कार्मिकों, जिन्हें हिंदी, अंग्रेजी और स्थानीय भाषाओं का अच्छा ज्ञान हो, में से युवा छात्रावासों के लिए प्रबंधकों का चयन करता है। नई नियुक्ति नीति के तहत, वरीयता रूप से होटल प्रबंधन/ युवा विकास/ एमबीए/ एलएसडब्लयू/एमएसडब्ल्यू की डिग्री वाले स्नातक और छात्रावास/ होटल उद्योग या बोर्डिंग स्कूलों/ अतिथि गृहों के संचालन के क्षेत्र में न्यूनतम 3 वर्ष का कार्य अनुभव रखने वाले अथवा केंद्र/राज्य सरकार के सेवानिवृत्त सरकारी अधिकारी जिनका युवा कार्यकलापों का कार्यकारी अनुभव हो, वह भी युवा छात्रावासों में प्रबंधक के रूप में नियुक्ति के पात्र हैं। अनुबंध पर हस्ताक्षर करते समय आवेदक की आय 35 से 62 वर्ष के बीच होनी चाहिए। यह नियुक्ति पूर्णतः अनुबंध आधार पर 3 वर्षों की अवधि के लिए होगी, जिसे प्रबंधक के कार्य प्रदर्शन के आधार पर बढ़ाया जा सकता है परंतु यह अवधि उम्मीदवार के 65 वर्ष की आयु के पूरा होने के बाद किसी भी स्थिति में नहीं बढ़ाई जाएगी। इसके अतिरिक्त, युवा छात्रावास में ठहरने वाली युवा महिला यात्रियों के समक्ष आने वाली समस्याओं के निराकरण के लिए युवा छात्रावास प्रबंधक की पत्नी/ महिला परिजन को युवा छात्रावास वार्डन के रूप में नियुक्त किया जाता है।

देशभर में कुल 84 युवा छात्रावासों का निर्माण किया गया है। इन 84 छात्रावासों में से,11 छात्रावासों को नेहरू युवा केंद्र संगठन (एनवाईकेएस)/भारतीय खेल प्राधिकरण (साई)/संबंधित राज्य सरकारों को युवा और खेल विकास के लिए इन छात्रावासों का इष्टतम उपयोग करने हेतु सौंप दिया गया है। छहः युवा छात्रावास नामतः आगरा (उत्तर प्रदेश), डलहौजी (हिमाचल प्रदेश), जोधपुर (राजस्थान), मैसूर (कर्नाटक), पणजी (गोवा) और पुदुचेरी को आईएसओ 9001 : 2008 प्रमाणन प्रदान किया गया है। युवा छात्रावासों का ब्यौरा **अनुबंध– 4** और **5** में दिया गया है।

****

अध्याय – 12

स्काउटिंग और गाइडिंग संगठनों को सहायता

स्काउटिंग और गाइडिंग की स्कीम, एक केंद्रीय स्कीम है जिसे देश में स्काउट्स और गाइड्स को बढ़ावा देने के लिए 1980 के द ाक के प्रारंभ में शुरू किया गया था। स्काउट्स और गाइड्स एक अंतरराष्ट्रीय अभियान है जिसका उद्देश्य युवा लड़कों और लड़कियों में चरित्र निर्माण, आत्मवि वास, आदर्शवाद और देश भक्ति की भावना पैदा करना है। इस प्रक्रिया में स्काउटिंग और गाइडिंग का प्रयास लोगों में संतुलित शारीरिक और मानसिक विकास का संवर्धन करना भी है। इस स्कीम के अंतर्गत, प्रशिक्षण शिविरों के आयोजन, कौशल विकास कार्यक्रम, आनंद उत्सव के आयोजन आदि जैसे विभिन्न कार्यक्रमों के लिए स्काउटिंग और गाइडिंग संगठनों को वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है। अन्य बातों के साथ–साथ इन कार्यकलापों में प्रौढ़ साक्षरता, पर्यावरण संरक्षण, समुदाय सेवा, स्वास्थ्य जागरूकता और स्वच्छता तथा सफाई के संवर्धन देने से संबंधित कार्यक्रम शामिल हैं।

दो गैर–सरकारी संगठन हैं नामतः भारत स्काउट्स और गाइड्स (बीएस एंड जी) तथा हिंदुस्तान स्काउट्स और गाइड्स (एचएस एंड जी) हैं जिन्हें देशभर में स्काउटिंग और गाइडिंग कार्यकलापों का संचालन करने के लिए युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय द्व ारा वित्तीय सहायता प्रदान की गई है। बीएस एंड जी तथा एचएस एंड जी पर युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय का कोई प्रशासनिक नियंत्रण नहीं है। वर्ष 2020–21 के दौरान, विभाग ने आज तक बीएसएंडजी और एचएसएंडजी को कोई अनुदान जारी नहीं किया है।

******

सत्यमेव जयते

खेल विभाग

अध्याय - 1

खेल

खेल और क्रिड़ाओं को सदैव ही मानव के व्यक्तित्व के समग्र विकास के एक महत्वपूर्ण घटक के रूप में देखा गया है। मनोरंजन तथा शारीरिक स्वस्थता के साधन होने के अतिरिक्त, खेलों ने स्वस्थ प्रतिस्पर्धा को बढ़ाने तथा समाज को जोड़ने में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उल्लेखनीय है कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खेलों में उपलब्धियां सदैव ही राष्ट्रीय गौरव तथा प्रतिष्ठा का स्रोत रही है।

आधुनिक खेल अत्यधिक प्रतिस्पर्धी हो गए हैं जिससे आधुनिक अवसंरचना, उपकरण तथा उन्नत वैज्ञानिक सहायता ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खेलों का परिदृश्य बदल दिया है। उन्नत आधारभूत ढांचें, उपकरण, तथा वैज्ञानिक सहायता की बढ़ती मांग को ध्यान में रखते हुए, भारत सरकार ने अनेक नए कदम उठाए हैं और यह वैज्ञानिक तथा उपकरण सुविधाओं के साथ प्रशिक्षण व अंतरराष्ट्रीय प्रतिस्पर्धाओं में भागीदारी से खिलाड़ियों को आवश्यक सहायता प्रदान कर रही है।

राष्ट्रीय खेलों में नीतिगत पहल

पूर्ववर्ती योजनाओं के समय से ही शारीरिक शिक्षा और खेलों पर ध्यान दिया जा रहा है। तथापि, 1982 में भारत द्वारा नौवें एशियाई खेलों की मेजबानी के बाद ही "खेलों" पर नीतिगत विषय के रूप में ध्यान दिया जाना प्रारंभ हुआ है। राष्ट्रीय खेल नीति, 1984 देश में खेलों के विकास और संवर्धन के लिए संगठित और व्यवस्थित ढांचा विकसित करने हेतु पहला कदम था और यह वर्तमान राष्ट्रीय खेल नीति, 2001 का अग्र रूप है।

राष्ट्रीय खेल नीति 2001

राष्ट्रीय खेल नीति 2001 का दोहरा उद्देश्य "खेलों को व्यापक आधार देना" और राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर "खेलों में उत्कृष्टता हासिल करना" है।

नीति की मुख्य विशेषताएं निम्नानुसार हैं:

1. खेलों को व्यापक आधार देना तथा उत्कृष्टता हासिल करना;
2. अवसंरचना का उन्नयन और विकास;
3. राष्ट्रीय खेल परिसंघों और अन्य खेल निकायों को सहायता;
4. खेलों को वैज्ञानिक और कोचिंग सहायता का सुदृढ़ीकरण;
5. खेलों को बढ़ावा देने के लिए विशेष प्रोत्साहन;
6. महिलाओं, अनुसूचित जनजातियों और ग्रामीण युवाओं की सहभागिता बढ़ाना;
7. खेलों के संवर्धन में कार्पोरेट क्षेत्र को शामिल करना; और
8. व्यापक स्तर पर लोगों में खेलों के प्रति रूझान बढ़ाना।

******

अध्याय – 2

भारतीय खेल प्राधिकरण

प्रस्तावना

भारतीय खेल प्राधिकरण (एसएआई) की स्थापना युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय के तहत 1982 में नई दिल्ली में आयोजित नौवें एशियाई खेलों के आयोजन की विरासत को आगे बढ़ाने के लिए दिनांक 25 जनवरी, 1984 के संकल्प संख्या 1–1/83/एसएआई के अनुसरण में सोसायटी पंजीकरण अधिनियम, 1860 के अंतर्गत एक पंजीकृत सोसायटी के रूप में की गई थी। भारतीय खेल प्राधिकरण को राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर खेलों का संवर्धन करने और खेलों में उत्कृष्टता प्राप्त करने का दोहरा दायित्व सौंपा गया है।

बाद में, भारतीय खेल प्राधिकरण को एक महत्वपूर्ण खेल संवर्धन निकाय के रूप में विकसित करने को सुकर बनाने के लिए नेताजी सुभाष राष्ट्रीय खेल संस्थान, (एनएसएनआईएस),पटियाला और इसके केन्द्रों तथा ग्वालियर और तिरूवनन्तपुरम स्थित लक्ष्मीबाई राष्ट्रीय शारीरिक शिक्षा कॉलेज (एलएनसीपीईएस) के दो अन्य शैक्षिक संस्थानों को शामिल करते हुए पूर्ववर्ती राष्ट्रीय शारीरिक शिक्षा और खेल संस्थान सोसाइटी (एसएनआईपीईए) को 1 मई, 1987 से भारतीय खेल प्राधिकरण के साथ मिलाकर खेल कोचिंग और शारीरिक शिक्षा के क्षेत्र में आवश्यक ज्ञान और कौशल को शामिल किया गया। तथापि, एलएनसीपीई, ग्वालियर को ''सम–विश्वविद्यालय'' का दर्जा दिए जाने पर सितम्बर, 1995 में इसे भारतीय खेल प्राधिकरण से अलग कर दिया गया। आज भारतीय खेल प्राधिकरण देश में खेलों के संवर्धन तथा खेल उत्कृष्टता के लिए सर्वोच्च निकाय है।

भारतीय खेल प्राधिकरण का सामान्य निकाय और शासी निकाय

भारतीय खेल प्राधिकरण के संगम–ज्ञापन और नियमों के अनुसार, एसएआई के सामान्य निकाय (सोसायटी) और शासी निकाय का गठन भारत सरकार द्वारा किया जाता है। एसएआई के सामान्य निकाय का पुनर्गठन खेल विभाग, युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय द्वारा दिनांक 25 अक्तूबर, 2018 को किया गया था और एसएआई के ाासी निकाय का पुनर्गठन 10 अगस्त, 2020 को किया गया। माननीय युवा कार्यक्रम और खेल मंत्री एसएआई के शासी निकाय के अध्यक्ष के रूप में इसके प्रमुख हैं।

वर्तमान में एसएआई के सामान्य निकाय की संरचना में 11 पदेन सदस्यों के साथ 35 सदस्य (अध्यक्ष सहित) हैं। सदस्यों (पदेन सदस्यों को छोड़कर) का कार्यकाल उनके नामांकन की तारीख से 3 वर्ष की अवधि के लिए होता है।

एसएआई के शासी निकाय में 27 सदस्य (इसके अध्यक्ष सहित) हैं जिसमें 14 पदेन सदस्य हैं। सदस्य (पदेन सदस्यों को छोड़कर) का कार्यकाल उनके नामांकन की तारीख से 3 वर्ष की अवधि के लिए होता है।

लक्ष्य तथा उद्देश्य:

- भारतीय खेल प्राधिकरण के लक्ष्य और उद्देश्य इस प्रकार हैं:
- देश में खेलों का संवर्धन करना और उन्हें व्यापक आधार देना ।
- खेल प्रतिभाओं का पता लगाना तथा उसका पोषण करना।

- अंतरराष्ट्रीय स्तर पर विभिन्न विधाओं में खेलों में उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए स्कीमों/कार्यक्रमों का कार्यान्वयन करना ताकि भारत प्रमुख खेल शक्ति बन सके।
- दिल्ली में स्टेडियमों, जिन्हें वर्ष 1982 में नौवें एशियाई खेलों के लिए बनाया गया था/नवीकृत किया गया था, का प्रबंधन करना।
- युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय तथा राज्य सरकारों और देश में खेलों के संवर्धन/विकास के लिए जिम्मेदार अन्य एजेंसियों के बीच माध्यम का कार्य करना।
- योग्य कोचों, खेल वैज्ञानिकों और शारीरिक शिक्षा शिक्षकों को तैयार करने के लिए संस्थानों की स्थापना करना, उन्हें चलाना और उनका प्रबंधन और संचालन करना।
- देश में खेल अवसंरचना व सुविधाओं की योजना बनाना, उनका निर्माण करना, अधिग्रहण करना, विकास करना, उन्हें चलाना, उनका रख–रखाव व उपयोग करना।
- खेलों, खिलाड़ियों एवं कोचों का उन्नयन करने के लिए विभिन्न खेल विज्ञानों से संबंधित अनुसंधान परियोजनाओं को शुरू करना, चलाना, प्रायोजित करना, प्रेरित एवं प्रोत्साहित करना।
- देश में खेलों के संवर्धन और खेलों में उत्कृष्टता के विकास में कार्यरत अन्य केंद्रीय या राज्य निकायों तथा अन्य संस्थानों के साथ मुद्दे उठाना और/या उनके साथ सहयोग करना।

संगठनात्मक ढांचाः

भारतीय खेल प्राधिकरण के महानिदेशक इसके प्रधान कार्यकारी अधिकारी होते हैं। उनकी सहायता के लिए विभिन्न विभागों/प्रभागों के वरिष्ठ कार्यात्मक प्रमुख की एक टीम होती है जिसमें सचिव, एसएआई, कार्यकारी निदेशक तथा शैक्षिक संस्थानों/क्षेत्रीय केन्द्रों के प्रमुख होते हैं।

संगठनात्मक चार्ट नीचे दिया गया हैं :

एसएआई के मुख्य प्रभाग/संस्थान तथा उनके कार्यों की जिम्मेदारियां संक्षेप में इस प्रकार हैं:

क्र. सं.	प्रभाग का नाम	कार्य
(i)	शैक्षणिक (कोचिंग) एनएस एनआईएस, पटियाला	खेल कोचिंग में प्रमाण–पत्र और डिप्लोमा पाठ्यक्रमों का संचालन। नियमित पुनश्चर्या पाठ्यक्रम संचालित करके कोचों के कौशलों को बढ़ाना।
(ii)	शैक्षणिक (शारीरिक शिक्षा)एलएनसीपीई, तिरूवनंतपुरम	शारीरिक शिक्षा में स्नातक और स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों का संचालन
(iii)	प्रचालन प्रभाग, एसएआई मुख्यालय, नई दिल्ली	एसएआई की खेल संवर्धन स्कीमों की योजना बनाना, कार्यान्वयन और निगरानी करना
(iv)	टीम प्रभाग, एसएआई मुख्यालय, नई दिल्ली	राष्ट्रीय खेल परिसंघों के सहयोग सेयुवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय की ओर से राष्ट्रीय शिविरों के आयोजन, विदेशों में खेल के अवसर देने और विदेशी कोचों की सेवाओं सहित श्रेष्ठ एथलीटों का प्रशिक्षण और प्रबंधन सहायता।
(v)	टार्गेट ओलंपिक पोडियम योजना (टीओपीएस)	प्रस्ताव के चयन, अपवर्जन और अनुमोदन के सहित मिशन ओलंपिक सेल के अनिवार्य दायित्व को पूरा करने में इसे सहायता करना। इसका उद्देश्य उस एथलीट की संपूर्ण आवश्यकता के लिए सहायता प्रदान करना है जिसे योजना के तहत चुना गया है अर्थात् चयन, प्रस्ताव, अनुमोदन और प्रदर्शन की समीक्षा।
(vi)	उपस्कर सहायता, एसएआई मुख्यालय, नई दिल्ली	एसएआई और/या अन्य खेल निकायों के विभिन्न खेल उपस्करों की आवश्यकताओं का समेकन और इन्हें स्थानीय विक्रेताओं के साथ–साथ विदेशी विक्रेताओं से प्राप्त करना।
(vii)	स्टेडिया प्रभाग, एसएआई मुख्यालय, नई दिल्ली	दिल्ली में एसएआई स्टेडियमों का रखरखाव, और उपयोग।
(viii)	अवसंरचना प्रभाग, एसएआई मुख्यालय, नई दिल्ली	देश भर के एसएआई केंद्रों में खेल एवं खेल संबंधी अवसंरचना का सृजन, विकास और रख–रखाव
(ix)	कार्मिक प्रभाग एसएआई मुख्यालय, नई दिल्ली	अधिकारियों और स्टाफ की नियुक्ति और एसएआई कर्मचारियों के सेवा मामले में कार्रवाई करता है।
(x)	कोचिंग प्रभाग एसएआई मुख्यालय, नई दिल्ली	एसएआई कोचों की नियुक्ति और सेवा मामले में कार्रवाई करता है।
(xi)	वित्त प्रभाग एसएआई मुख्यालय, नई दिल्ली	दिल्ली स्थित एसएआई के विभिन्न प्रभागों, शैक्षणिक संस्थानों और फील्ड यूनिटों के लिए वित्तीय योजना और बजट आबंटन में कार्रवाई करता है।

क्र. सं.	प्रभाग का नाम	कार्य
(xii)	समन्वय प्रभाग एसएआई मुख्यालय, नई दिल्ली	युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय/अन्य एजेंसियों और एसएआई के विभिन्न प्रभागों के साथ, विशेष रूप से संसद और आरटीआई से संबंधित मामलों में संपर्क हेतु नोडल प्रभाग।
(xiii)	मिडिया तथा अंतरराष्ट्रीय सहयोग सेल, एसएआई मुख्यालय, नई दिल्ली	प्रिंट तथा इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के साथ संपर्क, एनआईटी/विज्ञापन जारी करना, प्रेस वार्ता आयोजित करना और एसएआई की शासकीय वेबसाइट का रखरखाव करना और साथ ही विदेशों के साथ खेलों के क्षेत्र में सांस्कृतिक आदान–प्रदान कार्यक्रमों/द्विपक्षीय संबंधों के मामलों पर युवा कार्यक्रम एवं खेल विभाग के साथ संपर्क करना।
(xiv)	सामान्य प्रशासन एसएआई मुख्यालय, नई दिल्ली	सामान्य सामान की खरीद एवं रख–रखाव। कार्यालय भवन का रख–रखाव,कंप्यूटरीकरण और हाउसकीपिंग, परिवहन, बैठकें और सेमीनार, कार्यालय टेलीफोन और हवाई टिकट व्यवस्था।
(xv)	विधायी प्रभाग एसएआई मुख्यालय, नई दिल्ली	एसएआई से संबंधित सभी विधायी मामलों में कार्रवाई करता है।
(xvi)	सतर्कता सेल एसएआई मुख्यालय, नई दिल्ली	एसएआई से संबंधित सभी सतर्कता मामलों में कार्रवाई करता है।
(xvii)	राजभाषा प्रभाग एसएआई मुख्यालय, नई दिल्ली	भारत सरकार की राजभाषा नीति का कार्यान्वयन
(xviii)	खेलों इंडिया प्रभाग एसएआई मुख्यालय, नई दिल्ली	जन सहभागिता और खेलों में उत्कृष्टता के संवर्धन के दोहरे उद्देश्य प्राप्त करना
(xix)	फिट इंडिया डिवीजन, एसएआई मुख्यालय, नई दिल्ली	स्वस्थता का आसान, आनंदमय और मुक्त रूप में स्वस्थता संवर्धन करना, स्वस्थता और विभिन्न शारीरिक गतिविधियों के बारे में जागरूकता फैलाना, जो केंद्रित अभियानों के माध्यम से स्वस्थता को बढ़ावा दे, स्वस्थता के बारे में स्वदेशी खेल और गतिविधियों को प्रोत्साहित ना, स्वस्थता को हर स्कूल, कॉलेजों /विश्वविद्यालयों, गांव, पंचायत आदि तक पहुंचाना।
(xx)	कोच विकास और प्रशिक्षण	कोच विकास एवं प्रशिक्षण प्रभाग को कोच के लिए प्रशिक्षण देने के उद्देश्य से स्थापित किया गया है, ताकि उनके ज्ञान और कौशल को उन्नत करने के लिए कोच, वैज्ञानिक स्टाफ और प्रशासनिक स्टाफ को प्रशिक्षित किया जा सके।

नई दिल्ली में 1982 में आयोजित IXवें एशियाई खेलों के लिए दिल्ली में निम्नलिखित स्टेडियम का निर्माण/नवीकरण किया गया और तदुपरान्त 2010 में नई दिल्ली में आयोजित XIX वें राष्ट्रमंडल खेलों के लिए इनका नवीकरण किया गया, जिनका एसएआई द्वारा रखरखाव और उपयोग किया जा रहा है:

1. जवाहर लाल नेहरू स्टेडियम कॉम्प्लेक्स
2. इंदिरा गांधी खेल परिसर
3. डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी तैराकी पूल परिसर (पूर्व नाम तालकटोरा तैराकी पूल)
4. मेजर ध्यानचंद्र राष्ट्रीय स्टेडियम (पूर्व नाम राष्ट्रीय स्टेडियम)
5. डॉ. कर्णी सिंह शूटिंग रेंज (पूर्व नाम शूटिंग रेंज तुगलकाबाद)

भारतीय खेल प्राधिकरण की खेल संवर्धन योजनाएं

प्रचालन प्रभाग, एसएआई की विभिन्न खेल संवर्धन योजनाओं के कार्यान्वयन का कार्य देखता है जिनका उद्देश्य राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए विभिन्न आयु समूहों में प्रतिभाशाली खिलाड़ियों की पहचान करना तथा उनका पोषण करना है।

इन योजनाओं को एसएआई द्वारा अपने बेंगलुरू, कोलकाता, गांधीनगर, कांदीविली (मुम्बई) भोपाल, सोनीपत, लखनऊ, चंडीगढ़, गुवाहाटी और इम्फाल स्थित क्षेत्रीय केंद्रों तथा एनएस एनआईएस, पटियाला और एलएनसीपीई, तिरुवंनतपुरम स्थित शैक्षिक स्कन्धों के जरिए कार्यान्वित किया जा रहा है। खेल विज्ञान केन्द्र का ढांचा पटिलाया, बेंगलुरु और कोलकाता में सुविकसित है तथा अन्य केंद्रों में इन सुविधाओं का उन्नयन भी किया जा रहा है।

इन योजनाओं की मुख्य विशेषताएं इस प्रकार हैं:

1.0 एसएआई राष्ट्रीय उत्कृष्टता केंद्र स्कीम (एनसीओई)

भारतीय खेल प्राधिकरण (एसएआई) देश भर के क्षेत्रीय केंद्रों, शैक्षणिक संस्थानों औरएसएआई प्रशिक्षण केंद्रों (एसटीसी) में, विभिन्न खेल संवर्धन योजनाओं को कार्यान्वित कर रहा था, ताकि प्रतिभाशाली खिलाड़ियों की पहचान की जा सके और उन्हें राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने के लिए पोषित किया जा सके है।

एसएआई क्षेत्रीय केंद्रों और दिल्ली स्टेडियमों में, कई योजनाओं को कार्यान्वित किया जा रहा था जैसे उत्कृष्टता–केंद्र, एसएआई प्रशिक्षण केंद्र (एसटीसी) और राष्ट्रीय अकादमियाँ। एक ही परिसर के भीतर चलने वाली इन योजनाओं के तहत, विभिन्न आयु वर्गों के प्रशिक्षुओं को प्रशिक्षण का लक्ष्य था, अलग–अलग पात्रताएँ प्रदान की गईं और इनके अलग–अलग वित्तीय मानदण्ड थे।

एसएआई क्षेत्रीय केंद्र/शैक्षणिक संस्थानों/स्टेडियम में वित्तीय मानदंडों की एकरूपता बनाए रखने और एक ही कैम्पस/परिसर में प्रशिक्षुओं के बीच अंतर को समाप्त करने के लिए, युवा मामलों और खेल मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा कार्यालय ज्ञापन संख्या के–11020/4/2019–खेल–अ दिनांक 18.09.2019 द्वारा एक निर्णय लिया जिसमेंएसएआई क्षेत्रीय केंद्र/शैक्षणिक संस्थानों और स्टेडियम में एक ही कैम्पस/परिसर में संचालित सभी योजनाओं का एसएआई राष्ट्रीय उत्कृष्टता केंद्र (एनसीओई) के रूप में विलय किया जाना है।

एक ही परीसर और स्टेडियमों आदि में चल रही एसएआई की संवर्धन स्कीमों के विलय के बाद 20 एनसीओई का राष्ट्रीय उत्कृष्टता केंद्र में उन्नयन किया गया था। तथापि, क्षमता और बुनियादी ढ़ांचे को देखते हुए, बाद में 3 और एनसीओई का शामिल किया गया। अद्यतन स्थिति के अनुसार 14 प्राथमिकता वाले और 10 अन्य खेल विधाओं में पूरे भारत में 23 एनसीओई (चंडीगढ़ में अभी शुरू होना है) चालू हैं।

लक्ष्य और उद्देश्य

औलंपिक और अन्य अंतर्राष्ट्रीय खेलों आयोजनों में उत्कृष्टता प्राप्त करने हेतु एथलीटों को प्रशिक्षित करने के अपने प्रयास, में भारतीय खेल प्रधिकरण ने अत्याधुनिक बुनियादी ढ़ांचा और खेल सुविधाओं, खेल विज्ञान सहायक व्यवस्था, प्रशिक्षित पोषण विदो द्वारा निर्धारित व्यक्तिगतकृत आहार और उत्कृष्ट कोचों, योग्य सहायक स्टाफ और उच्च प्रदर्शन निदेशकों के तहत समग्र देखरेख की व्यवस्था करके होनहार

एथलीटों को विशेषज्ञ प्रशिक्षण देने के लिए देशभर में राष्ट्रीय उत्कृष्टता केंद्र स्थापित किए हैं।

राष्ट्रीय उत्कृष्टता केंद्र भारत में उपलब्ध उत्कृष्ट प्रतिभा के लिए नियमित कोचिंग शिविरों के रूप में कार्य करते हैं और संभावित खिलाड़ियों की सहायक सूची प्रदान करते हैं जिससे राष्ट्रीय टीमों में चयन हेतु प्रतिभा का व्यापक विकल्प मिलता है और निरंतरता बनती है, और ये केंद्र वैकल्पिक द्वितीय और तृतीय विकल्प भी देते हैं। एनसीओई एथलीटों के विकास हेतु शेष खिलाड़ियों को रखने में सक्षम है।

2. एनसीओई द्वारा शामिल विधाएं:

एनसीओई में 14 फोकस वाली/प्राथमिक विधाएं और 10 अन्य विधाएं जिनमें भारतीय एथलीट अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं और जिनके अंतर्राष्ट्रीय आयोजनों/चेम्पियनशिपों/खेलों में पदक जीतने की संभावनाएं हैं, जिनमें खेल मैदान की उपलब्धता, मौजूदा एथलीट, स्थानीय प्रतिभा भी शामिल है।

फोकस वाली खेल विधाएं:

तीरंदाजी, एथलेटिक्स, बैडमिंटन, मुक्केबाजी साइकलिंग पट्टेबाजी, हॉकी, जुडो, नोकायन, तैराकी निशानेबाजी, टेबल टेनिस, कुश्ती और भारोत्तोलन

अन्य विधाएं:

फुटबॉल, जिमनास्टिक्स, बास्केटबॉल, हैंडबॉल, कबड्डी, खो–खो, क्याकिंग, कैन्नोईंग, पारा खेल, तायकबोंडू, बॉलीबॉल, वुशू

3. इन एनसीओई में शामिल खेल विधाएं इस प्रकार हैं:

क्रम सं.	एनसीओई का नाम	अनुशासन
1.	अल्लेप्पी	नौकायन, कयाकिंग और कैनोइंग
2.	तिरुवनंतपुरम	एथलेटिक्स, साइकलिंग, फुटबॉल, तायक्वोंडो, वॉलीबॉल
3	औरंगाबाद	तीरंदाजी, एथलेटिक्स, मुक्केबाजी, पटेबाजी, हॉकी (लड़कियां), भारोत्तोलन, जिमनास्टिक्स
4	मुंबई	एथलेटिक्स, हॉकी (जी), कबड्डी, कुश्ती
5	बेंगलुरु	एथलेटिक्स, हॉकी, जूडो, वॉलीबॉल, भारोत्तोलन
6	भोपाल	एथलेटिक्स, मुक्केबाजी, हॉकी, जूडो, वुशु
7	चंडीगढ़	विधा का निर्णय बाद में लिया जाना है।
8	धर्मशाला	एथलेटिक्स (जी), कबड्डी (जी), खो–खो (जी), वॉलीबॉल
9	गुवाहाटी	तीरंदाजी, एथलेटिक्स, मुक्केबाजी, साइकलिंग, पटेबाजी, फुटबॉल, ताइक्वांडो
10	गांधीनगर	एथलेटिक्स (पैरा), बैडमिंटन (पैरा), हैंडबॉल, कबड्डी, पावर लिफ्टिंग (पैरा), तैराकी (पैरा)
11	इंफाल	तीरंदाजी, एथलेटिक्स, साइकलिंग, पटेबाजी, फुटबॉल, हॉकी, भारोत्तोलन, वुशू
12	ईटानगर	मुक्केबाजी, भारोत्तोलन, वुशु
13	जगतपुर	नौकायन, कयाकिंग और कैनोइंग
14	कोलकाता	तीरंदाजी एथलेटिक्स जिम्नास्टिक हॉकी (जी) टेबल टेनिस

15	लखनऊ	एथलेटिक्स हॉकी ताइक्वांडो भारोत्तोलन, कुश्ती (जी)
16	पटियाला	एथलेटिक्स, साइकलिंग, पटेबाजी, हॉकी (जी), जूडो, ताइक्वांडो, भारोत्तोलन
17	रोहतक	मुक्केबाजी
18	सोनीपत	तीरंदाजी, एथलेटिक्स, हॉकी, कबड्डी, कुश्ती
19	जवाहर लाल नेहरू स्टेडियम नई दिल्ली	एथलेटिक्स (पोल वॉल्ट)
20	इंदिरा गांधी स्टेडियम नई दिल्ली	साइकलिंग, जिम्नास्टिक
21	डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी स्विमिंग पूल कॉम्प्लेक्स नई दिल्ली	तैराकी
22	मेजर ध्यानचंद नेशनल स्टेडियम नई दिल्ली	हॉकी
23	डॉ. करणी सिंह शूटिंग रेंज, नई दिल्ली	निशानेबाजी

4. स्वीकृत संख्याः

बुनियादी ढ़ांचे की उपलब्धता , पदक संभावनाओं, खेल लोकप्रियता और अन्य अनेक कारकों के आधार पर भारतीय खेल प्राधिकरण समय–समय पर एथलीटों की संख्या निर्धारित करता है जिन्हें प्रत्येक एनसीओई में प्रत्येक विधा में प्रशिक्षित किया जाता सकता है। कुल स्वीकृत संख्या को आगे आवासीय और गैर आवासीय एथलीटों में और फिर पुरूष और महिला एथलीटों में बांटा जाता है ताकि महिलाओं और पुरूषों, सभी का पर्याप्त प्रतिनिधित्व सुनिश्चित हो सके। एनसीओई में एथलीटों की वर्तमान अनुमोदित स्वीकृत संख्या आवासीय एथलीटों के लिए 4077 और गैर–आवासीय एथलीटों के लिए 500 है। तथापि, कोविड–19के कारण चालू वर्ष की कार्यकारी संख्या 2789 प्रशिक्षु (1444 लड़के और 1345लड़कियां) हैं।

5. प्रवेश मानदंडः

सभी विधाओं की प्रतिभा पहचान और विकास समितियों को एनसीओई से एथलीटों का चयन करने /निकालने का अधिकार है।

6. प्रशिक्षित और कुशल कार्मिक शक्तिः

i. कोचिंग स्टाफः

एनसीओई, इसमें प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे एथलीटों के लिए सर्वोत्तम प्रशिक्षण वातावरण और कोचिंग प्रदान कर रहे हैं। एथलीटों को सर्वश्रेष्ठ प्रशिक्षण देने के लिए, योग्य एसएआई कोचों के अलावा, प्रतिष्ठित और अनुभवी प्रशिक्षकों को अन्य विभागों से प्रतिनियुक्ति पर रखा या लिया जा रहा है। कोचिंग प्रभाग सभी एनसीओई में कोचों की नियुक्ति/चयन/स्थानांतरण की देख–रेख कर रहा है।

ii. वैज्ञानिक कर्मचारीः

युवा एथलीटों के प्रदर्शन का मूल्यांकन/ समर्थन करने के लिए, स्पोर्ट्स एंथ्रोपोमेट्री, एक्सरसाइज फिजियोलॉजी, स्ट्रेंथ एंड कंडिशनिंग, बायो–मैकेनिक्स, खेल मनोविज्ञान, खेल चिकित्सा,

फिजियो–थेरेपी आदि के विशेषज्ञ क्षेत्र में वैज्ञानिक विशेषज्ञ प्रत्येक एनसीओई में नियुक्त जा रहे हैं।

iii. प्रशासनिक स्टाफः

एनसीओई के सुचारू कामकाज को सुनिश्चित करने के लिए, प्रत्येक एनसीओई में पर्याप्त प्रशासनिक कर्मचारी तैनात किए गए हैं।

iv. मेस स्टाफः

दैनेदिन के आधार पर प्रत्येक एथलीट की आवश्यकता के अनुसार गुणवत्ता वाला भोजन प्रदान करने के लिए मेस के प्रभावी कामकाज को देखने के लिए निकटवर्ती विशे ज्ञ मेस स्टाफ को लगाया गया है।

7. खेल विज्ञान सुविधाएँ

एनसीओई में वैज्ञानिक बैक अप के संबंध में, युवा एथलीटों के प्रदर्शन के मूल्यांकन/संवर्धन के लिए आवश्यक विशेष उपकरण एनसीओई में उपलब्ध कराए जा रहे हैं। एनसीओई में नवीनतम वैज्ञानिक उपकरणों की खरीद की जा रही है। सभी एनसीओई में वैज्ञानिक सुविधाएं स्थापित करने के लिए कुल लागत 80.00 करोड़ रू. है। एनसीओई में निम्नलिखित विभाग स्थापित किए जा रहे हैं,

1. एंथ्रोपोमेट्री
2. बायोमेट्री
3. बायोमैकेनिक्स
4. पोषण
5. प्रदर्शन विश्लेषण
6. शरीर विज्ञान
7. फिजियोथेरेपी
8. मनोविज्ञान
9. स्ट्रेंग्थ एण्ड और कंडीशनिंग

2.0 साई प्रशिक्षण केन्द्र योजना (एसटीसी)

उद्देश्यः

10–18 वर्ष की आयु वर्ग में जूनियर स्तर के खिलाड़ियों को तैयार करने के लिए, एसएआई प्रशिक्षण केंद्र (एसटीसी) ऐसे राज्य में स्थापित किए जाते हैं, जहां संबंधित राज्य सरकारों द्वारा खेल अवसंरचना प्रदान की जाती है।

शामिल विधाएं :

तीरंदाजी, एथलेटिक्स, बैडमिंटन, बास्केटबॉल, मुक्केबाजी, कैनोइंग, सायकलिंग, पटेबाजी, फुटबॉल, जिमनास्टिक्स, हैंडबॉल, हॉकी, जूडो, कबड्डी, कराटे, कयाकिंग और कैनोइंग, खो–खो, नौकायन, सेपकटकटा, निशानेबाजी, सॉफ्टबॉल, तैराकी, टेबल टेनिस, ताइक्वांडो, वॉलीबॉल, भारोत्तोलन, कुश्ती और वुशू (28 विधाएं)।

चयन मानदंड

प्रवेश मानदंडः आयुः 12 से 18 वर्ष

(क) **व्यक्तिगत स्पर्धाः** चालू वर्ष या प्रवेश से पूर्व के वर्ष के दौरान किसी मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय खेल परिसंघ द्वारा आयोजित सब–जूनियर (कैडेट सहित) और जूनियर नेशनल चौंपियनशिप में आठवां (08) स्थान और एसोसिएशन ऑफ इंडियन यूनिवर्सिटीज, और स्कूल गेम्स फेडरेशन ऑफ इंडिया द्वारा आयोजित इंटर–यूनिवर्सिटी चौंपियनशिप में छठा (06) स्थान।

या

खिलाड़ी जो मान्यता प्राप्त राज्य खेल संघ द्वारा

आयोजित राज्य चैम्पियनशिप में पहले तीन (03) स्थान प्राप्त करते हैं।

या

खिलाड़ी जो पूर्वोत्तर खेलों में पहले तीन (03) स्थानों में से कोई भी स्थान प्राप्त करते हैं।

या

खिलाड़ी जिसने संबंधित मान्यताप्राप्त अंतरराष्ट्रीय परिसंघ द्वारा किसी भी मान्यताप्राप्त चैम्पियनशिप / टूर्नामेंट में भारत का प्रतिनिधित्व किया हो।

या

पब्लिक स्कूलों के संघ, सीबीएसई, केंद्रीय विद्यालय, नवोदय विद्यालय, आदि द्वारा आयोजित जिला चैपियनशिप, अंतर–शिक्षा जिला स्तरीय लधु प्रतिस्पर्धा, चैपियनशिपय के पहले (03) स्थान धारकों के मामले में चयन ट्रायल में भागीदारी पर विचार किया जा सकता है।

(ख) टीम स्पर्धाः (प) आयु : 10 से 18 वर्ष।

जो प्रतिभाए विभिन्न परीक्षणो के अनुसार गति गुणवत्ता के न्यूनतम स्तर तक नहीं पहुंच सकें, उन्हें छह महीने के लिए अनंतिम रूप से चुना जा सकता है और केवल गति गुणवत्ता परीक्षण और विशिष्ट कौशल परीक्षण पास करने के बाद, औपचारिक प्रवेश दिया जा सकता है, यदि उपयुक्त पाया जाए।

प्रत्येक व्यक्तिगत प्रशिक्षु की प्रशिक्षण डायरी को रखा जाना चाहिए, जिसे प्रतिधारण और निकाले जाने की प्रक्रिया के समय ध्यान में रखा जाएगा।

प्रवेश के लिए प्रदर्शन मानदंडः

मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय खेल परिसंघ द्वारा आयोजित सब–जूनियर और जूनियर नेशनल चैपियनशिप में पहले चार (4) स्थान प्राप्त करने वाली टीम का कोई भी सदस्य और एसोसिएशन ऑफ इंडियन यूनिवर्सिटीज एंड स्कूल गेम्स फेडरेशन ऑफ इंडिया द्वारा आयोजित इंटर–जोनल और इंटर–यूनिवर्सिटी चैपियनशिप में पहले दो (02) स्थान प्राप्त करने वाला टीम का सदस्य।

या

किसी मान्यता प्राप्त राज्य खेल संघ द्वारा आयोजित राज्य चैम्पियनशिप में प्रथम (01) या द्वितीय (02) स्थान प्राप्त करने वाली टीम का सदस्य।

या

खिलाड़ी जिसने किसी भी मान्यता प्राप्त चैम्पियनशिप/टूर्नामेंट में सब–जूनियर और जूनियर टीम के सदस्य के रूप में भारत का प्रतिनिधित्व किया है, जिसे आधिकारिक तौर पर भारत सरकार द्वारा भेजा गया था।

या

पूर्वोत्तर खेलों में टीम गेम में विजेता और उप विजेता सदस्य।

या

राज्य के खेल संघों, राज्य खेल परिषद और राज्य खेल विभागों द्वारा आयोजित मान्यताप्राप्त राज्य स्तरीय प्रतियोगिताओं में भाग लेने वाले खिलाड़ियों के मामले में चयन ट्रायलों में भाग लेने के लिए विचार किया जा सकता है।

प्रवेश के लिए पूर्व शतः उपरोक्त दो श्रेणियों में प्रवेश प्रदर्शन संकेतों, मानव विज्ञान माप, शारीरिक और मनोवैज्ञानिक परीक्षणों पर किया जा सकता है और यह प्रवेश टेस्ट में शामिल होकर आयु, विधा और आयोजन के आधार भविष्य की क्षमता के मूल्यांकन पर निर्भर होगा। कोई सीधा प्रवेश नहीं होगा। प्रवेश केवल प्रदर्शन और विभिन्न

टेस्ट परिणामों के आधार पर होगा और प्रवेश के समय इसका लेखा–जोखा रखा जाएगा।

पश्च प्रवेश: जिन्होंने जिला, राज्य, राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं में वांछित प्रदर्शन दिखाया है और विभिन्न टेस्ट, तकनीकी और विशिष्ट कौशल टेस्ट सफलतापूर्वक पूरे किए हैं, उन्हें वर्ष में किसी भी समय प्रवेश दिया जा सकता है।

प्रतिधारण मानदंड: एथलीट का प्रतिधारण उसके द्वारा प्रदर्शन का न्यूनतम स्तर बनाए रखने पर आधारित है जिसके आधार पर उसे प्रवेश दिया गया था तथा साथ ही वर्ष के लिए निर्धारित लक्ष्य प्राप्त करने पर आधारित है।

प्रवेश के समय आंके गए विभिन्न टेस्ट परिणाम, विशिष्ट टेस्ट परिणाम और प्रदर्शन मूल्यांकन रिपोर्ट का समुचित रूप से आधार निष्पादन के रूप में दस्तावेजन तैयार किया जाना चाहिए ताकि प्रशिक्षुओं की प्रदर्शन में वृद्धि की समय–समय पर तुलना की जा सके।

प्रत्येक अलग–अलग प्रशिक्षुओं की प्रशिक्षण डायरी रखी जाती है जिसे प्रतिधारण और निकालने के समय ध्यान में रखा जाता है।

चिकित्सा जांच और आयु सत्यापन विशेष रूप से तब अनिवार्य है जब प्रवेश आयु धोखाधड़ी को रोकने के प्रभावी उपाय के रूप में सब–जूनियर और जूनियर स्तर की प्रतियोगिताओं में प्रदर्शन के आधार पर किया जाए।

निकालना:

क) प्रदर्शन का अपेक्षित स्तर न बनाए रखना

ख) ऐसी चोट जिससे प्रशिक्षण या प्रतियोगिता में 6 माह से अधिक तक भाग लेने के योग्य न रहे।

ग) डोप दुरूपयोग, आयु धोखाधड़ी, कदाचार आदि।

प्रवेश प्राप्त प्रशिक्षुओं के लिए निगरानी, छमाही वैज्ञानिक आंकलन और शैक्षिक सहायता:

क) संस्थान/क्षेत्र के प्रमुखों द्वारा आंतरिक खेल विज्ञान केंद्रों की सेवाएं लेकर या प्रतिष्ठित खेल विज्ञान संस्थानों के माध्यम से प्रवेश प्राप्त सभी प्रशिक्षुओं की निरंतर निगरानी और छमाही वैज्ञानिक मूल्यांकन किया जाता है।

ख) जहां तक संभव हो, निकट के स्कूल में प्रवेश के प्रयास किए जाते हैं।

ग) प्रतिभा के प्रवेश को शैक्षिक सत्र से जोड़ने के बजाय यह एक सतत् प्रक्रिया होनी चाहिए ताकि एसएआई उस समय प्रतिभा को प्रवेश दे सके जब प्रतिभा की पहचान की जाए और उसे प्रवेश के लिए पात्र पाया जाए।

18 वर्ष की आयु के बाद और 21 वर्ष की आयु तक प्रशिक्षुओं को रखने की छूट के मामले में केवल विशेष मामलों में तभी शैक्षिक संस्थान/क्षेत्र के प्रमुख द्वारा विचार किया जा सकता है जब प्रदर्शन और भावी संभावनाओं के आधार पर ठोस औचित्य बनता हो।

इस समय देश में 66 एसटीसी केंद्र हैं जिनमें प्रशिक्षुओं की कुल संख्या 5045 (3168 लड़के और 1877 लड़कियां) हैं।

इसके अलावा, कोचों, सहायक स्टाफ का वेतन और रखरखाव भारतीय खेल प्राधिकरण द्वारा दिया जाता है।

3.0 एसटीसी केंद्रों के विस्तार केंद्र

उद्देश्य:

एसटीसी के विस्तार केंद्रों की स्कीम व्यापक कवरेज हेतु स्कूलों और कॉलेजों को शामिल करने के लिए 21 विधाओं में शुरू की गई थी जिसका उद्देश्य अपेक्षित मूल खेल ढ़ांचे वाले उन स्कूल और कॉलेजों में खेल मानक विकसित करना था जिन्होंने खेलों में उत्तम परिणाम दिए हैं। नियमित प्रशिक्षण के लिए गैर–आवासीय आध ार पर 10 से 18 वर्ष की आयु समूह में प्रशिक्षुओं का चयन किया जाता है।

शामिल विधाएं:

तीरंदाजी, एथलेटिक्स, बैडमिंटन, बास्केटबॉल, मुक्केबाजी, फुटबॉल, जिमनास्टिक्स, हैंडबॉल, हॉकी, जूडो, कबड्डी, खो–खो, मलखंभ, शूटिंग, तैराकी, टेबल टेनिस, ताइक्वांडो, वॉलीबॉल, भारोत्तोलन, कुश्ती और वुशू।

संस्थान का चयन:

खेलों में सक्रिय रूप से भाग लेने वाले और पर्याप्त बुनियादी ढ़ांचे वाले स्कूल और कॉलेज इस स्कीम के तहत पात्र हैं। संस्थान का विगत इतिहास ऐसा हो कि उसने राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ी दिए हों।

प्रशिक्षुओं का चयन:

इस स्कीम के तहत किसी स्कूल/कॉलेज में 20 की संख्या को प्रशिक्षुओं तक अपनाया जाता है निकटवर्ती स्कूलों/कॉलेजों के छात्रों को भी प्रवेश दिया जा सकता है। एथलीट का चयन (1) क्षेत्रीय निदेशक (एसएआई) या उसके प्रतिनिधि (2) कॉलेज/संस्थान के प्रमुख या उसके प्रतिनिधि (3) संबंधित विधा के स्कूल/कॉलेज से विशेषज्ञों/कोचों (4) उस क्षेत्र के उत्कृष्ट खिलाड़ियों से विधिवत गठित समिति द्वारा किया जाता है। प्रशंसशनीय परिणामों/असाधारण प्रतिभा के मामले में आयु में छूट दी जाती है।

ये विस्तार केन्द्र निकटतम एसटीसी से संबंद्व है और इनकी निगरानी एसएआई क्षेत्रीय केन्द्रों के प्रमुखों द्वारा की जाती है जिसके तहत संबंधित स्कूल/कॉलेज आता है।

चयन मानदंड

स्कूल

(क) **व्यक्तिगत स्पर्धा:** पब्लिक स्कूल संघ, सीबीएससी, केंद्रीय विद्यालय, जवाहर नवोदय विद्यालय द्व ारा आयोजित जिला चैपियमशीप, अंतर शेक्षिक संस्थान जिला स्तरीय प्रतियोगिताओं में पहले 4 स्थानों में से कोई भी स्थान धारक।

(ख) **टीम खेल:** पब्लिक स्कूल संघ, सीबीएससी, केंद्रीय विद्यालय, जवाहर नवोदय विद्यालय द्व ारा आयोजित जिला चैपियमशीप, अंतर शेक्षिक संस्थान जिला स्तरीय प्रतियोगिताओं के विजेता या उप–विजेता और मानदंडों के अनुसार विभिन्न टेस्टों में योग्य पाए जाने वाले।

कॉलेज:

(क) **व्यक्तिगत:** मान्यता प्राप्त राज्य खेल संघों द्वारा आयोजित सब–जूनियार और जूनियार राज्य चैपियनशिपों, विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित इंटर कॉलेज चैपियनशिपों और एसजीएफआई मानदंडों के अनुसार आयोजित राज्य स्तरीय एसजीएफआई चैपियनशिप में चौथा स्थान तक पाने वाले खिलाड़ी।

(ख) **टीम खेल:** पब्लिक स्कूल संघ, सीबीएससी, केंद्रीय विद्यालय, जवाहर नवोदय विद्यालय द्वारा आयोजित जिला चैपियमशीप, अंतर शेक्षिक संस्थान जिला स्तरीय प्रतियोगिताओं के विजेता

या उप–विजेता और मानदंडों के अनुसार विभिन्न टेस्टों में योग्य पाए जाने वाले।

विश्वविद्यालयः व्यक्तिगत और टीमः

भारतीय विश्वविद्यालय संघ द्वारा आयोजित और मान्यता प्राप्त राज्य संघ/राष्ट्रीय खेल परिसंघ द्वारा आयोजित क्षेत्रीय/राष्ट्रीय चैपियनशिपों में विश्वविद्यालय, राज्य का प्रतिनिधित्व करने वाले खिलाड़ी।

आयुः 10 से 18 वर्ष।

प्रवेश के समय विभिन्न टेस्टों में प्रशिक्षुओं के प्रदर्शन और उपलब्धियों का स्पष्ट रूप से दस्तावेज तैयार किया जाना चाहिए।

विभिन्न टेस्टों में फेल होने वाले प्रशिक्षुओं का अनंतिम रूप से चयन किया जाएगा और प्रतिधारण करने हेतु 6 माह बाद उनका मूल्यांकन किया जाएगा।

प्रवेश के समय आंके गए विभिन्न टेस्ट परिणाम, विशिष्ट टेस्ट परिणाम और प्रदर्शन मूल्यांकन रिपोर्ट का समुचित रूप से आधार निष्पादन के रूप में दस्तावेजन तैयार किया जाना चाहिए ताकि प्रशिक्षुओं की प्रदर्शन में वृद्धि की समय–समय पर तुलना की जा सके।

प्रवेश के लिए पूर्व शतः उपरोक्त दो श्रेणियों में प्रवेश प्रदर्शन संकेतों, मानव विज्ञान माप, शारीरिक और मनोवैज्ञानिक परीक्षणों पर किया जा सकता है और यह प्रवेश आयु, विधा और आयोजन के आधार भविष्य की क्षमता के मूल्यांकन पर निर्भर होगा। कोई सीधा प्रवेश नहीं होगा। प्रवेश केवल प्रदर्शन और विभिन्न टेस्ट परिणामों के आधार पर होगा और प्रवेश के समय इसका लेखा–जोखा रखा जाएगा।

पश्च प्रवेशः जिन्होंने जिला, राज्य, राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं में वांछित प्रदर्शन दिखाया है और विभिन्न टेस्ट, तकनीकी और विशिष्ट कौशल टेस्ट सफलतापूर्वक पूरे किए हैं, उन्हें वर्ष में किसी भी समय प्रवेश दिया जा सकता है।

प्रतिधारण मानदंडः एथलीट का प्रतिधारण उसके द्वारा प्रदर्शन का न्यूनतम स्तर बनाए रखने पर आधारित है जिसके आधार पर उसे प्रवेश दिया गया था तथा साथ ही वर्ष के लिए निर्धारित लक्ष्य प्राप्त करने पर आधारित है।

निकालनाः

क) प्रदर्शन का अपेक्षित स्तर न बनाए रखना

ख) डोप दुरूपयोग, आयु धोखाधड़ी, कदाचार आदि।

प्रवेश प्राप्त प्रशिक्षुओं के लिए निगरानी, छमाही वैज्ञानिक आंकलन और शैक्षिक वैकल्पिक व्यवस्था

क) सिफारिश की जाती है कि संस्थान/क्षेत्र के प्रमुखों द्वारा आंतरिक खेल विज्ञान केंद्रों की सेवाएं लेकर या प्रतिष्ठित खेल विज्ञान संस्थानों की सेवाएं लेकर सभी प्रवेश प्राप्त सभी प्रशिक्षुओं की निरंतर निगरानी और छमाही वैज्ञानिक आंकलन किया जाए।

ख) जहां तक संभव हो प्रवेश प्राप्त प्रतिभा पर नियमित शैक्षिक दबाव हटाने के लिए एनआईओएस, मानव संसाधन विकास मंत्रालय और इंदिरा गांधी मुक्त विश्वविद्यालय के तहत राष्ट्रीय राष्ट्रीय मुक्त स्कूल प्रणाली स्थापित करने के प्रयास किए जाने चाहिए।

ग) प्रतिभा के प्रवेश को शैक्षिक सत्र से जोड़ने के बजाय यह एक सतत् प्रक्रिया होनी चाहिए ताकि एसएआई उस समय प्रतिभा को प्रवेश दे सके जब प्रतिभा की पहचान की जाए और उसे प्रवेश के ले पात्र पाया जाए।

घ) प्रवेश दिए गए प्रशिक्षुओं की सामाजिक / रोजगार सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए विभिन्न सार्वजनिक क्षेत्रों /शस्त्र बलों/कॉर्पोरेट के साथ समन्वित प्रयास किए जाएं।

छूटः तथापि, न्यूनतम और अधिकतम आयु सीमा तथा प्रवेश में छूट विभिन्न टेस्टों में उत्कृष्ट प्रदर्शन के आधार पर और खेलों के विशिष्ट स्वरूप को ध्यान में रखते हुए अपवाद स्वरूप मामलों में दी जा सकती है जो नए प्रवेश के 25 प्रतिशत तक सीमित होगी।

क्र.सं.	खेल विधा	शिविरों की संख्या
1.	खेल किट (प्रति प्रशिक्षु, प्रति वर्ष)	5000.00
2.	प्रतियोगिता अवसर (प्रति प्रशिक्षु, प्रति वर्ष)	3000.00
3.	स्टाइपेंड (एक वर्ष में 10 महीने के लिए प्रति प्रशिक्षु)	6000.00
4.	बीमा (प्रति प्रशिक्षु, प्रति वर्ष)	150.00
5.	प्रति प्रशिक्षु, पहचान की गई संस्थाओं में बुनियादी ढांचा और उपकरण सहायता, 1 लाख रू. की सीमा के अधीन	5000.00

वर्तमान में, देश में कुल 1599 प्रशिक्षुओं (923 लड़कों और 676 लड़कियों) की संख्या के साथ 90 एक्सटेंशन सेंटर हैं।

4.0 राष्ट्रीय खेल प्रतिभा प्रतिस्पर्धा योजना (एनएसटीसी)

उद्देश्य

1. राष्ट्रीय खेल प्रतिभा प्रतिस्पर्धा (एनएसटीसी) योजना का कार्यान्वयन, स्कूलों से 8–14 वर्ष के आयु समूह में खेल प्रतिभा की पहचान करने और उन्हें वैज्ञानिक प्रशिक्षण देकर पदक लाने योग्य खिलाड़ी बनाने हेतु उनका पो ाण करने के लिए किया जा रहा है।

2. योजना के अंतर्गत, उत्तम खेल अवसंरचना तथा विश्वसनीय खेल प्रदर्शन के रिकॉर्ड वाले स्कूलों को एसएआई द्वारा अपनाया जाता है। यह योजना उभरते खिलाड़ियों को उसी स्कूल में अध्ययन करने तथा खेलने में सहायता करती है। एनएसटीसी (1985 में आरंभ) की मुख्य योजना, जिसमें नियमित स्कूलों को अपनाया जाता है, के अतिरिक्त भारत में खेल प्रतिभा, यहां तक कि स्वदेशी खेलों और क्रिड़ाओं में भाग लेने वाली प्रतिभा तक पहुँचने के लिए कुछ विशिष्ट उपयोजनाएं भी आरंभ की गई। एनएसटीसी की उप योजनाओं में शामिल हैं :

(i) नियमित स्कूल

(ii) स्वदेशी खेल और मार्शल आर्ट (आईजीएमए)

(iii) अखाड़ा

3. **एनएसटीसी के तहत शामिल खेल विधाएं**

नियमित स्कूल – एथलेटिक्स, बास्केटबॉल, फुटबाल, जिम्नास्टिक्स, हॉकी, खोखो, तैराकी, टेबल टेनिस, वॉलीबॉल और कुश्ती (10 खेल विधा)

आईजीएमए – तीरंदाजी, गटका, कबड्डी, कलारीपयटु, मुकना, मलखंभ, थांग–ता, सिलंबम, खोमलईनई (9 खेल विधा)

अखाड़ा –कुश्ती (1 खेल विधा)

4. **एनएसएनआईएस के प्रशिक्षित कोचों को नियमित प्रशिक्षण हेतु अपनाए गए स्कूलों और अखाड़ों को दिया जाता है।**

5. **नियमित स्कूलों का चयन मानदंड (एनएसटीसी)**

आयु : 8 — 14 वर्ष

प्रवेश के समय विभिन्न परीक्षणों में प्रशिक्षु का प्रदर्शन और उपलब्धियों को स्पष्ट रूप से दस्तावेजों में दर्ज किया जाना चाहिए।

व्यक्तिगत / टीम स्पर्धाएं

क. राज्य/राष्ट्रीय स्तर की प्रतिस्पर्धाओं में पदक विजेता प्रशिक्षुओं को चिकित्सा रूप से स्वस्थ पाए जाने के अधीन उन्हें योजना में प्रवेश दिया जाता है।

ख. वे प्रशिक्षु जो जिला स्तरीय प्रतिस्पर्धा में पदक विजेता हैं अथवा जिन्होंने राज्य स्तरीय प्रतिस्पधाओं में भाग लिया है, को चिकित्सा और शारीरिक रूप से स्वस्थ पाए जाने पर तथा अपेक्षित क्षमता होने, जिसका विभिन्न परीक्षणों द्वारा मूल्यांकन किया जाता है, के अधीन प्रवेश दिया जाएगा।

ग. सुदूर, जनजातीय और तटवर्ती क्षेत्रों से चयन के लिए, भागीदारों में से प्रतिस्पर्धाओं के आयोजन द्वारा भी प्रशिक्षुओं का चयन किया जाता है। यह चयन एसएआई, स्कूल/अखाड़ा, एसएआई कोच, खेल वैज्ञानिकों इत्यादि के प्रतिनिधियों की चयन समिति द्वारा किया जाता है। इस आधार पर अभिज्ञात खिलाड़ियों को आयु जॉच, चिकित्सा जांच और विभिन्न परीक्षणों में उपयुक्त पाए जाने पर प्रवेश दिया जाता है।

प्रवेश की पूर्व शर्त

उपरोक्त दो श्रेणियों में प्रवेश, प्रदर्शन संकेतकों, एंथ्रोपोमिट्रीक माप, शरीरिक और मनोचिकित्सीय परीक्षणों के आधार पर तथा आयु, खेल विधा, स्पर्धा और भावी क्षमता के मूल्यांकन और विभिन्न परीक्षण परिणामों के आधार पर किया जाता है और प्रवेश के समय उन्हें दस्तावेजों में दर्ज किया जाता है।

प्रतिधारण मापदंड

क. प्रशिक्षुओं को जारी रखना उनके द्वारा उस प्रदर्शन के न्यूनतम स्तर को बनाए रखने पर आधारित होता है, जिसके आधार पर उसे प्रवेश दिया गया था और यह उक्त वर्ष के लिए लक्ष्य प्राप्त करने पर भी निर्भर करेगा।

हटाया जाना :

क) प्रदर्शन का अपेक्षित स्तर नहीं बनाए रखने पर

ख) डोप दुरूप्योग, आयु घोखाधड़ी, कदाचार करने पर

प्रवेश प्राप्त प्रशिक्षुओं के लिए निगरानी, छमाही वैज्ञानिक मूल्यांकन और शैक्षिक सहायताः

सिफारिश की जाती है कि संस्थान/क्षेत्र के प्रमुखों द्वारा आंतरिक खेल विज्ञान केंद्रों की सेवाएं लेकर या प्रतिष्ठित खेल विज्ञान संस्थानों की सेवाएं लेकर सभी प्रवेश प्राप्त सभी प्रशिक्षुओं की निरंतर निगरानी और छमाही वैज्ञानिक आंकलन किया जाए।

छूटः

तथापि, न्यूनतम और अधिकतम आयु सीमा तथा प्रवेश में छूट विभिन्न टेस्टों में उत्कृष्ट प्रदर्शन के आधार पर और खेलों के विशिष्ट स्वरूप को ध्यान में रखते हुए अपवाद स्वरूप मामलों में दी जा सकती है जिसके लिए महानिदेशक, एसएआई पूर्व अनुमोदन अपेक्षित होगा।

5.0 स्वदेशी खेल और मार्शल आर्ट्स (आईजीएमए)(एनएसटीसी की उप-योजना)

ग्रामीण और अर्द्धशहरी क्षेत्रों में स्कूलों में स्वदेशी खेलों और मार्शल आट्र्स का संवर्घन करने के

लिए तथा इन खेलों में प्रतिभा की खोज कर उसके आधुनिक खेलों में पो ाण हेतु इस योजना को स्वदेशी खेलों के सवंर्धन और विकास हेतु केन्द्रीय विद्यालयों, नवोदय विद्यालयों, डीएवी स्कूल, विद्या भारती और इसी प्रकार की संस्थाओं जैसे स्कूलों के समूह वाली शैक्षिक संस्थाओं द्वारा संचालित स्कूलों में 12 नवम्बर, 2001 को शुरू किया गया था और एनएसटीसी योजना के भाग के रूप में मार्शल आर्ट्स को भी ामिल किया गया था।

चयन मानदंड

आयु : 8 – 14 वर्ष

छूट : तथापि, महा निदेशक, एसएआई द्वारा विभिन्न परीक्षणों में उत्कृष्ट प्रदर्शन के आधार पर तथा खेलों की विशिष्ट प्रकृति, जिसके लिए महा निदेशक, एसएआई का पूर्व अनुमोदन आवश्यक होगा, पर ध्यान देते हुए आपवादित मामलों में न्यूनतम तथा अधिकतम आयु की सीमा में छूट और साथ ही प्रवेश दिया जा सकता है।

प्रवेश के समय विभिन्न परीक्षणों में प्रशिक्षु का प्रदर्शन और उपलब्धियों को स्पष्ट रूप से दस्तावेजों में दर्ज किया जाना चाहिए।

प्रवेश हेतु चयन मानदंड

क. राज्य/राष्ट्रीय स्तर की प्रतिस्पर्धाओं में पदक विजेता प्रशिक्षुओं को चिकित्सा रूप से योग्य पाए जाने के अधीन उन्हें योजना में प्रवेश दिया जाता है।

ख. वे प्रशिक्षु जो जिला स्तरीय प्रतिस्पर्धा में पदक विजेता हैं अथवा जिन्होंने राज्य स्तरीय प्रतिस्पधाओं में भाग लिया है को, चिकित्सा और शारीरिक रूप से स्वस्थ पाए जाने के अधीन प्रवेश दिया जाता है।

ग. स्वदेशी खेलों में प्रतिभा की खोज भागीदारों के बीच खुली प्रतिस्पर्धाओं के आधार पर की जाती है। चयन, एसएई, संस्थाओं के प्रतिनिधियों, एसएआई कोचों, संबंधित खेल के गुरू/परामर्शदाता की चयन समिति द्वारा किया जाता है। इस आधार पर अभिज्ञात खिलाड़ियों को उनकी आयु जॉच, चिकित्सा जांच इत्यादि के पश्चात प्रवेश दिया जाता है।

प्रतिधारण मानदंड

(क) प्रशिक्षुओं को रखना उनके द्वारा उस प्रदर्शन के न्यूनतम स्तर को बनाए रखने पर आधारित होगा, जिसके आधार पर उसे प्रवेश दिया गया था और यह उक्त वर्ष के लिए लक्ष्य प्राप्त करने पर भी निर्भर करेगा।

हटाया जाना :

क) प्रदर्शन का अपेक्षित स्तर नहीं बनाए रखने पर

ख) डोप दुरूप्योग, आयु घोखाधड़ी, कदाचार करने पर

निगरानी :

अपनाए गए क्लबों संस्थाओं की निरंतर निगरानी और छमाही मूल्यांकन संस्थाओं के प्रमुखों/क्षेत्रीय केन्द्रों के माध्यम से किया जाता है असाध ारण प्रतिभावान लड़कों और लड़कियों को खेल विधा और पात्रता के मानदंडों के अनुसार एसएआई एसएजी केन्द्र अथवा एसएआई खेल अकादमी में प्रवेश दिया जा सकता है।

एनएसटीसी योजना के तहत अखाड़ों को अपनाया जाना

प्रस्तावना

कुश्ती देश में पारंपरिक रूप से स्वदेशी खेल रहा

है और यह अधिकांशतः ग्राम स्तर पर खेला जाता है। भारत ने विगत में कई अंतराष्ट्रीय पदक जीते हैं और यह पदक दृष्टि से आशावान खेल रहा है। इसलिए आधुनिक कुश्ती के लिए व्यापक आधार बनाने और देश में विभिन्न अखाड़ों द्वारा किए गए प्रयासों में सहयोग करने के प्रयास किए जा रहे हैं।

अखाड़ों को अपनाया जाना

कुश्ती खेल की विशिष्ट प्रकृति को देखते हुए कुश्ती मैट बिछाने के लिए न्यूनतम 20 × 20 मीटर के बंद हॉल, मल्टी जिम स्थापित करने के लिए 15 × 15 मीटर के बंद हॉल तथा अन्य सम्बद्ध सुविधाओं वाले अखाड़ों को अपनाए जाने की अनुमति प्रदान की गई है।

चयन मानदंड : एनएसटीसी के नियमित अपनाए गए स्कूलों के चयन के मानदंड प्रतिभावान पहलवानों के चयन हेतु लागू होते हैं।

एनएसटीसी योजना के तहत प्रदत्त सुविधाएँ: वर्तमान में योजना के तहत, चुनिंदा प्रशिक्षुओं को गैर– आवासीय आधार पर प्रवेश दिया जाता है। तथापि, आपवादिक रूप से प्रशिक्षुओं को आवासीय आधार पर दो स्कूलों में प्रवेश दिया गया है और उन्हें वृत्तिका के स्थान पर भोजन तथा आवास सुविधाएं दी गई हैं।

वित्तीय मानदंड

1. नियमित स्कूल

क्र. सं.	विवरण	राशि (रू. में)
1	खेल किट (प्रति वर्ष प्रति प्रशिक्षु)	2000.00
2	बीमा (प्रति वर्ष प्रति प्रशिक्षु)	150.00
3	प्रतिस्पर्धा अवसर (प्रति वर्ष प्रति प्रशिक्षु)	2000.00
4	10 माह के लिए वृत्तिका (प्रति वर्ष प्रति व्यक्ति)	3000.00
5	खेल उपस्कर की खरीद हेतु स्कूल को वार्षिक अनुदान (प्रति वर्ष)	20000.00

2) स्वदेशी खेल और मार्शल आर्ट्स

1	खेल किट (प्रति वर्ष प्रति प्रशिक्षु)	1500.00
2	बीमा (प्रति वर्ष प्रति प्रशिक्षु)	150.00
3	10 माह के लिए वृत्तिका (प्रति वर्ष प्रति व्यक्ति)	3000.00
4	खेल उपस्कर की खरीद हेतु स्कूल को वार्षिक अनुदान (प्रति वर्ष)	20000.00
5	प्रतिभा की खोज के लिए प्रतिस्पर्धा के आयोजन हेतु स्कूल को वार्षिक अनुदान (प्रति वर्ष)	25000.00

3) अखाड़ा

1	खेल किट (प्रति वर्ष प्रति प्रशिक्षु)	3000.00
2	प्रतिस्पर्धा अवसर (प्रति प्रशिक्षु प्रति वर्ष)	3000.00
3	वृतिका (प्रति प्रशिक्षु प्रति माह)	1000.00
4	दुर्घटना बीमा (प्रति प्रशिक्षु प्रति वर्ष)	150.00
	अपनाए गए अखाड़ों को अनुभवी कोच की सेवाओं के अतिरिक्त कुश्ती मैट और/या मल्टी–जिम का एक सेट भी प्रदान किया जाता है।	

वर्तमान में अपनाए गए 10 स्कूल हैं, 10 स्कूलों को स्वदेशी खेलों/मार्शल आर्ट का संवर्धन करने के लिए अपनाया गया है। अपनाए गए 48 अखाड़ों को प्रशिक्षण दिया जा रहा है। एनएसटीसी

योजना के अंतर्गत कुल 941 (750 लड़के और 191 लड़कियां) प्रशिक्षु हैं।

6.0 भारतीय खेल प्राधिकरण के क्षेत्रीय केंद्र

भारतीय खेल प्राधिकरण के क्षेत्रीय केंद्र और शैक्षिक अकादमियां देशभर में इसकी खेल संवर्धन योजनाओं और शैक्षणिक कार्यक्रमों के लिए कार्यान्वयन एजेंसियां हैं।

उद्देश्य और कार्य

- अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में भाग लेने के लिए कोचिंग शिविरों का संचालन करना और राष्ट्रीय टीमों को सहायता प्रदान करना;
- क्षेत्र में भारतीय खेल प्राधिकरण और भारत सरकार की खेल संवर्धन योजनाओं को कार्यान्वित करना व उनकी निगरानी करना;
- एनएसएनआईएस पटियाला में भारतीय खेल प्राधिकरण के शैक्षिक स्कंध के सहयोग से कोचिंग में डिप्लोमा पाठ्यक्रम का संचालन करना;
- रिफ्रेशर कोर्स का आयोजन करते हुए कोचों की तकनीकी क्षमता बढ़ाना और ज्ञानवर्द्धन करना;
- शारीरिक शिक्षा शिक्षकों के लिए रिफ्रेशर कोर्स का आयोजन करना;
- ज्ञान वृद्धि के माध्यम से खेलों में उत्कृष्टता प्राप्त करने के संबंध में सभी संबधितों को संगठनात्मक सहायता, प्रलेखन और खेल विज्ञान से संबंधित जानकारी प्रदान करना;
- अन्य संगठनों / खेल निकायों, राज्य सरकारों / संघ राज्य क्षेत्रों के प्रशासनों के साथ सम्पर्क स्थापित करना तथा खेल से संबंधित विषयों की जानकारी प्रदान करना;
- विभिन्न आयु समूहों के बीच खेल प्रतिभा की पहचान करना और उन्हें अपने प्रदर्शन में उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए तैयार करना; तथा
- खिलाडियों को खेलों में उच्च स्तरीय प्रदर्शन प्राप्त करने के लिए वैज्ञानिक सहायता प्रदान करना।

1. एसएआई नेताजी सुभाष पूर्वी क्षेत्रीय केंद्र (एनएसईसी), कोलकाता

एसएआई पूर्वी केंद्र की स्थापना कोलकाता के साल्ट लेक सिटी में 23 जनवरी 1983 को की गई थी। यह केंद्र, बिहार, झारखंड, ओडिशा, पश्चिम बंगाल, त्रिपुरा और अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह में एसएआई योजनाओं के कार्यान्वयन व निगरानी के लिए उत्तरदायी है।

शैक्षणिक कार्यक्रम:

वर्ष के दौरान, केंद्र में निम्नलिखित शैक्षणिक कार्यक्रम आयोजित किए गए: –

- खेल विज्ञान में अंतिम परीक्षा 14 जून, 2020 पर ऑनलाइन आयोजित की गई, ऑनलाइन कक्षा 30 मार्च से "जूम क्लाउड मीटिंग" ऐप के माध्यम से शुरू की गई।
- विशेषज्ञ खेल (थ्योरी) में अंतिम परीक्षा 29 जून, 2020 को ऑनलाइन आयोजित की गई।
- खेल कोचिंग में डिप्लोमा कोर्स।
- डीसी–2019–'20 के प्रशिक्षुओं के लिए शोध प्रबंध का अंतिम मूल्यांकन और मौखिक परीक्षा 21 से 25 जुलाई, 2020 तक ऑनलाइन आयोजित की गयी।
- सुलभ कौशल विकास एवं सुग्राह्यता कार्यक्रम।

- उच्च प्रदर्शन प्रशिक्षण संबंधी कोच विकास कार्यक्रम।
- फुटबॉल और तीरंदाजी कोचों के लिए ऑनलाइन कक्षाएं।

2. एसएआई नेताजी सुभाष दक्षिणी केंद्र (एनएसएससी), बेंगलुः

दक्षिणी केंद्र की स्थापना श्री कांतिरावा स्टेडियम, बेंगलुरू में 13 अप्रैल, 1974 को की गई थी और तत्पश्चात इसे 29 जुलाई 1985 को इसके वर्तमान स्थान ज्ञान भारती परिसर, बेंगलुरू विश्वविद्यालय, मैसूर रोड, बेंगलुरू में स्थानांतरित कर दिया गया था। बेंगलुरू स्थित एनएसएससी आंध्र प्रदेश, कर्नाटक और तेलंगाना राज्यों में एसएआई खेल संवर्धन योजनाओं को लागू करने व निगरानी करने के लिए जिम्मेदार है।

3. एसएआई नेताजी सुभाष पश्चिमी केंद्र (एनएसडब्ल्यूसी), गांधीनगर

एसएआई के पश्चिमी क्षेत्रीय मुख्यालय की स्थापना सेक्टर–15, गांधीनगर में स्थित खेल परिसर में गांधीनगर, गुजरात में की गई है जिसे गुजरात सरकार द्वारा एसएआई को दीर्घावधि लीज आधार (99 वर्षों के लिए) को हस्तांतरित कर दिया गया था। एसएआई पश्चिमी क्षेत्रीय केंद्र का उद्घाटन, गुजरात और राजस्थान राज्यों को शामिल करते हुए पश्चिमी क्षेत्र में एसएआई के उद्देश्य और खेल संवर्धन योजनाओं के कार्यान्वयन के लिए 29 अगस्त, 1987 को किया गया था।

उपरोक्त के अतिरिक्त, 50.00 करोड़ रुपए की अनुमानित लागत पर एसएआई, गांधीनगर सेक्टर–25 में दक्षिण एशियाई पारा केंद्र की स्थापना के प्रस्ताव पर पर विचार किया जा रहा है जिसके लिए सीपीडब्ल्यूडी, गांधीनगर को अनुमोदन संप्रेषित कर दिया गया है और सीपीडब्ल्यूडी, गांधीनगर से प्रांरभिक प्रस्ताव प्राप्त हुआ और इसे आगे अनुमोदन के लिए 17.03.2017 को नई दिल्ली में सचिव, युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय, भारत सरकार के साथ हुई बैठक के कार्यवृत्त के अनुसार मंत्रालय को भेज दिया गया।

4. एसएआई उधव दास मेहता (भाई जी) मध्य केंद्र, भोपाल

वर्ष 2000 में शासी निकाय द्वारा लिए गए निर्णय के अनुसार, एसएआई मध्य क्षेत्रीय केंद्र को 6 जून, 2001 में भोपाल में स्थानांतरित कर दिया गया है। दिनांक 18 मार्च, 2002 के शासी निकाय के निर्णय के अनुसार, इस केंद्र को 17 अप्रैल, 2002 को "उधव दास मेहता (भाई जी) मध्य क्षेत्रीय केंद्र" के रूप में पुनः नामित किया गया। भोपाल में एसएआई खेल परिसर 97 एकड़ में फैला है और यह भूमि मध्य प्रदेश सरकार द्वारा दी गई थी। इस केंद्र को सितंबर, 2005 में क्रियाशील बनाया गया था, इसमें 144 बिस्तरयुक्त छात्रावास, एस्ट्रोटर्फ हॉकी मैदान (2), बहुद्देशीय हॉल, 400 मीटर सिंडर एथलेटिक्स ट्रेक, बास्केटबॉल, वालीबॉल, फुटबॉल मैदान हैं। इस समय युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा 1 नवम्बर, 2019 से मध्य क्षेत्रीय केन्द्र भोपाल को राष्ट्रीय उत्कृ टता केन्द्र (एनसीओई) चिन्हित किया गया है, जो एथेलिक्टिकस, मुक्केबाजी, जूड़ो, हॉकी, वुशू जैसी मुख्य खेल विधाओं पर कार्य करना है।

5. एसएआई चौधरी देवी लाल उत्तर क्षेत्रीय केंद्र, सोनीपत

एसएआइ का उत्तरी क्षेत्रीय केंद्र जून, 1988 में स्थापित किया गया और इसने एनएस एनआईएस पटियाला से कार्य करना शुरू किया। अक्तूबर, 1991 में क्षेत्रीय केंद्र के कार्यालय को चंडीगढ़ शिफ्ट कर दिया गया। इसके बाद जून, 2005 में

इस कार्यालय को 83 लगभग एकड़ भूमि क्षेत्र में बने एक परिसर में चंडीगढ़ से ग्राम जोशी चौहान, बहालगढ़ (सोनीपत) में शिफ्ट कर दिया गया, जहां विभिन्न खेल सुविधाएं सृजित/विकसित की गई है। तथापि, भारतीय खेल प्राधिकरण की 23 फरवरी, 2009 को आयोजित शासी निकाय की 36वीं बैठक में लिए गए निर्णय के अनुसार 01 अप्रैल, 2009 को चंडीगढ़ में एसएआई का एक नया केंद्र स्थापित किया गया और पंजाब, हिमाचल प्रदेश, जम्मूऔर कश्मीर संघ राज्य क्षेत्र और लद्दाक संघ राज्य क्षेत्र तथा चंडीगढ़ संघ राज्य क्षेत्र को इसके क्षेत्राधिकार में रखा गया। इसके अलावा, हरियाणा और दिल्ली को एनआरसी सोनीपत के प्रशासनिक क्षेत्राधिकार में रखा गया।

राष्ट्रीय कोचिंग शिविर

विधा–वार आयोजित शिविर निम्नानुसार हैंः

क्र.सं.	खेल विधा	कैंपों की संख्या
1.	पारा तीरंदाजी शिविर	1
2.	पारा एथलेटिक्स शिविर	1
3.	सीनियर कुश्ती कोचिंग शिविर	4
	कुल	**6**

6. चंडीगढ़ में एसएआई क्षेत्रीय केंद्र

भारतीय खेल प्राधिकरण, क्षेत्रीय केंद्र, चंडीगढ़ को मार्च, 2009 में भालगढ़, सोनीपत से चंडीगढ़ में स्थानांतरित कर दिया गया था और मार्च, 2009 से अक्तूबर, 2020 तक यह केवल कार्यालय उद्देश्य के लिए हॉकी स्टेडियम, सेक्टर–42, चंडीगढ़ में संघ राज्य क्षेत्र प्रशासन द्वारा प्रदत्त स्थान से चल रहा था। इस समय यह केन्द्र चंडीगढ़ के निकट जिरकपुर में अपने ही परिसर में कार्य कर रहा है। इस क्षेत्रीय केंद्र का प्रशासनिक अधिकार क्षेत्र पंजाब, हिमाचल प्रदेश, के दो राज्य जम्मू और कश्मीर, लद्दाख तथा चंडीगढ़ के 3 संघ राज्य क्षेत्र है।

7. एसएआई नेताजी सुभाष पूर्वोत्तर क्षेत्रीय केन्द्र, इम्फाल

भारत के पूर्वोत्तर राज्यों में खेल क्षेत्र की प्रतिभाओं की उपलब्धता को ध्यान में रखते हुए, प्रशिक्षण शिविरों और डिप्लोमा पाठ्यक्रमों का संचालन करने के लिए खेल सुविधाएं प्रदान करने हेतु पूर्वोत्तर क्षेत्र के लिए दिनांक 15 सितम्बर 1986 को ताक्येल, इम्फाल में नेताजी सुभाष राष्ट्रीय खेल क्षेत्रीय केंद्र संस्थान की स्थापना की गई थी। यह केंद्र मणिपुर, मिजोरम और नगालैंड राज्यों में एसएआई खेल संवर्धन योजनाओं के कार्यान्व्यन और निगरानी के लिए जिम्मेदार है।

8. एसएआई क्षेत्रीय केंद्र, लखनऊ

भारतीय खेल प्राधिकरण, नेताजी सुभाष उप केंद्र, लखनऊ की स्थापना वर्ष 2004 में लखनऊ में की गई थी। इस केंद्र का उद्‌घाटन 23 फरवरी, 2004 को भारत के तत्कालीन माननीय प्रधानमंत्री, श्री अटल बिहारी वाजपेयी (भारत रत्न) द्वारा की गई थी। वर्तमान परिसर उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा प्रदत्त 52 एकड़ भूमि में फैला है। इस केंद्र में श्रे ठ खिलाड़ियों के लिए आवश्यक सभी आधुनिक अवसंरचना, खेल सुविधाएं उपलब्ध हैं।

यह केंद्र मार्च, 2009 तक केंद्रीय केंद्र भोपाल के अधिकार क्षेत्र के तहत था। भोपाल से अलग होने के पश्चात् यह केंद्र 1 अप्रैल, 2009 से स्वतंत्र रूप से कार्य कर रहा है। फरवरी, 2013 में इस केंद्र को दो राज्यों अर्थात् उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड, जो देश की लगभग 22 प्रतिशत जनसंख्या की आवश्यकता को पूरा करते हैं, के अधिकार क्षेत्र के साथ एक स्वतंत्र क्षेत्रीय केंद्र के रूप में अधिसूचित किया गया था। एसएआई क्षेत्रीय केंद्र को सभी श्रेणियों में विशेषकर महिला कुश्ती और अन्य विधा जैसे जूडो, हैंडबाल, कबड्डी, टेबल

टेनिस में राष्ट्रीय कोचिंग शिविरों के आयोजन के लिए नोडल केंद्र के रूप में अधिसूचित किया गया था।

निर्माण चालू वर्ष के दौरान निर्मित बुनियादी ढांचा

1. कुश्ती हॉल का निर्माणः कुश्ती हॉल का निर्माण प्रगति पर है और लगभग 98 प्रतिशत काम पूरा हो गया है। उक्त परियोजना के पूरा होने की लक्षित तिथि 30 अगस्त 2020 थी, लेकिन कोविड –19 लॉकडाउन के कारण, कार्य में देरी हो रही है और 07.01.2021 तक पूरा होने की संभावना है।

2. 300 विस्तरों वाला हॉस्टल का निर्माणः 300 विस्तरों का निर्माण कार्य प्रगति पर है और 6–7 महीनों के भीतर पूरा होने की संभावना है।

राष्ट्रीय कोचिंग शिविर

विधा–वार आयोजित शिविर निम्नानुसार हैं:

क्र.सं.	खेल विधा	शिविरों की संख्या
1.	पैरा बैडमिंटन शिविर	1
2.	सीनियर महिला कुश्ती एनसीसी	1
3.	सीनियर महिला कुश्ती एनसीसी	1
	कुल	**3**

9. एसएआई क्षेत्रीय केंद्र, गुवाहाटी

पूर्वोत्तर क्षेत्र में खेलों और खेल कूद को बढ़ावा देने के दृष्टिकोण से, भारतीय खेल प्राधिकरण ने 1987 में एसएआई पूर्वोत्तर क्षेत्रीय केन्द्र, इम्फाल के तहत गुवाहाटी में अपने उप केंद्र की स्थापना की थी। एसएआई के क्षेत्रीय उप केन्द्र, गुवाहाटी की आधारशिला, 1987 में भूतपूर्व युवा कार्यक्रम और खेल मंत्री, भारत सरकार, श्रीमती मार्गरेट अल्वा, द्वारा रखी गई थी। यह केन्द्र केवल 9.3 एकड़ भूमि पर गुवाहाटी के मध्य बहुत भीड़–भाड़ वाले क्षे में स्थित है। इस भूखंड को असम राज्य सरकार द्वारा प्रतिव र्ा 1.00 रू. की दर से 99 व र्ा के पट्टे पर दिया गया था। जनवरी वर्ष 2013 में उप केंद्र, गुवाहाटी का क्षेत्रीय केंद्र, गुवाहाटी के रूप में उन्नयन कर दिया गया। विभिन्न एसएआई संवर्धन योजनाएं चार पूर्वी राज्यों नामतः असम, मेघालय, अरुणाचल प्रदेश और सिक्किम में प्रचालनरत हैं।

10. एसएआई क्षेत्रीय केंद्र, मुंबई

मुंबई में खेल प्रशिक्षण केंद्र की स्थापना वर्ष 1989 में महाराष्ट्र में खेलों के समग्र संवर्धन और विकास के प्राथमिक उद्देश्यों से की गई थी। खेल छात्रावास की स्थापना के लिए एसएआई को परिसर और अन्य सुविधाएं सौंपने के लिए भारतीय खेल प्राधिकरण और महाराष्ट्र सरकार के बीच 31 अगस्त 1989 को एक समझौते को निष्पादित किया गया था। एसएआई आरसी मुम्बई ने जून, 2015 से महाराष्ट्र, गोवा राज्यों और दमन एवं दीव तथा दादर नगर हवेली संघ राज्य क्षेत्रों के साथ स्वतंत्र रूप से कार्य करना आरंभ कर दिया। 29 अप्रैल, 2016 को महाराष्ट्र सरकार ने भारतीय खेल प्राधिकरण, नेताजी सुभाष दीन दयाल उपाध्याय क्षेत्रीय केंद्र खोलने के लिए नागपुर में 140 एकड़ भूमि सौंपी:

एसएआर, आरसी, कांदिवली, मुंबई का नाम बदलकर "एसएआई श्री अटल बिहारी वाजपेयी नेशनल सेंटर ऑफ एक्सीलेंस, मुंबई" कर दिया गया है।

राष्ट्रीय कोचिंग शिविर

विधा–वार आयोजित शिविर निम्नानुसार हैं:

क्र.सं.	खेल विधा	शिविरों की संख्या
1.	तीरंदाजी सीनियर पुरुष और महिला रिकर्व	1
2.	नौकायन	1
3.	फुटबॉल महिला	1
4.	फुटबॉल पुरुष	1
5.	भारोत्तोलन	1
	कुल	**5**

भारतीय खेल प्राधिकरण के शैक्षणिक संस्थान

1. नेताजी सुभाष राष्ट्रीय खेल संस्थान, पटियाला

राष्ट्रीय खेल संस्थान का उद्‌घाटन 7 मई 1961 को देश में व्यवस्थित और वैज्ञानिक खेल कोचिंग के एक युग का सूत्रपात करने के लिए किया गया था। वर्ष 1973 में, यह संस्थान नेताजी सुभाष चंद्र बोस की स्मृति को समर्पित किया गया था। वर्ष 1987 में एसएआई और एसएनआईपीईएस के विलय के पश्चाात, यह संस्थान भारतीय खेल प्राधिकरण का शैक्षणिक स्कंध बन गया। इसे एशिया का एक प्रमुख खेल संस्थान माना जाता है। यह संस्थान मोती बाग पैलेस, पटियाला (पंजाब) में स्थित है। संस्थान का कुल क्षेत्रफल 268 एकड़ है।

संस्थान के लक्ष्य और उद्देश्य

1. खेल कोचिंग, खेल विज्ञान और अन्य संबंधित क्षेत्रों में लघु और दीर्घावधि के शैक्षिक पाठ्यक्रम आयोजित करना।
2. पुनश्चर्या पाठ्यक्रम के आयोजन के माध्यम से कोचों की सक्षमता बढ़ाना।
3. अंतर्राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं के लिए श्रेष्ठ खिलाड़ियों हेतु राष्ट्रीय कोचिंग कैंपों का आयोजन करना।
4. उच्च स्तरीय प्रदर्शन देने के लिए श्रेष्ठ खिलाड़ियों को वैज्ञानिक सहायता प्रदान करना।
5. खेल संबंधित विषयों पर सम्मेलनों, सेमिनारों और कार्यशालाओं का आयोजन करना।
6. विशेषज्ञों के माध्यम से खेल के बुनियादी ढांचे संबंधी जानकारी और परामर्श के स्रोत के रूप में सेवा प्रदान करना।
7. एसएआई की खेल सवंर्धन योजनाओं को लागू करना।
8. युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय की खेल संवर्धन योजनाओं की राष्ट्रीय स्तरीय प्रतियोगिताओं का आयोजन करना।
9. भारत सरकार की खेल संवर्धन योजनाओं की राष्ट्रीय स्तरीय प्रतियोगिताओं में खेल प्रतिभा को निखारने हेतु उसकी पहचान करना।

I. शैक्षणिक कार्यक्रम

1. खेल कोचिंग में डिप्लोमा पाठ्यक्रम

शैक्षिक वर्ष, 2019 के दौरान पटियाला स्थित संस्थान और बैंगलुरू, कोलकाता और तिरूअनंतपुरम के इसके 3 शैक्षिक उप केंद्रो द्वारा एक वर्षीय डिप्लोमा पाठ्यक्रम संचालित किया गया। पटियालाय में 18खेल विधाओं के लिए खेल कोचिंग में 327 छात्रों को डिप्लोमा दिया गया, एसएआई एनएस दक्षिण केंद्र बैंगलुरू में 10खेल विधाओं में 119 प्रशिक्षुओं, एसएआईएनएस पूर्वी केंद्र कोलकाता में 6 खेल विधाओं में 102 छात्रों और तिरूवानंतपुरम में 2 खेल विधाओं में

18 छात्रों को डिप्लोमा दिया गया। कुल मिलाकर 26 विधाओं में 566 छात्रों ने कोच बनने की अर्हता प्राप्त की। वर्ष 2019 के दौरान एसएआई एनएस एनआईएस पटियाला के शैक्षिक स्कंध ने कोच शिक्षा कार्यक्रम के तहत निम्नलिखित शैक्षिक प्रशिक्षण पाठ्यक्रम आयोजित किए।

पटियाला में खेल कोचिंग पाठ्यक्रम में डिप्लोमा 11खेल विधाओं में संचालित किया जा रहा है नामतः एथलेटिक्स, मुक्केबाजी, साइक्लिंग, पट्टेबाजी, हैंडबॉल, हॉकी, जुडो, भारोत्तोलन, कुश्ती, वुशू और योगा। कुल मिलाकर चालू सत्र अर्थात 2020–21 के दौरान 353 प्रशिक्षुओं को प्रशिक्षण दिया गया।

बेंगलुरू में 10 खेल विधाओं जैसे कि एथलेटिक्स, बैडमिंटन, बास्केटबॉल, हॉकी, कबड्डी, खो–खो, तैराकी, तायक्वांडो, और वॉलीबॉल में खेल कोचिंग पाठ्यक्रम में डिप्लोमा का संचालन किया जा रहा है। चालू सत्र 2020–21 के दौरान कुल मिलाकर, 229 प्रशिक्षुओं को प्रवेश दिया गया।

क्षेत्रीय केन्द्र कोलकाता में तीरंदाजी, एथलेटिक्स, फुटबाल, जिमनास्टिक और टेबल टेनिस की पांच खेल विधाओं में खेल कोचिंग पाठ्यक्रम में डिप्लोमा दिया जा रहा है। चालू सत्र 2020–21 के दौरान कुल मिलाकर 149 प्रशिक्षुओं को प्रवेश दिया गया।

एलएनसीपी तिरुवनंतपुरम में नौकायन, क्याकिंग और केनोइंग में कोचिंग में डिप्लोमा संचालित किया जा रहा है। कुल मिलाकर, चालू सत्र 2020–21 के दौरान तिरुवनंतपुरम में इस कोचिंग पाठ्यक्रम में 31 प्रशिक्षुओं को प्रवेश दिया गया।

सत्र 2020–21 के लिए पटियाला और इसके तीन उप केन्द्रों में 24 खेल विधाओं में डिप्लोमा पाठ्यक्रम के लिए कुल मिलाकर 762 प्रशिक्षु प्रशिक्षण ले रहे हैं। 1961 से अब तक 20971 छात्र इस कार्यक्रम के तहत पात्र हुए हैं।

कोविड़ –19 के कारण डिप्लोमा कोर्स 2019–20 के छात्रों को संस्थान से छुट्टी दे दी गई शेष पाठ्यक्रम ऑनलाइन मोड के माध्यम से पूरा किया गया। फाइनल परीक्षा भी ऑनलाइन मोड के माध्यम से आयोजित की गई थी।

डिप्लोमा कोर्स सत्र में प्रवेश के लिए 2020–21 आवेदनों को ऑनलाइन पद्वति से के माध्यम से आमंत्रित किया गया था प्रवेश परीक्षा ऑनलाइन पद्वति से के माध्यम से राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी द्वारा आयोजित की गई। वर्चुअल साक्षात्कार भी ऑनलाइन मोड के माध्यम से आयोजित किया गया।

डिप्लोमा कोर्स की कक्षाएं ऑनलाइन पद्वति से के माध्यम से शुरू हुईं, जहां राष्ट्रीय खेल परिसंघों से अतिथि संकाय भी कक्षाएं संचालित कर रहे हैं।

2. खेल कोचिंग में एम.एससी.

यह दो वर्षीय डिग्री पाठ्यक्रम पंजाब विश्वविद्यालय, पटियाला के साथ संबद्ध है, और इसका संचालन संस्थान द्वारा केवल पटियाला केंद्र में ही किया जाता है। वर्ष 2019–2020 के दौरान एथलेटिक्स और तैराकी की दो खेल विधाओं में एम.एससी. खेल कोचिंग में पांच छात्र अध्ययन कर रहे हैं। ैक्षिक सत्र 2020–2022 के दौरान खेल कोचिंग में एम.एससी. करने के लिए 10 उम्मीदवार एथलीट में (3 बास्केटबॉल में 3 जिमनास्टिक्स में और तैराकी में 3) का चयन किया गया है। 2019 तक एम.एससी. खेल कोचिंग में 221 छात्र उत्तीर्ण हुए हैं। खेल कोचिंग में स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम वर्ष 1979 में 10 खेल विधाओं में आरंभ किया गया था।

II. राष्ट्रीय कोचिंग शिविर

यह संस्थान विभिन्न अंतर्राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं के लिए पटियाला में श्रेष्ठ खिलाड़ियों के प्रशिक्षण हेतु राष्ट्रीय कोचिंग शिविरों का आयोजन करता है। वर्ष 2020 के दौरान आयोजित राष्ट्रीय कोचिंग शिविरों का विवरण निम्नानुसार है:

क्र.सं.	खेल विधा	शिविरों की संख्या
1.	एथलेटिक्स	3
2.	मुक्केबाजी	2
3.	भारोत्तोलन	3
कुल		**8**

2 लक्ष्मीबाई राष्ट्रीय शारीरिक शिक्षा कॉलेज (एलएनसीपीई), तिरुवनंतपुरम

लक्ष्मीबाई राष्ट्रीय शारीरिक शिक्षा कॉलेज (एलएनसीपीई), करियावट्टोम, तिरुवनंतपुरम युवा कार्यक्रम और खेल विभाग, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार के तत्वावधान में 17 अगस्त 1985 को अस्तित्व में आया। 1 मई, 1987 को एसएनआईपीईएस के भारतीय खेल प्राधिकरण के साथ विलय से यह कॉलेज नेताजी सुभाष राष्ट्रीय खेल संस्थान, पटियाला और लक्ष्मीबाई राष्ट्रीय शारीरिक शिक्षा कॉलेज, ग्वालियर के समकक्ष भारतीय खेल प्राधिकरण के शैक्षणिक स्कंध का एक भाग बन गया। यह कारियावट्टोम, जंक्शन, तिरुवनंतपुरम से 1 किलोमीटर दूर राष्ट्रीय राजमार्ग 47 के उत्तरी ओर केरल विश्वविद्यालय कारियावट्टोम कैंपस से प्राप्त 50 एकड़ भूखंड पर स्थाापित किया गया।

(1) प्रमुख उद्देश्य :

i. शारीरिक शिक्षा, खेल और खेलकूद क्षेत्रों के साथ–साथ संबद्ध क्षेत्रों में अत्यंत सक्षम और कुशल नेतृत्व, शिक्षकों, प्रशिक्षकों, विद्वानों और प्रशासकों को तैयार करना।

ii. शारीरिक शिक्षा एवं संबद्ध क्षेत्रों में अनुसंधान संबंधी उत्कृष्टता केन्द्र के रूप में कार्य करना।

iii. भारत और विदेशों में कहीं भी अन्य शारीरिक शिक्षा के अन्य संस्थानों के लिए तकनीकी, व्यावसायिक और शैक्षणिक नेतृत्व प्रदान करना।

iv. इस क्षेत्र में लोगों के लिए व्यावसायिक मार्गदर्शन और रोजगार सेवाएं प्रदान करना

v. बड़े पैमाने पर शारीरिक शिक्षा गतिविधि के कार्यक्रमों को विकसित करना और बढ़ावा देना।

vi. राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर कोचिंग शिविरों के लिए बुनियादी ढांचे, भोजन और आवास की सुविधा उपलब्ध कराने के साथ इस कॉलेज को एसएआई की चालू योजनाओं का केंद्र बनाना।

संचालित पाठ्यक्रम :

केरल विश्वविद्यालय से संबद्ध यह कॉलेज निम्नलिखित पाठ्यक्रम चलाता है:

पाठ्यक्रम का नाम	वार्षिक प्रवेश संख्या
(क) शारीरिक शिक्षा स्नातक बीपीईडी (2 वर्षीय)	50
(ख) शारीरिक शिक्षा के मास्टर (2 वर्षीय)	25
(ग) एम.फिल	06
(घ) नियमित पीएचडी अध्येता	04
(ड.) अंशकालिक पीएचडी अध्येता	10

अन्य कार्यक्रमः

संस्थान निम्नलिखित कार्यक्रम भी चलाता है:

1. खेल कोचिंग में छह सप्ताह का प्रमाण–पत्र पाठ्यक्रम

2. राज्य /राष्ट्रीय प्रशिक्षण के लिए कोचिंग शिविर।
3. सेवाकालीन शिक्षकों के लिए रिफ्रेशर पाठ्यक्रम।
4. पे एंड प्ले स्कीम
5. आओ और खेलो योजना
6. आम जनता के लिए स्वास्थ्य और स्वस्थता कार्यक्रम
7. राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय परिसंघ /एसोसिएशन द्वारा विभिन्न 'स्तर' और लाइसेंस कोचिंग शिक्षा पाठ्यक्रम

(2) एसएआई योजनाएं:

संस्थान भारतीय खेल प्राधिकरण की निम्नलिखित प्रशिक्षण योजनाओं का संचालन करता है।

1. राष्ट्रीय उत्कृष्टता केंद्र (एनसीओई)
2. खेल प्रशिक्षण केंद्र (एसटीसी)
3. स्प्रिंट्स और जम्प्स में राष्ट्रीय खेल अकादमी
4. क्षेत्रीय फुटबॉल अकादमी
5. राष्ट्रीय गोल्फ अकादमी
6. खेलों भारत योजनाएँ
7. राष्ट्रीय कोचिंग शिविर
8. केरल सरकार की श्रेष्ठ खिलाड़ी प्रशिक्षण योजना

श्रेष्ठ एथलीटों का प्रशिक्षण और प्रबंधन सहायता (टीईएमएस)/ट्रार्गेट ओलम्पिक पोडियम स्कीम (टीओपीएस)

युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय की ओर से संबंधित राष्ट्रीय खेल परिसंघों के साथ समन्वय करते हुए टीम्स् प्रभाग (श्रेष्ठ एथलीटों का प्रशिक्षण और प्रबंधन सहायता) को विभिन्न राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय खेल आयोजनों के लिए विभिन्न विधाओं की राष्ट्रीय टीमें तैयार करने की जिम्मेदारी सौंपी गई है। निम्नलिखित सुविधाएं प्रदान करके यह विभिन्न राष्ट्रीय खेल परिसंघों द्वारा उनके प्रशिक्षण और प्रतियोगिता संबंधी वार्षिक कैलेंडर (एसीटीसी) के अनुसार तैयार तथा राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंटों के लिए राष्ट्रीय टीमें तैयार करने के लिए समिति द्वारा अनुमोदित योजनाओं को कार्यान्वित करता है :

कोचिंग शिविर:

"राष्ट्रीय खेल परिसंघों को वित्तीय सहायता" की योजना के अंतर्गत 30 खेल विधाओं में कोचिंग कैंपों का आयोजन किया गया।

अंतर्राष्ट्रीय प्रतियोगिताएं

"भारतीय टीमों ने सभी मुख्य खेल विधाओं में 06 अंतर्राष्ट्रीय प्रशिक्षण /प्रतियोगिताओं में भाग लिया।

विदेशी कोच

"11 विधाओं में भारतीय खिलाड़ियों के प्रशिक्षण के लिए कुल 31 विदेशी कोच, 05 विधाओं में 14 विदेशी सहयक स्टाफ और 02 विधाओं में 02 उच्च प्रदर्शन निदेशक नियुक्त किए गए।

खेल विज्ञान सहायता

"इससे खिलाडियों को उनकी स्वस्थता बढ़ाने, चोट के ाीध्र ठीक होने तथा चिकित्सीय कमियों को दूर करने के लिए राष्ट्रीय कोचिंग शिविर के दौरान खिलाड़ियों को खेल चिकित्सा में डॉक्टर, वैज्ञानिकों, फिजियोथेरेपिस्टों और मसाजकर्ताओं आदि के रूप में वैज्ञानिक सहायता प्रदान की।

उपकरण सहायता

इसने राष्ट्रीय कैंपरों को, स्वदेशी के साथ साथ आयातित, दोनों प्रकार की आवश्यक उपकरण सहायता प्रदान की।

राष्ट्रीय कोचिंग योजना

राष्ट्रीय कोचिंग योजना, जो राजकुमारी अमृत कौर योजना का संशोधित संस्करण है, देश भर में खेलों

को व्यापक बनाने के उद्देश्य की पूर्ति करती है और खेलों में उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए वैज्ञानिक प्रशिक्षण प्रदान करती है। इस योजना के तहत, राज्य कोचिंग सेंटर के लिए राज्य सरकार / संघ राज्य क्षेत्र के प्रशासन/विश्वविद्यालय फील्ड स्टेशनों (यूएफएस) को कोच प्रदान किए जाते हैं। तथापि कोचों की कमी के कारण समीक्षाधीन वर्ष के दौरान अपनी स्वयं खेल संवर्धन योजनाओं को मजबूत बनाने के लिए एसएआई की योजनाओं से बाहर किसी भी कोच की तैनाती नहीं की गई। इन कोचों का उपयोग एसएआई की विभिन्न चालू योजनाओं के तहत युवा खिलाडियों को प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए भी किया जाता है। इसके अलावा, ये कोच राष्ट्रीय टीमों के प्रशिक्षण में भी शामिल होते हैं तथा वे विभिन्न खेल विधाओं में कोचिंग के लिए डिप्लोमा / परास्नातक पाठ्यक्रमों के आयोजन के लिए शैक्षणिक विंग को सहायता प्रदान करते हैं। एसएआई के कोच राष्ट्रीय खेल परिसंघों को अंतर्राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं की तैयारी में राष्ट्रीय कोचिंग कैंपों के आयोजन में भी सहायता प्रदान करते हैं।

एसएआई के कोच, प्रतिभा खोज प्रक्रिया में शामिल होते हैं जिसके माध्यम से प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को खोजा जाता है और उन्हें भारतीय खेल प्राधिकरण की विभिन्न खेल संवर्धन योजनाओं अर्थात राष्ट्रीय खेल प्रतिभा प्रतियोगिता (एनएसटीसी), विशेष क्षेत्र खेल (एसएजी), सैनिक खेल कंपनी (एबीएससी) और एसएआई प्रशिक्षण केंद्र (एसटीसी) में शामिल किया जाता है। इन कोचों को इस फील्ड में कार्यरत कोचों के प्रशिक्षण व प्रदर्शन की प्रगति की निगरानी करने के लिए एसएआई के विभिन्न क्षेत्रीय केन्द्रों में भी तैनात किया जाता है। कोचों को कम एंड प्ले योजना के लिए और एसएआई के मुख्यालय व क्षेत्रीय मुख्यालयों में एसएआई की सामुदायिक संपर्क योजनाओं के लिए भी तैनात किया जाता है।

वर्ष के दौरान की गई प्रमुख गतिविधियाँ निम्नानुसार हैं: –

(1) एमएसीपी के तहत पदोन्नति / वित्तीय उन्नयन

- 11 कोचों को जुलाई, 2020 में एमएसीपी के तहत लेवर–12 से लेवल –13 में वित्तीय उन्नयन दिया गया था।
- जून, 2020 में 170 कोचों को सहायक कोच से कोच में पदोन्नत किया गया था।
- अगस्त, 2020 में 09 कोचों को सहायक कोच से कोच में पदोन्न किया गया।
- 17 कोचों को सितंबर, 2020 में कोच से सीनियर कोच के रूप में पदोन्नत किया गया।

(2) एसएआई के पंजीकरण से हटाए गए कोच

- एसएआई से 01.04.2020 से 31.12.2020 तक 52 कोचों को अधिक वर्षिय आयु प्राप्त करने पर सेवानिवृत्त किए गए।
- एसएआई सेवा से 05 कोच स्वैच्छिक रूप से सेवानिवृत्त हुए।
- 03 कोचों को एसएआई सेवा से अनिवार्य सेवानिवृत्ति दी गई।
- 04 कोच ने एसएआई सेवा से त्यादपत्र दे दिया
- 02 कोचों का निधन हो गया।

(3) 1.01.2021 को कोचों की संख्या

नियमित कोच	–	728
अनुबंध आधार पर कोच	–	212

एसएआई स्टेडियम

स्टेडिया प्रभाग खेलों को व्यापक आधार प्रदान करने तथा खेलों में उत्कृष्टता प्राप्ति के दोहरे उद्देश्य के लिए तैयार विभिन्न सुविधाओं से युक्त दिल्ली स्थित पांच एसएआई स्टेडियमों का उपयोग करने के नीति

संबंधी दिशानिर्देश तैयार करने के लिए जिम्मेदार है। निम्नलिखित स्टेडियमों को वर्ष 1982 में एशियाई खेलों के आयोजन के लिए तैयार किया गया था और तत्पश्चात इनका वर्ष 2010 में राष्ट्रमंडल खेलों के आयोजन के लिए पुनर्निर्माण किया गया था/इनका नया मॉडल तैयार किया गया था। इन सभी स्टेडियमों में अत्याधुनिक सुविधाएं हैं।

उद्देश्य

निम्नलिखित के लिए सुविधाएं और स्थान उपलब्ध कराना :

1 राष्ट्रीय / अंतर्राष्ट्रीय प्रतियोगिताएं

2 राष्ट्रीय कोचिंग शिविर

3 राष्ट्रीय खेल अकादमियां और उत्कृष्टता केन्द्र,

4. आओ और खेलों

तथापि, खेल सुविधाओं को अधिकतम उपयोग योग्य बनाने और खेल सुविधाओं का अधिकतम उपयोग करने तथा खेल संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए 'आओ और खेलों' की स्कीम को मई, 2011में शुरू किया गया। इसके अलावा, 1नवंबर, 2019से दिल्ली में एसएआई के स्टेडियमों में खेल के बुनियादी ढ़ांचे को बिना किसी शुल्क के पूरे देश के सभी खिलाड़ियों को सुलभ कराया गया है। राष्ट्रीय और राज्य खेल परिसंघों, लीग और कल्ब को सरकार के स्वामित्व वाले सभी खेल केंद्रों में निःशुल्क खेल समारोह आयोजित करने की अनुमति दी जाएगी/उन्हें प्रोत्साहित किया जाएगा। खेल सुविधाएं एथलीटों को प्रशिक्षित करने वाले उन कोचों को भी निःशुल्क उपलब्ध होगी जो भारतीय खेल प्राधिकरण के केंद्रों में आयोजित सिविरों में शामिल नहीं है। प्रवेश ऑफलाइन या वेब पोर्ट ysportsauthorityofindia.nic.in /online sports facilityin के माध्यम से करना है।

इस स्टेडियमों को शैक्षिक संस्थानों/परिसंघों/अन्य संगठनों को भी विभिन्न स्तरों पर अपने खेल टूर्नामेंट, बैठकें और सेमिनार, खेल और गैर–खेल आयोजनों के तहत फूड फेस्टिवल आयोजित करने के लिए उपलब्ध कराया जा रहा है और स्थल (जो विशिष्ट रूप से खेल प्रयोजनों के लिए नहीं है) को राजस्व अर्जित करने के लिए सरकारी कार्यालयों को किराए पर दिया जाता है, जिसका इस्तेमाल इन स्टेडियमों के रखरखाव के लिए किया जा सकता है,

1. जवाहर लाल नेहरू स्टेडियम परिसर (जेएनएस) – 100 एकड़ भूमि क्षेत्र

- आउटडोर स्टेडियम (सिंथेटिक एथलेटिक ट्रैक एवं फुटबॉल ग्राउंड) 60,000 स्थापित सीटों से युक्त तथा पीटीएफएफ मेंम्ब्रेन छत से ढका।
- 2172 स्थापित सीटों से युक्त पूर्ण रूप से वातानुकूलित भारोत्तोलन ऑडिटोरियम (26000 वर्ग मीटर)
- 140 बिस्तरयुक्त खेल छात्रावास

उपलब्ध खेल सुविधाएं – एथलेटिक्स, फुटबॉल, वॉलीबॉल, भारोत्तोलन, बैडमिंटन, टेबल टेनिस, लॉन टेनिस, क्रिकेट, बास्केट बॉल, तीरंदाजी, साइकल चलाने और पैदल चलने के लिए मनोरंजन ट्रैक, स्वस्थता केंद्र, बिलियर्ड एवं स्नूकर, चेस हॉल, योगा।

एनसीओई एथलीटों, राष्ट्रीय कौचिंग सिविर आदि के लिए पर्याप्त आवासीय सुविधा सृजित करने हेतु युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालयध्भारतीय खेल प्राधिकरण ने जवाहर लाल स्टेडियम में 110 बिस्तरों वाले एक अन्य खेल हॉस्टल (55 कमरे) का निर्माण करने का अनुमोदन किया था। और यह कार्य मैसर्स यूपीआरएनएन लिमिटेड को सौप दिया गया। कार्य 01.04.2018 को शुरू हुआ और दिसंबर 2020 में पूरा हुआ। हॉस्टल भवन में भूतल तीन तल हैं जिनमें किचन, डाइनिंग हॉल और मनोरंजन कक्ष हैउक्त खेल हॉस्टल का

उद्‌घाटन 17.12.2020 को माननीय युवा कार्यक्रम और खेल राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार), श्री किरन रिजिजू द्वारा किया गया।

2. इंदिरा गांधी स्टेडियम परिसर (आईजीएससी) – 104 एकड़ भूमि क्षेत्र

- 15000 स्थापित सीटों वाला लकड़ी के फर्श से बना जिमनास्टिक हॉल (पूर्ण वातानुकूलित)
- 6000 स्थापित सीटों से युक्त कुश्ती हॉल (पूर्ण वातानुकूलित)
- 3800 स्थापित सीटों से युक्त साइकलिंग वेलोड्रोम (पूर्ण वातानुकूलित)
- 150 बिस्तरयुक्त खेल छात्रावास

उपलब्ध खेल सुविधाएं – बैडमिंटन, बास्केटबॉल, मुक्केबाजी, जिमनास्टिक, जूडो, टेबल टेनिस, वॉलीबॉल, सेपकटक्रा, वुशु, साइकलिंग, कुश्ती, साइकल चलाने और पैदल चलने के लिए मनोरंजन ट्रैक, स्वस्थता केंद्र, बिलियर्ड एवं स्नूकर, योगा।

3. डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी तैराकी पूल परिसर (डॉ एसपीएमएसपीसी)–12.3 एकड़ भूमि क्षेत्र, 5000 स्थापित सीटों से बना पूर्ण रूप से वातानुकूलित इंडोर स्टेडियम

- 50 मीटर तैराकी पूल (10 लेन)
- 25 मीटर डाइविंग पूल
- 50 मीटर वार्म–अप पूल (छह लेन)

उपलब्ध खेल सुविधाएं– तैराकी और डाइविंग के अलावा, इसमें वॉलीबॉल, स्केटिंग, बिलियर्ड एवं स्नूकर के लिए सुविधाएं हैं।

4. मेजर ध्यानचंद नेशनल स्टेडियम (एमडीसीएनएस)– 37 एकड़ भूमि क्षेत्र आउटडोर स्टेडियम, उर्ध्वाधर सीमा छत से कवर वीआईपी के लिए बैठने की जगह,नई खुली गैलरी में 14,000 स्थापित सीटें और ढ़के क्षेत्र में 6,000 स्थापित सीटें, तीन अंतरराष्ट्रीय मानक प्रतियोगिता हॉकी एस्ट्रोटर्फ।

उपलब्ध खेल सुविधाएं – हॉकी, कबड्डी, टेनिस, तैराकी, क्रिकेट, मल्टी जिम और बिलियर्ड एवं स्नूकर।

एमडीसीएनएस में विश्वस्तरीय स्कॉस सुविधा विकसित करने के लिए स्कॉस खिलाड़ियों/प्रेमियों से लोकप्रिय मांग पर माननीय युवा कार्यक्रम और खेल मंत्री ने निर्माण कार्य शुरू करने का अनुमोदन किया। एसएआई ने 4.25 करोड़ रु. की लागत से एमडीसीएनएस में प्रस्तावित 6–कोर्ट स्कॉश सुविधा के निर्माण का कार्य लोक निर्माण कार्य संगठन अर्थात राष्ट्रीय भवन निर्णाण निगम लिमिटेड (एनबीसीसी) को सौप दिया।

इस स्कॉश कोर्ट आधारशीला 16.12.2020 को माननीय विदेश मंत्री भारत सरकार, डॉ. एस जयशंकर द्वारा रखी गई।

5. डॉ कर्णी सिंह शूटिंग रेंज (डॉ. केएसएसआर), तुगलकाबाद, नई दिल्ली –

- अंतिम रेंज में 10 मिनट के भीतर एक पूर्ण रूप से वातानुकूलित 10 मीटर रेंज से गैर–वातानुकूलित 25 मीटर और 50 मीटर रेंज में परिवर्तित करने की क्षमता।
- पूर्ण रूप से कवर किए गए वातानुकूलित 10 मीटर के 80 फायरिंग बिंदुओं, 25 मीटर रेंज के 50 फायरिंग बिंदुओं तथा 50 मीटर रेंज के 80 फायरिंग बिंदु और ट्रैप और स्कीट स्पर्धाओं के लिए 6 रेंज का।
- 162 बिस्तरों वाला खेल स्पोर्ट्स हॉस्टल जनवरी 2021 से कार्यात्मक होने की संभावना है।

उपलब्ध खेल सुविधाएं – वॉलीबॉल, बास्केटबॉल, स्केटिंग, बिलियर्ड एवं स्नूकर, कैरम, साइकल चलाने और पैदल चलने के लिए मनोरंजन ट्रैक, स्वस्थता केंद्र।

समन्वय प्रभाग

भारतीय खेल प्राधिकरण का समन्वय प्रभाग मुख्य रूप से भारतीय खेल प्राधिकरण के सामान्य निकाय व शासी निकाय की बैठकों के लिए सुविधा प्रदान करने के साथ–साथ संसद / संसदीय स्थायी समिति, भारतीय खेल प्राधिकरण के संगम– ज्ञापन और नियमों से संबंधित मुद्दों में कार्रवाई करता है। यह संसद के दोनों सदनों के समक्ष भारतीय खेल प्राधिकरण की लेखा–परीक्षित रिपोर्ट व लेखा–परीक्षितलेखों के साथ–साथ वार्षिक रिपोर्ट को तैयार करने तथा युवा कार्यक्रम तथा खेल मंत्रालय के समक्ष इसकी प्रस्तुतति के लिए भी उत्तरदायी है। इसके अलावा, यह सामान्य स्वरूप के मुद्दों पर मुख्यालय और क्षेत्रीय केन्द्रों / उप–केन्द्रों / शैक्षणिक संस्थानों / युवा कार्यक्रम तथा खेल मंत्रालय के विभिन्न प्रभागों के साथ सम्पर्क स्थापित करने का कार्य भी करता है।

क्षेत्रीय निदेशक (समन्वय), भारतीय खेल प्राधिकरण मुख्यालय, आरटीआई आवेदनों के लिए मुख्य समन्वयक अधिकारी हैं। दिनांक 22 जनवरी 2014 तथा 25 फरवरी 2014 की अधिसूचना संख्या 6(14)/समन्वय/2006–07/(भाग II)/614 से 650 में आंशिक संशोधन करते हुए तथा सूचना का अधिकार अधिनियम, 2005 की धारा 5(2) तथा 19(1) के संदर्भ में, भारतीय खेल प्राधिकरण द्वारा अपने अधिकारियों को आदेश संख्या 6(14)/समन्वय/2006–2007(पार्ट–11) /2118 दिनांक 01.09.2014 के द्वारा प्रथम अपीलीय प्राधिकारी और केंद्रीय लोक सूचना अधिकारी नामित किया गया है।

- स्वच्छ भारत अभियानः भारतीय खेल प्राधिकरण ने दिनांक 02 अक्टूबर 2020 को अर्थात महात्मा गांधी की जयन्ती देश को स्वच्छ रखने के लिए वर्चुअल रूप से स्वच्छ भारत अभियान चलाया।
- राष्ट्रीय एकता दिवस : भारतीय खेल प्राधिकरण ने श्री सरदार बल्लभ भाई पटेल की जंयती के अवसर पर 31.10.2020 को वर्चुअल रूप से राष्ट्रीय एकता दिवस मनाया।
- संविधान दिवसः भारतीय खेल प्राधिकरण के समन्वय प्रभाग ने 26 नवंबर, 2020 को संविधान दिवस मनाया। एसएआई के तहत कार्यरत अधिकारियों, कोचों और स्टाफ ने सहभागियों के साथ निम्नलिखित कार्यकलाप आयोजित करके संविधान दिवस मनायाः
- माननीय प्रधान मंत्री के साथ एसएआई के अधिकारियों, स्टाफ और कोचों द्वारा प्रस्तावना पढ़ना।
- विशेषज्ञ द्वारा एसएआई मुख्यालय/एसएआई स्टेडियमों और क्षेत्रीय केंद्रों के अधिकारियों, स्टाफ और कोचों के लिए संवैधानिक मूल्यों और इनके महत्व पर जूम सत्र
- एसएआई मुख्यालय/एसएआई स्टेडियमों और इसके क्षेत्रीय केंद्रों में लगाई गई संविधान पर प्रस्तावना भिति।
- संविधान की प्रस्तावना को एसएआई की वेबसाइट पर भी अपलोड किया गया।
- मूल स्तर से श्रेष्ठ स्तर के एथलीटों सहित प्रतिभागियों ने भी भारत के संविधान के प्रति प्रतिबद्धता दर्शाने के लिए प्रस्तावना भिति पर हस्ताक्षर किए।
- दिल्ली में एसएआई के स्टेडियमों ने जूम सम्मेलन के माध्यम से एसएआई स्टेडियमों के अधिकारियों और कोचों के लिए भारतीय संविधान के तहत "मौलिक अधिकार और कर्तव्य" पर एक वार्ता आयोजित की।

- सभी कर्मचारियों के लिए प्रस्तावना, मौलिक कर्तव्यों और मौलिक अधिकारों पर एक व्याख्यान आयोजित किया।
- संविधान के मूल्यों के स्मरण को प्रोत्साहित करने के लिए मौद्रिक पुरस्कारों के साथ प्रस्तावना, मौलिक अधिकारों और मौलिक कर्तव्यों पर ई–प्रश्नोत्तरी/प्रश्नोत्तरी का आयोजन।

एसएआई मुख्यालय में खेल चिकित्सा केन्द्र

खेल चिकित्सा के क्षेत्र में विशे ज्ञों, खेल वैज्ञानिकों, फिजियोथेरेपिस्ट, मसाजकर्ताओं और अन्य सहयोगी स्टाफ की सहायता से खिलाड़ियों को व्यापक खेल चिकित्सा और खेल विज्ञान सुविधा प्रदान करने के उद्देश्य से वर्ष 1984 में भारतीय खेल प्राधिकरण की योजना के तहत जे. एन. स्टेडियम स्थित खेल चिकित्सा और खेल विज्ञान केंद्र की स्थापना की गई थी। यह केंद्र विभिन्न वैज्ञानिक परीक्षणों के माध्यम से चोट के उपचार व रोकथाम, स्वास्थ्य लाभ सहायता व प्रदर्शन में बढ़ोतरी के लिए व्यापक खेल आधारित कार्यक्रमों का एक अग्रणी प्रदाता है। वे खिलाड़ी जिन्हें चिकित्सा और वैज्ञानिक सहायता उपलब्ध कराई जाती है वे राष्ट्रीय कैंपर, विभिन्न एसएआई योजनाओं के खिलाड़ी, नियमित प्रशिक्षु, कम एंड प्ले योजना तथा अन्य योजनाओं के तहत खिलाड़ी होते हैं। हमारे राष्ट्रीय एथलीटों के लिए सर्वश्रेष्ठ संभावित चिकित्सा सहायता प्रदान करने के लिए, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, गंगाराम अस्पताल, दिल्ली आदि जैसे दिल्ली के प्रमुख अस्पतालों के अस्थि रोग विभाग, नेत्र विज्ञान, सर्जरी और चिकित्सा के विशेषज्ञ इस केंद्र का दौरा करते हैं। एसएआई ने खेल फिजियोथेरेपी पाठ्यक्रमों में स्नातकोत्तर कार्यक्रम चलाने वाले चिकित्सा संस्थानों की भी सेवाएं ली हैं जिनमें इंटर्न को एसएआई में उनके नैदानिक कार्य के लिए तैनात किया जा रहा है। जामिया हमदर्द, जामिया इस्लामिया, दिल्ली स्थित भारतीय रीढ़ संस्थान तथा एमिटी विश्वविद्यालय, नोएडा एसएआई के लिए इंटर्न की तैनाती करने वाले फीडर संस्थान हैं जो राष्ट्रीय शिविरों से जुड़े डॉक्टरों को सहायता प्रदान करते हैं।

राष्ट्रीय खिलाड़ियों को आंतरिक चिकित्सा देखभाल प्रदान करने के अलावा, भारतीय खेल प्राधिकरण द्वारा चिकित्सीय आपातकाल में देखभाल करने के लिए अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, दिल्ली के तहत जय प्रकाश ट्रॉमा सेंटर और सफदरजंग खेल चोट केंद्र, दिल्ली के साथ एक समझौते को निष्पादित किया गया है जिसके लिए विशेष स्टाफ को खिलाड़ियों के प्राथमिकता आधार पर इलाज के लिए नामित किया गया है।

चिकित्सा सुरक्षा

विभिन्न एसएआई योजनाओं से राष्ट्रीय कैंपरों, खिलाड़ियों, नियमित प्रशिक्षुओं, कम एंड प्ले योजनाओं के तहत खिलाड़ियों व अन्य को पूरे वर्ष के दौरान और उनकी आवश्यकता के अनुसार चिकित्सा सुरक्षा प्रदान की जा रही है।

मानव प्रदर्शन लैब (एचपीएल)

एसएआई, दिल्ली स्थित मानव प्रदर्शन लैब का उद्देश्य खेल विज्ञान में खेल वैज्ञानिकों और अन्य सहायक स्टाफ अर्थात अन्थ्रोपोमेट्री, पोषण, शरीर–विज्ञान, और मनोविज्ञान की सहायता से खिलाडियों को व्यापक खेल विज्ञान सहायता प्रदान करना है। इसका उद्देश्य वैज्ञानिक सुविज्ञता, नवीनतम अनुसंधान निष्कर्षों और विभिन्न वैज्ञानिक परीक्षणों का इस्तेमाल करके एथलीटों का प्रदर्शन करवाने और उसे बढ़ाने के लिए तौर–तरीके विकसित करने हेतु कोचों के साथ समन्वय करना भी है। राष्ट्रीय शिविर से श्रेष्ठ खिलाड़ी, राष्ट्रीय खेल अकादमियों, उत्कृष्टता–केन्द्र से युवा खिलाडियों और अन्य एसएआई खेल प्रोत्साहन स्कीमो से खिलाड़ी इसके लाभार्थी हैं जो नियमित आधार पर इस केंद्र से सहायता प्राप्त करते हैं।

एचपीएल के तहत विभागों के प्रमुख कार्यकलाप

एचपीएल द्वारा किए गए प्रमुख कार्यकलाप इस प्रकार है:

1. **खिलाड़ियों को वैज्ञानिक सहायता प्रदान करना:** एन्थ्रोपोमेट्री, पोषण, शारीरिक विज्ञान और मनोविज्ञान संबद्ध खेल विशिष्ट आकलन, परीक्षण रिपोर्ट, आहार योजना आधारित सिफारिशें, आवश्यकता आधारित मनोविज्ञानीय प्रशिक्षण, व्यक्तिगत और या समूह परामर्श दिए गए। इसके लाभार्थियों में टीपीओपीएस एथलीट्स (कुश्ती, टेबल टेनिस, निशानेबाजी, साइकलिंग) जूनियर और सीनियर राष्ट्रीय शिविर (जुड़ो, निशानेबाजी, साइकलिंग, जिम्नास्टिक्स, मुक्केबाजी, खो–खो और पारा–एथलीट), राष्ट्रीय अकादमियां (तैराकी, हॉकी, एथलेटिक्स और साइकलिंग), उत्कृष्टता केंद्र (जिम्नास्टिक्स) खेलो इंडिया स्कूल खेल (एथलेटिक्स, जिमनास्टिक्स, मुक्केबाजी, तीरंदाजी, नौकायन, टेबल टेनिस आदि) और पुलिस बल कल्याण सोसायटी (मिशन 2020) शामिल हैं।

एचपीएल द्वारा प्रदान की गई वैज्ञानिक सहायता का सार इस प्रकार है:–

क्र. संख्या	माह	एंथ्रोपोमेट्री	फिजियोलॉजी	साइकोलॉजीरु	न्यूट्रिशनरु
1	अप्रैल, 2020	8	0*	9	42
2	मई, 2020	0*	0*	7	61
3	जून, 2020	0*	0*	13	48
4	जुलाई, 2020	06	06	23	36
5	अगस्त, 2020	01	07	21	36
6	सितम्बर, 2020	02	06	14	42
7	अक्तूबर, 2020	02	12	16	07
8	नवम्बर, 2020	0	15	29	16
9	दिसम्बर, 2020	09	16	24	04
कुल		**20**	**62**	**156**	**292**

* लॉकडाउन के कारण कोई परीक्षण नहीं किया जा सका।

मनोविज्ञान और पोषण विभागों द्वारा प्रदान की गई तकनीकी सहायता मुख्य रूप से महामारी की स्थिति के कारण टेली–काउंस्लिंग से थी।

2. **अनुसंधान कार्यकलाप:**

   i. अनुसंधान परियोजना: कोविड–19 के कारण अनुसंधान कार्यकलाप अस्थायी रूप से निलंबित कर दिया गया।

   ii. अनुसंधान पेपररूपूर्व डाटा से कुल 4 पेपर, पोषण में 2 पेपर प्रकाशन के लिए स्वीकार किए गए और ये 'प्रेस में' हैं तथा मनोविज्ञान में 2 पेपरों की समीक्षा की जा रही है।

3. **एचपीएल द्वारा आयोजित कार्यशालाएंध्वेबीनार**

   i. एनसीओई के प्रभारियों और पोषण, मनोविज्ञान और शरीर विज्ञान विभागों में प्रशासकों के लिए वेबीनारों की सीरिज आयोजित की गई जिसमें प्रत्येक में 7 से 10 वेबिनार थे। एचपीएल की वैज्ञानिक टीम द्वारा प्रोग्राम में व्याख्यान भी दिए गए हैं और इसकी सह–मेजबानी प्रशिक्षण एवं कोच विकास प्रभाग द्वारा की गई।

ii. पोषण विभाग द्वारा केंद्रीय खाद्य प्रौद्योगिकी अनुसंधान संस्थान के सहयोग से "खेल पोषण और खाद्य परिरक्षण" पर एसएआई के पोषण विज्ञानियों और शैफो के लिए संयुक्त रूप से एक कार्यशाला आयोजित की गई।

iii. विभिन्न हितधारकों (कोचों/एथलीटों/छात्रों) के लिए पोषण विभाग (13), मनोविज्ञान (3) और शरीर विज्ञान (7) द्वारा कुल 23 वेबीनार सत्र आयोजित किए गए हैं।

4. **एचपीएल के शैक्षिक कार्यकलापः**

i. जेएसओ (पोषण) खेल पोषण पर 6 माह के प्रमाण–पत्र पाठ्यक्रम के समन्वयक हैं। इन्होंने 24 विषयों पर 46 व्याख्यान रिकार्डिंग दी हैं। ये छात्रों के लिए साप्ताहिक परस्पर वार्ता सत्र में भाग लेती हैंध्उनका आयोजन करती हैं। इन्होंने स्ट्रेंथ एंड कंडिशनिंग में 6 माह के प्रमाण–पत्र पाठ्यक्रम में व्याख्यान रिकार्डिंग दीं।

ii. जेएसओ (मनोविज्ञान) "खेल कौचिंग के लिए डिप्लोमा कार्यक्रम" में परस्पर वार्ता सत्र देने / संचालित करना वाला संकाय है और मनोविज्ञानियों ने खेल मनोविज्ञान पर प्रमाण–पत्र पाठ्यक्रम में 2 परस्पर वार्ता सत्रों में भाग लिया।

iii. कनिष्ठ वैज्ञानिक अधिकारी (पोषण) द्वारा 16 पाठ योजनाएं, जेएसओ (मनोविज्ञान) द्वारा 27 और शरीरविज्ञानियों द्वारा 14 योजनाएं विकसित की गईं। जेएसओ (मनोविज्ञान) ने डॉ. पी. मजूमदार, अध्यक्ष (खेल विज्ञान) के मार्गदर्शन में एजूस्पोर्ट्स–एथलीट विकास कार्यक्रम के लिए डॉ. रीना कौल, एसएसओ के परामर्श से मनोविज्ञान विभाग के लिए 24 पाठ योजना संकलित की।

iv. जेएसओ (मनोविज्ञान) को एमिटी इंस्टीट्यूट ऑफ फिजियोलॉजी में सलाहकार बोर्ड के लिए बाह्य सदस्य– नैदानिक विशेषज्ञ के रूप में चुना गया है और इसने एनएस एनआईएस पटियाला, एसएआई के डीएसएम छात्रों हेतु व्यवहारिक परीक्षा ली। जेएसओ (मनोविज्ञान) ने एनएसयू, इंफाल के एमए (खेल मनोविज्ञान) के लिए ऑनलाइन परीक्षा (बाह्य) आयोजित की और पेपरों का मूल्यांकन किया। जेएसओ (पोषण) ने मानव रचना यूनिवर्सिटी के लिए खेल पोषण पर बी.एससी. और एम.एससी. (पोषण एवं आहार विज्ञान) के लिए सैमेस्टर की ऑनलाइन व्यवहारिक परीक्षा ली।

v. दो मास्टर डिजर्टेसन/इंटरेंशिप अनुसंधान परियोजनाएं पूरी की गईं, जो जेएसओ (मनोविज्ञान) और जेएसओ (पोषण) के तहत 1–1 थीं।

5. **आयु सत्यापनः** एचपीएल खेलो इंडिया एथलीटों की आयु सत्यापन प्रक्रिया का समन्वय करने और इसे निष्पादित करने में कार्यरत है। लगभग 20 एथलीटों के आयुसत्यापन का कार्य पूरा किया गया है। कुल एक अपील, 7 आरटीआई और 2 शिकायतों का निपटान किया गया है।

खेलो इंडिया

खेलों में जन–समूह की भागीदारी और उत्कृष्टता के दोहरे उद्देश्यों को प्राप्त करने के लिए मंत्रिमंडल ने 20/09/2017 को आयोजित अपनी बैठक में "खेलो इंडिया–खेलो के विकास के लिए राष्ट्रीय कार्यक्रम" के नवीकरण को अनुमोदित किया।

1. नवीकृत खेलों इंडिया कार्यक्रम का लक्ष्य खेलों के विकास के उक्त उल्लिखित दोहरे राष्ट्रीय उद्देश्य का संवर्धन करने के लिए समूची खेल व्यवस्था

को सुदृढ़ करना है, जिसमें खेल के मैदान का विकास; समुदाय कोचिंग विकास; समुदाय खेलों का संवर्धन; स्कूल और विश्वविधालय, दोनों स्तर पर और साथ ही ग्रामीण/देशी खेलों ठोस खेल प्रतियोगिता ढांचें की स्थापना, दिव्यांगजनों और महिला खेलों के लिए खेल; चुनिंदा विश्वविधालयों में खेल उत्कृष्टता के केन्द्रों के सृजन सहित खेल बुनियादी ढांचें में गंभीर कमियों को दूर करना; प्रतिभा पहचान और विकास; खेल आकादमियों को सहायता; स्कूली बच्चों के लिए राष्ट्रीय शरीरिक स्वस्थता का अभियान; और शांति और विकास के लिए खेल शामिल हैं।

2. इस योजना में एक परियोजना मूल्यांकन समिति (पीएसी) का प्रावधान है जो योजना के तहत प्राप्त सभी प्रस्तावों का मूल्यांकन करेगी और उन्हें अनुमोदन हेतु विभागीय परियोजना अनुमोदन समिति (डीएपीसी) के समक्ष प्रस्तुत करेगी। अनुमोदित परियोजनाएं तृतीय पक्ष निगरानी सहित कड़ी निगरानी के अध्यधीन रहेंगी जिसके लिए राज्य स्तरीय निगरानीकर्ताओं को शामिल किया जाएगा।

3. पूरे कार्यक्रम का संचालन प्रभारी–मंत्री की अध्यक्षता में सामान्य परिषद (जीसी) द्वारा किया जाएगा जो योजना के कार्यान्वयन के प्रयोजन के लिए उच्चतम नीति निर्माण निकाय के रूप में कार्य करेगी। सामान्य परिषद की सहायता राष्ट्रीय स्तरीय कार्यकारी समिति (एनएलईएस) करेगी जिसकी अध्यक्षता खेल सचिव, भारत सरकार करते हैं।

4. स्कीम में तकनीकी सहायता और क्षमता संवर्धन के प्रयोजन के लिए एक संग्रह निधि होगी जिसका उपयोग पेशेवरों और राष्ट्रीय/अन्तराष्ट्रीय परामर्शदाताओं को नियुक्त करने और राष्ट्रीय अभियान, प्रचार, और जागरूकता कार्यकलापों आदि के लिए किया जाएगा।

5. योजना में सभी घटकों में आबंटन के आवश्यकता–आधारित पुन–र्विनियोजन सहित पर्याप्त लचीलापन है। 2017–18 से 2019–20 की अवधि के लिए योजना हेतु बजट आबंटन 1,756 करोड़ रु. है।

6. योजना में पूर्ण पारदर्शिता का प्रावधान किया गया है और इसमें कार्पोरेट सामाजिक जिम्मेदारी (सीएसआर) कार्यकलापों और सार्वजनिक निजी भागीदारी (पीपीपी) कार्यकलापों के लिए भी प्रावधान किया गया है।

7. इस योजना के तहत परियोजनाओं का चयन चुनौती पद्धति सहित ठोस चयन मानक के आधार पर किया जाएगा।

खेलो इंडिया – खेलों के विकास के लिए राष्ट्रीय कार्यक्रम

1.1. परिकल्पना

खेल संस्कृति पैदा करना और देश में खेल उत्कृष्टता प्राप्त करना।

1.2. मिशन

पूरे देश में खेल को बढ़ावा देना जिससे लोग इसके सर्वांगिण प्रभाव नामतः बच्चों एवं युवाओं के समग्र विकास, समुदाय विकास, सामाजिक एकीकरण, लैंगिक समानता, स्वस्थ जीवन शैली, राष्ट्रीय गौरव और खेल विकास से संबंधित आर्थिक अवसरों के जरिए खेलों की ाक्ति का उपयोग कर सकेंगे।

1.3. योजना के घटक : खेलो इंडिया योजना में निम्नलिखित घटक/उद्देश्य शामिल होगें :–

i. खेल मैदान विकास

ii. सामुदायिक कोचिंग विकास

iii. राज्य स्तरीय खेलों इंडिया केंद्र

iv. वार्षिक खेल प्रतियोगिताएं

v. प्रतिभा खोज और विकास

vi. खेल अवसंरचना का उपयोग और निर्माण / उन्नयन

vii. राष्ट्रीय / क्षेत्रीय / राज्य खेल अकादमियों को सहायता

viii. स्कूल जाने वाले बच्चों की शारीरिक स्वस्थता

ix. महिलाओं के लिए खेल

x. दिव्यांगजनों व्यक्तियों के बीच खेल को बढ़ावा देना

xi. शांति और विकास के लिए खेल

xii. ग्रामीण और देशी/जनजातीय खेलों को बढ़ावा देना

प्रतिभा पहचान

खेलो भारत प्रतिभा पहचान विकास (केआईटीडी) खेलो भारत योजना के सबसे महत्वपूर्ण शीर्षों में से एक है। शारीरिक गुणों के हिसाब से विशाल विविधता के साथ देश खेलों के क्षेत्र में विशिष्टता दिखाने के लिए पर्याप्त अवसर की पेशकश करता है, बशर्ते कि खेल प्रतिभा की पहचान सही समय पर की जाए और ओलंपिक में पदक जीतने का उद्देश्य प्राप्त करने के लिए खेल विज्ञान की सहायता से कोचों द्वारा आयु के उपयुक्त पोषण दिया जाए।

खेलो भारत खिलाड़ी (केआईएएस), जिन्हें इस योजना के अंतर्गत अल्पसूची में शामिल किया जाएगा/चयनित किया जाएगा, को प्रतिवर्ष 5.00 लाख रु. की वित्तीय सहायता प्रदान की जाएगी। उच्चाधिकार प्राप्त समिति (एचपीसी) के अनुमोदन पर इस निधियन को बढ़ाकर रु. 6,28,400/– प्रति वर्ष कर दिया गया है। जैसा कि ऊपर कहा गया है प्रत्यायित अकादमियों में के आई ए एस को पूरी सहायता प्रदान की जा रही है। इसके अलावा, उनके लिए जिन्होंने कोई अकादमी में प्रवेश नहीं लिया है आउट ऑफ पॉकेट एलॉवेंसेस (ओ पी ए) के रूप में रु. 10,000/– प्रति माह की राशि भी प्रदान की जा रही है। यह उनकी पृष्ठभूमि के बनिस्पत सभी चिह्नित के आई ए के लिए है। 21 विधाओं में अब तक 2948 के आई ए को अल्पसूची में शामिल किया जा रहा है। इसके अलावा, लगभग खेलो भारत योजना के अंतर्गत लगभग 232 अकादमियों को प्रत्यायित किया गया है।

स्कूल जाने वाले बच्चों के लिए शारीरिक स्वस्थता

स्कूल जाने वाले बच्चों की शारीरिक स्वस्थताः इसका उद्देश्य क्षेत्रवार राष्ट्रीय स्वस्थता मानदंड तैयार करना और सभी स्कूल जाने वाले बच्चों की शारीरिक स्वस्थता के मूल्यांकन के लिए प्रत्येक स्कूल को एक टूलकिट प्रदान करना है। खेल के विभिन्न पहलुओं (कैसे खेलें), देशभर में उपलब्ध खेल के मैदान (कहाँ खेलें) या देश के छोटे स्कूल जाने वाली आबादी के स्वस्थता मानदंडों के मापन पर सूचना प्राप्त करने और पहुँच को आसान बनाने में आम जन को सुकर बनाने के लिए खेलो भारत मोबाइल एप्लीकेशन का शुभारंभ किया गया है। इस शीर्ष के अंतर्गत निम्नलिखित विकास हुए हैं : खेलो भारत मोबाइल एप्लीकेशन में शारीरिक स्वस्थता मूल्यांकन के लिए 1,60,438 स्कूलों और 2,45,096 मूल्यांकनकर्ता पंजीकृत हैं। 56,06,847 छात्र प्रोफाइल सृजित किए गए हैं और इसमें से 22,58,940 स्वस्थता मूल्यांकन किए गए हैं। इस शीर्ष में 267 प्रशिक्षक कार्यक्रमों का प्रशिक्षण (टीओटी) आयोजित किए गए थे, जिसमें 41577 शारीरिक शिक्षा शिक्षकों को प्रशिक्षण दिए गए थे।

ग्रामीण एवं स्वदेशी खेलों के संर्वधन की स्थिति

अभी तक 04.06.2019 को खेल सचिव, युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय की अध्यक्षता में आयोजित डीपीएसी में खेलो भारत योजना के अंतर्गत 'ग्रामीण और

स्वदेशी/जनजातीय खेलों का संवर्धन' के शीर्ष में सहायता देने के लिए मल्लखंब, कलारीपयट्टु, गटका और थांग–टा की पहचान की गई है। अवसंरचना विकास, उपकरण सहायता, कोचों की नियुक्ति, कोचों के प्रशिक्षण और छात्रवृत्तियों के लिए अनुदान स्वीकृत किए गए थे। वित्त वर्ष 2019–20 के लिए कुल 10.85 करोड़ रु. की स्वीकृत राशि में से 8.09 करोड़ जारी की जा चुकी है।

मल्लखंब, कलारीपयट्टु, गटका और थांग–टा के 335 पदक विजेताओं की छात्रवृत्ति (एक वर्ष की अवधि के लिए रु. 10,000/– प्रति खिलाड़ी) के लिए रु.4.02 करोड़ की राशि स्वीकृत की गई है। वर्तमान में एनएसएफ द्वारा यथा संस्तुत 265खिलाड़ी 1 अक्तूबर 2019 से छात्रवृत्ति प्राप्त कर रहे हैं।

इसके अलावा, 28 राज्यों और 09 संघशासित क्षेत्रों को स्वदेशी ग्रामीण एवं जनजातीय खेलों, जिन्हें अभी भी सक्रियता से अभ्यास किया जा रहा है/खेला जा रहा है, की पहचान के लिए पत्र भेजे गए हैं, ताकि ऐसे विद्यमान स्वदेशी खेलों को सक्रियता से प्रवर्तित किया जा सके।

दिव्यांगजनों के बीच खेलों के संवर्धन की स्थिति

जिला एवं राज्य खेलों का 5.7 करोड़ रु. सहायता देने पर सहमति हुई है। सम्बंधितखेल संघों अर्थात् विशेष ओलंपिक भारत, अखिल भारतीय बधिर खेल परिषद और भारतीय पैरालंपिक खेल समिति के परामर्श से भविष्य की रूपात्मकताएं तय की जा रही हैं।

वर्ष 2020 में खेलो भारत योजना के तत्वावधान में की गई विभिन्न पहलें:

- **राज्य खेलो भारत केंद्र** : 24 खेलों भारत राज्य उत्कृष्टता केंद्र (केआईएससीई) अनुमोदित किया गया है और 08 के आई एस सी ई का शुभारंभ हो चुका है।
- एस एल के आई सी शीर्ष के अंतर्गत 66 एस ए आई–एस टी सी में 5224 प्रशिक्षुओं को कवर किया गया है।
- 21 खेल विधाओं में खेलो भारत खिलाड़ियों (केआईए) के प्रशिक्षण के लिए 232 अकादमियों को प्रत्यायित किया गया है।
- दीर्घकालिक विकास कार्यक्रम (एलटीएडी) के अंतर्गत 2948 खिलाड़ियों की पहचान के आई ए समर्थित के रूप में की गई है।
- केआईयूजी का पहला संस्करण के आई आई टी विश्वविद्यालय, भुवनेश्वर, उड़ीसा में सफलतापूर्वक आयोजित किया गया था।
- के आई विजेता खेलों का पहला संस्करण गुलमर्ग, जम्मू एवं कश्मीर में आयोजित किया गया था।
- पंचकुला, हरियाणा में आयोजित होने वाले आगामी खेलो भारत युवा खेल (केआईवायजी) 2021 के लिए योगासन को खेल विधा में शामिल किया गया है।
- ग्रासरूट एवं मध्यवर्ती स्तर पर ग्रास रूट क्षेत्रीय प्रतिभा पहचान समितियों और प्रतिभा खोज एवं विकास समितियों का गठन किया गया है।
- यू–17 केआई बास्केट बॉल गर्ल्स लीग और यू–21 केआई महिला हॉकी लीग शुरू करने का पहल किया गया था, तथापि कोविड महामारी स्थिति के कारण इन लीगों को रोकना पड़ा।
- **कोच के रूप में पूर्व चैंपियन खिलाड़ियों की भर्ती:** देशभर में 1000 खेलो भारत केंद्र (के आई सी) स्थापित करने की पहल शुरू की गई है, जिसमें कोच के रूप में पूर्व चैंपियन खिलाड़ियों की भर्ती करने का प्रावधान किया गया है।

फिट भारत

स्वस्थता को हमारे दैनिक जीवन का अभिन्न भाग बनाने के उद्देश्य से माननीय प्रधानमंत्री द्वारा फिट भारत आंदोलन का शुभारंभ 29 अगस्त, 2019 को किया गया था। प्रधानमंत्री ने साधारण जीवन शैली परिवर्तन के बारे में राष्ट्र से अपील की, जो हमारे नागरिकों को एक स्वस्थ भारत की ओर अग्रसर होने में मदद कर सके। शुभारंभ समारोह के दौरान ख्यातिप्राप्त व्यक्ति, खिलाड़ी और स्वस्थता प्रभावक एक साथ आए और समेकित रूप से स्वस्थ रहने और ''हम फिट तो भारत फिट'' के दर्शन की दिशा में अंशदान करने का शपथ लिया।

2. आंदोलन का मिशन व्यवहारगत परिवर्तन लाना और अधिक शारीरिक रूप से सक्रिय जीवन शैली की ओर बढ़ना है। इस मिशन की प्राप्ति के लिए, फिट भारत कानिम्नलिखित उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए विभिन्न पहल शुरू करने और समारोहों को आयोजित करने का प्रस्ताव है :

   क. स्वस्थता को आसान, कौतुहल और निःशुल्क के रूप में संवर्धन करना

   ख. स्वस्थता एवं विभिन्न शारीरिक कार्यकलापों पर जागरूकता फैलाना, जो केंद्रित अभियानों के जरिए स्वस्थता का सवंर्धित करे

   ग. स्वदेशी खेलों को प्रोत्साहित करना

   घ. स्वस्थता को हरेक स्कूल, कॉलेज/विश्वविद्यालय, पंचायत/ग्राम आदि तक पहुँचाना

   ड. सूचना को शेयर करने, जागरूकता अभियान और व्यक्तिगत स्वस्थता कहानियों को शेयर करने के लिए प्रोत्साहित करने हेतु भारत के नागरिकों के लिए एक मंच का सृजन करना

   च. आंदोलन के समग्र दर्शन के संवर्धन के लिए नीतिगत अभिसरण प्राप्त करना

3. प्रारंभ से फिट भारत मिशन साधारण शारीरिक कार्यकलापों, जो हमेशा हमारी भारतीय संस्कृ ति का अभिन्न भाग रहा है, का प्रदर्शन करके स्वस्थता के बारे में सक्रियता से जागरूकता फैलाता आ रहा है, ताकि हम समेकित रूप से वह सक्रिय जीवन शैली प्राप्त कर सकें, जो हमेशा से हमारे पास था।

4. फिट भारत मिशन अनेक केंद्रीय मंत्रालयों के साथ निकटता से काम कर रहा है और अभिसरण के क्षेत्रों की पहचान की है और लगभग 8–10 मंत्रालयों/विभागों के साथ कार्य योजनाएं निरूपित की हैं।

5. 01.04.2020 से 31.12.2020 की अवधि के दौरान फिट भारत आंदोलन के तत्वावधान में शुरू किए गए विभिन्न पहल एवं कार्यकलाप नीचे दिए गए हैं:

I- लॉकडाउन के दौरान कार्यकलापें–

(क) फिट भारत सक्रिय दिवस श्रृंखला, परिवारों एवं बच्चों के लिए एक विशिष्ट डिजीटल स्वस्थता श्रृंखला,

(ख) हमारे स्वदेशी खेलों के संवर्धन के लिए ''एक भारत श्रेष्ठ भारत'' के बैनर के तले फिट भारत द्वारा एक श्रृंखला, भारत के स्वदेशी खेल। अब तक इस श्रृंखला में 20 से अधिक स्वदेशी खेलों का कवर किया गया है,

(ग) फिट भारत चैंपियन वार्ता, जहॉं भारतीय खिलाड़ी छात्र जीवन–अपने संघर्षों और विजयों की कहानियां शेयर करते हैं।

श्रृंखलाओं को फिट भारत डिजीटल प्लेटफार्म पर ऑनलाइन प्रसारित किया गया।

II. 15 लाख से अधिक दर्शकशिप के साथ हमारे माननीय खेल मंत्री (स्वतंत्र प्रभार), युवा कार्यक्रम

एवं खेल मंत्रालय (वाय ए एंड एस), श्री किरेण रीजिजू और स्वस्थता एवं खेल प्रतीकों के साथ 21 जून 2020 को एक ऑनलाइन कार्यक्रम के रूप में फिट भारत योग दिवस का आयोजन किया गया था।

III. स्वस्थता के लिए परिवर्तन एजेंटों के रूप में हमारे युवाओं को शामिल करने के लिए युवा कार्यक्रम विभाग के साथ 15 अगस्त 2020 को फिट भारत युवा क्लब प्रमाणन का शुभारंभ किया गया है। प्रमाणन प्रणाली कुछ सामान्य स्वस्थता मानदंडों और अपने दैनिक जीवन में 30–45 मिनट के शारीरिक कार्यकलापों को शामिल करने के अन्य व्यक्तियों का प्रोत्साहित करने के लिए सदस्यों द्वारा वचनबद्धता पर आधारित है। अभी तक, 47,133 युवा क्लबों ने स्वयं को ''फिट भारत युवा क्लब'' के रूप में स्वयं को पंजीकृत किया है।

IV. **फिट भारत स्वतंत्रता दौड़** – हमारी 74वीं स्वतंत्रता दिवस के आयोजन के लिए 15 अगस्त से 2 अक्तूबर अर्थात् महात्मा गांधी की 151वीं वर्षगांठ तक माननीय खेल मंत्री (स्वतंत्र प्रभार), वाय ए एंड एस श्री किरेण रीजिजू ने 'फिट भारत स्वतंत्रता दौड़' का शुभारंभ किया। फिट भारत स्वतंत्रता दौड़ में सामाजिक दूरी मानकों का पालन करते हुए इन अप्रत्याश्वित समयों में स्वस्थता की आवश्यकता को पूरा करने की कल्पना की गई थी। यह सामाजिक मीडिया पर 30 करोड़ से अधिक लोगों तक पहुँचा। 7 करोड़ से अधिक लोगों ने इसमें भाग लिया और 18 करोड़ कि.मी. को कवर किया।

V. **फिट भारत वार्ता** – पहली फिट भारत वर्षगांठ के आयोजन के भाग के रूप में 24 सितंबर 2020 को एक ऑनलाइन समारोह का आयोजन किया गया, जहाँ माननीय प्रधानमंत्री, श्री नरेंद्र मोदी ने स्वस्थता एवं स्वास्थ्य की अति आवश्यक जरूरत पर जोर देते हुए कुछ स्वस्थता प्रभावकर्ताओं के साथ संपर्क किया। 05–18 वर्ष, 18–65 वर्ष और 65+ वर्ष के रूप में वर्गीकृत विभिन्न आयु समूहों के लिए गोल्स (गोल फॉर एक्टिव लाईफ स्टाईल) नामक आयु उपयुक्त स्वस्थता प्रोटोकॉल का भी शुभारंभ माननीय प्रधानमंत्री द्वारा किया गया है।

दूसरे सत्र में माननीय खेल मंत्री (स्वतंत्र प्रभार), वाय ए एंड एस श्री किरेण रीजिजू ने प्रसिद्ध व्यक्तियों और खेल प्रतीकों के साथ बातचीत की और इसे 27 दिसंबर 2020 को प्रसारित किया गया।

VI. **आईटीबीपी द्वारा 200 कि.मी. फिट भारत वाकाथॉन:** सरदार वल्लभभाई पटेल की जन्म शताब्दी के आयोजन के भाग के रूप में, भारत–तिब्बत सीमा पुलिस (आईटीबीपी) ने जैसलमेर (राजस्थान) में 31 अक्तूबर से 2 नवंबर 2020 तक फिट इंडिया मिशन के सहयोग से फिट भारत वाकाथॉन का आयोजन किया। माननीय खेल मंत्री (स्वतंत्र प्रभार), वाय ए एंड एस श्री किरेण रीजिजू ने मार्च को झंडी दिखाई। यह समारोह अद्वितीय था, क्योंकि मरूभूमि में घूमना कठिन है, लेकिन कार्मिक यह संदेश प्रसार कर रहे हैं कि स्वस्थ एवं फिट देश और नागरिक सुनिश्चित करने का दृढ़ संकल्प सर्वोपरि है।

VII. **फिट भारत विषयगत अभियान :** फिट भारत विषयगत अभियान का शुभारंभ माननीय प्रधानमंत्री के आह्वान ''फिटनेस की डोज–आधा घंटा रोज''पर किया गया। इसका शुभारंभ माननीय खेल मंत्री (स्वतंत्र प्रभार), वाय ए एंड एस श्री किरेण रीजिजू द्वारा अपने सोशल मीडिया हैंडल के जरिए 01.12.2020 को किया गया।

VIII. **प्रभात फेरी :** फिट भारत प्रभात फेरी 1 से 6 दिसंबर तक का एक सप्ताह भर का समारोह था, जहाँ 14 लाख से अधिक लोगों ने भाग लिया और नेहरू युवा केंद्र संगठन (एन वाय के एस) से युवाओं ने इसमें अग्रणी भूमिका निभाई और

''फिटनेस की डोज–आधा घंटा रोज'' के संदेश की वकालत के लिए देशभर में 50,000 से अधिक प्रभात फेरी का आयोजन किया।

IX. **सायक्लोथोन** : पहले फिट भारत सायक्लोथोन का आयोजन देशभर में 18 जनवरी 2020 को किया गया। 35 लाख से अधिक भागीदारी के साथ लगभाग 16000 समारोहों का आयोजन किया गया। दूसरा सत्र सतत रूप से 7 दिसंबर से 31 जनवरी 2021 तक चला। 31.12.2020 तक फिट भारत सायक्लोथोन के दूसरे सत्र में 48 लाख से अधिक लोग भाग ले चुके थे।

X. **फिट भारत स्कूल सप्ताह** – फिट भारत स्कूल सप्ताह की कल्पना पिछले वर्ष बच्चों तक ही सीमित नहीं वरन् उनके माता–पिता, शिक्षकों और स्कूल स्टाफ में स्वस्थता के बारे में जागरूकता के सृजन की आवश्यकता के लिए किया गया। इसमें किसी प्रकार के शारीरिक कार्यकलापों और/या समारोह जैसे कि स्वास्थ्य एवं स्वस्थता के विषय पर पेंटिंग प्रतियोगिता, सिम्पोजिया आदि में भागीदारी द्वारा स्वास्थ्य एवं स्वस्थता के लिए एक सप्ताह को 4 से 6 दिन के आयोजन की अवधारणा है। इस कार्यक्रम को फिट भारत आंदोलन का फ्लैगशिप कार्यक्रम माना जा रहा है और इसका दूसरा सत्र 1 दिसंबर से 31 दिसंबर 2020 तक चला।

31 दिसंबर 2020 तक दूसरे सत्र में फिट भारत स्कूल सप्ताह आयोजित करने वाले स्कूलों की संख्या 2,52,311 सूचित की गई है।

XI. **फिट भारत स्कूल प्रमाणन :** साधारण एवं आसान मानदंडों के साथ एक प्रणाली तैयार की गई है, जहॉं स्कूलों को शारीरिक कार्यकलापों और स्कूल में उपलब्ध अवसंरचना के आधार पर फिट इंडिया फ्लैग, 3–स्टार और 5–स्टार प्रमाणपत्र प्रदान किए जा रहे हैं।

फिट भारत स्कूल प्रमाणन प्रणाली में कुल 2,19,563 स्कूलों को फिट इंडिया फ्लैग प्रदान किया गया है। इसके अलावा, कुल 36,789 और 12,100 स्कूलों ने क्रमशः 3 स्टार और 5 स्टार स्कूल प्रमाणन के लिए आवेदन किया है।

XII. **फिट भारत मोबाइल एप** की परिकल्पना की गई है और यह विकास के चरण में है और इसे फरवरी 2021 में प्रारंभ कर दिया जाएगा, जहॉं माननीय प्रधानमंत्री द्वारा शुरू किए गए 'आयु उपयुक्त स्वस्थता प्रोटोकॉल्स' के अनुसार नागरिक अपनी शारीरिक स्वस्थता का मूल्यांकन करेंगे। फिट भारत मोबाइल एप में कार्यकलाप खोज, कैलोरी काउंट आदि जैसी विशेषताएं भी होंगी और स्वास्थ्य एवं स्वस्थता के सुधार का मार्ग सुझाएगा।

कोच विकास एवं प्रशिक्षण

उद्देश्य : कोच विकास एवं प्रशिक्षण प्रभाग की स्थापना ज्ञान एवं कौशल के उन्नयन के लिए कोचों, वैज्ञानिक स्टाफ और प्रशासनिक स्टाफ के लिए प्रशिक्षण आयोजित करने के उद्देश्य से की गई है।

इसके मद्देनजर एलएनसीपीई, तिरूवनंतपुरम, एनएसएनआईएस, पटियाला, दक्षिणी क्षेत्रीय केंद्र, बेंगलुरू और पूर्वी क्षेत्रीय केंद्र, कोलकाता में चार प्रशिक्षण संसाधन केंद्रों की स्थापना की गई है।

अप्रैल 2020 से दिसंबर 2020 की अवधि के दौरान निम्नलिखित प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए गए:

1. **परिवीक्षाधीन सहायक निदेशकों के लिए प्रशिक्षण–** परिवीक्षाधीन सहायक निदेशकों के लिए प्रशिक्षण का आयोजन 15 अप्रैल, 2020 से 19 मई, 2020 तक किया गया और तत्पश्चात् प्रभागों में ''कार्य पर प्रशिक्षण'' का आयोजन किया गया।

2. **कोच प्रशासनिक कौशल विकास कार्यक्रम** का

आयोजन प्रशासनिक कार्य में शामिल कोचों के लिए 22 जून, 2020 से 31 जुलाई, 2020 तक किया गया। इसका उद्देश्य खेलों में उच्च निष्पादन प्राप्त करने के लिए प्रशासन के क्षेत्र में प्रशासनिक कौशल एवं क्षमताओं का उन्नयन है।

3. एन सी ओ ई, राष्ट्रीय शिविरों और प्रशिक्षण केंद्रों के साथ सम्बद्ध कोचों के लिए 1 जुलाई से 7 जुलाई 2020 तक शक्ति एवं अनुकूलन वेबमिनार का आयोजन किया गया।

4. **ए आई एफ एफ द्वारा विशेष फुटबॉलकेलिएपुनः** परिवर्तन एवं पुनः वैधीकरण पाठ्यक्रम के आयोजन की योजना दो चरणों में थी। इसके सैद्धांतिक सत्र का आयोजन 28 जुलाई से 30 जुलाई 2020 तक किया गया।

5. कोचों, खिलाड़ियों, प्रशासकों और मेडिकल स्टाफ के लिए मानक प्रचालन प्रकियाओं पर कोविड–19 जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन 28 जुलाई, 2020 से 31 जुलाई, 2020 तक किया गया।

6. **खिलाड़ियों के लिए मृदु कौशल विकास एवं संवेदीकरण कार्यक्रम** – अगस्त 2020 में एस ए आई के क्षेत्रीय केंद्रों/अकादमिक संस्थानों द्वारा ए सी ई पी के भाग के रूप में एक सप्ताह के ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

7. मुक्केबाजी, हैंडबॉल, भारोत्तोलन, साईकिल चलाना, जुडो, वुशु एवं कुश्ती जैसी विधाओं के लिए 3 सप्ताह के पुनश्चर्या पाठ्यक्रमों का आयोजन 25 अगस्त से 14 सितंबर, 2020 तक किया गया।

8. **उच्च निष्पादन प्रशिक्षण के लिए कोच उन्नयन कार्यक्रम का आयोजन इन विधाओं के लिए किया गया** – वॉलीबॉल, टेकवोंडो (21 से 28 सितंबर 2020), एथलेटिक्स (25 अगस्त से 11 सितंबर 2020), बैडमिंटन एवं हॉकी (5 अक्तूबर से 9 अक्तूबर 2020)।

9. क्षेत्र में किए गए खेल पोषण एवं अनुसंधानों पर अद्यतन जानकारी देने के उद्देश्य से एन सी ओ ई एवं एस टी सी प्रभारियों के लिए 22 सितंबर, 2020 से 1 अक्तूबर, 2020 तक पोषण पर प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

10. खेल विज्ञान में विभिन्न प्रगतियों में अंतर्दृष्टि प्रदान करने के उद्देश्य से कोचों के लिए 25 सितंबर 2020 से सतत खेल विज्ञान शिक्षा श्रृंखला प्रारंभ किया गया। यह सत्र प्रत्येक शुक्रवार को सप्ताह में एक बार आयोजित किया जाता है।

11. साईकलिंग कोचों के लिए साईकलिंग के लिए राष्ट्रीय स्तर के कोचिंग पाठ्यक्रम का आयोजन 28 सिंतंबर से 10 अक्तूबर, 2020 तक किया गया।

12. खेल से संबंधित चोटों की रोकथाम एवं प्रबंधन पर सूचना देने के उद्देश्य से एन सी ओ ई एवं एस टी सी प्रभारियों के लिए 5 से से 14 अक्तूबर, 2020 तक कायचिकित्सा पर प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

13. 28 सितंबर, 2020 से 27 नवंबर, 2020 तक एस ए आई अधिकारियों एवं स्टाफ (एसपीए, पीए, ओएस, सहायकों एवं हाल में पदोन्नत एडी) के लिए प्रशासान एवं कार्यालय प्रक्रियाओं पर प्रशिक्षण कार्यक्रम।

14. खेलों में सामान्य एवं विशिष्ट शरीरक्रिया संबंधित मामलों पर एन सी ओ ई एवं एस टी सी प्रभारियों के लिए 26 अक्तूबर से 6 नवंबर, 2020 तक शरीरक्रिया विज्ञान पर प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

15. हॉकी, एथलेटिक्स, टेकवोंडो, मुक्केबाजी, जुडो, भारोत्तोलन, फेंसिंग, पैरा पावर लिफ्टिंग, कुश्ती, पैरा बैडमिंटन और हैंडबॉल विधा के लिए 20 अक्तूबर से 18 नवंबर, 2020तक एन सी ओ ई के पुनर्ग्रहण के लिए कोविड 19 स्थिति के

दौरान खेल के मैदान में पालन किए जाने वाले प्रॉटोकॉल पर सत्रों का आयोजन किया गया।

16. संविधान दिवस (26 नवंबर) के अवसर पर भारतीय संविधान के संवैधानिक मूल्यों और मौलिक सिद्ध इंतोंपर सत्र का आयोजन किया गया।

17. कैसे मनोविज्ञान प्रभाव खेल एवं निष्पादन को सुधार सकता है पर एनसीओई एवं एसटीसी प्रभारियों के लिए 1 से 14 दिसंबर, 2020 तक मनोविज्ञान पर प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

18. धनुर्विद्या कोचों और फुटबॉल कोचों के लिए प्रशिक्षण का आयोजन 18 नवंबर, 2020 से 8 दिसंबर, 2020 तक किया गया।

19. योग के साथ प्रशिक्षण में कैसे क्षमता निर्माण किया जाए और हृद्वाहिका लाभ प्रदान किया जाए के बारे में उन्हें जागरूक करने के लिए एन सी ओ ई एवं एस टी सी कोचों एवं एन सी ओ ई प्रभारियों के लिए योग पर खेल विशिष्ट सत्र – एथलेटिक्स (9 दिसंबर), वॉलीबॉल (10 दिसंबर) और निशानेबाजी (16 दिसंबर) का आयोजन किया गया।

20. मैदानों एवं उपकरण के अनुरक्षण पर स्थल व्यक्ति के लिए प्रशिक्षण का आयोजन 15 दिसंबर से 30 दिसंबर 2020 तक किया गया।

21. खेल प्रशासकों के लिए उच्च निष्पादन नेतृत्व में ऑनलाइन आधारभूत कार्यक्रम : उच्च निष्पादन खेलों में प्रबंधन और नेतृत्व में उनके ज्ञान के उन्नयन के लिए ई एल एम एस खेल संघ द्वारा ऑनलाइन आधारभूत कार्यक्रम के लिए प्रशासनिक काडर से एस ए आई ने 15 अधिकारियों को नामित किया। यह 11 जुलाई, 2020 से लेकर आयोजित किया गया और 16 जनवरी, 2021 तक जारी रहेगा।

आई टी प्रभाग

अप्रैल 2020 से दिसंबर 2020 के दौरान किए गए कार्यकलाप इस प्रकार हैं :

1. राष्ट्रीय खेल रिपोजिटरी प्रणाली (एन एस आर एस) का विकास, जो खिलाड़ियों, कोचों एवं खेल प्रशिक्षण केंद्रों के ऑनलाइन पंजीकरण के लिए एक डिजीटल प्लेटफार्म है। यह एस ए आई खेल संवर्धनात्मक योजनाओं यथा राष्ट्रीय उत्कृष्टता केंद्र (एन सी ओ ई), एस ए आई प्रशिक्षण केंद्रों (एस टी सी), विस्तार केंद्रो और ब्यॉय्स स्पोट्र्स कंपनियों (बी एस सी) आदि के लिए ऑनलाइन सुविधा भी प्रदान करता है। यह खिलाड़ियों के लिए निष्पादन मूल्यांकन एवं निष्पादन रिकार्डो के अद्यतनीकरण के लिए औनलाइन सुविधा प्रदान करता है। प्रयोक्ता की आवश्यकता के अनुसार विभिन्न रिपोर्ट पोर्टल के जरिए उपलब्ध कराए जाते हैं।

2. विभिन्न खेल योजनाओं के तहत प्रतिभा स्काउटिंग और प्रतिभा के प्रवेश के संबंध में सूचना के ऑनलाइन अद्यतनीकरण का विकास।

3. खेलो भारत खेल के लिए खेल प्रबंधन प्रणाली (जी एम एस) का विकास एवं कार्यान्वयन।

4. एस ए आई में ऑनलाइन फाइल संचलन के लिए ई–अभिशासन पहल के भाग के रूप में ई–ऑफिस कार्यान्वित किया जा रहा है। इसमें फाइल प्रबंधन प्रणाली, छुट्टी प्रबंधन, दौरा प्रबंधन, पी आई एम एस शामिल है। यह कार्यान्वयन के उन्नत चरण में है। इसके अलावा वार्षिक कार्यनिष्पादन मूल्यांकन रिपोर्ट (ए पी ए आर) की ऑनलाइन प्रणाली के लिए स्पैरो का कार्यान्वयन भी उन्नत चरण में है।

5. जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में एल ए एन नेटवर्क की स्थापना और इसका एस ए आई मुख्यालय से समेकन।

6. खेलो भारत मोबाइल एप्लीकेशन (के आई एम ए), खेलो भारत फिटनेस एप्लीकेशन (के आई एफ ए) और खेल क्षेत्र सुविधाएं जियो–टैग्ड/एप्लीकेशन में मैप्ड में तकनीकी सहायता। मोबाइल एप्लीकेशन के साथ आई टी प्रभाग खेलो भारत योजना के वेब पोर्टल का अनुरक्षण करता है।

7. अद्यतन प्रौद्योगिकी और प्रयोक्ताओं के लिए प्रयोक्ता अनुकूल पहुंच के साथ पुनरूद्धार के लिए एसएआई के वेबसाइट का अनुरक्षण एवं उन्नयन। वेबसाइट अपने विकास के उन्नत चरण में है।

8. छुट्टी नगदी, चिकित्सा, एलटीसी, शिशु शिक्षा आदि के लिए कार्मिक सूचना प्रबंधन प्रणाली (पीआईएमएस) पोर्टल में अनुरक्षण एवं उन्नयन। इसके अलावा, भर्ती के लिए ऑनलाइन कार्यात्मकता अर्थात एसएआई जॉब पोर्टल सृजित किया गया था। सभी भर्तियां ऑनलाइन आवेदन पत्रों के जरिए की जाती हैं।

9. फिट भारत पोर्टल का विकास एविं फट भारत वेबसाइट के लिए सर्वरों का अनुरक्षण। वर्तमान में फिट भारत पोर्टल पर दर्शकों की संख्या 3.7 करोड़ से अधिक है।

10. निःशुल्क एस ए आई खेल सुविधाओं की बुकिंग के लिए ऑनलाइन पोर्टल का विकास एवं कार्यान्वयन।

कोविड 19 लॉकडाउन के दौरान एसएआई द्वारा किए गए उपाय एवं कार्यकलापें

कोविड–19 के प्रस्फुटन के कारण विभिन्न प्रशिक्षण केंद्रों पर विभिन्न एस ए आई खेल संर्वधनात्मक योजनओं के अंतर्गत प्रशिक्षण को अस्थायी रूप से निलंबित कर दिया गया। एस ए आई ने खिलाड़ियों एवं कोचों के हौसला को बढ़ाने के लिए ऑनलाइन प्रशिक्षण सहित गैर–परंपरागत प्रशिक्षण रीतिविधान का अपनाया। इसके अलावा फिट भारत एवं खेलो भारत के अंतर्गत विभिन्न कार्यकलापों की शुरूआत की गई। किए गए कार्यकलापों का सार नीचे दिए गए हैं:–

1. खिलाड़ी एवं कोच शिक्षा कार्यक्रम और कोच विकास कार्यक्रम (ए सी ई पी/सी डी पी) का आयोजन किया गया और विभिन्न खेल विधा में विदेशी कोचों एवं खेल विशेषज्ञों द्वारा व्याख्यान दिए गए। विभिन्न खेल विधा सत्र में कुल 10483 कोचों और खेल विज्ञान सत्र में 3818 कोचों ने भाग लिया।

2. शारीरिक शिक्षा शिक्षकों और समुदाय कोचों के लिए ऑनलाइन प्रशिक्षण एवं शिक्षा कार्यक्रम शुरू किया गया – 6127 कोचों ने भाग लिया।

3. "खेलो भारत फिर से" के नाम के अंतर्गत प्रशिक्षण केंद्रों में खेल गतिविधियों की बहाली के लिए मानक प्रचालन प्रक्रिया (एस ओ पी) का निर्धारण किया गया। एस ओ पी निम्नलिखित सहित प्रशिक्षण केंद्रों पर सभी हितधारकों को कवर करता है:

- सभी खिलाड़ी
- सभी तकनीकी एवं गैर–तकनीकी समर्थनकारी स्टाफ
- सभी प्रशासनिक स्टाफ
- सभी छात्रावास एवं सुविधा प्रबंधन स्टाफ
- केंद्र के सभी दर्शक

4. यह सुनिश्चित करने के लिए कि केंद्र पर दिशानिर्देशों का सख्ती से कार्यान्वयन हो रहा है या नहीं एक कोविड कृतक बल समिति का गठन किया गया है। समिति सरकार के स्वास्थ्य प्रोटोकॉल की सतत निगरानी एवं प्रबंधन के लिए जिम्मेवार है।

5. राष्ट्रीय कोचिंग शिविरों को केवल 2021 ओलंपिक के लिए नियत खिलाड़ियों के लिए पुनः शुरू किया गया है। निरूपित एस ओ पी का राष्ट्रीय शिविरों में सख्ती से अनुपालन किया जाएगा। खिलाड़ियों (या टीम खेल के मामले में खिलाड़ियों के समूह) के लिए समय सारणी निरूपित की गई है, ताकि उन्हें दूसरे खिलाड़ियों के संपर्क में आये बिना प्रशिक्षित किया जा सके। कोचों, समर्थनकारी स्टाफ और आवश्यक प्रशासनिक स्टाफ और मेडिकल स्टाफ के अलावा राष्ट्रीय शिविरों में खिलाड़ियों से मिलने या संपर्क करने की किसी को भी अनुमति नहीं है।

6. लॉकडाउन अवधि के दौरान उन्हें प्रेरित एवं फिट रखने के लिए कोचों द्वारा खिलाड़ियों के लिए नियमित ऑनलाइन प्रशिक्षण/कक्षा का आयोजन किया गया। दैनिक अभ्यास के लिए खिलाड़ियों को ऑनलाइन प्रशिक्षण मॉड्यूल प्रदान किए गए।

7. राष्ट्रव्यापी लॉकडाउन के पहले चरण के दौरान खिलाड़ियों को उनके घरों पर एस ए आई क्षेत्रीय केंद्रों, राज्य सरकारों और स्वयंसेवी क्षेत्र की सहायता से आवश्यक खेल उपकरण जैसे कि (बारबेल रॉड्स, भार, व्यायाम साईकिल आदि), वायु गुटिका, लक्ष्य प्रणाली प्रदान किए गए, ताकि वे अपने घरों में प्रशिक्षण प्राप्त कर सकें। इसके अलावा, उन ओलंपिक के लिए निर्धारित खिलाड़ियों, जो लॉकडाउन के कारण अपने घर वापस नहीं जा सके, को एस ए आई केंद्रों में प्रशिक्षण के लिए अपने कक्षों में उपकरण दिया गया।

8. इन कठिन समयों में उनके हौसला को बढ़ाने और उन्हें प्रेरित रखने के उद्देश्य से खिलाड़ियों के साथ नियमित संपर्क रखा गया। कठिन समयों में तनाव और अवसाद से कैसे निपटा जाए और अपने उद्देश्यों पर कैसे फोकस किया जाए ताकि प्रशिक्षण बाधित न हो, के बारे में खिलाड़ियों को शिक्षित करने के लिए वीडियो कंफरेंशिंग, सामाजिक मीडिया जैसे कि फेसबुक लाईव, इंस्टाग्राम लाईव आदि के द्वारा खेल मनोविज्ञान, खेल विज्ञान/मेडिकेटिंग, कोविड 19 में पोषण, शक्ति एवं अनुकूलन, उच्च निष्पादन खेल वातावरण, डोप रोधी में सेमिनारों एवं कार्यशालाओं का आयोजन किया गया है।

9. सभी विधाओं में सभी एस ए आई खिलाड़ियों के लिए ऑनलाइन प्रशिक्षण सत्रों का आयोजन किया गया। एस ए आई खिलाड़ियों के अलावा, अन्य इच्छुक खिलाड़ियों/कोचों ने इस सुविधा का लाभ उठाया।

10. देश भर में विद्यमान वर्तमान स्थिति के मद्देनजर 28 जुलाई 2020 से 31 जुलाई 2020 तक एक ऑनलाइन कोविड–19 जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

11. **प्रशिक्षण संसाधन केंद्र :** अधिकारियों, कोचों और स्टाफ के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करने

के उद्देश्य से प्रशिक्षण संसाधन केंद्रों के रूप में चार क्षेत्रीय केंद्र स्थापित किए गए हैं। चार केंद्र हैं–एल एन सी पी ई, तिरूवनंतपुरम, एन एस एन आई एस, पटियाला, दक्षिणी क्षेत्रीय केंद्र, बेंगलुरू और पूर्वी क्षेत्रीय केंद्र, कोलकाता। प्रशिक्षण संसाधन केंद्रों का उद्देश्य उच्च निष्पादन प्रशिक्षण पर कोचों का उन्नयन कार्यक्रम और स्टाफ ज्ञान उन्नयन कार्यक्रम तैयार करना है।

12. ई एल एम एस खेल संघ द्वारा खेल प्रशासकों के लिए उच्च निष्पादन में ऑनलाइन आधारभूत कार्यक्रमः उच्च निष्पादन खेल में प्रबंधन एवं नेतृत्व के क्षेत्र में उनके ज्ञान, कौशल और क्षमताओं के उन्नयन के लिए ई एल एम एस खेल संघ द्वारा आयोजित ऑनलाइन आधारभूत कार्यक्रम में भाग लेने के लिए एस ए आई के पंद्रह अधिकारियों को नामित किया गया है। कार्यक्रम का शुभारंभ 11 जुलाई 2020 को हुआ। भावनात्मक रूप से तेज नेतृत्व–।।: टीमों का नेतृत्व करना, संगठनात्मक सफलता प्राप्त करने के लिए भावनात्मक तीव्रता का प्रयोग, क्षमता का अनुमान, दीर्घावधि खिलाड़ी विकास, खेल निष्पादन और चोट रोकथाम जैसे विषयों पर अगस्त माह में सात सत्रों का आयोजन किया गया।

13. **शक्ति एवं अनुकूलन वेबमिनार की ऑनलाइन परीक्षा :** एनसीओई, राष्ट्रीय शिविरों और प्रशिक्षण केंद्रों के साथ सम्बद्ध कोचों के लिए 1 जुलाई से 7 जुलाई 2020 तक 'शक्ति एवं अनुकूलन' में ज्ञान उन्नयन के लिए एक ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया था। इसकी ऑनलाइन परीक्षा का आयोजन 5 अगस्त, 2020 को किया गया, जिसमें 100 प्रश्न (द्विभाषी–अंग्रेजी एवं हिंदी) थे। राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी द्वारा आयोजित परीक्षा में कुल 301 भागीदार शामिल हुए (246 एस ए आई कोच और 55 गैर–एसएआई कोच)।

14. **एसएआई के साथ सीधा संपर्क :** लॉकडाउन अवधि के दौरान खिलाड़ियों के साथ विशेषज्ञों द्वारा अनुभव शेयर करने के लिए एक ऑनलाइन प्लेटफार्म।

राजभाषा प्रभाग द्वारा अपने दैनिक कार्यों के अलावा 01 अप्रैल से 31 दिसम्बर तक गतिविधियां निम्नानुसार हैः

- दिनांक 21 एवं 22 जुलाई, 2020 को अखिल भारतीय स्तर पर राजभाषा प्रभाग, मुख्य कार्यालय द्वारा जूम ऐप पर वर्चुअल रूप से दो दिवसीय हिन्दी कार्याशाला आयोजित की गई जिसमें ''तिमाही हिन्दी प्रगति रिपोर्ट'' ''वार्षिक कार्यक्रम'' ''हिन्दी नोटिंग ड्राफ्टिंग'' एवं ''संसदीय राजभाषा समिति प्रश्नावली'' को भरने के सम्बन्ध में भारतीय खेल प्राधिकरण मुख्य कार्यालय के समस्त प्रभागों/स्टेडियमों/क्षेत्रीय केन्द्रों/शैक्षणिक संस्थानों एवं भाखेप्रा प्रशिक्षण केन्द्र के 152 प्रशिक्षकों को प्रशिक्षण दिया।

- इसके अलावा, 1 से 15 सितम्बर, 2020 तक भाखेप्रा मुख्य कार्यालय में हिन्दी दिवस के उपलक्ष में हिन्दी पखवाड़ा मनाया गया और इस दौरान मुख्य कार्यालय में विभिन्न प्रतियोगिता आयोजित की गयी जिसमें सभी भाखेप्रा के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने बढ़–चढ़ कर भाग लिया।

- संसदीय राजभाशा समिति द्वारा दिनांक 10 अक्टूबर, 2020 को भाखेप्रा प्रशिक्षण केन्द्र, बवाना का राजभाषायी निरीक्षण किया गया। जिसमें भाखेप्रा के राजभाषा सम्बन्धी कार्यों की समीक्षा की गई। मुख्य कार्यालय द्वारा निरीक्षण प्रश्नावली को भरवाने एवं अन्य तैयारियों सम्बन्धी कार्य सम्पन्न किए गए।

- कार्यकारी निदेशक, वित्त/अध्यक्ष, रा0भा0का0स0 की अध्यक्षता में दिनांक 23 अक्टूबर 2020 को राजभाषा प्रभाग द्वारा अखिल भारतीय स्तर पर

सभी क्षेत्रीय केन्द्रों/शैक्षणिक संस्थानों/मुख्य कार्यालय के समस्त प्रभागों/स्टेडिया प्रमुखों के साथ वर्चुअल रूप से राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक आयोजित की गई जिसमें हिन्दी को बढ़ावा देने के सम्बन्ध में सभी से विस्तार से चर्चा की गई।

- दिनांक 18 एवं 19 नवम्बर, 2020 को अखिल भारतीय स्तर पर राजभाषा प्रभाग, मुख्य कार्यालय द्वारा जूम ऐप पर वर्चुअल रूप से दो दिवसीय हिन्दी कार्याशाला आयोजित की गई जिसमें ''तिमाही हिन्दी प्रगति रिपोर्ट'' भरने के और ''हिन्दी नोटिंग ड्राफ्टिंग'' के सम्बन्ध में भारतीय खेल प्राधिकरण मुख्य कार्यालय के समस्त प्रभागों/स्टेडियमों/क्षेत्रीय केन्द्रों/शैक्षणिक संस्थानों एवं भाखेप्रा प्रशिक्षण केन्द्र के वरिष्ठ वैयक्तिक सहायकों/वैयक्तिक सहायकों/ सहायकों को प्रशिक्षण दिया गया।

- कार्यकारी निदेशक, वित्त/अध्यक्ष, रा0भा0का0स0 की अध्यक्षता में दिनांक 29 दिसम्बर, 2020 को राजभाषा प्रभाग द्वारा वर्चुअल रूप से राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक आयोजित की गई जिसमें सभी प्रमुखों के साथ प्रत्येक तिमाही पर हिन्दी में किए जाने वाले कार्यों की समीक्षा की गई।

****

अध्याय – 3

लक्ष्मीबाई राष्ट्रीय शारीरिक शिक्षा संस्थाान, ग्वालियर (सम विश्वविद्यालय)

1. परिचयः

लक्ष्मीबाई राष्ट्रीय शारीरिक शिक्षा संस्थान की स्थापना 17 अगस्त 1957 को अर्थात भारत की आजादी की पहली लड़ाई के शताब्दी वर्ष के अवसर पर की गई थी। यह संस्थान ग्वालियर में स्थित है, जहां झांसी की रानी लक्ष्मीबाई ने देश की आजादी की लड़ाई के लिए अपने जीवन की आहूति दी थी। शारीरिक शिक्षा और खेलों के क्षेत्र में इस संस्थान द्वारा प्रदान की गई की सेवाओं के सम्मान में, इसे भारत सरकार द्वारा विश्वविद्यालय अनुदान आयोग की सिफारिशों पर यूजीसी अधिनियम, 1956 की धारा 3 के तहत वर्ष 1995 में सम विश्वविद्यालय का दर्जा प्रदान किया गया। यह संस्थान युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार के प्रशासनिक नियंत्रणाध ीन एक स्वायत्त संगठन है और यह मध्यप्रदेश सोसायटी पंजीकरण अधिनियम, 1973 के तहत पंजीकृत सोसायटी के माध्यम से कार्य कर रहा है।

2. उद्देश्यः

संस्थान के उद्देश्य निम्नलिखित हैं: –

1. पूर्णतः विश्वविद्यालय की अवधारणा, अर्थात् विश्वविद्यालय शिक्षा रिपोर्ट (1948), भारत में उच्च शिक्षा के नवीकरण और कायाकल्प पर समिति (2009) और सम विश्वविद्यालय के लिए समीक्षा समिति की रिपोर्ट (2009) के अनुरूप मुख्य रूप से स्नातकोत्तर और अनुसंधान डिग्री स्तरों पर ज्ञान की ऐसी ाखाओं, जो उपयुक्त समझी जाएं, में उच्च शिक्षा की व्यवस्था करना जिससे उत्कृ टता और नवाचार स्थापित हो।
2. विश्वविद्यालय शिक्षा प्रणाली के उद्देश्यों में विशिष्ट योगदान करने के लिए सिद्ध क्षमता

के साथ विशेषज्ञता के क्षेत्रों में सहभागिता करना अर्थात् –अकादमिक सहभागिता जो साधारण प्रकृति के कार्यक्रमों से स्पष्ट रूप से अलग हो, कला, विज्ञान, इंजीनियरिंग, चिकित्सा, दंत चिकित्सा, फार्मेसी, प्रबंधन, आदि में पारंपरिक डिग्री मिले जो पारंपरिक संस्थानों द्वारा नियमित रूप से दी जाती है।

3. विभिन्न विषयों में पर्याप्त पूर्णकालिक संकाय / अनुसंधान विद्वानों (पीएचडी और पोस्ट डॉक्टरल) द्वारा इन–हाउस किए जाने वाले विभिन्न अनुसंधान कार्यक्रमों के माध्यम से उच्च ज्ञान और इसके प्रसार के लिए उच्च गुणवत्ता शिक्षण और अनुसंधान, प्रदान करना।

4. शारीरिक शिक्षा, और खेलों के क्षेत्र में उच्च योग्यता प्राप्ता शिक्षकों और अग्रणियों को तैयार करना।

5. शारीरिक शिक्षा में उत्कृष्टता और नवीनता के एक केंद्र के रूप में काम करना और, अनुसंधान करना, इस बढ़ावा देना और इसका प्रसार करना और इस क्षेत्र में साहित्य प्रकाशित करना।

6. शारीरिक शिक्षा के क्षेत्र में अन्य संस्थानों को व्यावसायिक और शैक्षणिक नेतृत्व प्रदान करना।

7. इस क्षेत्र में लोगों को व्यावसायिक मार्गदर्शन और पेशेवर सेवाएं प्रदान करना।

8. शारीरिक शिक्षा कार्यकलापों में जनभागीदारी को बढ़ावा देना।

9. समाज के विकास में योगदान हेतु बाह्य अध्ययन, विस्तार कार्यक्रम और फील्ड आउटरीच के कार्यकलाप करना।

10. ैक्षिक संस्थानों और अन्य संगठनों में शारीरिक शिक्षा और क्रिड़ाओं / खेलों के कार्यक्रम विकसित करना और उनका सवंर्धन करना।

11. ऐसी ाखाओं, जो यह उचित समझें, जैसे स्वास्थ्य और स्वस्थता, स्वास्थ लाभ, योग और शिक्षण के स्वदेशी कार्यकलापों, में निर्देश और प्रशिक्षण की व्यवस्था करना।

12. ऐसे अन्य सभी कार्य और कार्रवाई करना जो उपरोक्त विनिर्दि ट उद्देश्य प्राप्त करने या उन्हें आगे बढ़ाने के लिए आवश्यक या वांछित या सहायक हो जो एलएनआईपीई के कार्यकरण के लिए समीचीन हों।

3. संकाय और विभागः

संस्थान के दो संकायों के तहत निम्नलिखित सात शैक्षिक विभाग हैं :

(i) शारीरिक शिक्षा और संबद्ध क्षेत्र संकायः

शारीरिक शिक्षा शिक्षण विभाग
खेल प्रबंधन और कोचिंग विभाग
योगिक विज्ञान विभाग

(ii) खेल विज्ञान संकाय :

व्यायाम शरीर विज्ञान विभाग
खेल मनोविज्ञान विभाग
खेल बायोमैकेनिक्स विभाग
स्वास्थ्य विज्ञान विभाग

4. (क) संचालित पाठ्यक्रमः

वर्तमान में संस्थान निम्नलिखित पाठ्यक्रम चलाता है: –

शारीरिक– शिक्षा शिक्षण विभाग
(i) बीपीएड – 8 सेमेस्टर
(ii) एमपीएड – 4 सेमेस्टर (शारीरिक–शिक्षा शिक्षण)
(iii) शारीरिक शिक्षा में पीएच.डी.

व्यायाम शरीर विज्ञान विभाग
(i) एमपी.एड (व्यायाम शरीर विज्ञान)
(ii) शारीरिक शिक्षा पीएच.डी.

खेल मनोविज्ञान विभाग
(i) एमपी.एड (खेल मनोविज्ञान)
(ii) शारीरिक शिक्षा में पीएच.डी.

खेल बायोमैकेनिक्स विभाग
(i) एमपी.एड (खेल बायोमैकेनिक्स)
(ii) शारीरिक शिक्षा में पीएच.डी.

स्वास्थ्य विज्ञान विभाग
(i) एमपी.एड (स्वास्थ्य विज्ञान)
(ii) शारीरिक शिक्षा में पीएच.डी.

खेल प्रबंधन विभाग
(i) एमपी.एड (खेल प्रबंधन)
(ii) शारीरिक शिक्षा में पीएच.डी.
(iii) बी.ए. (कार्यक्रम) खेल और प्रदर्शन
(iv) खेल पत्रकारिता में स्नातकोत्तर डिप्लोमा
(v) स्वस्थता प्रबंधन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा
(vi) खेल प्रबंधन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा
(vii) खेल कोचिंग में स्नातकोत्तर डिप्लोमा
(viii) खेल कोचिंग में डिप्लोमा

योगिक विज्ञान विभाग
(i) वैकल्पिक चिकित्सा पद्धतियों के साथ योग में स्नातकोत्तर डिप्लोमा।
(ii) एम. ए. योग
(iii) शारीरिक शिक्षा में पीएच.डी.

उपर्युक्त पाठ्यक्रमों के अलावा, विभिन्न विधाओं / क्रिड़ाओं तथा खेलों में बड़ी संख्या में अल्प अवधि प्रमाण पत्र पाठ्यक्रम चलाए जा रहे हैं।

(ख) संचालित पाठ्यक्रमः

(i) व्यायाम शरीर विज्ञान में एमएससी

(ii) खेल बायोमैकेनिक्स में एम.एससी.

(iii) खेल पोषण में एम. एससी.

(iv) खेल मनोविज्ञान में एम.ए.

(v) खेल प्रबंधन में परास्नातक

(vi) कला में परास्नातक (पत्रकारिता)

5. शासन प्रणाली :

संस्थान सोसायटी पंजीकरण अधिनियम के तहत अलाभकारी सोसायटी (जिसे इसमें आगे प्रायोजक सोसायटी कहा गया है) के रूप में पंजीकृत है जो केन्द्र सरकार द्वारा सार्वजनिक वित्त पोषित सम विश्वविद्यालय है।

कुलाधिपति या उप कुलाधिपति का कोई पद नहीं होगा।

इस संस्थान का सर्वोच्च शासी निकाय, प्रबंधन बोर्ड होगा जिसके अध्यक्ष कुलपति होंगे। प्रबंधन बोर्ड में न्यूनतम 10सदस्य और अधिकतम 15 सदस्य होंगें।

संस्थान का प्रबंधन बोर्ड प्रायोजक सोसायटी से अलग होगा जिसे अपने शैक्षिक और प्रशासनिक जिम्मेदारियों का निर्वहन करने की पूर्ण स्वायतता होगी। प्रबंधन बोर्ड में सोसायटी के प्रतिनिधियों/नामितियों की संख्या अधिकतम 4 तक सीमित होगी।

प्रबंधन बोर्ड में संस्थान के आदर्शों और परम्पराओं में योगदान करने और उन्हें बनाए रखने में सक्षम प्रतिष्ठित व्यक्ति होंगे।

प्रबंधन बोर्ड की संरचना इस प्रकार है: –

(i) कुलपति – अध्यक्ष।

(ii) कुलपति द्वारा नियुक्त किए जाने वाले संकाय डीन, दो से अधिक नहीं (वरिष्ठता के आधार पर क्रमानुसार)।

(iii) संस्थान के अध्यक्ष द्वारा नामित तीन प्रख्यात खेल शिक्षाविद् जिन्होंने प्रोफेसर के स्तर पर कार्य किया हो और वे न तो संस्थान से होंगे अथवा न ही प्रायोजक सोसाइटी से होंगे और न ही वे उनके संबंधी होंगे।

(iv) युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय, खेल विभाग, भारत सरकार का एक प्रतिनिधि जो संयुक्त सचिव/प्रोफेसर के रैंक से कम का न हो।

(v) वरि ठता आधार पर बारी–बारी से कुलपति द्वारा नियुक्त किए जाने वाले दो शिक्षक (प्रोफेसर, सहायक प्रोफेसर से)।

(vi) वरिष्ठता आधार पर बारी–बारी से कुलपति द्वारा नियुक्त किए जाने वाले एक शिक्षक (सहायक प्रोफेसर)

(vii) प्रायोजक सोसाइटी (युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय) के अधिकतम चार नामिती (शिक्षाविद्), जो खेल शिक्षाविद होंगे तथा प्रोफेसर के रैंक से कम नहीं होंगे।

(viii) रजिस्ट्रार – सचिव।

6. पूर्वोत्तरक्षेत्रीय केंद्र :

गुवाहाटी स्थित उत्तर पूर्व क्षेत्रीय केंद्र की स्थापना को वर्ष 2009 में युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय द्वारा अनुमोदित किया गया था और शैक्षिक सत्र 2009–2010 के दौरान प्रथम बैंच ने परिसर से दूर ग्वालियर से कार्य किया। इसके पश्चात मई, 2010 में असम सरकार से तेपासिया खेल परिसर को अपने अधिकार क्षेत्र में लेने पर, एनईआरसी ने शैक्षणिक सत्र 2011–12 से वास्तविक रूप से कार्य करना शुरू कर दिया, जहां इनडोर बहुउद्देश्यीय हॉल, फुटबॉल मैदान, हॉकी मैदान, वैलोड्रौम और वॉलीबॉल कोर्टों जैसी कई सुविधाएं पहले से स्थापित थीं। इसके बाद संस्थान ने शैक्षिक प्रयोजनों के लिए अपेक्षित कई बुनियादी ढांचे सृजित किए। अब इस संस्थान द्वारा एक पूर्ण और नियमित रूप से बीपीएड और एमपीएड कार्यक्रम चलाया जा रहा है। एनईआरसी, गुवाहाटी, के लिए नियमित मानव शक्ति संबंधी आवश्यकता को स्वीकार करते हुए, भारत सरकार के वित्त मंत्रालय द्वारा वर्ष 2011–12 के दौरान कुल 11 पदों को स्वीकृत किया गया है और तब से इन पदों के लिए अधिकतर नियुक्तियां कर ली गईं हैं। हॉकी सिंथेटिक मैदान, ट्रैक एण्ड फील्ड (सिंथेटिक), ऑडिटोरियम, पुस्तकालय और संकाय व स्टाफ के लिए क्वार्टरों का विकास किया जा रहा है।

7. सहायता अनुदान :

यह संस्थान पूर्ण रूप से भारत सरकार के युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय से सहायता–अनुदान द्वारा वित्त पोषित है। वर्ष 1 अप्रैल, 2020 से 31 दिसम्बर, 2020 तक अनुदान का आवंटन ग्वालियर के लिए 21.49 करोड़ रूपए औरएनईआरसी, गुवाहटी के लिए 3.79 करोड़ रूपए है।

8. शैक्षिक विवरण:

सत्र 2019–20 के दौरान डिग्री पाठ्यक्रमों में कक्षावार छात्र संख्या निम्नानुसार है:

(क) डिग्री पाठ्यक्रम (ग्वालियर)

कक्षा	कुल संख्या	लिंग–वार एसटी			छात्र संख्या								सकल योग
					एससी		ओबीसी		सामान्य				
	पंजीकृत	बालक	बालिका	कुल	बालक	बालिका	बालक	बालिका	बालक	बालिका	बालक	बालिका	
बी.पी.एड. I सेमेस्टर	110	76	34	110	6	2	10	5	32	11	28	16	110
बी.पी.एड. III सेमेस्टर	100	69	31	100	07	1	10	8	33	10	19	12	100
बी.पी.एड. V सेमेस्टर	105	75	30	105	8	2	13	6	30	12	24	10	105
बी.पी.एड. VII सेमेस्टर	194	134	60	194	8	4	22	12	48	20	56	24	194

एम.पी.एड. I सेमेस्टर	78	59	19	78	6	.	17	2	21	10	15	7	78
एम.पी.एड. III सेमेस्टर	82	50	32	82	5	4	9	5	20	15	16	8	82
पीएच.डी.	69	50	19	69	4	1	12	4	16	5	17	10	69
कुल	738	513	225	738	44	14	93	42	200	83	175	87	738
	श्रेणीवार कुल				58		135		283		262		738

शैक्षिक सत्र 2019–20 के दौरान बी.पी.एड. छात्र संख्या (गुवाहाटी केन्द्र)

कक्षा	कुल संख्या	लिंग–वार			श्रेणी और लिंगवार								कुल
					एसटी		एससी		ओबीसी		सामान्य		
	पंजीकृत	बालक	बालिका	कुल	बालक	बालिका	बालक	बालिका	बालक	बालिका	बालक	बालिका	
बी.पी.एड. I सेमेस्टर (सेक. ए)	50	36	14	50	02	04	08	02	11	05	15	03	50
बी.पी.एड. I सेमेस्टर (सेक. ए)	49	35	14	49	04	01	03	02	18	07	10	04	49
बी.पी.एड. III सेमेस्टर (सेक. ए)	44	30	14	44	02	04	07	02	10	05	11	03	44
बी.पी.एड. III सेमेस्टर (सेक. बी)	45	31	14	45	05	03	03	02	13	05	10	04	45
बी.पी.एड. V सेमेस्टर (सेक. ए)	46	33	13	46	03	02	05	02	13	05	12	04	46
बी.पी.एड. V सेमेस्टर (सेक. बी)	45	32	13	46	05	02	06	03	11	04	10	04	46
बी.पी.एड. VII सेमेस्टर (सेक.ए)	46	33	13	46	06	04	08	01	10	03	09	05	46
बी.पी.एड. VII सेमेस्टर (सेक.बी½	47	34	13	46	04	02	04	00	10	05	16	06	46
सकल योx	372	264	108	372	31	22	44	14	96	39	93	33	372

शैक्षिक सत्र 2019–20 के दौरान एम.पी.एड. छात्र संख्या (ग्वालियर केन्द्र)

बी.पी.एड. I सेमेस्टर	कुल संख्या	लिंग–वार			श्रेणी और लिंगवार								कुल
					एसटी		एससी		ओबीसी		सामान्य		
	पंजीकृत	बालक	बालिका	कुल	बालक	बालिका	बालक	बालिका	बालक	बालिका	बालक	बालिका	
शिक्षा शास्त्र	14	10	04	14	01	.	02	01	04	02	03	01	14
खेल मनोविज्ञान	13	08	05	13	01	.	02	.	04	03	01	02	13

खेल बायोमैकेनिक्स	12	09	03	12	01	.	03	01	03	01	02	01	12
व्यायाम ारीर क्रिया विज्ञान	13	08	05	13	01	.	02	.	04	03	01	02	13
स्वास्थ्य शिक्षा	13	12	01	13	01	.	05	.	02	01	04	.	13
खेल प्रबंधन	13	12	01	13	01	.	03	.	04	.	04	01	13
सकल योग	78	59	19	78	06	.	17	02	21	10	15	07	78
	श्रेणीवार कुल				06		19		31		22		

एम.पी.एड. III सेमेस्टर

बी.पी.एड. । सेमेस्टर	कुल संख्या	लिंग–वार			श्रेणी और लिंगवार								कुल
					एसटी		एससी		ओबीसी		सामान्य		
	पंजीकृत	बालक	बालिका	कुल	बालक	बालिका	बालक	बालिका	बालक	बालिका	बालक	बालिका	
शिक्षा शास्त्र	14	08	06	14	01	01	02	01	02	04	03	.	14
खेल मनोविज्ञान	13	07	06	13	.	01	01	01	04	02	02	02	13
खेल बायोमैकेनिक्स	13	08	05	13	01	.	02	01	03	02	02	02	13
व्यायाम शरीर क्रिया विज्ञान	14	09	05	14	.	.	01	01	04	02	04	02	14
स्वास्थ्य शिक्षा	14	09	05	14	02	01	02	.	03	03	02	01	14
खेल प्रबंधन	14	10	04	14	01	.	01	01	04	02	04	01	14
सकल योग	82	51	31	82	05	03	09	05	20	15	17	08	82
	श्रेणीवार कुल				**08**		**14**		**35**		**25**		

शैक्षिक सत्र 2019–20 के दौरान एम.पी.एड. छात्र संख्या (गुवाहाटी केन्द्र)

एम.पी.एड. ॥ सेमेस्टर	कुल संख्या पंजीकृत	लिंग–वार			श्रेणी और लिंगवार								कुल
					एसटी		एससी		ओबीसी		सामान्य		
		बालक	बालिका	कुल	बालक	बालिका	बालक	बालिका	बालक	बालिका	बालक	बालिका	
शिक्षा शास्त्र	11	8	3	11	1	1	2	0	3	2	2	0	11
खेल बायोमैकेनिक्स	10	8	2	10	0	0	2	0	3	1	3	1	10
व्यायाम शरीर क्रिया विज्ञान	10	8	2	10	3	1	1	0	4	0	0	1	10
खेल मनोविज्ञान	10	9	1	10	0	1	2	0	2	0	5	0	10
सकल योग	**41**	**33**	**8**	**41**	**4**	**3**	**7**	**0**	**12**	**3**	**10**	**2**	**41**

एम.पी.एड. II सेमेस्टर	कुल संख्या पंजीकृत	लिंग–वार			श्रेणी और लिंगवार								कुल
					एसटी		एससी		ओबीसी		सामान्य		
		बालक	बालिका	कुल	बालक	बालिका	बालक	बालिका	बालक	बालिका	बालक	बालिका	
शिक्षा शास्त्र	10	9	1	10	1	1	2	0	2	0	4	0	10
खेल बायोमैकेनिक्स	9	8	1	9	0	0	2	0	4	1	2	0	9
व्यायाम शरीर क्रिया विज्ञान	09	6	3	9	1	1	0	0	4	2	1	0	9
खेल मनोविज्ञान	11	7	4	11	2	2	1	2	3	0	1	0	11
सकल योग	**39**	**30**	**9**	**39**	**4**	**4**	**5**	**2**	**13**	**3**	**8**	**0**	**39**

(ख) पी.जी. डिप्लोमा पाठ्यक्रम (ग्वालियर)

कक्षा	कुल संख्या	लिंग–वार			श्रेणी और लिंगवार								कुल
					एसटी		एससी		ओबीसी		सामान्य		
	पंजीकृत	बालक	बालिका	कुल	बालक	बालिका	बालक	बालिका	बालक	बालिका	बालक	बालिका	
एम.ए. योगा I सेमेस्टर	16	7	9	16	.	.	1	.	4	3	2	6	16
एम.ए. योगा III सेमेस्टर	17	8	9	17	.	1	1	1	5	2	2	5	17
पीजीडी – वाईईडी	13	5	8	13	.	.	1	.	4	6	.	2	13
पीजीडी – एफएम	15	12	3	15	2	.	2	2	4	1	4	.	15
पीजीडी – एससी	140	112	28	140	4	.	19	4	49	12	40	12	140
डी.एस.सी.	22	22	.	22	.	.	1	.	3	.	18	.	22
बी.ए. I सेमेस्टर	4	3	1	4	.	.	.	1	.	.	3	.	4
बी.ए. III सेमेस्टर	3	2	1	3	.	.	.	.	1	.	1	1	3
एम.एस.एम.	5	3	2	5	1	1			2	.	.	1	5
कुल	235	174	61	235	7	2	25	8	72	24	70	27	235
					09		**33**		**96**		**97**		**235**

(ग) शैक्षिक सत्र 2017–18 के दौरान उत्तीर्ण होने वाले छात्रों की संख्या:

पाठ्यक्रम	परीक्षा में बैठने वाले छात्र			उत्तीर्ण होने वाले छात्र		
	पुरूष	महिला	कुल	पुरूष	महिला	कुल
बी.पी.एड. VIII सेमेस्टर (ग्वालियर)	94	41	135	94	41	135

एम.पी.एड. IV सेमेस्टर (गुवाहाटी)	67	24	91	66	24	90
एम.पी.एड. IV सेमेस्टर (ग्वालियर)	88	20	78	57	20	77
एम.पी.एड. IV सेमेस्टर (गुवाहाटी)	31	06	37	31	06	37
एम. फिल	00	00	00	00	00	00
पी. एच. डी.	01	01	02	01	01	02
एम.ए. (योगा) IV सेमेस्टर	07	04	11	07	04	11
पीजीडीवाईएड. II सेमेस्टर	07	05	12	07	05	12
पीजीडीएसएम (II सेमेस्टर)	00	05	05	00	05	05
पीजीडीएफएम (II सेमेस्टर)	11	01	12	10	01	11
डीएससी (II सेमेस्टर)	25	00	25	25	00	25
पीजीडीएससी (II सेमेस्टर)	107	14	121	106	14	120

(घ) 2018–19 तक (1957 से) के दौरान उत्तीर्ण होने वाले छात्रों का सार

पाठ्यक्रम	2017–18 तक (1957 से) छात्रों की संख्या	ग्वालियर	गुवाहाटी	2018–19 (1957 से) छात्रों की संख्या
स्नातक वर्ष और सेमेस्टर–वार	5494	135	90	5719
स्नातकोत्तर	2810	77	37	2924
एम. फिल	430	00	00	430
पीएच.डी	254	02	00	256

9. ढांचागत सुविधाएं :

यह संस्थान अपनी स्थापना के पश्चात से लड़के –लड़कियों का सह–शिक्षा संस्थान है और पूर्ण रूप से आवासीय है। ग्वालियर में यह पूर्ण रूप से ढांचागत सुविधाओं से लैस है जिनमें खेल के मैदान, भवन आदि शामिल हैं जबकि एनईआरसी, गुवाहाटी में प्राथमिकताओं के साथ साथ निधियों की उपलब्धता को ध्यान में रखते हुए इस प्रकार की सुविधाओं का चरणबद्ध तरीके से सृजन किया जा रहा है।

10. 1 जनवरी, 2020 से 31 दिसंबर, 2020 तक महत्वपूर्ण आयोजनः

टंतर– स्कूल समूह प्रदर्शन प्रतियोगिताः

विभाग ने भारीतियम की तर्ज पर 31 जनवरी, 2020 को अंतर–स्कूल समूह प्रदर्शन प्रतियोगिता सफलतापूर्वक आयोजित और संचालित की। ग्रेटर ग्वालियर के कुल 12 स्कूलों ने इस मार्च पास्ट तथा समूह प्रदर्शन प्रतियोगिता में भाग लिया जिसमें लगभग 200 स्कूली बच्चों ने भाग लिया। प्रतियोगिताओं से पहले पाठ्यचर्या की अपेक्षाओं

के भाग के रूप में बी.पी.एड.–VI सेमेस्टर के छात्रों ने लगभग 25 दिनों तक इन स्कूलों का दौरा किया और बच्चों को विभिन्न अभ्यासों जैसे मार्चिंग, अंब्रेला, बॉल्स, प्ले कार्ड, पैरासूट, वांड्स, हूप्स, हॉफ हूप्स, लेजिंग, डंबल, पॉम–पॉम, फ्लेग आदि में प्रशिक्षण दिया।

निम्नलिखित स्कूलों ने अंतर–स्कूल समूह प्रदर्शन प्रतियोगिता में भाग लिया:

क्र. सं.	स्कूल का नाम
1.	के. वी. सं–1
2.	आर.के.वी.एम. स्कूल
3.	नेशनल चिल्ड्रन एच.एस. स्कूल
4.	ईसीएस बैगेल स्कूल
5.	सेंट जोसेफ स्कूल
6.	नवेन विद्या निकेतन स्कूल
7.	कार्मेल कन्वेंट स्कूल
8.	प्रगति विद्या पीठ स्कूल
9.	दिल्ली पब्लिक अकादमी
10.	स्वामी विवेकानंद अकादमी
11.	के. वी. नंबर –3
12.	एल.ए.एच.एस. स्कूल

अंतर स्कूल समूह प्रदर्शन प्रतियोगिता के परिणाम इस प्रकार रहे:

मार्च पास्ट :

प्रथम स्थान : स्वामी विवेकानंद अकादमी

द्वितीय स्थान : कार्मेल कनवेंट स्कूल

तृतीय स्थान : एल.ए.एच.एस. स्कूल

चतुर्थ स्थान : प्रगति विद्यापीठ स्कूल

समूह प्रदर्शन :

प्रथम स्थान : के.वी. नं.–1

द्वितीय स्थान : नेशनल चिल्ड्रन एच.एस. स्कूल

तृतीय स्थान : ईसीएस बैगलेस स्कूल

चतुर्थ स्थान : दिल्ली पब्लिक अकादमी

समग्र :

प्रथम स्थान : स्वामी विवेकानंद अकादमी

द्वितीय स्थान : ईसीएस बेगलेस स्कूल

तृतीय स्थान : एल.ए.एच.एस. स्कूल

मध्यावधि / मध्य सेमेस्टर/ सत्रांत परीक्षाएं:

सतत् मूल्यांकन प्रणाली अपनाते हुए विभाग ने 3 मार्च, 2020 से बी.पी.एड. –II, बी.पी.एड.–IV, बी.पी. एड.–VI और बी.पी.एड. –VIII पाठ्यक्रमों के लिए मध्य सेमेस्टर परीक्षाएं आयोजित कीं। ''बी.पी.एड.–III, बी.पी.एड.–V, और बी.पी.एड. –VII पाठ्यक्रमों के लिए मध्य सेमेस्टर परीक्षाएं 24 जनवरी, 2020 से आयोजित की गईं।

विभाग के शिक्षकों ने भी सेमेस्टर प्रणाली के तहत बी.पी.एड. और एम.ई.पीडी., दोनों पाठ्यक्रमों के लिए आंतरिक मूल्यांकन परीक्षा/कक्षा परीक्षा /असाइनमेंट और समूह परिचर्चा भी आयोजित की। संचयी मूल्यांकन के आधार पर परीक्षा नियंत्रक को अंतिम रूप से तैयार सत्र के अंक भेजे गए।

लीडर्स प्रशिक्षण शिविर:

बी.पी.एड–IV सेमेस्टर के छात्रों के लिए 21–28 जनवरी, 2020 तक नेशनल भारत स्काउट्स एंड गाईड्स सेंटर, पंचमढ़ी, मध्य प्रदेश में 08 दिवसीय लीडरशिप प्रशिक्षण सिविर आयोजित किया गया है। युवाओं में नेतृत्व के गुण पैदा करने के लिए यह शिविर पाठ्यचर्या का अभिन्न भाग है। व्यक्तित्व के संपूर्ण विकास के लिए आर्ट्स एंड क्राफ्ट्स, कैम्प

गेम, कैम्प स्टंट, कैम्प क्राफ्ट, सामुदायिक गायन, स्केवेंजर हंट, ट्रेजर हंट, कुट आउट, कैम्प फायर, हाइक्स आदि आयोजित किए गए। कैम्पिंग, ट्रेकिंग और अन्य कैम्प कार्यकलापों से समूह समन्वय, प्रकृति से बंधन, करो और सीखो, ऐसी बातों की ज्यादा समझ और बोध जो प्राकृतिक परिवेष में छात्रों की निजी भागीदारी से सीखी जाती हैं, जैसे गुण विकसित होते हैं।

आयोजित अन्य कार्यकलापः

1. **राष्ट्रीय युवा दिवस** – 12 जनवरी, 2020 को राष्ट्रीय युवा दिवस मनाया गया, स्वामी विवेकानंद जी की प्रतिमा का माल्यार्पण किया गया और हमारी छात्र प्रिया वर्मा का राज्य स्तर पर युवा संसद में सफल सहभागिता के लिए सम्मान किया गया।

2. **गणतंत्र दिवस** – संस्थान में 26.01.2020 को 71वां गणतंत्र दिवस मनाया गया। संस्थान के कुलपति प्रो. दिलीप कुमार दुरेहा द्वारा ध्वजारोहण किया गया।

3. शारीरिक शिक्षा विभाग द्वारा 17.01.2020 और 18.01.2020को रविंद्र नाथ टैगोर हॉल (ऑडिटोरियम) में दो दिवसीय बी.पी.एड. VIII सेमेस्टर अध्यापन (सिद्धांत) पाठ योजना कार्यशाला आयोजित की गई जिसमें डॉ. हरीश त्यागी, एमिटी युनिवर्सिटी, नोएडा, उत्तर प्रदेश बाहर से विशेषज्ञ थे।

4. शारीरिक शिक्षा विभाग द्वारा 24 जनवरी, 2020 को अपराह्न 4.00 बजे रविंद्र नाथ टैगोर हॉल (ऑडिटोरियम) में "स्कूली शिक्षा में शारीरिक शिक्षा का महत्व" पर एक दिवसीय व्याख्यान आयोजित किया गया जिसमें श्री गौतम मुखर्जी बाहर से विशेषज्ञ थे।

5. खेल प्रबंधन एवं कोचिंग विभाग ने 5–10 जनवरी, 2020 तक 6 दिवसीय डी– लाइसेंस फुटबॉल कोचिंग पाठ्यक्रम आयोजित किया।

6. खेल प्रबंधन एवं कोचिंग विभाग ने 11–13 जनवरी, 2020 तक हेंडबॉल इंट्राम्यूरल आयोजित किया।

7. खेल प्रबंधन एवं कोचिंग विभाग ने 25–27 जनवरी, 2020 तक हॉकी इंट्राम्यूरल आयोजित किया।

8. खेल प्रबंधन एवं कोचिंग विभाग ने 08 फरवरी, 2020 तक क्रास कंट्री इंट्राम्यूरल आयोजित किया।

9. खेल प्रबंधन एवं कोचिंग विभाग ने 03–08 फरवरी, 2020 तक 6 दिवसीय डी– लाइसेंस फुटबॉल कोचिंग पाठ्यक्रम आयोजित किया।

10. खेल प्रबंधन एवं कोचिंग विभाग ने 22 फरवरी, 2020 तक क्रिकेट इंट्राम्यूरल आयोजित किया।

11. खेल प्रबंधन एवं कोचिंग विभाग ने 24 से 27 फरवरी, 2020 तक 4 दिवसीय "आंतरिक स्वस्थता कार्यशाला" आयोजित की।

12. खेल प्रबंधन एवं कोचिंग विभाग ने 29 फरवरी, 2020 तक फुटबॉल इंट्राम्यूरल आयोजित किया।

13. शारीरिक शिक्षा अध्यापन विभाग द्वारा 06 फरवरी, 2020 को अपराह्न 4.00 से 5.30 बजे तक रविंद्र नाथ टौगोर हॉल (आडिटोरियम) में एक दिवसीय अध्यापन कार्यविधि व्याख्यान आयोजित किया गया जिसमें प्रो. के.के. खरे, सेवा निवृत्त डीन एनसीईआरटी, भोपाल बाहर से विशेषज्ञ थे।

14. संस्थान में एलएमएस के माध्यम से 07 से 16 अक्तूबर, 2020 तक एम.पी.एड–III सेमेस्टर, बी.पी.एड. III सेमेस्टर, बी.पी.एड. V सेमेस्टर और

बी.पी.एड. VII सेमेस्टर के छात्रों का ऑनलाइन पंजीकरण किया गया और उनकी नियमित कक्षाएं 16 अक्तूबर, 2020 से शुरू हुईं।

15. शारीरिक शिक्षा अध्यापन विभाग द्वारा 13 दिसंबर, 2020 को पूर्वाह्न 11.00 बजे "प्लास्टिक अपशिष्ट प्रबंधन– आगे का रास्ता" पर एक दिवसीय ऑनलाइन वेबिनार आयोजित किया गया जिसमें प्रो. अनीष पांडे (पर्यावरणविद) रसायन विज्ञान विभाग, राजकीय मॉडल साइंस कॉलेज, जिवाजी, विश्वविद्यालय, ग्वालियर (मध्य प्रदेश) अतिथि वक्ता थे।

16. शारीरिक शिक्षा अध्यापन विभाग द्वारा 19 दिसंबर, 2020 को अपराह्न 3.00 बजे एक दिवसीय ऑनलाइन कक्षा वेबिनार सीरिज–1 आयोजित किया गया।

17. 21 दिसंबर, 2020 को पूर्वाह्न 11.00 बजे बी.पी. एड–I सेमेस्टर के नए प्रवेश प्राप्त छात्रों के लिए ऑनलाइन अनुकूलन कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें पहली बार प्रवेश पाने वाले छात्रों को शैक्षिक कार्यक्रमों, हॉस्टल के नियमों, एंटी रेगिंग नियमों, परीक्षा नियमों, पुस्तकालय नियमों, चिकित्सा नियमों, खेल सहभागिता आदि के बारे में जानकारी दी गई।

18. एम.पी.एड–I सेमेस्टर और बी.पी.एड.–I सेमेस्टर के लिए ऑनलाइन नियमित कक्षाएं 21 दिसंबर, 2020 से शुरू हुईं।

19. शारीरिक शिक्षा अध्यापन विभाग द्वारा 26 दिसंबर, 2020 को अपराह्न 3.00 बजे एक दिवसीय ऑनलाइन कक्षा वेबिनार सीरिज–2 भी आयोजित की गई।

20. खेल प्रबंधन एवं कोचिंग विभाग ने 29 दिसंबर, 2020 को "हाउ टू कैच क्लोंड/फेक प्रिडेट्री जर्नल इन एकेडमी" विषय पर दो दिवसीय कार्यशाला आयोजित की।

महत्वपूर्णः

कोविड–19के कारण संस्थान में मार्च, 2020 से अक्तूबर, 2020 तक व्यापक स्तर पर कुछ अन्य कार्यकलाप आयोजित नहीं किए गए।

अध्याय – 4

खेलो इंडिया योजना

"खेलो इंडिया अभियान ने देश के कोने-कोने में खेलों के प्रतिआकर्षा और युवा टैलेंट की पहचान में बहुत अहम भूमिका निभाई है"

सुधार की आवश्यकता है

भारत दुनिया के सबसे अधिक आबादी वाले देशों में से एक है, जिसमें जनसांख्यिकीय आबादी है जो अपने आप में एक विविध जीन पूल है जो खेल में उत्कृष्टता प्राप्त करने की क्षमता रखता है। हालाँकि, दशकों से, खेल संस्कृति को पोषित करने के लिए कुछ छिटपुट योजनाओं और पहलों के साथ एकीकृत खेल नीति का अभाव रहा है।

खेल की उत्कृष्टता के लिए जमीनी स्तर पर खेल को जोड़ना, या भारत की आबादी के हिसाब से देश में खेल के बुनियादी ढांचे को बनाने के लिए शायद ही प्रयास किए गए थे। 2014 तक पंचायत युवा क्रीड़ा खेल अभियान (पाईका) जैसी प्रमुख पहलों के प्रदर्शन पर एक नजर डालने से इस संबंध में तस्वीर साफ करती है।

12 वीं योजना (2008–09 से 2012–2013) के अंत तक पाईका के अन्तर्गत खेल मैदानों का विकास करना। प्रस्तावित खेल मैदान :

ग्राम पंचायतों में 2–5 लाख और ब्लॉक पंचायतों में 6,375 हैं

हासिल किया :–

60,421 ग्राम पंचायतें और 1,852 ब्लॉक पंचायतें

पाईका, यूएसआईएस, एनएसटीएसएस जैसी पहले की योजनाएं जैसे मुद्दों को संबोधित नहीं कर सकती थीं:

- प्रतिभा की पहचान करने के लिए खेल प्रतियोगिताओं की लगातार मेजबानी करना।
- जमीनी स्तर पर प्रतिभाओं का विकास और पोषण करना
- देश भर में बुनियादी ढांचे के निर्माण और उपयोग के निम्न स्तर के लिए केंद्र और राज्य के बीच समन्वय का अभाव होना।
- देश को एकजुट करने के लिए खेल में युवाओं की नरम शक्ति का उपयोग करने के लिए सीमित प्रयास किया गया और दूर–दराज और अशांत भौगोलिक क्षेत्रों में युवाओं की ऊर्जा का दोहन करने के लिए खेल का उपयोग करना
- महिलाओं को खेल में अपनी पहचान बनाने के लिए प्रेरित करने के लिए ध्यान केन्द्रीय योजनाओं का अभाव
- इसलिए यह महसूस किया गया कि एक समग्र, एकीकृत योजना के माध्यम से देश में खेल पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत करने के लिए एक नया सुधार लाया जा सकता है। परिणाम स्वरूप 2017 में एक संशोधित खेलो इंडिया योजना की शुरुआत हुई।

सुधार की यात्राः

मौजूदा, अब पूर्ववर्ती, राजीव गांधी खेल अभियान (आरजीकेए), शहरी खेल अवसंरचना योजना (यूएसआईएस) और राष्ट्रीय खेल प्रतिभा खोज योजना (एनएसटीएसएस) की योजनाओं को मिलाकर, खेलों इंडिया योजना तैयार की गई थी। अपनी स्थापना के समय, आरजीकेए ने देश भर के सभी ब्लॉकों में खेल परिसर के निर्माण की परिकल्पना की थी और प्रतियोगिताओं का आयोजन किया था, यूएसआईएस खेलो इंडिया योजना के बुनियादी ढांचे के घटक थे, एनएसटीएसएस ने खेल प्रतिभाओं की खोज और पोषण की परिकल्पना की थी। हालांकि योजनाएं नहीं चल सकीं और इसलिए 2016 में खेलो इंडिया योजना शुरू की गई।

वर्ष 2016–17 के दौरान इस योजना को लागू करने में प्राप्त अनुभव और प्रमुख हितधारकों, विशेष रूप से राज्य सरकारों और उनसे प्राप्त इनपुट के आधार पर, खेलो इंडिया योजना को 12 ऊर्ध्वाधरों के साथ नया रूप दिया गया और 14 अक्टूबर, 2017 को अधिसूचित किया गया।

अक्टूबर 2017 में खेलो इंडिया योजना को फिर से शुरू किया गया, जिसमें 12 ऊर्ध्वाधर लोगों की भागीदारी और खेल में उत्कृष्टता को बढ़ावा देने के दोहरे उद्देश्य थे। यह मिशन पूरे देश में खेलों को प्रोत्साहित करने के लिए है, इस प्रकार जनसंख्या को अपने क्रॉस–कटिंग प्रभाव, अर्थात् बच्चों और युवाओं के समग्र विकास, सामुदायिक विकास, सामाजिक एकीकरण, लिंग समानता, स्वस्थ जीवन शैली, राष्ट्रीय के माध्यम से खेल शक्ति एवं खेल विकास से संबंधित राष्ट्रीय गर्व और आर्थिक सुअवसर का दोहन करने की अनुमति देता है।

वार्षिक खेल प्रतियोगिता

उद्देश्य :

- खेलो इंडिया यूथ गेम्स और खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स के रूप में लोकप्रिय राष्ट्रीय स्तरीय प्रतियोगिताओं में प्रदर्शित उनके प्रदर्शन के माध्यम से पहचान पाने वाली प्रतिभा को अवसर उपलब्ध कराना।
- राष्ट्रीय स्कूल गेम्स और राष्ट्रीय विश्वविद्यालय गेम्स में चिन्हित प्रतिभा पूल, प्रतिभा खोज और विकास कार्यक्रम के लिए एक महत्वपूर्ण कड़ी बनेगी।

उपलब्धियां :

- आज तक राष्ट्रीय विश्वविद्यालय गेम्स का पहला संस्करण और राष्ट्रीय स्कूल गेम्स का तीसरा संस्करण।
- 18,744 एथलीटों की भागीदारी
- खेलों के आयोजन के लिए विश्व श्रेणी तकनीक सुनिश्चित करने के लिए बोर्ड में राष्ट्रीय खेल महासंघों को लाना।
- खेल मंत्रालय ने हरियाणा में होने वाले खेलो इंडिया यूथ गेम्स 2021 का हिस्सा बनाने के लिए चार देशज खेलों को शामिल करने का अनुमोदन प्रदान किया है। खेलों में गटका, कलारीपयट्टू, थांग–टा और मल्लखम्ब शामिल हैं।
- खेलो इंडिया गेम्स का यह संस्करण भी योगासन को पहली बार खेलविधा के रूप में शामिल करने का गवाह बनेगा।

प्रतिभा खोज और विकास

उद्देश्य :

- प्राथमिकता वाली खेलविधाओं में प्रतिभावान खिलाड़ियों की पहचान के लिए एक मंच उपलब्ध कराना जिसमें देश के पास सम्भावना/लाभांश हो।
- चिन्हित एथलीटो को अधिकतम सहायता उपलब्ध कराना जो प्रतिभा के पोषण के लिए खेल छात्रवृत्ति हेतु लम्बित मांग को पूरा करती है।

उपलब्धियां :

- '2948 खेलो इंडिया एथलीटों को '6.28 लाख प्रतिवर्ष की अधिकतम सहायता, जिसमें प्रति एथलीट के लिए जेब खर्च में से 10,000' रूपये प्रति माह शामिल हैं।

राष्ट्रीय/क्षेत्रीय/राज्य खेल अकादमियों को सहायता

उद्देश्य :

- मान्यता प्राप्त अकादमियों ने देश के अधिकांश दूर दराज क्षेत्रों में भारतीय खेल प्राधिकरण (शाखेप्रा) के पुनर्रोत्थान और उन्नत प्रशिक्षण केन्द्रों के साथ सुनिश्चित किया कि प्रतिभा के पास प्रशिक्षण और खेल अधिसंरचना पहुंचायी जाए।
- एथलीटों को केन्द्र चुनने का लाभ दिया जाता है, जो उनकी सुविधानुसार हो।

उपलब्धियां :

- 21 खेलविधाओं में खेलो इंडिया एथलीटों (केआईए) के प्रशिक्षण के लिए 232 अकादमियों को मान्यता दी गई।
- सभी राष्ट्रीय खेल महासंघों के सहयोग से खिलाड़ियों के लिए प्रशिक्षण सुविधाओं की उपलब्धता में वृद्धि के लिए निजी क्षेत्र में 500 अकादमियों की पहचान की जा रही है।

राज्य स्तरीय खेलो इंडिया केन्द्र (एसएलकेआईसी)

उद्देश्य :

- राज्य सरकार के साथ सहयोग से एथलीटों के विकास के लिए सुविधाएं उपलब्ध कराना। उनको खेलो इंडिया राज्य उत्कृष्टता केन्द्र (केआईएससीई) घोषित करके राज्य सरकार की मौजूदा अधिसंरचनाओं में सुधार किया गया।
- **एक राज्य एक खेल :** खेलों में उत्कृष्टता का अनुसरण में ''एक राज्य एक खेल'' सिंद्धांत का उद्देश्य एकल खेल में राज्य को निपुण बनाना है जिसमें वह ओलम्पिक में स्वर्ण पदक जीतने के परम उद्देश्य के साथ विशेष योग्यता रखता हो।

उपलब्धियां :

- एसएलकेआईसी के अन्तर्गत "66 भारतीय खेल प्राधिकरण (भाखेप्रा) प्रशिक्षण केन्द्रों में 5,224 प्रशिक्षार्थियों को शामिल किया गया।
- राज्य स्तरीय खेलो इंडिया केन्द्रों (एसएलकेआईसी) के रूप में 9 स्कूलों को अपनाया।
- 24 केआईएससीई को अनुमोदन दिया गया और 8 केआईएससीईएस आरम्भ किये गये।
- खेलो इंडिया के 1000 लघु खेलो इंडिया केन्द्रों (प्रत्येक जिले में एक अथवा दो) को स्थापित किया जाना है। यह खिलाड़ियों को अपने खेल के दिनों के बाद रोज़गार का अवसर उपलब्ध कराता है।

स्कूल जाने वाले बच्चों की शारीरिक फिटनेस

उद्देश्य :

- देश में स्कूल जाने वाले बच्चों की फिटनेस के स्तर का मूल्यांकन करना (5 से 18 वर्ष की आयु वर्ग)

उपलब्धियां :

- प्रशिक्षकों के लिए 267 प्रशिक्षण आयोजित किये गये जिसमें 41577 प्रशिक्षकों को प्रशिक्षित किया गया।

- खेलो इंडिया मोबाइल एप्लीकेशन की सहायता से 22 लाख से अधिक एथलीटों का मूल्यांकन किया गया।
- राष्ट्रीय शारीरिक फिटनेस मापदंडों को विकसित किया गया और शारीरिक फिटनेस का मूल्यांकन करने के लिए एक टूल किट उपलब्ध कराई गई।

खेल मैदानों का विकास

उद्देश्य :

- उनके अधिकतम उपयोग के लिए भौगोलिक सूचना प्रणाली पर खेल मैदानों और खेल अधिसंरचना की राष्ट्रीय सूची तैयार करना।

उपलब्धियां :

- 3005 खेल मैदानों को जियो टैग किया गया।

समुदाय प्रशिक्षण विकास

उद्देश्य :

- जमीनी स्तर पर प्रशिक्षकों के कौशल विकाय हेतु अवसर उपलब्ध कराना और सुनिश्चित करना कि बच्चों के प्रारम्भिक स्तर पर प्रशिक्षकों की उपलब्धता को अनुरक्षित किया गया हो।
- अन्तर्राष्ट्रीय सर्वोत्तम अभ्यासों के अनुसार मान्यता के साथ विभिन्न स्तरों पर प्रशिक्षण प्रदान करना।

उपलब्धियां :

- खेलो इंडिया योजना के लिए प्रशिक्षक समुदाय के रूप में 14595 शारीरिक शिक्षकों को प्रशिक्षित किया गया।

खेल अधिसंरचना का उपयोग और निर्माण/ उन्नयन

उद्देश्य :

- बड़े स्तर पर आम जनता के लिए अधिसंरचना की प्रति व्यक्ति उपलब्धता में वृद्धि।
- उपयुक्त खेल अधिसंरचना का निर्माण : वित्तीय सहायता प्रदान करके राज्य स्तर पर महत्वपूण र्ण खेल

उपलब्धियां :

- 34 राज्यों/संघ शासित प्रदेशों में विभिन्न पात्रता प्राप्त संस्थानों के सम्बन्ध में 267 परियोजनाओं को स्वीकृति प्रदान की गई।
- स्वीकृत की गई कुल राशि – 1700 करोड़
- जम्मू और कश्मीर (जम्मू एवं कश्मीर) में खेल अधि ासंरचना क्रियाकलापों को अपनाने में युवाओं की मदद करने के लिए खेल अधिसंरचना के विकास हेतु 200 करोड़ के विशेष पैकेज को मंजूरी दी गई।

महिलाओं के लिए खेल : शक्ति से सशक्तिकरण

उद्देश्य :

- महिलाओं के लिए वार्षिक राष्ट्रीय प्रतियोगिता की रूप रेखा तैयार करके उन खेलविधाओं पर जोर दिया जाए जहां महिलाओं की कम भागीदारी रही है।

उपलब्धियां :

- अन्तर्राष्ट्रीय मुक्केबाजी संघ (एआईबीए) द्वारा वर्ष 2018 में विश्व महिला मुक्केबाजी चैम्पियनशिप नई दिल्ली में आयोजित करने के लिए वित्तीय सहायता दी गई।
- अंडर–17, बास्केटबॉल में अंडर–17 फुटबॉल और अंडर–21 हॉकी के लिए महिला लीग शुरू की गई है।
- खेलो इंडिया महिला लीग द्वारा विभिन्न खेलवि ााओं और विभिन्न शहरों में महिलाओं के अंदर खेल संस्कृति को विकसित करने की परिकल्पना की गई है।

दिव्यांग एथलीटों के लिए खेलो को बढ़ावा देने के लिए विशेष क्षमताओं का उपयोग करने पर ध्यान दिया गया है

उद्देश्य :

- विकलांग व्यक्तियों को खेलों में राष्ट्रीय और अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करने हेतु और उनके लिए अनुकूल खेल सुविधाएं बनाने का अवसर दिया गया है।

उपलब्धियां :

- वर्ष 2018 में इंडिया ओपन पैरा एथलेटिक प्रतियोगिता आयोजित करने के लिए वित्तीय सहायता दी गई थी।

- सम्बन्धित महासंघों को वित्तीय सहायता दी गई जैसे कि विशेष ओलम्पिक भारत, अखिल भारतीय खेल परिषद बधिर और भारत की पैरालिम्पिक समिति ने जिला और राज्य स्तर के खेलो का आयोजन किया।

शांति और विकास के लिए खेल : सभी को एकजुट करता है

उद्देश्य :

- जम्मू एवं कश्मीर, लद्दाख, उत्तर पूर्व राज्यों और वामपंथी उग्रवाद (एलडब्ल्यूई) से प्रभावित युवाओं की सकारात्मक जुड़ाव के लिए प्रभावित राज्यों में खेलविधाओं के सम्बन्ध में ग्रामीण स्तर की प्रतियोगिताओं का आयोजन करना है।

- खेलों में भाग लेकर युवा अपनी ऊर्जा को बचाकर अपनी शारीरिक शक्तिको बढ़ा सकते हैं।

उपलब्धियां :

- खेलो इंडिया विंटर गेम्स का पहला संस्करण 7 मार्च से 11 मार्च, 2020 तक गुलमर्ग, जम्मू एवं कश्मीर में आयोजित किया गया था।

- फरवरी, 2020 में केन्द्र शासित प्रदेश लद्दाख में खेलों इंडिया द्वारा विंटर खेल आयोजित किए गए।
- विंटर गेम्स को अब नियमित सुविधाओं का राष्ट्रीय कैलेंडर बना दिया गया है।
- फरवरी, 2020 केन्द्र शासित प्रदेश लद्दाख में खेलो इंडिया द्वारा विंटर गेम का आयोजन किया गया था।
- खेल प्रतियोगिताओं के लिए जम्मू एवं कश्मीर राज्य में प्रति ब्लॉक 10 लाख रूपये स्वीकृत किए गए।
- 14 वामपंथी उग्रवाद (एलडब्ल्यूई) प्रभावित राज्यों में 95 जिलों में खेल प्रतियोगिताओं के संचालन के लिए 10 लाख रूपये की मंजूरी दी।
- उत्तर पूर्वी राज्यों सहित शांति और सदभाव को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न राज्यों के अशांत क्षेत्रों में 25 करोड़ से अधिक की धनराशि खर्च की गई।
- उत्तर पूर्वी राज्यों में युवाओं के लिए स्थानीय और क्षेत्रीय स्तर पर बाइक और कार रैलियां निकालने हेतु सहायता दी गई।

ग्रामीण और स्वदेशी खेलों को बढ़ावा देना : संरक्षण धरोहर को विकसित करना

उद्देश्य :

- वैश्विक स्तर पर भारतीय परम्पराओं को बढ़ावा देने और प्रदर्शन में सुधार करने के लिए भारत में स्वदेशी खेलों को बढ़ावा देना।
- योगासनों को जनता के बीच, विशेष युवाओं के बीच लोकप्रिय बनाना।

उपलब्धियां :

- 36 एक भारत श्रेष्ठ भारत (ईबीएसबी) चैम्पियनशिप विभिन्न खेलों के लिएदेश के 19 स्थानों पर आयोजित की गई जिसमें 2250 खिलाड़ी शामिल हुए।

- मल्खम्ब, कलारिपयट्टू, गतका, थांग–टा को घटक के तहत् बढ़ावा देने केलिए पहचान की गई और खेलो इंडिया यूथ गेम्स में शामिल किया गया।
- 335 पदक विजेताओं को एक वर्ष की अवधि के लिए प्रति एथलीट प्रति माह 10,000 की छात्रवृत्ति प्रदान की गई है।
- राष्ट्रीय योगासन खेल महासंघों का गठन किया गया।

खेलो इंडिया का प्रभाव

क्र0सं0	श्रेणी	पहले	बाद में
1.	खेल संस्कृति और खेल में उत्कृष्टता को बढ़ावा देने के लिए एकीकृत तंत्र	योजनाएँ प्रकृति में छिटपुट थीं और समग्र रूप से पारिस्थितिकी तंत्र को पूरा नहीं करती थीं	खेलो इंडिया के माध्यम से देश भर में वार्षिक प्रतिस्पर्धी मंच, बुनियादी ढांचा प्रदान करके प्रतिभा की पहचान और विकास करके एक खेल संस्कृति का निर्माण करने के लिए एक व्यापक तंत्र बनाया गया है।
2.	प्रतिभा दिखाने का मंच	खेलों का आयोजन पंचायत स्तर पर ही होता था। राष्ट्रीय स्तर की कोई प्रतियोगिता नहीं थी।	वार्षिक खेलो इंडिया यूथ गेम्स और यूनिवर्सिटी गेम्स के माध्यम से, यू17 और यू21 के आयु वर्ग के एथलीटों को राष्ट्रीय स्तर पर वार्षिक अपनी खेल प्रतिभा दिखाने का मौका मिला है। 2018 से केआईवाईजी के दो संस्करणों और केआईवाईजी के एक संस्करण में 18,000 खिलाड़ी पहले ही भाग ले चुके हैं।
3.	प्रतिभा की पहचान और विकास	जमीनी स्तर से उत्कृष्टता तक बढ़ाने की प्रतिभा की पहचान करने के लिए कोई संरचित तंत्र नहीं है।	वार्षिक खेलो इंडिया यूथ गेम्स और यूनिवर्सिटी गेम्स के माध्यम से, अंडर–17 और अंडर–21 के आयु वर्ग के एथलीटों को राष्ट्रीय स्तर पर वार्षिक अपनी खेल प्रतिभा दिखाने का मौका मिला है। 2018 से केआईवाईजी के दो संस्करण और केआईवाईजी के एक संस्करण में 18,000 खिलाड़ी पहले ही भाग ले चुके हैं।
4.	स्वदेशी खेलों को बढ़ावा	स्वदेशी खेलों को बढ़ावा देने के लिए कोई तंत्र नहीं	स्वदेशी खेल और एथलीटों को बढ़ावा देने के लिए विशेष योजना। स्वदेशी खेलों के एथलीटों को आउट–ऑफ–पॉकेट भत्ता (ओपीए) दिया जाता है, शीर्ष–अंत केंद्रों में प्रशिक्षण सुविधाएं।

5.	समावेश के लिए खेल	अशांत क्षेत्रों से (वाम विंग इफेक्टेड) आने वाली महिलाओं, दिव्यांग या एथलीटों के लिए कोई विशेष योजना नहीं.	वित्तीय योजनाओं, बेहतर प्रशिक्षण सुविधाओं के रूप में दिव्यांगों को सहायता प्रदान करने के साथ–साथ महिलाओं को खेलों में एक पहचान बनाने के लिए सशक्त बनाने के लिए विशिष्ट योजनाएं बनाई गई हैं। दिव्यांगों के लिए पुरस्कार राशि सक्षम एथलीटों के बराबर की गई। खेल अधिसंरचना की स्थापना और जम्मू और कश्मीर, लेह और लद्दाख और देश के कई अशांत क्षेत्रों जैसे प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया।
6.	खेल अधिसंरचना उपलब्धता	खेल अधिसंरचना बड़े शहरों और कस्बों तक ही सीमित था, टीयर 2 और 3 शहरों के आकांक्षी एथलीटों को खेल अधिसंरचना तक आसान पहुंच नहीं थी।	267 बुनियादी ढांचा परियोजनाएं भाखेप्रा, राज्य सरकारों और अन्य पात्र संस्थाओं में स्वीकृत की गईं, जिनमें राज्यों में खेलो इंडिया उत्कृष्टता केन्द्र और जिलों में खेलो इंडिया केन्द्र शामिल हैं ताकि एथलीटों को बुनियादी ढांचे तक पहुंच सुनिश्चित हो सके।
7.	राज्यों के साथ साझेदारी	खेल परियोजनाओं के लिए वित्त पोषण के लिए प्रतिबंधित राज्यों के साथ संघ	राज्यों में एक मजबूत खेल पारिस्थितिकी तंत्र का निर्माण करने के लिए निरंतर हाथ बढ़ाना। इसमें खेल बुनियादी ढांचे की क्षमता निर्माण, विशेषज्ञ कोच, प्रशिक्षण उपकरण, खेल विज्ञान सहायता जैसे संसाधनों का सहायता शामिल है। उज्ज्वल उदाहरणों में राज्य और केंद्र की भागीदारी के माध्यम से बनाए जा रहे खेलो इंडिया उत्कृष्टता केंद्र शामिल हैं। खेलो इंडिया गेम्स का आयोजन भी राज्यों के साथ मिलकर किया जाता है।
8.	खिलाड़ियों के लिए रोज़गार के रास्ते:	कोई नियोजित कैरियर निर्माण के अवसर नहीं, विशेष रूप से अपने खेल के कैरियर के बाद	एथलीटों के जमीनी स्तर के प्रतिभा पूल का निर्माण करते हुए, पूर्व खिलाड़ियों और कोचों को नियुक्त करने के लिए जिला स्तर पर 1000 प्रस्तावित खेलो इंडिया केंद्रों की स्थापना की गई।

9.	निजी खिलाड़ियों सहायता:	खेल के निजी संस्थानों को कोई संरचित समर्थन नहीं।	खेल मंत्रालय द्वारा वित्त पोषित किए जा रहे विभिन्न खेल विषयों में 500 निजी अकादमियों को सुनिश्चित करने के लिए कि खेल पारिस्थितिकी तंत्र में योगदान देने वाली पात्र संस्थाएं पूरी तरह से समर्थित हैं।
10.	खेल को बदलने के लिए डिजिटल माध्यम का उपयोग:	ऐसा कोई प्रयास नहीं किया गया।	माननीय पीएम द्वारा 2019 में खेलों मोबाइल ऐप शुरू किया। 22 लाख स्कूली बच्चों के फिटनेस मापदंडों का आकलन किया है, इस प्रकार 5 वर्ष की आयु से भविष्य की खेल प्रतिभा की पहचान की गई है।

खेलो इंडिया का प्रभाव

SPORTS SCHOLARSHIP DISTRIBUTED TO IDENTIFIED ATHLETES

(₹ In Crores)

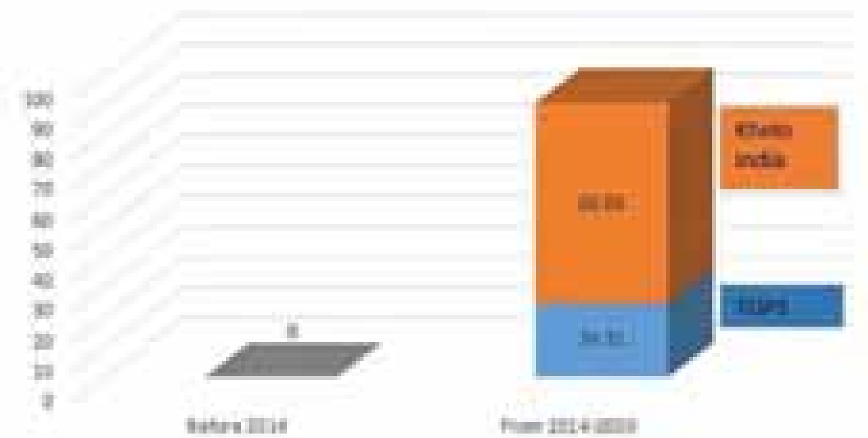

NUMBER OF IDENTIFIED ATHLETES

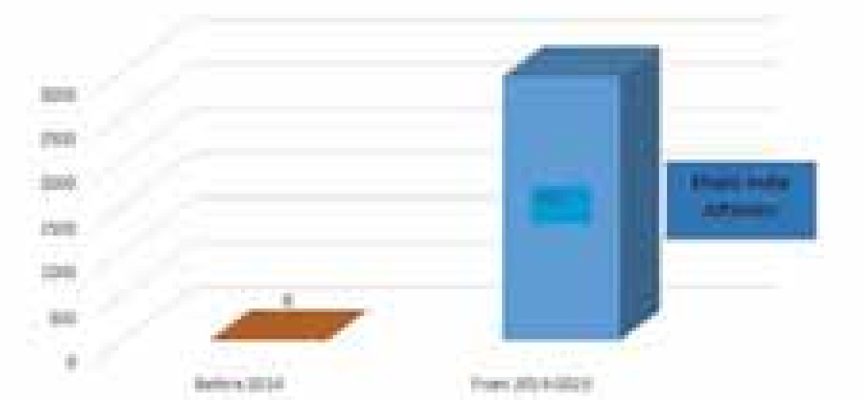

And India Agrees...

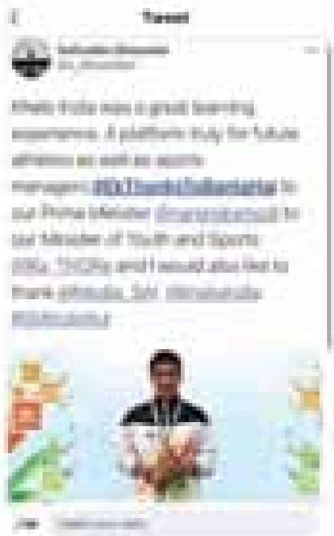

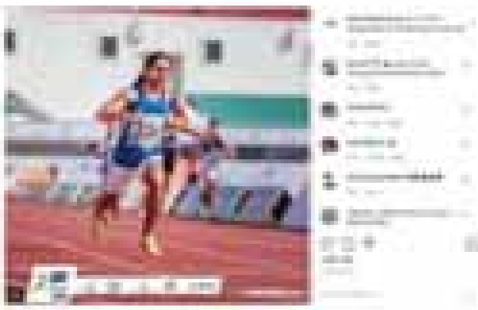

वित्तीय वर्ष 2017–18, 2018–19, 2019–20 और 2020–21 (31.12.2020 तक) के दौरान खेलो इंडिया योजना का बजट आवंटन और उपयोग:

(रूपये करोड़ में)

वर्ष	अनुमोदित आवंटन			वास्तविक व्यय
	बजट अनुमान	संशोधित अनुमान	अंतिम अनुमान	
2017–18	350.00	350.00	350.00	346.99
2018–19	520.09	500.09	375.09	342.24
2019–20	500.00	578.00	578.00	575.52

01–04–2020 से 31.12.2020 की अवधि के दौरान खेलकूद संबंधी बुनियादी अवसंरचना का सृजन एवं उन्नयन के तहत जारी किए गए अनुदान का ब्यौरा अनुलग्नक–6 में दिया गया है।

खेलो इंडिया योजना के अन्य वर्टिकल के तहत 01–04–2020 से 31.12–2020 की अवधि के दौरान जारी अनुदान का विवरण अनलग्नक–7 में दिया गया है।

प्रधानमंत्री विकास पैकेज (पीएमडीपी) – जम्मू–कश्मीर में खेल संबंधी बुनियादी सुविधाओं में वृद्धि करना

माननीय प्रधानमंत्री ने दिनांक 07.11. 2015 को जम्मू–कश्मीर के लिए विशेष पैकेज को मंजूरी दी और इस बारे में घोषणा भी की जिसमें अन्य बातों के साथ–साथ कोचों/प्रशिक्षकों के लिए खेल संबंधी बुनियादी अवसंरचना/फर्नीचर/प्रतियोगिता/प्रोत्साहन/पुरस्कार राशि के लिए 200 करोड़ रुपये का पैकेज शामिल हैं। इसके लिए कार्य प्रगति पर हैं। खेल अवसंरचना परियोजनाएं पूरी होते ही, इनका संचालन और उपयोग जम्मू और कश्मीर सरकार द्वारा राज्य में खेल संवर्धन गतिविधियों के लिए किया जाएगा । परियोजनाओं का विस्तृत ब्यौरा नीचे दिया गया है।

युवा मामले और खेल मंत्रालय द्वारा निष्पादित की जा रही परियोजनाएं

(रूपये करोड़ में)

क्रम सं,	परियोजनाएं	रकम निर्धारित	अवस्थिति
1.	बख्शी स्टेडियम का जीर्णोद्वार और विकास, श्रीनगर से फीफा स्टैंडर्ड तक	44.00	कार्य लगभग 80 प्रतिशत पूरा
2.	अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैचों के लिए मौलाना आजाद (एमए) स्टेडियम का जीर्णोद्धार और विकास, जम्मू से आईसीसी मानक तक	40.00	इस परियोजना का पूरा पूरा हो गया है और दिनांक 15–01–2020 को जम्मू–कश्मीर, केन्द्रीय भाासित प्रदेश के लेफ्टिनेंट गवर्नर द्वारा इसका उद्घाटन हो गया है।
कुल (अ)		**84.00**	

जम्मू–कश्मीर राज्य सरकार द्वारा निष्पादित की जा रही परियोजनाएं

(रूपये करोड़ में)

क्रम सं,	परियोजनाएं	रकम निर्धारित	अवस्थिति
1.	22 इंडोर हॉल का निर्माण 1. सेहपोरा गांदरबल 2. शादीपोरासम्बल, बांडीपोरा 3.काइमोह, कुलगाम 4. बिजबिहाड़ा, अनंतनाग 5. त्राल, पुलवामा 6. रामनगर, ऊधमपुर 7. सांबा 8. भगवती नगर, जम्मू 9. बिलावर, कठुआ 10. मीर गुंडपट्टन, बारामुला 11. सोइबुग, बडगाम 12. राजपोरा, पुलवामा 13. जैदीबल, श्रीनगर 14. शोपियां 15. कुबथांग, कारगिल 16. कोटरनाका, राजौरी 17. मंडी, पुंछ 18. गूल, रामबन 19. डोडा 20. किश्तवाड़ 21. रियासी 22. हंदवाड़ा, कुपवाड़ा	88.00 (4.00 करोड़ रुपये प्रत्येक 22 इनडोर हॉल के लिए)	आठ इंडोर हॉल (सेहपोरा गांदरबल, शादीपोरा सम्बल बांडीपोरा, रामनगर ऊधमपुर, बिलावर कठुआ, भगवती नगर, सांबा, कोटरंका, राजौरी और रियासी में) का काम पूरा हो चुका है, अन्य इंडोर हॉल का काम चल रहा है।
2.	राजौरी और पुंछ में मौजूदा स्टेडियमों का उन्नयन कार्य (अपग्रेडेशन) 4.00 पूरा	4.00	कार्य पूरा हो गया है।
3.	जम्मू के ऊधमपुर में सुभाष स्टेडियम का उन्नयन/पूरा कार्य	10.00	कार्य पूरा हो गया है।

4.	जम्मू और श्रीनगर में (नेहरू पार्क, श्रीनगर और रंजीत सागर बांध, बसोहली) जल खेल–कूद (स्पोर्टस) के बुनियादी ढांचों का विकास कार्य।	6.00 (3.00 करोड़ रुपये प्रत्येक परियोजना के लिए)	नेहरू पार्क का काम पूरा हो चुका है और रणजीत सागर बांध, बसोहली का काम अभी शुरू होना बाकी है।
5.	टीआरसी ग्राउंड/गनी स्टेडियम में लाइटिंग सिस्टम कार्य।	2.63	कार्य पूरा हो गया है।
6.	क्रीड़ा एवं खेल–कूद उपकरण, कोच/प्रशिक्षक आदि।	5.37	निविदा चरण में।
	कुल (ब)	116.00	
	सकल योग (ए+बी)	200.00	

प्रधानमंत्री विकास पैकेज (पीएमडीपी) का बजट आवंटन और उपयोग – वित्त वर्ष 2020–21 के दौरान जम्मू–कश्मीर में क्रीड़ा एवं खेल–कूद (स्पोर्टस) की बुनियादी सुविधाओं में वृद्धिः

(रूपये करोड़ में)

वर्ष	अनुमोदित अवंटन		वास्तविक व्यय
	बजट अनुमान	संशोधित अनुमान	
2020–21	50.00	25.00	4.62 (31.12.2020) के लिए

2. एमडीएसडी के संबंध में भारत के नियन्त्रक एवं महालेखा परीक्षक (कैग) की रिपोर्ट के बकाया ऑडिट के पैराग्राफों को 31.03.2018 तक दर्शाया गया है।

क्रम संख्या	अनुच्छेदों (पैराज) का शीषर्क	आंतरिक रिपोर्ट का वर्ष	अनुच्छेद (पैरा) न0	टिप्पणियाँ
1.	पंचायत युवा क्रीड़ा एवं खेल अभियान (पायका) के कार्यान्वयन में अनियमितताएं	2011–13	1 पार्ट 2 ए	दिनांक 22.11.2016 को कार्यालय मेमों द्वारा जवाब ऑडिट के लिए भेज दिया गया था। दिनांक 10.01.2017 को आंतरिक अवस्थिति के लिए पत्र के माध्यम से ऑडिट करने का अनुरोध किया गया था (प्रतिलिपि संलग्न है)। ऑडिट के जवाब का इंतजार है।
2.	पार्किंग की योजना के खराब कार्यान्वयन के परिणामस्वरूप 4.01 करोड़ की राशि का व्यय	2016–17	3	दिनांक 14.11.2018 को कार्यालय मेमों द्वारा जवाब
3.	1.27 करोड़ रुपये की धनराशि अवरुद्ध हुई है और जिसके कारण 38.10 लाख रुपये का ब्याज का नुकसान।	2017–18	3	दिनांक 05.10.2020 को ई–मेल के माध्यम से जवाब ऑडिटर को भेज दिया गया था। ऑडिटर के जवाब का इंतजार है।

4.	2.78 करोड़ की ब्याज राशि का नुकसान	2017–18	6	दिनांक 12.12.2018 को कार्यालय मेमों द्वारा जवाब ऑडिटर को भेज दिया गया था और एक प्रति आईएफडी को भेज दी गई (प्रतिलिपि संलग्न है)। ऑडिटर के जवाब का इंतजार है।
5.	जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में दो इंडोर हॉल का निर्माण	2017–18	9	
6.	पंचायत युवा क्रीड़ा एवं खेल अभियान/आरजीकेए/एनएसडीएफ में से 1.09 करोड़ का डायवर्जन	2017–18	10	
7.	जम्मू एण्ड कश्मीर पैकेज	2017–18	13	
8.	यूएसआईएस योजना की खराब निगरानी के कारण 44.00 करोड़ रुपये की धनराशि अवरुद्ध हुई है।	2017–18	14	
9.	185.12 करोड़ की राशि जारी करने की अनियमितताएं	2017–18	15	
10.	513 करोड़ रू. के उपयोग प्रमाणपत्र प्राप्त न होना	2017–18	20	

स्वैच्छिक संगठनों (वीओ)/गैर–सरकारी संगठनों (एनजीओ) को पिछले 3 वर्षों 2016–17, 2017–18 और 2018–19 के लिए स्वीकृत अनुदान–सहायता के संबंध में उपयोगिता प्रमाण पत्र (यूसी) जमा न करने की स्थिति को दर्शाने वाला एक वक्तव्य, जिसे निर्धारित प्रोफार्मा में योजनावार तरीके से नीचे दिया गया है: –

क्रम संख्या	गैर–सरकारी संगठन/वीओ राशि का नाम	वह राशि जिसके लिए गैर–सरकारी संगठनों/वीओ द्वारा उपयोगिता प्रमाण पत्र (यूसी) प्रस्तुत नहीं किया गया है	उपयोगिता प्रमाण पत्र (यूसी) जमा नहीं करने का कारण	उपयोगिता प्रमाण पत्र (यूसी) के लिए आग्रह किए बिना गैर सरकारी संगठन/वीओ को और अनुदान देने के कारण
शून्य				

3. वर्ष 2019–20 के दौरान गैर–सरकारी संगठनों/वीओ को जारी किए गए अनुदान–सहायता राशि को दर्शाने वाला एक वक्तव्य, जिसे निर्धारित प्रोफार्मा में योजनावार तरीके से नीचे दिया गया है: –

क्रम संख्या	एनजीओ/वीओ का नाम और पूरा पता	जारी की गयी राशि (करोड़ में)	उद्देश्य जिसके लिए अनुदान जारी किया गया था
शून्य			

****

अध्याय – 5

खेलकूदों में उत्कृष्टता को बढ़ावा देने से संबंधित योजनाएं

1. राष्ट्रीय खेल परिसंघ को सहायता की योजना

इस योजना के तहत, भारत सरकार राष्ट्रीय खेलकूद महासंघ (एनएसएफ) को भारत में राष्ट्रीय चैम्पियनशिप और अंतर्राष्ट्रीय टूर्नामेंट आयोजित करने, विदेशों में अंतर्राष्ट्रीय टूर्नामेंटों में भाग लेने, कोचिंग शिविरों का आयोजन करने, खेल उपकरण खरीदने और विदेशी कोचों को शामिल करने के लिए सहायता प्रदान करता है । 2015 में, भारतीय एथलीटों की तैयारी को बढ़ावा देने और देश के खिलाड़ियों की पदक की उम्मीदों को बढ़ाने के उद्देश्य से, युवा मामले और खेलकूद मंत्रालय ने राष्ट्रीय खेल संघों को सहायता योजना के तहत विभिन्न वित्तीय मापदंडों में वृद्धि की गई। भारत में आयोजित होने वाली अंतर्राष्ट्रीय स्पर्धाओं के लिए, वित्तीय सहायता की मात्रा को 10 लाख रुपये से बढ़ाकर 30 लाख रुपये प्रति टूर्नामेंट कर दिया गया है। नेशनल चैंपियनशिप आयोजित करने के लिए सीनियर, जूनियर और सब–जूनियर्स के लिए ₹2 लाख से बढ़ाकर सीनियर के लिए 5 लाख रुपये, जूनियर्स के लिए ₹7 लाख और सब–जूनियर्स के लिए ₹10 लाख तक की राशि कर दी गई है। एथलीटों के लिए 5 लाख रुपये की चिकित्सा बीमा पॉलिसी और 25 लाख रुपये की व्यक्तिगत दुर्घटना पॉलिसी की अनुमति दी गई है। एनएसएफ को 10 लाख रुपये तक के उपकरण खरीदने की अनुमति दी गई है। पारंपरिक टूर्नामेंटों को बढ़ावा देने के लिए, ऐसे आयोजनों के लिए ₹5 लाख तक की सहायता का एक नया प्रावधान किया गया है। भारत में प्रतिष्ठित टूर्नामेंट आयोजित करने के लिए ₹25 लाख की सहायता उपलब्ध करायी जाएगी। इससे टूर्नामेंट की गुणवत्ता को सुधारने में मदद मिलेगी। 'अन्य' श्रेणी में खेल विधाओं को मिलने वाली वित्तीय सहायता को बहाल कर दिया गया है।

एनएसएफ को सहायता की स्कीम के तहत विभिन्न संगठनों को दी गई वित्तीय सहायता का ब्यौरा नीचे तालिका में दिया गया है:

क्रम सं.	वित्तीय सहायता का घटक	लाभार्थी	सहायता का स्तर
1	राष्ट्रीय चेम्पियनशिप	राष्ट्रीय खेल परिसंघों की सभी श्रेणियां	सीनियर– 5 लाख रु. जूनियर– 7 लाख रु. सब–जूनियर – 10 लाख रु.
2	प्रशिक्षण और प्रतियोगिताओ हेतू खिलाड़ियों के लिए विदेशी जोखिम	सभी उच्च प्राथमिकता, प्राथमिकता और सामान्य श्रेणी खेल विधाऐं (संख्या में 26)	हवाई भाड़े, रहने और खाने पीने, टीए/डीए और अनुमोदित बजट तथा बजट उपलब्धता के अनुसार अन्य स्वीकार्य मदों को समग्र व्यय

3	मुख्य/राष्ट्रीय कोच	चयनित/नियुक्त कोच	पारिश्रमिक तक 1,50,000 रुपये हो सकता है जबकि योग्य मामलों में उच्च में भी हो सकता।
4	प्रतिष्ठित पारंपरिक टूर्नामेंट	चिन्हित आयोजनों के आयोजक	25 लाख रु. तक
5	पारंपरिक खेल आयोजन	चिन्हित आयोजनों के आयोजक	25 लाख रु. तक

वर्ष 2020–21 (31–01–2021 तक) के लिए एनएसएफ को सहायता योजना के तहत एनएसएफ को दी गई राशि का विवरण **अनुलग्नक–8** में दिया गया है।

2. नेशनल सेंटर फॉर स्पोर्ट्स कोचिंग

रनेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ स्पोर्ट्स, पटियाला के अधीन नेशनल सेंटर फॉर स्पोर्ट्स कोचिंग (एनसीएससी) का उद्देश्य देश में खेलकूद संबंधी कोचिंग शिक्षा को बढ़ावा देना और देश का एक विस्तृत कोचिंग विकास ढांचा तैयार करना और एथलीटों की कोचिंग और प्रशिक्षण के तकनीकी, कार्यनीतिक और कौशल विकास संबंधी पहलुओं में शोध का संचालन करना है । इसका उद्देश्य खेलकूद के क्षेत्र के लिए सक्षम और आत्मविश्वासी कोचों को तैयार करना होगा । इससे एथलीटों को अपनी अधिकतम क्षमता के विकास करने में मदद मिलेगी और उनका प्रतिस्पर्धी खेलकूद कैरियर लम्बा बनेगा । एनसीएससी का उद्देश्य उच्च स्तरीय प्रदर्शन करने वाले खेल कोचों की मांग को पूरा करना और दीर्घकालिक एथलीट विकास योजना को लागू करना होगा। एनसीएससी से क्वालीफाई होने वाले कोचों की सेवाओं का उपयोग भारतीय खेल प्राधिकरण (साई), राज्य सरकारों, खेल परिषद, राष्ट्रीय खेल संघों (एनएसएफ) और देश भर के विभिन्न खेल शिक्षाविदों और शैक्षिक संस्थानों में किया जाएगा। इस योजना की कुल लागत 81.00 करोड़ रुपये है। यह एक केंद्रीय प्रायोजित योजना है।

3. राष्ट्रीय खेल विज्ञान और अनुसंधान केंद्र (एनसीएसएसआर)

राष्ट्रीय खेल विज्ञान और अनुसंधान केंद्र (एनसीएसएसआर) योजना का उद्देश्य अभिजात वर्ग के एथलीटों के उच्च स्तरीय प्रदर्शन के संबंध में उच्च स्तरीय अनुसंधान, शिक्षा और नवाचार का समर्थन करना है । वित्त वर्ष 2022–23 तक एनसीएसएसआर योजना की कुल लागत 250 करोड़ रुपये होगी। यह केंद्रीय प्रायोजित योजना है। इस उद्देश्य को प्राप्त करने के उद्देश्य से, यह योजना निम्नलिखित संस्थागत तंत्र के निर्माण और समर्थन के माध्यम से खेल चिकित्सा सहित खेल विज्ञान पर केंद्रित है:

क. इंदिरा गांधी स्टेडियम परिसर, भारतीय खेल प्राधिकरण नई दिल्ली के प्रशासनिक ब्लॉक में राष्ट्रीय खेल विज्ञान और अनुसंधान केंद्र (एनसीएसएसआर) की स्थापना की जाएगी। इस केंद्र को एक ऐसे हब के रूप में विकसित किया जाएगा जो साई के 11 राष्ट्रीय उत्कृष्टता केंद्रों (औरंगाबाद, भोपाल, गांधी नगर, गुवाहाटी, इंफाल, लखनऊ, कोलकाता, केएसएसआर नई दिल्ली, रोहतक, सोनीपत, त्रिवेंद्रम) और पटियाला

और बेंगलुरु में 2 उच्च स्तरीय प्रदर्शन केंद्रों को खेल विज्ञान उपकरण प्रदान करने में सहायता करेगा, यह केंद्र एक स्पोक्स (चवामे) के रूप में कार्य करेगा ।

ख. यह चुनिंदा 6 विश्वविद्यालयों/संस्थानों में खेलकूद विज्ञान विभागों और चुनिंदा 5 संस्थानों/मेडिकल कॉलेजों में खेलकूद चिकित्सा विभागों का भी समर्थन करेगा ।

पात्र विश्वविद्यालयों/संस्थानों और मेडिकल कॉलेजों/अस्पतालों के वित्तपोषण के लिए एक्सप्रेशन ऑफ इंटरेस्ट (ईओआई) मंगाए गए थे। देश के विभिन्न भागों में खेल विज्ञान और खेल चिकित्सा विभाग स्थापित करने के लिए क्रमशः 6 विश्वविद्यालयों और 5 मेडिकल कॉलेजों का चयन किया गया था और विश्वविद्यालयों/संस्थानों और मेडिकल कॉलेजों को कुछ धनराशि जारी की जा चुकी है । एमवाईएएस 5 वर्षों की अवधि में प्रत्येक चयनित विश्वविद्यालयों और मेडिकल कॉलेजों को निधि प्रदान करेगा और बाद में वे आत्मनिर्भर बन जाएंगे ।

खेल विज्ञान विभाग कोसहायता करने के लिए वित्त पोषण के लिए चयनित विश्वविद्यालयों / संस्थानों की सूची

क) गुरु नानक देव यूनिवर्सिटी, अमृतसर

ख) राष्ट्रीय पोषण संस्थान, हैदराबाद

ग) अन्नामलाई विश्वविद्यालय, तमिलनाडु

घ) राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय, अजमेर, राजस्थान

ई) कलकत्ता विश्वविद्यालय, कोलकाता, पश्चिम बंगाल

च) राजीव गांधी विश्वविद्यालय, दोइमुख, अरुणाचल प्रदेश

खेल चिकित्सा विभाग का समर्थन करने के लिए वित्तपोषण करने हेतु चयनित मेडिकल कॉलेजों की सूची

क) किंग जॉर्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी, लखनऊ

ख) पंडित भगवत दयाल शर्मा स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय, रोहतक, हरियाणा

ग) बैंगलोर मेडिकल कॉलेज एंड रिसर्च इंस्टीट्यूट, बेंगलुरु, कर्नाटक

घ) क्षेत्रीय आयुर्विज्ञान संस्थान, इंफाल, मणिपुर

ड़) गांधी मेडिकल कॉलेज, भोपाल

4. खेलकूद में मानव संसाधन विकास योजना (एचआरडीएस)

1. **योजना का नामः**– खेलकूद में मानव संसाधन विकास योजना (एचआरडीएस)

2. **योजना की पृष्ठभूमिः**– युवा मामले और खेल मंत्रालय (एमवाईएएस) देशभर में खेलकूदों और खेलों के विकास का ख्याल रखने के लिए भारत सरकार में नोडल मंत्रालय है। 2012 से, खेलकूद मानव संसाधन विकास योजना ऐसा प्रयास है, जिसके माध्यम से युवा मामले और खेल मंत्रालय ((एमवाईएएस))/भारतीय खेल प्राधिकरण (एसएआई)/राष्ट्रीय खेल संघों (एनएसएफ) के अधिकारियों, एथलीटों, कोचों, तकनीकी अधिकारियों आदि को अपने कौशल और ज्ञान के उन्नयन के लिए वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है । इस योजना में कोचों के तकनीकी और सहायक कर्मचारियों के लिए प्रशिक्षण और अल्पकालिक पाठ्यक्रमों के लिए वित्तीय सहायता

प्रदान की जाती है; इसके अलावा, खेल विशेषज्ञों को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सेमिनारों/सम्मेलनों में भाग लेने के लिए प्रायोजित किया जाता है; विदेशी विशेषज्ञों को आमंत्रित करके या विदेशी संस्थानों में भेजकर देश के भीतर कोचिंग शिविरों/सेमिनारों/सम्मेलनों/कार्यशालाओं के आयोजन/भाग लेने के लिए भी सहायता प्रदान की जाती है ।

3. **योजना के उद्देश्यः**– इस योजना के निम्नलिखित उद्देश्य हैं:

   1. खेलकूद और खेलों के से संबंधित विशिष्ट विषयों में मास्टर स्तर के पाठ्यक्रम के लिए अल्पावधि (3 महीने तक) विशेष अध्ययन और 2 साल तक के लिए फैलोशिप प्रदान करना;

   2. भारत या विदेश में सेमिनारों, क्लीनिक/प्रशिक्षण, कार्यशालाओं और सम्मेलनों में भागीदारी के माध्यम से विचारों का आदान–प्रदान करने और ज्ञान और कौशल बढ़ाने के लिए खेलकूद के क्षेत्र में पेशेवरों को प्रोत्साहित करना और ऐसी गतिविधियों के लिए वित्तीय सहायता प्रदान करना;

   3. उच्च प्रदर्शन करने वाले निदेशकों, कोचों, तकनीकी अधिकारियों, खेल वैज्ञानिकों, खेल चिकित्सा विशेषज्ञों, मालिश करने वालों, फिजियोथेरेपिस्ट, प्रोफेसरों, विद्वानों जैसे प्रतिष्ठित/योग्य विदेशी विशेषज्ञों को व्याख्यान, कोचिंग, परामर्श, आदान–प्रदान, प्रशिक्षण, संवाद, परामर्श आदि के लिए भारत आमंत्रित करने में सुविधा देना;

   4. क्वालिफाइंग परीक्षाओं में उपस्थित होने के लिए मैच अधिकारियों को सहायता प्रदान करना; मैच अधिकारियों, कोचों और अन्य सहायता कर्मियों को ऐसे प्रशिक्षण/पाठ्यक्रमों के लिए सहायता प्रदान करना जो उन्हें भारत या विदेशों में विशेषज्ञता के अपने संबंधित क्षेत्रों में अपनी पेशेवर क्षमता में सुधार करने में मदद कर सकते हैं;

   5. खेलकूदों और खेलों के लिए प्रासंगिक अनुसंधान परियोजनाओं के लिए वित्तीय सहायता प्रदान करना और भारतीय आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए विशेष अनुसंधान परियोजनाओं को चालू करना;

   6. उच्च गुणवत्ता की पुस्तकों के प्रकाशन के लिए वित्तीय सहायता प्रदान करना जो सीधे खेलकूदों और खेलों के लिए प्रासंगिक हो; आम जनता के लिए खेलकूद संबंधी लोकप्रिय साहित्य प्रकाशित/प्रायोजित करना; और

   7. समुदायिक कोचों और आम जनता के बीच विभिन्न भाषाओं में ज्ञान और खेलों की तकनीकों के व्यापक प्रसार के लिए ऑनलाइन शिक्षण संसाधन विकसित करना।

4. मौजूदा और प्रस्तावित फंडिंग पैटर्न तर्क के साथ (सारणीबद्ध रूप में)

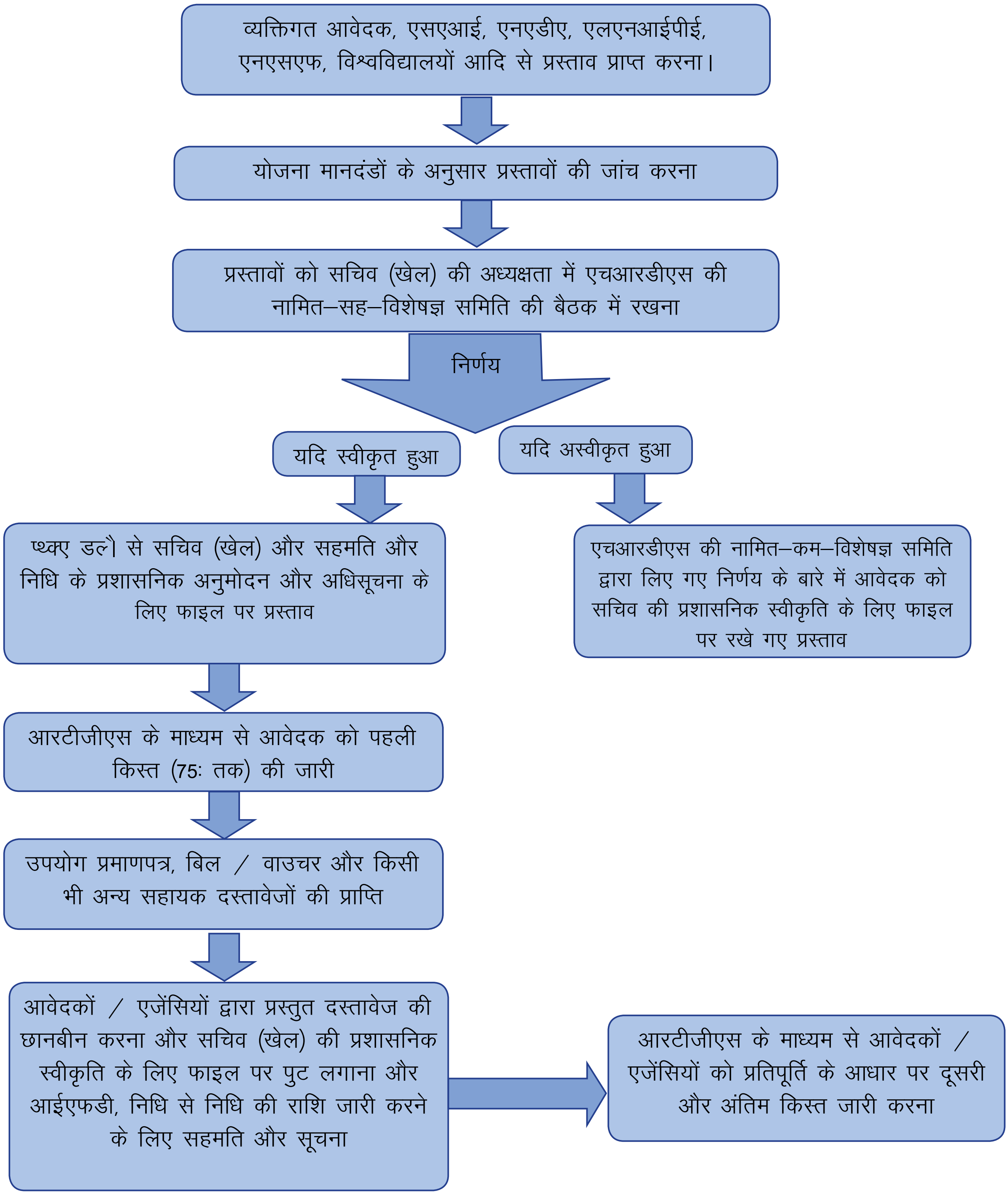

5 लक्ष्य समूह

संबंधित खेल विधाओं में खिलाड़ियों की उत्कृष्टता के लिए कोचोंए मैच अधिकारियों और सहायक कार्मिक; यानी जजए अंपायर और रेफरी आदिद्ध आवश्यक हैं । इस प्रकारए इस लक्ष्य समूह के लिए विदेशों में क्वालिफाइंग परीक्षा में उपस्थित होनेध् प्रशिक्षण के लिए पर्याप्त प्रावधान किए गए हैं । खेलकूद और खेल के लिए प्रासंगिक विशिष्ट विषयों में विशेष अध्ययन और परास्नातक छात्र इस योजना में लक्ष्य समूह हैं ।

6. पिछले पांच वर्षों के दौरान एचआरडीएस के तहत बजट प्रावधान और उपयोग:

(करोड़ रू. में)

वर्ष	बीई	आरई	वास्तविक
2016.17	5.00	5.00	4.70
2017.18	10.00	10.00	6.03
2018.19	5.00	5.00	4.83
2019.20	5.00	5.00	4.75
2020.21	5.00	1.00	.

5. राष्ट्रीय खेल विकास निधि (एनएसडीएफ):

एनएसडीएफ खिलाड़ियों को खेलकूद के क्षेत्र में अंतरराष्ट्रीय ख्यातिप्राप्त कोचों के अधीन प्रशिक्षण प्राप्त करने के अवसर प्रदान करने के साथ–साथ तकनीकी वैज्ञानिक और मनोवैज्ञानिक सहायता भी देता है। और इसमें अंतर्राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में भी एक्सपोजर दिलाने के लिए सहायता की जाती है।

टीओपीएस में शामिल एथलीटों की फंडिंग भी एनएसडीएफ से की जाती है। खेल अवसंरचना के सृजन/विकास/उन्नयन के लिए एनएसडीएफ से धनराशि भी जारी की जाती है। एनएसडीएफ में योगदान देने के लिए सार्वजनिक और निजी दोनों तरह की कंपनियों और व्यक्तियों को प्रोत्साहित करने के लिए राष्ट्रीय खेल विकास कोष (एनएसडीएफ) में सभी योगदान देने से आयकर में 100 प्रति ात छूट दी जाती है। एनएसडीएफ में योगदान देने वाले व्यक्ति या संस्था विशिष्ट उद्देश्य के लिए धन आवंटित करने के लिए स्वतंत्र हैं, अर्थात, वे उस परियोजना का नाम बता सकते हैं जिस पर वे सामान्य नीति दिशानिर्देशों के अधीन अपने योगदान का उपयोग करना चाहते हैं ।

राष्ट्रीय खेल विकास कोष में विभिन्न संस्थाओं और व्यक्तियों ने 168.14 करोड़ रुपये का योगदान दिया गया है। केंद्र सरकार ने एनएसडीएफ को अपने मैचिंग शेयर के रूप में 163.14 करोड़ रुपये का योगदान दिया है। वर्तमान में, एनएसडीएफ का कोष 155.20 करोड़ रुपये है।

6. टार्गेट ओलंपिक पोडियम स्कीम

टार्गेट ओलंपिक पोडियम स्कीम का लक्ष्य राष्ट्रीय खेलकूद विकास फंड (एनएसडीएफ) से वित्तपोषण के साथ ओलंपिक 2021 के लिए संभावित पदक संभावनाओं की पहचान करने, तैयार करने और उनका पोषण करना है। इस योजना के तहत चयनित एथलीटों को प्रशिक्षण, प्रतियोगिताओं में भाग लेने, उपकरणों की खरीद करने, सहायक व्यक्तियों की सेवाओं का लाभ उठाने आदि के लिए वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है। इसके अलावा, कोर ग्रुप में चयनित एथलीटों को 50,000 रुपये प्रति माह की दर से 'आउट ऑफ पॉकेट भत्ता' और विकास समूह के एथलीटों को आकस्मिक और विविध खर्चों को पूरा करने के लिए 25,000 रुपये प्रति माह की दर से भत्ता दिया जाता है।

आज की तारीख में कोर ग्रुप में 105 एथलीट और विकास समूह में 269 जूनियर एथलीटों का चयन टॉप्स में हुआ है।

7. नेशनल स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटी

1. परिचय:

मणिपुर सोसायटीज रजिस्ट्रेशन एक्ट 1989 के तहत 2017 में नेशनल स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटी (एनएसयू) की स्थापना की गई थी। इस विश्वविद्यालय ने 2018 में इम्फाल के खुमान लैम्पक स्पोर्ट्स

कॉम्प्लेक्स में एक अस्थायी परिसर में दो स्नातक पाठ्यक्रमों, नामतः बैचलर ऑफ फिजिकल एजुकेशन एंड स्पोर्ट्स और बैचलर ऑफ साइंस इन स्पोर्ट्स कोचिंग के साथ काम करना शुरू कर दिया था। 17 अगस्त, 2018 एनएसयू को संसद के एक अधिनियम द्वारा अधिनियमित किया गया था और यह विश्वविद्यालय भारत में अपनी तरह का पहला विश्वविद्यालय है। विश्वविद्यालय ने दो वर्ष सफलतापूर्वक पूरे कर लिए हैं। पहले बैच के रूप में एम.ए. खेलकूद मनोविज्ञान के छात्र इस वर्ष स्नातक होंगे ।

2. उद्देश्य :

विश्वविद्यालय के उद्देश्य निम्नासार हैं:–

- शारीरिक शिक्षा और खेलकूद विज्ञान के क्षेत्र में उच्च अध्ययन संस्थान के रूप में विकसित होना।
- शारीरिक शिक्षा और खेलकूद विज्ञान के विभिन्न क्षेत्रों में विशेष रूप से बनाए गए अकादमिक और प्रशिक्षण पाठ्यक्रम प्रदान करके और खेल विज्ञान की उन्नत प्रौद्योगिकियों में प्रशिक्षण प्रदान करके शारीरिक शिक्षा और खेलकूद विज्ञान में अनुसंधान और विकास की सुविधा प्रदान करना और ज्ञान का प्रसार करना।
- पारंपरिक और जनजातीय खेलकूदों और खेलों सहित खेलकूद को बढ़ावा देने के लिए शारीरिक शिक्षा और खेलकूद प्रशिक्षण कार्यक्रमों को सुदृढ़ करना।
- शारीरिक शिक्षा और खेलकूद विज्ञान, खेलकूद प्रौद्योगिकी और सभी खेलकूदों और खेलों के लिए उच्च स्तरीय प्रदर्शन प्रशिक्षण के क्षेत्र में अत्याधुनिक शैक्षिक प्रशिक्षण और अनुसंधान के लिए उत्कृष्ट केंद्रों और संस्थानों की स्थापना करना।
- शारीरिक शिक्षा और खेलकूद विज्ञान के क्षेत्र में अन्य संस्थानों को पेशेवर और अकादमिक नेतृत्व प्रदान करना।
- शारीरिक शिक्षा, खेलकूद विज्ञान, खेलकूद चिकित्सा, खेलकूद प्रौद्योगिकी और अन्य संबंधित क्षेत्रों में व्यावसायिक मार्गदर्शन और प्लेसमेंट सेवाएं देना।
- शारीरिक शिक्षा और खेलकूद विज्ञान, खेलकूद प्रौद्योगिकी और सभी खेलकूदों और खेलों के लिए उच्च प्रदर्शन प्रशिक्षण के क्षेत्र में विभिन्न स्तरों पर ज्ञान, कौशल और दक्षताओं के विकास के लिए क्षमताओं का सृजन करना।
- शारीरिक शिक्षा और खेलकूद विज्ञान, खेलकूद प्रौद्योगिकी और सभी खेलकूदों और खेलों के लिए उच्च प्रदर्शन प्रशिक्षण से संबंधित क्षेत्रों में शिक्षा, प्रशिक्षण और अनुसंधान के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर के बुनियादी ढांचे को उपलब्ध कराने के लिए क्षमताओं का सृजन करना ।
- शारीरिक शिक्षा और खेलकूद विज्ञान, खेलकूद प्रौद्योगिकी और सभी खेलकूदों और खेलों के लिए उच्च स्तरीय प्रदर्शन वाले प्रशिक्षण के क्षेत्र में उच्च गुणवत्ता के योग्य पेशेवरों को तैयार करना।
- सभी खेलकूदों और खेलों के एलिट और अन्य प्रतिभाशाली खिलाड़ियों के लिए उत्कृष्टता केंद्र के रूप में सेवा करना और शारीरिक शिक्षा और खेलकूद विज्ञान में नवाचार करना और अनुसंधान को प्रोत्साहन, समर्थन और उसका प्रचार करना।
- शारीरिक शिक्षा और खेलकूद विज्ञान, खेलकूद प्रौद्योगिकी और सभी खेलकूदों और खेलों के लिए उच्च स्तरीय प्रदर्शन वाले प्रशिक्षण के क्षेत्रों में ज्ञान और विकास के

लिए एक अग्रणी संसाधन केंद्र के रूप में कार्य करना।

- शारीरिक शिक्षा और खेलकूद विज्ञान, खेलकूद प्रौद्योगिकी और सभी खेलकूद और खेलों के लिए उच्च प्रदर्शन वाले प्रशिक्षण के क्षेत्र में अंतरराष्ट्रीय सहयोग प्रदान करना ।
- शारीरिक शिक्षा और खेलकूद विज्ञान, खेलकूद प्रौद्योगिकी और सभी खेलकूदों और खेलों के लिए उच्च प्रदर्शन वाले प्रशिक्षण में शिक्षण, प्रशिक्षण और अनुसंधान के उद्देश्य से खेल अकादमियों, स्कूलों, कॉलेजों, खेल और मनोरंजन क्लबों, खेल संघों और अंतरराष्ट्रीय संघों के साथ घनिष्ठ संबंध स्थापित करना।
- प्रतिभाशाली एथलीटों को प्रशिक्षित करना ताकि उन्हें अंतरराष्ट्रीय स्तर के एलिट वर्ग के एथलीट बनाया जा सके।
- भारत को खेलकूद महाशक्ति बनाना।

3. विश्वविद्यालय के प्राधिकारी

निम्नलिखित शासी निकाय विश्वविद्यालय के अधिकारी हैं:

1. कोर्ट
2. कार्यकारी परिषद
3. अकादमिक और गतिविधि परिषद
4. खेल अध्ययन बोर्ड
5. वित्त समिति

कार्यकारी परिषद और अकादमिक और गतिविधि परिषद का गठन किया गया है।

4. अकादमिक गतिविधियां

वर्तमान में विश्वविद्यालय में 3 अकादमिक विभाग हैं। ये विभाग हैं:

1. खेलकूद कोचिंग विभाग
2. शारीरिक शिक्षा विभाग
3. अनुप्रयुक्त मनोविज्ञान विभाग
4. इसमें निम्नलिखित पाठ्यक्रम शामिल हैं :

कार्यक्रमों की पेशकश:

विश्वविद्यालय में वर्तमान में निम्नलिखित पाठयक्रम पढ़ाये जाते है:

कार्यक्रम का नाम	डिग्री	अवधि	
		साल	सेमेस्टर
क्रीड़ा एवं खेल–कूद (स्पोर्ट्स) कोचिंग में मास्टर ऑफ साइंस	एमएससी (क्रीड़ा एवं खेल–कूद / स्पोर्ट्स कोचिंग)	2	4
क्रीड़ा एवं खेल–कूद (स्पोर्ट्स) मनोविज्ञान में मास्टर ऑफ आर्ट	एमए (क्रीड़ा एवं खेल–कूद / स्पोट्स मनोविज्ञान)	2	4
क्रीड़ा एवं खेल–कूद (स्पोर्ट्स) कोचिंग में विज्ञान स्नातक	बीएससी (क्रीड़ा एवं खेल–कूद / स्पोर्ट्स कोचिंग)	6	8
शारीरिक शिक्षा और क्रीड़ा एवं खेल–कूद (स्पोर्ट्स) स्नातक	बीपीईएस	5	6

प्रवेश:

शैक्षणिक वर्ष 2020–2021 के लिए नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) के माध्यम से ऑल इंडिया कॉमन एंट्रेंस टेस्ट ऑनलाइन रूप से आयोजित किया गया था ।

छात्र नामांकन:

31 दिसंबर तक विश्वविद्यालय में छात्रों की संख्या 250 थी । इसका विस्तृत विवरण ब्रेक–अप नीचे दिया गया है:

सेमेस्टर	कोर्स का नाम	पुरुष	महिला	योग	कुल योग
सेमेस्टर–छठी	बी.पी.एस	07	02	09	20
	बीएससी (स्पोर्ट्स कोचिंग)	09	02	11	
सेमेस्टर– पांच	बी.पी.ई.एस	28	04	32	68
	बीएससी (स्पोर्ट्स कोचिंग)	28	08	36	
सेमेस्टर– तीन	बी.पी.ई.एस	32	09	41	94
	बीएससी (स्पोर्ट्स कोचिंग)	34	06	40	
	एम.ए. खेल मनोविज्ञान	06	07	13	
सेमेस्टर एक	बी.पी.ई.एस	29	09	38	68
	बीएससी (स्पोर्ट्स कोचिंग)	14	04	18	
	एम.ए. खेल मनोविज्ञान	05	04	09	
	एम.ए. (स्पोर्ट्स कोचिंग)	02	01	03	
		194	56		250

सभी 28 राज्यों से विद्यार्थियों ने नामांकन किया है।

5. सहायता अनुदान:

विश्वविद्यालय को भारत सरकार, युवा मामले और खेलकूद मंत्रालय से सहायता से पूरी तरह से वित्त पोषित किया जाता है । बजट अनुमान चरण में वर्ष 2020–21 के दौरान 10 करोड़ रुपये का अनुदान आवंटन किया गया और संशोधित अनुमान चरण में 7 करोड़ रुपये हो गया है।

6. प्रकाशन:

विश्वविद्यालय के संकाय सक्रिय रूप से अंतरराष्ट्रीय और राष्ट्रीय पत्रिकाओं और सम्मेलन सारांश में अनुसंधान पत्र प्रकाशित करते रहते हैं । 2020–21 के दौरान निम्नलिखित प्रकाशनों में भाग लिया गया हैं:

- जर्नल: 6
- सम्मेलन: 1
- कागजात: 8
- पुस्तकें: 1

7. सम्मेलन/सेमिनार/कार्यशाला:

वर्ष 2020–21 के दौरान विश्वविद्यालय द्वारा विभिन्न सम्मेलनों, संगोष्ठियों/वेबिनार, कार्यशालाओं का आयोजन किया गया। इनका विवरण निम्नानुसार है:

- "शारीरिक शिक्षा और खेलकूद: समुदायों को एकजुट" नामक दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन एलएनसीपीई केरल के सहयोग से दिनांक 27 से 28 फरवरी, 2020 तक।
- 7 दिसंबर, 2020 को नाडा और एनडीटीएल द्वारा संयुक्त रूप से एंटी–डॉपिंग एंड स्पोर्ट्स साइंस पर राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन किया गया।
- खेल कोचिंग शिक्षा और सर्वोत्तम प्रथाएं; एनआईएस, पटियाला द्वारा संयुक्त रूप से 26 से 27 नवंबर, 2020 तक एक अंतरराष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य का आयोजन किया गया।

8. छात्रों की गतिविधियाँ:

छात्र विभिन्न खेल और सांस्कृतिक गतिविधियों में भाग लेते हैं।

ये निम्नलिखित हैं:–

- Inter अखिल भारतीय अंतर विश्वविद्यालय टूर्नामेंट में भागीदारी:

कार्यक्रम	प्रतियोगिता की तिथि	प्रतिभागियों की संख्या
मुक्केबाजी (पुरुष और महिला)	20 दिसम्बर 2019 से 2 जनवरी 2020 तक	5
योग (महिला)	6 दिसम्बर से 10 जनवरी, 2020 तक	5

- राष्ट्रीय टूर्नामेंट में भागीदारी:

कार्यक्रम	प्रतियोगिता की तिथि	प्रतिभागियों की संख्या	प्रतियोगिता/टूर्नामेंट का नाम
शूटिंग	5 दिसंबर से 4 जनवरी 2020 तक	2	63 वीं राष्ट्रीय शूटिंग चैम्पियनशिप प्रतिस्पर्धा
हैंडबाल	8 से 12 जनवरी 2020 तक	1	42 वीं जूनियर बालक राष्ट्रीय हैंडबॉल चैम्पियनशिप
कयाकिंग और	12 से 16 जनवरी 2020 तक	1	सीनियर नेशनल कयाकिंग एंड कैनोइंग चैंपियनशिप
कैनोइंग	7 दिसंबर से 04 जनवरी 2020 तक	2	63 वीं राष्ट्रीय शूटिंग चैम्पियनशिप छोटी बोर राइफल और पिस्टल स्पर्धाओं में प्रतियोगिताएं (एनएससीसी)
शूटिंग	8 से 12 जनवरी 2020 तक	1	63 वीं राष्ट्रीय हैंडबॉल चैम्पियनशिप
हैंडबाल	25 जनवरी से 8 फरवरी 2020 तक	1	भारतीय राष्ट्रीय टीम (चयन ट्रायल 1 और 2)
शूटिंग	25 दिसंबर 02 जनवरी, 2020 तक	1	एमएंडडब्ल्यू, ओडिशा के लिए 68 वीं सीनियर नेशनल वॉलीबॉल चैम्पियनशिप
वॉलीबॉल	1 मार्च 2020	1	जूनियर स्टेट तीरंदाजी चैम्पियनशिप, छत्रीगढ़
तीरंदाज़ी	11 से 12 मार्च 2020 तक	1	अंडर 20 फेडरेशन कप तेलंगाना राज्य एथलेटिक्स चैंपियनशिप
एथलेटिक्स	20 से 22 फरवरी, 2020 तक	1	हल्द्वानी में 16वीं नेशनल माउंटेन बाइक चैंपियंसी
माउंटेन बाइक	17 से 24 फरवरी, 2020 तक	1	48वीं सीनियर पुरुष राष्ट्रीय हैंडबॉल चैम्पियनशिप कानपुर यूपी

श्री.के .आशीष शर्मा (पांचवे सैमेस्टर. स्पोर्टस कोचिंग छात्र) ने भारतीय टीम के लिए चयन परीक्षण के लिए क्वालीफाई किया।

सुश्री नंदिनी गोस्वामी (तृतीय सेम स्पोर्ट्स कोचिंग छात्रा) का खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स के लिए चयन

- विश्वविद्यालय ने दूसरे स्थापना दिवस के अवसर पर प्रथम एनएसयू इंविटेशनल फुटबॉल टूर्नामेंट का आयोजन किया। इसमें धन्नाजुरी यूनिवर्सिटी, मणिपुर यूनिवर्सिटी, नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी मणिपुर, खा मणिपुर कॉलेज, लिबरल कॉलेज और नेशनल स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटी की टीम ने हिस्सा लिया था। इसमें एनएसयू की टीम ने चैंपियनशिप जीती।

प्रथम एनएसयू इंविटेशनल फुटबॉल टूर्नामेंट का उद्घाटन

- छात्रों ने विश्वविद्यालय में स्वतंत्रता दिवस, गणतंत्र दिवस, योग दिवस, ओलंपिक दिवस, हिंदी दिवस, राष्ट्रीय खेल दिवस, निबंध प्रतियोगिता, वाद–विवाद प्रतियोगिता, संविधान दिवस, ओणम, दुर्गा पूजा, दिवाली, लोहड़ी आदि विभिन्न सांस्कृतिक,उत्सव और अन्य महत्वपूर्ण कार्यक्रमों को धूमधाम से मनाया ।

9. अस्थायी परिसरः

विश्वविद्यालय वर्तमान में खुमान लैम्पक स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स, इम्फाल में अपने अस्थायी परिसर से कार्य कर रहा है। यह अपनी स्थापना के समय से ही सह–शैक्षिक और पूरी तरह से आवासीय है। मणिपुर सरकार ने इम्फाल के खुमान लैम्पक स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में जगह उपलब्ध कराई है। इसमें दो छात्रावास भवन शामिल थे जिनमें प्रत्येक में 50 कमरे, अकादमिक और प्रशासनिक ब्लॉक भवन शामिल थे।

इनके अलावा, खुमान लैम्पक स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स की विभिन्न अन्य सुसज्जित सुविधाओं का खेल गतिविधियों और कक्षाओं के लिए इस्तेमाल किया जा सकता है।

नया परिसरः

इंफाल पश्चिम जिले के कुतुर्क–सेंजाम खुनू गांव के पास तलहटी में राज्य सरकार द्वारा प्रदान की गई 325.90 एकड़ जमीन पर विश्वविद्यालय के नए परिसर का निर्माण शुरू हो गया है। यह स्थान इंफाल शहर से लगभग 20 किमी दूरी पर स्थित है। पूर्व निवेश गतिविधियों संबंधी साइट विकास के भाग के रूप में, दीवार बनाने, साइट कार्यालय, मृदा परीक्षण आदि का काम पूरा कर लिया गया है। एनबीसीसी, परियोजना प्रबंधन सलाहकार ने नए परिसर के संशोधित लेआउट को अंतिम रूप दे दिया है। भूमि विकास, दीवार कार्य, सुरक्षा कर्मियों के लिए अस्थायी बैरकों के निर्माण से संबंधित कार्य पूरे कर लिए गए हैं। नए परिसर के निर्माण के लिए परियोजना पीआईबी की मंजूरी के लिए विचाराधीन है।

निर्माणाधीन नए परिसर का चित्र

*****

अध्याय – 6

खिलाड़ियों को प्रोत्साहन से संबंधित योजनाएं

युवा मामले और खेल मंत्रालय विभिन्न खेलों का अभ्यास शुरू करने के लिए खिलाड़ियों को प्रोत्साहन देने हेतु विभिन्न योजनाओं का कार्यान्वयन करता है::

1. **राजीव गांधी खेल रत्न पुरस्कार** की स्थापना वर्ष 1991–92 की गई थी। इस योजना के तहत किसी खिलाड़ी को खेल के क्षेत्र में उसके शानदार और उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए एक पदक और 25.00 लाख रुपये का नकद पुरस्कार दिया जाता है। अमूमन हर साल सिर्फ एक ही अवॉर्ड दिया जाता है। योजना की शुरुआत से लेकर अब तक 43 खिलाड़ियों को यह पुरस्कार दिया जा चुका है।

   2020 के दौरान पांच इन खिलाड़ियों को राजीव गांधी खेल रत्न पुरस्कार से सम्मानित किया गया है –

क्रमांक	नाम	अनुशासन
1	श्री रोहित शर्मा क्रिकेट	क्रिकेट
2	श्री मरियप्पन टी	पैरा एथलेटिक्स
3	सुश्री मनिका बत्रा	टेबल टेनिस
4	सुश्री विनेश	कुश्ती
5	सुश्री रानी रामपाल	हॉकी

2. **अर्जुन पुरस्कार** की स्थापना 1961 में की गई थी और यह पुरस्कार उन खिलाड़ियों को दिया जाता है जिन्होंने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पिछले चार वर्षों से लगातार अच्छा प्रदर्शन किया है और जिसने नेतृत्व, खेल भावना और अनुशासन की भावना के गुण दिखाए हैं। पुरस्कार पाने वालों को एक प्रतिमा, सम्मान के रूप में पुस्तक, सेरेमोनियल पोशाक और 15.00 लाख रुपये की पुरस्कार राशि दी जाती है। अमूमन हर साल 15 पुरस्कार दिए जा सकते हैं। खेलकूदों की विभिन्न विधाओं के 897 उत्कृष्ट खिलाड़ियों को अब तक अर्जुन पुरस्कार से सम्मानित किया जा चुका है।

निम्नलिखित खिलाड़ियों को वर्ष 2020 के लिए अर्जुन पुरस्कारों से सम्मानित किया गया है :

क्रमांक	खिलाड़ी का नाम	अनुशासन
1	श्री अतनु दास तीरंदाजी	तीरंदाजी
2	श्री शिव केशवन	एथलेटिक्स
3	सुश्री दुती चंद	एथलेटिक्स
4	श. सतविक साई राज रंकीरेड्डी	बैडमिंटन
5	एस चिराग चंद्रशेखर शेट्टी	बैडमिंटन
6	श्री विश्वेश भ्रिग्वंशी	बास्केटबॉल
7	श्री मनीष कौशिक	मुक्केबाजी
8	सुश्री लोवलिना बोरगोहेन	मुक्केबाजी

9	श्री इशांत शर्मा	क्रिकेट
10	सुश्री दीप्ति शर्मा	क्रिकेट
11	श्री रिस सावंत अजय अनंत	घुड़सवारी
12	श्री संदेश झिंगन	फुटबॉल
13	सुश्री अदिति अशोक	गोल्फ
14	श्री आकाशदीप सिंह	हॉकी
15	सुश्री दीपिका	हॉकी
16	श्री दीपक	क्बड्डी
17	सुश्री काले सारिका सुधाकर	खो खो
18	श्री दत्तू बबन भोकनाल	श्रोइंग
19	श्री मनु भाकर	शूटिंग
20	श्री सौरभ चौधरी	शूटिंग
21	सुश्री मधुरिका सुहास पाटकर	टेबल टेनिस
22	श्री दिविज शरण	टेनिस
23	सुश्री दिव्या काकरान	कुश्ती
24	श्री राहुल जागरूक	कुश्ती
25	श्री सुयश जाधव	पैरा एथलेटिक्स
26	श्री संदीप	पैरा एथलेटिक्स
27	श्री मनीष नरवाल	पैरा शूटिंग

3. **द्रोणाचार्य पुरस्कार** की स्थापना 1985 में की गई थी। इस पुरस्कार में उन प्रख्यात कोचों को सम्मानित किया जाता है जिन्होंने अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट परिणाम प्राप्त करने में राष्ट्रीय एथलीटों और टीमों की सहायता की है । पुरस्कार पाने वालों को एक प्रतिमा, प्रमाण पत्र, सेरेमोनियल पोशाक और 15.00 लाख रुपये (लाइफटाइम श्रेणी) और 10.00 लाख रुपये (नियमित श्रेणी) का नकद पुरस्कार दिया जाता है। अमूमन हर साल 5 अवॉर्ड दिए जा सकते हैं। स्थापना से लेकर अब तक 127 कोचों को यह पुरस्कार दिया जा चुका है।

निम्नलिखित खिलाड़ियों को वर्ष 2020 के द्रोणाचार्य पुरस्कारों से सम्मानित किया गया है :

क्रमांक	पुरस्कार विजेता का नाम	अनुशासन
1	श्री धर्मेंद्र तिवारी	तीरंदाजी (जीवन काल)
2	श्री पुरुषोत्तम राय	एथलेटिक्स (जीवन काल)
3	श्री शिव सिंह	मुक्केबाजी (लाइफ टाइम)
4	श्री रोमेश पठानियां	हॉकी (लाइफ टाइम)

5	श्री कृष्ण कुमार हुड्डा	कबड्डी (लाइफ टाइम)
6	श्री विजय मुनीश्वर	पैरा पावरलिफ्टिंग (लाइफ टाइम)
7	श्री नरेश कुमार	टेनिस (लाइफ टाइम)
8	श्री ओ.पी. दहिया	कुश्ती (जीवन काल)
9	श्री जूड फेलिक्स	हॉकी
10	श्री योगेश मालवीय	मल्लाखाम
11	श्री जसपाल राणा	शूटिंग
12	श्री कुलदीप हांडू	वुशू
13	श्री गौरव खन्ना	पैरा बैडमिंटन

4. **खेलकूदों और खेलों में लाइफटाइम अचीवमेंट के लिए ध्यानचंद पुरस्कार** की स्थापना वर्ष 2002 में की गई थी। यह पुरस्कार उन खिलाड़ियों को सम्मानित करने के लिए दिया जाता है जिन्होंने अपने प्रदर्शन से खेलों में योगदान दिया है और सक्रिय खेल करियर से संन्यास लेने के बाद भी खेलों को बढ़ावा देने में योगदान देते रहते हैं। पुरस्कार पाने वालों को एक प्रतिमा, प्रमाण पत्र, सेरेमोनियम पोशाक और 10–10 लाख रुपये की पुरस्कार राशि दी जाती है। इस पुरस्कार की स्थापना से लेकर अब तक 75 खिलाड़ियों को यह पुरस्कार दिया जा चुका है।

निम्नलिखित खिलाड़ियों को वर्ष 2020के लिए ध्यानचंद पुरस्कार से सम्मानित किया गया है:

क्रमांक	नाम	अनुशासन
1.	श्री कुलदीप सिंह भुलत	एथलेटिक्स
2.	सुश्री जिंकी फिलिप्स	एथलेटिक्स
3.	श्री प्रदीप एस गांधे	बैडमिंटन
4.	सुश्री तिरूपती मुरगुन्दे	बैडमिंटन
5.	सुश्री एन उषा	म्क्केबाजी
6.	श्री लक्खा सिंह	म्क्केबाजी
7.	श्री सुखविंदर सिंह संधू	फुटबॉल
8.	श्री अजीत सिंह	हॉकी
9.	श्री मनप्रेत सिंह	क्बड्डी
10.	श्री जे रंजीत कुमार	पैरा एथलेटिक्स
11.	श्री सत्यप्रकाश तिवारी	पैरा बैडमिंटन
12.	श्री मंजीत सिंह	श्रोइंग
13.	बाद में। श्री सचिन नाग	तैराकी

14.	श्री नंदन बाल	टेनिस
15.	श्री नेतर पाल हुड्डा	कुश्ती

5. **मौलाना अबुल कलाम आजाद (माका) ट्रॉफी:** कॉलेजों और विश्वविद्यालयों में प्रतिस्पर्धी खेलों को बढ़ावा देने के उद्देश्य से, मौलाना अबुल कलाम आजाद (माका) ट्रॉफी के साथ 15.00 लाख रुपये का नकद पुरस्कार अंतर–विश्वविद्यालय खेलकूद टूर्नामेंटों में पहले स्थान पर आने वाले विश्वविद्यालय को दिया जाता है। दूसरे और तीसरे स्थान पर रहने वाले विश्वविद्यालयों को क्रमशः 7.5 लाख और 4.5 लाख रुपये का नकद पुरस्कार दिया जाता है।

   पंजाब यूनिवर्सिटी, चंडीगढ़ को 2020 में भारत के राष्ट्रपति ने वर्ष 2020 के लिए माका ट्रॉफी दी थी।

6. **राष्ट्रीय खेल प्रोत्साहन पुरस्कार :** खिलाड़ियों और कोचों के अलावा अन्य संस्थाओं/लोगों द्वारा खेलकूद विकास में किए गए योगदान को पहचान देने के उद्देश्य से, भारत सरकार ने 2009 से राष्ट्रीय खेल प्रोत्साहन पुरस्कार नामक एक नया पुरस्कार स्थापित किया है, जिसमें सामुदायिक खेलकूद विकास, उत्कृष्ट खेल अकादमियों को बढ़ावा देना, दिग्गज खिलाड़ियों को सहायता और खिलाड़ियों को रोजगार देना नामक चार श्रेणियां शामिल होती हैं।

   निम्नलिखित संस्थाओं को वर्ष 2020 के राष्ट्रीय खेल प्रोत्साहन पुरस्कार से सम्मानित किया गया है:

क्रमांक	श्रेणी	राष्ट्रीय खेल प्रोत्साहन पुरस्कार, 2020 के लिए अनुशंसित इकाई
1	नवोदित और युवा प्रतिभाओं की पहचान और पोषण	1. लक्ष्य संस्थान । 2. आर्मी स्पोट्र्स इंस्टीट्यूट
2	कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व के माध्यम से खेलों को प्रोत्साहन	तेल एवं प्राकृतिक गैस निगम (ओएनजीसी)
3	खिलाड़ियों के रोजगार और खेल–कूद कल्याण के उपाय	वायु सेना खेल–कूद नियंत्रण बोर्ड
4	विकास के लिए खेल–कूद	इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ स्पोर्ट्स मैनेजमेंट (आईआईएसएम)

7. **अंतर्राष्ट्रीय खेल आयोजनों में विजेताओं और उनके कोचों** को विशेष पुरस्कार देने की योजना वर्ष 1986 में शुरू की गई थी ताकि उत्कृष्ट खिलाड़ियों को उच्च उपलब्धियां प्राप्त करने के लिए प्रोत्साहित और प्रेरित किया जा सके और युवा पीढ़ी को खेलों को करियर के रूप में अपनाने के लिए आकर्षित किया जा सके । मंत्रालय ने 29 जनवरी, 2015 को इस योजना को संशोधित किया है, जिसमें पदक विजेता खिलाड़ियों को दिए जाने वाले नकद पुरस्कार की राशि में काफी वृद्धि की गई है और इस योजना के भेदभावपूर्ण खंड को हटा दिया गया है, जिसके तहत पैरा ओलंपिक, विकलांग, मूक, बधिर, अंध आदि लोगों के लिए विशेष ओलंपिक चैंपियनशिप, जैसी क्लोज्ड स्पर्धाओं में पदक विजेताओं को शामिल नहीं किया जाता था लेकिन अब इन स्पर्धाओं को संशोधित योजना में शामिल कर लिया गया है । इस योजना में 20 जून, 2017 को और भी संशोधन किया गया है जिसके तहत ब्लाइंड क्रिकेट विश्व कप की श्रेणी को भी इस योजना में शामिल किया गया है।

इन योजनाओं में 11 मार्च, 2020 को संशोधन किया गया है जिसके तहत बधिरों के लिए आयोजित किए जाने वाले खेलों में विश्व चैम्पियनशिप/विश्व कप में पदक विजेताओं को नकद पुरस्कार देने के लिए शामिल किया गया है। 2 साल में आयोजित की जाने वाली साउथ एशियन गेम्स को भी नकद पुरस्कार देने के लिए शामिल किया गया है। इसके अलावा, बिलियड्र्स और स्नूकर खेल विधाओं में विशिष्ट आयोजनों को नकद पुरस्कार के उद्देश्य से अद्यतन किया गया है । नकद पुरस्कार के लिए खिलाड़ियों के आवेदन को अग्रेषित करने की प्रक्रिया और खिलाड़ियों को किए जाने वाले भुगतान की प्रक्रिया में भी बदलाव किया गया है। इस योजना के तहत, खिलाड़ियों और उनके कोचों को निम्नलिखित मान्यता प्राप्त अंतरराष्ट्रीय खेल स्पर्धाओं में पदक जीतने के लिए विशेष पुरस्कार दिए जाते हैं।

(क) श्रेणी : मुक्त श्रेणी के खेल

क्रमांक	आयोजन का नाम	पुरस्कार राशि (रुपये में)		
		स्वर्ण पदक	रजत पदक	कांस्य पदक
1	ओलंपिक खेल (ग्रीष्मकालीन और शीतकालीन)	75 लाख	50 लाख	30 लाख
2	एशियाई खेल	30 लाख	20 लाख	10 लाख
3	राष्ट्रमंडल खेल	30 लाख	20 लाख	10 लाख
4	विश्व चैंपियनशिप या विश्व कप (चार वर्षीय चक्र में आयोजित)	40 लाख	25 लाख	15 लाख
5	विश्व चैंपियनशिप / विश्व कप (दो वर्ष में एक बार आयोजित)	20 लाख	14 लाख	8 लाख
6	विश्व चैम्पियनशिप/ (सालाना आयोजित) / ऑल इंग्लैंड बैडमिंटन चैंपियनशिप	10 लाख	7 लाख	4 लाख
7	एशियाई चैंपियनशिप (चार साल में एक बार आयोजित)	15 लाख	10 लाख	5 लाख
8	एशियाई चैंपियनशिप (दो साल में एक बार आयोजित)	7.5 लाख	5 लाख	2.5 लाख
9	एशियन चैंपियनशिप (सालाना आयोजित)	3.75 लाख	2.5 लाख	1.25 लाख
10	राष्ट्रमंडल चैंपियनशिप (चार साल में एक बार आयोजित)	15 लाख	10 लाख	5 लाख
11	राष्ट्रमंडल चैंपियनशिप (दो साल में एक बार आयोजित)	7.5 लाख	5 लाख	2.5 लाख
12	राष्ट्रमंडल चैंपियनशिप (सालाना आयोजित)	3.75 लाख	2.5 लाख	1.25 लाख
13	विश्व विश्वविद्यालय खेल	3.75 लाख	2.5 लाख	1.25 लाख

(ख) श्रेणी: पैरा–स्पोर्ट्स

क्रमांक	कार्यक्रम के नाम	पुरस्कार राशि (रुपये में)		
		स्वर्ण पदक	रजत पदक	कांस्य पदक
1	पैरालंपिक खेल (ग्रीष्मकालीन एवं शीतकालीन)	75 लाख	50 लाख	30 लाख
2	पैरा एशियन गेम्स	30 लाख	20 लाख	10 लाख
3	कॉमनवेल्थ गेम्स (पैरा एथलीट)	30 लाख	20 लाख	10 लाख
4	आईपीसी विश्व कप/ (द्विवार्षिक रूप से आयोजित)	20 लाख	14 लाख	8 लाख
5	आईपीसी विश्व कप/ (सालाना आयोजित)	10 लाख	7 लाख	4 लाख

यह आयोजन जो अंतर्राष्ट्रीय पैरालंपिक समिति (आईपीसी) के भाग के रूप में आयोजित नहीं किया जाता है, लेकिन अंतर्राष्ट्रीय खेल महासंघ द्वारा आईपीसी के प्राधिकार वाले सक्षम निकायों के खिलाड़ियों के लिए आयोजित किया जाता है, इस शर्त के अधीन भी नकद पुरस्कार के लिए पात्र हैं और खेल विधाओं को पैरालंपिक खेलों में शामिल किया जाना चाहिए।

(ग) श्रेणी: ब्लाइंड स्पोर्ट्स

क्रमांक	कार्यक्रम के नाम	पुरस्कार राशि (रुपये में)		
		स्वर्ण पदक	रजत पदक	कांस्य पदक
1	आईबीएसए विश्व चैम्पियनशिप	10 लाख	7 लाख	4 लाख

(घ) श्रेणी: बधिर–खेल

क्रमांक	कार्यक्रम के नाम	पुरस्कार राशि (रुपये में)		
		स्वर्ण पदक	रजत पदक	कांस्य पदक
1	बहरालंपिक	75 लाख	50 लाख	30 लाख
2	विश्व चैंपियनशिप/विश्व कप (चार साल के चक्र में आयोजित)/@	40 लाख	25 लाख	15 लाख
3	विश्व चैंपियनशिप/विश्व कप (दो साल के चक्र में एक बार आयोजित) @	20 लाख	14 लाख	8 लाख
4	विश्व चैम्पियनशिप/विश्व कप (अनुतली आयोजित)@	10 लाख	7 लाख	4 लाख

@ कार्यक्रम केवल उन खेल विधाओं के लिए पात्र हैं जो बधिरों के खेलों में शामिल हैं ।

(ङ) श्रेणी: विशेष ओलंपिक– खेल

क्रमांक	कार्यक्रम के नाम	पुरस्कार राशि (रुपये में)		
		स्वर्ण पदक	रजत पदक	कांस्य पदक
1	विशेष ओलंपिक– खेल (ग्रीष्मकालीन और शीतकालीन)	5 लाख	3 लाख	1 लाख

(च) श्रेणी: –ब्लाइंड क्रिकेट विश्व कप

क्रमांक	कार्यक्रम के नाम	पुरस्कार विजेता की राशि (रुपये में)
1	दृष्टिहीन क्रिकेट विश्व कप (चार वर्ष में एक बार आयोजित)	5 लाख

(छ) श्रेणी: दक्षिण एशियाई खेल

क्रमांक	कार्यक्रम के नाम	पुरस्कार राशि (रुपये में)		
		स्वर्ण पदक	रजत पदक	कांस्य पदक
1	दक्षिण एशियाई खेल (दो साल में आयोजित)	3 लाख	2 लाख	1 लाख

नकद पुरस्कारों की योजना के लिए 2020 के दौरान बजट अनुमान के चरण में 38.00 करोड़ रुपये और संशोधित अनुमान के चरण में 16.00 करोड़ रुपये का बजटीय आवंटन किया गया है।

इसके अलावा, जनवरी, 2021 तक नकद पुरस्कार की योजना के तहत 142 खिलाड़ियों और उनके कोचों को 7,23,83,707 रुपये की राशि दी गई है।

8. मेधावी खिलाड़ियों के लिए पेंशन योजना :

यह योजना वर्ष 1994 में शुरू की गई थी। इस योजना के अंतर्गत, ऐसे खिलाड़ी, जो भारतीय नागरिक हैं और जो ओलंपिक/पैरालंपिक खेलों, विश्व कप/विश्व चैंपियनशिप, एशियाई खेलों और राष्ट्रमंडल खेलों में स्वर्ण, रजत और कांस्य पदक जीत चुके हैं; जिन्होंने 30 वर्ष की आयु प्राप्त कर ली है; और जो सक्रिय खेल कैरियर से सेवानिवृत्त हो गए हैं, जीवन पेंशन के लिए पात्र हैं । पेंशन की वर्तमान दरें इस प्रकार हैं (07 जून, 2018 के बाद से) :

क्रमांक	मेधावी खिलाड़ियों की श्रेणी	पेंशन की दर (रुपये/प्रति माह)
1	ओलंपिक खेलों/पैरा ओलंपिक खेलों में पदक विजेता	20,000
2	ओलंपिक और एशियाई खेलों की विधाओं में विश्व कप/विश्व चैम्पियनशिप में स्वर्ण पदक विजेता	16,000
3	ओलंपिक और एशियाई खेलों की विधाओं में विश्व कप/विश्व चैम्पियनशिप में रजत और कांस्य पदक विजेता	14,000
4	एशियाई/राष्ट्रमंडल खेलों/पैरा एशियाई खेलों के स्वर्ण पदक विजेता	14,000
5	एशियाई/राष्ट्रमंडल खेलों/पैरा एशियाई खेलों के रजत और कांस्य पदक	12,000

पेंशन का भुगतान भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) के माध्यम से किया जाता है, जिसके लिए मंत्रालय एलआईसी को एकबारगी एकमुश्त भुगतान करके व्यक्तिगत पेंशनभोगियों के लिए वार्षिकियां खरीदता है।

वर्ष 2020 के दौरान मेधावी खिलाड़ियों के लिए पेंशन योजना के लिए 3000 करोड़ रुपये का बजटीय आवंटन किया गया है।

9 **खिलाड़ियों के लिए पंडित दीनदयाल उपाध्याय राष्ट्रीय कल्याण निधि (पीडीयूएनडब्ल्यूएफएस)** की स्थापना खेलकूदों में देश का गौरव बढ़ाने वाले अतीत के उत्कृष्ट खिलाड़ियों और दरिद्र परिस्थितियों में रहने वाले खिलाड़ियों की सहायता करने के उद्देश्य से की गई थी। जुलाई, 2009 में इस योजना की समीक्षा और संशोधन किया गया था। मई 2016 में राष्ट्रीय खिलाड़ी कल्याण निधि योजना में संशोधन किया गया है। इस निधि से वित्तीय सहायता प्राप्त करने हेतु और अधिक खिलाड़ियों को शामिल करने के लिए इस योजना के दायरे का भी विस्तार किया गया है । 22 सितंबर, 2017 को इस योजना का नाम बदलकर पंडित दीनदयाल उपाध्याय राष्ट्रीय खिलाड़ी कल्याण कोष कर दिया गया है। मंत्रालय प्राप्त आवेदन को में समयबद्ध तरीके से प्रोसेस करने की समय सीमा को शामिल करते हुए 29 जनवरी, 2019 को इस योजना की फिर से समीक्षा और संशोधन किया गया। इस निधि से सहायता की मात्रा में भी काफी वृद्धि की गई है। इस योजना की अतिरिक्त समीक्षा भी की गई और इसे 15 मई, 2020 को संशोधित किया गया। इस निधि से आर्थिक सहायता प्राप्त करने के लिए पात्र होने के लिए सभी स्रोतों से वार्षिक आय की राशि को बढ़ाकर आठ लाख रुपये कर दिया गया है।

संशोधित योजना के तहत खिलाड़ियों और उनके परिवार के सदस्य निम्नलिखित राशि वित्तीय सहायता के रूप में प्राप्त करने के लिए पात्र होंगे:

i. वर्तमान में दरिद्र परिस्थितियों में रहने वाले उत्कृष्ट खिलाड़ी को अधिकतम 5.00 लाख रुपये की वित्तीय सहायता प्रदान करना। इसके अलावा, किसी खिलाड़ी के अनुरोध की योग्यता को ध्यान में रखते हुए विशिष्ट अवधि के लिए 5,000 रुपये (पांच हजार रुपये) मासिक पेंशन के प्रावधान पर विचार करना।

ii. मृतक खिलाड़ियों के परिजनों को अधिकतम 5.00 लाख रुपये की वित्तीय सहायता प्रदान करना।

iii. खिलाड़ियों या उनके परिवार के सदस्यों को चिकित्सा उपचार के लिए 10.00 लाख रुपये से अधिक की वित्तीय सहायता प्रदान करना।

iv. योजना में सूचीबद्ध खेलकूद प्रतियोगिताओं में प्रशिक्षण और भागीदारी के दौरान लगी चोटों के लिए 10.00 लाख रुपये से अधिक की वित्तीय सहायता प्रदान की जा सकती है, लेकिन अब इसमें सब जूनियर और जूनियर श्रेणी की प्रतियोगिताएं भी शामिल होंगी।

v. जिन खिलाड़ियों के माता–पिता दरिद्र परिस्थितियों में जीवन व्यतीत कर रहे हैं, उन्हें प्रशिक्षण प्राप्त करने, उपकरणों की खरीद करने और राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय खेल स्पर्धाओं में भाग लेने के लिए 2.5 लाख रुपये से तक की वित्तीय सहायता प्रदान की जा सकती है। उन खेल विधाओं के खिलाड़ी जिनके संघ की या तो मान्यता रद्द हैं या जिनकी मान्यता सरकार द्वारा निलंबित कर दी गई है, या वह संघ जिन्हें अब तक सरकार की

मान्यता नहीं मिली है, वे भी इस उद्देश्य के लिए सहायता के लिए पात्र होंगे ।

vi. ओलंपिक, एशियाई खेलों और राष्ट्रमंडल खेलों में शामिल खेल विधाओं में मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय चैंपियनशिप (सीनियर श्रेणी) और अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट (सीनियर श्रेणी) से जुड़े रहने वाले वरिष्ठ श्रेणी के खिलाड़ियों और राष्ट्रीय टीमों (सीनियर श्रेणी) के लिए राष्ट्रीय कोचिंग शिविरों से जुड़े ऐसे कोचों और सहायता कर्मियों को 2.00 लाख रुपये तक की वित्तीय सहायता प्रदान की जा सकती है जो वर्तमान समय में दरिद्र परिस्थितियों में जीवन व्यतीत कर हैं।

vii. दरिद्र परिस्थितियों में जीवन व्यतीत कर रहे कोचों और सहायता कर्मियों या दरिद्र परिस्थितियों में रहने वाले ऐसे मृत सहायता कर्मियों के परिवार के सदस्यों को चिकित्सा उपचार के लिए 4.00 लाख रुपये तक की वित्तीय सहायता प्रदान की जा सकती है।

चालू वित्तीय वर्ष 2020 के दौरान, पीडीयूनडब्ल्यूएफएस योजना के तहत निम्नलिखित वित्तीय सहायता एकमुश्त रूप से दी गई थी:

क्रमांक	खिलाड़ियों का नाम	खेल अनुशासन	वित्तीय सहायता का उद्देश्य	लाभार्थी राज्य/यूटी के अंतर्गत आता है (रुपये में)	राशि
1	दीपक राठी	मल्लयुद्घ	चिकित्सा उपचार	राजस्थान	5,00,000
2	चिकित्सा उपचार	हरियाणा	1,00,000	आंध्र प्रदेश	5,00,000
3	मदासु श्रीनिवास राव	पैरा एथलीट	वित्तीय स्थिति में सुधार	आंध्र प्रदेश	5,00,000
4	सुश्री अंजू शर्मा	एथलेटिक्स	मृतक खिलाड़ी का परिवार	उत्तर प्रदेश	5,00,000
5	सुश्री अमृतपाल कौर	कराटे	चिकित्सा उपचार	दिल्ली	3,00,000
6	सुश्री शिक्षा	वुशु	वित्तीय स्थिति में सुधार	हरियाणा	5,00,000
7	सुश्री नेहा	एथलेटिक्स	प्रशिक्षण और उपकरणों की खरीद	दिल्ली	2,50,000
8	सुनील चौहान	मुक्केबाज़ी	चिकित्सा उपचार	उत्तर प्रदेश	10,00,000

9	वित्तीय स्थिति में सुधार	उत्तर प्रदेश	5,00,000	जम्मू और कश्मीर	50,000
10	नीरज चौहान	तीरंदाज़ी	वित्तीय स्थिति में सुधार	उत्तर प्रदेश	5,00,000
11	चिंटू सिंह	शूटिंग	प्रशिक्षण और उपकरणों की खरीद	राजस्थान	2,50,000
12	शुभमन कुमार	शूटिंग	प्रशिक्षण और उपकरणों की खरीद	बिहार	2,50,000
13	सुश्री पोंगशुंबम रोनीबाला देवी	फुटबॉल	मृतक खिलाड़ी का परिवार	मणिपुर	5,00,000
14	मोनू	मल्लयुद्घ	वित्तीय स्थिति में सुधार	हरियाणा	3,00,000
15	मोहिंदर पाल सिंह	हॉकी	चिकित्सा उपचार	नई दिल्ली	10,00,000
16	वीणू	मल्लयुद्घ	चिकित्सा उपचार	हरियाणा	3,00,000
17	सतपाल	मल्लयुद्घ	वित्तीय स्थिति में सुधार	हरियाणा	2,00,000
18	पवन	मल्लयुद्घ	वित्तीय स्थिति में सुधार	हरियाणा	2,00,000
19	परदीप शर्मा	मल्लयुद्घ	वित्तीय स्थिति में सुधार	हरियाणा	2,00,000
20	अनिल शेट्टी	बॉडी बिल्डिंग	वित्तीय स्थिति में सुधार	महाराष्ट्र	2,00,000
21	स्वर्ण सिंह	साइकल चलाना	वित्तीय स्थिति में सुधार	झारखंड	2,50,000
22	अशोक कुमार	मल्लयुद्घ	वित्तीय स्थिति में सुधार	नई दिल्ली	5,00,000
23	अवंतिका डेका	बैडमिंटन	चिकित्सा उपचार	असम	10,00,000

24	स्व0 लैशम मणितोम्बी	फुटबॉल	मृतक खिलाड़ी का परिवार	मणिपुर	5,00,000
25	सुच्चा सिंह	एथलेटिक्स	मेडिकल ट्रीटमेंट	पंजाब	6,00,000
26	देवकी शर्मा	पेनेक सिलैट	प्रशिक्षण और उपकरणों की खरीद	जम्मू	80,000
				कुल :	**1.01.30.000**

*****

अध्याय – 7

खेल भावना से खेल

राष्ट्रीय डोप रोधी एजेंसी

भारत खेल में डोपिंग के खिलाफ यूनेस्को के अंतरराष्ट्रीय अभिसमय का हस्ताक्षरकर्ता देश है । नतीजतन, राष्ट्रीय डोपिंग रोधी एजेंसी (नाडा) ने विश्व डोपिंग रोधी संहिता ("कोड") को स्वीकार कर लिया था। नाडा के डोपिंग रोधी नियमों को संहिता के अंतर्गत नाडा की जिम्मेदारियों के अनुरूप अपनाया और लागू किया जाता है, और ये भारत में डोपिंग को समाप्त करने के लिए नाडा के सतत प्रयासों को आगे बढ़ाने का काम भी करते हैं। यह संहिता नाडा को "भारत द्वारा एक ऐसी इकाई के रूप मे नामित करती है जो डोपिंग रोधी नियमों को अपनाने और उन्हें लागू करने, नमूनों के संग्रह को निर्देशित करने, जाँच परिणामों का प्रबंधन करने और सुनवाई का संचालन करने के लिए राष्ट्रीय स्तर की एजेंसी के रूप में परिभाषित करती है ।

नाडा 2020–21 का बजट आवंटन

नाडा को सरकार द्वारा पूरी तरह से वित्त पोषित किया जाता है। युवा मामले और खूलकूद मंत्रालय से प्राप्त सहायता अनुदान का ब्यौरा और खेल कूद के तहत किए गए खर्च की तुलना निम्नानुसार है:–

रकम लाख में

विवरण	बजट अनुमान 2020–21	प्रारम्भिक शेष 01.04.20	अनुदान प्राप्त (31.12.20 तक)	वित्त वर्ष 20–21 के दौरान कुल अनुदान (3+4)	2020–21 के दौरान किया गया व्यय (31.12.20 तक)
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
जीआईए–जनरल	795.00	.	650.00	650.00	623.15
जीआईए–जनरल–एसएपी	5.00	4.80	2.00	6.80	5.81
जीआईए– पूँजीगत अवस्थिति	300.00	11.88	.	11.88	11.88
जीआईए–वेतन	150.00	.	112.00	112.00	103.71
कुल	**1,250.00**	**16.68**	**764.00**	**780.68**	**744.55**

डोप परीक्षण

नाडा खेलकूद कार्यक्रमों और प्रशिक्षण शिविरों के दौरान मूत्र और रक्त के नमूने एकत्र करके खिलाड़ियों की डोप जांच करता है। इन नमूनों को नाडा पैनल में शामिल किए गए योग्य डोप नियंत्रण अधिकारियों द्वारा एकत्र किया जाता है, हालांकि, कोविड–19 के कारण से लगे देश में लॉकडाउन के बाद, मुख्य रूप से ओलंपिक कोर संभावित और आरटीपी एथलीटों की ही नाडा ने डोप जाँच की है।

दिनांक 18/5/2020 को वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से नाडा के पैनल में शामिल लीड डीसीओ/बीसीओ/डीसीओ और चैपरवन के लिए एक संवाद बैठक सह प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया था। नमूना संग्रह कर्मियों को कोविड–19 महामारी की स्थिति में नमूना संग्रह प्रक्रिया के दौरान बरती जाने वाली अनिवार्य सावधानियों के बारे में जानकारी दी गई थी।

वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग मीटिंग के दौरान एनएडीए के डीसीओ के साथ बातचीत करते डीजी नाडा

नाडा कार्यालय में दो दिवसीय डीसीओ प्रशिक्षण

नाडा कार्यालय में पैनल में शामिल किए गए नए डोपिंग नियंत्रण अधिकारियों (डीसीओ) के लिए दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन दिनांक 25–26 अगस्त, 2020 के दौरान किया गया था। नाडा के तकनीकी अधिकारियों ने नमूना संग्रह प्रक्रिया के बारे में वाडा दिशानिर्देशों के संबंध में डीसीओ को प्रशिक्षण दिया। यह प्रशिक्षण सैद्धांतिक सत्र के साथ शुरू हुआ और बाद में अंतरराष्ट्रीय दिशा निर्देशों के अनुसार मूत्र और रक्त नमूना संग्रह प्रक्रिया का प्रैक्टिकल भी करके दिखाया ।

अप्रैल–दिसंबर 2020 तक की अवधि के दौरान, नाडा ने डोप विश्लेषण के उद्देश्य से किए कुल 104 खिलाड़ियों का डोप टेस्ट किया।

क्रमांक	खेल अनुशासन	इन–कॉम्प	आउट–कॉम्प	कुल नमूने
1.	एथलेटिक्स	00	25	25
2.	झींगुर	21	34	55
3.	पैरा एथलेटिक्स	00	1	01
4.	पैरा–पावरलिफ्टिंग	00	1	01

क्रमांक	खेल अनुशासन	इन–कॉम्प	आउट–कॉम्प	कुल नमूने
5.	पैरा तैराकी	00	1	01
6.	शूटिंग	00	06	06
7.	भारोत्तोलन	00	02	02
8.	मल्लयुद्घ	00	13	13
	कुल	21	83	104

प्रतिकूल विश्लेषणात्मक निष्कर्ष (एएएफ)

क्रमांक	खेल	एएएफ संख्या
1.	ऑटोमोबाइल स्पोर्ट्स	01
2.	एथलेटिक्स	14
3.	बास्केटबॉल	01
4.	मुक्केबाज़ी	03
5.	झींगुर	01
6.	पटेबाज़ी	01
7.	जूडो	03
8.	कबड्डी	05
9.	पावरलिफ्टिंग	05
10.	श्रोइंग	22
11.	शूटिंग	01
12.	तायक्वोंडो	01
13.	वॉलीबॉल	01
14.	ाारोत्तोलन	10
15.	मल्लयुद्घ	03
	कुल	21

नोटः

1. अप्रैल–दिसंबर 2020 से कोई गैर–विश्लेषणात्मक परिणाम की सूचना नहीं दी गई थी।
2. अप्रैल 2020 से पहले नाडा इंडिया द्वारा एएएफ के उपरोक्त मामलों के नमूने एकत्र किए गए थे, हालांकि, एएएफ रिपोर्ट प्राप्त कर ली गई थी और अप्रैल–दिसंबर 2020 के दौरान परिणाम प्रबंधन किया गया था।

डोपिंग रोधी नियम उल्लंघन का परिणाम प्रबंधन करना

चिकित्सीय उपयोग छूट (टीयूई)

डोपिंग रोधी नियमों के तहत, चिकित्सीय उपयोग छूट समिति में प्रख्यात और सुयोग्य मेडिकल चिकित्सक शामिल होते हैं जिनके पास चिकित्सा के विभिन्न क्षेत्रों में विशेषज्ञता होती है। समिति का मुख्य कार्य उन खिलाड़ियों के आवेदनों पर विचार करना है जो चिकित्सकीय परिस्थिति के आधार पर चिकित्सीय उपयोग छूट की मांग करते हैं, जिसके लिए निषिद्ध पदार्थ या निषिद्ध विधि के उपयोग की आवश्यकता होती है । वर्ष 2020–21 के दौरान टीयूई के लिए निम्नलिखित खेलकूद विधाओं में आवेदनों पर विचार किया गयाः

क्रमांक	अनुशासन	टीयूईसी द्वारा जांच किए गए आवेदन	मंजूरी	अस्वीकृत
1.	फुटबॉल	04	04	.
2.	मुक्केबाज़ी	02	01	01
3.	मल्लयुद्घ	01	01	.
4.	मुक्केबाज़ी	01	.	01

एंटी डोपिंग अनुशासनात्मक पैनल (एडीडीपी)

कानूनी, चिकित्सा और खेल पृष्ठभूमि के विशेषज्ञ सदस्यों के संयोजन से बने इस पैनल में नियमित आधार पर एडीआरवी मामलों की सुनवाई की जाती है । इस अवधि के दौरान कुल 31 मामलों पर निर्णय लिया गया और 29 एथलीटों पर लागू प्रतिबंध लगाए गए ।

एंटी डोपिंग अपील पैनल (एडीएपी)

इस पैनल में अपील मामलों की सुनवाई के लिए कानूनी, चिकित्सा और खेल क्षेत्र के विशेषज्ञ सदस्य शामिल होते हैं । इस अवधि के दौरान, अपील पैनल ने अपने सामने आई अपील के 07 मामलों पर फैसला लिया ।

स्पोर्ट्स इंटिग्रिटी ऑस्ट्रेलिया (SIA) के साथ परिणाम प्रबंधन प्रशिक्षण सह बैठक

स्पोर्ट्स इंटिग्रिटी ऑस्ट्रेलिया (SIA) के डिप्टी सीईओ और कानूनी सलाहकार श्री दारान मुले ने 19 अगस्त 2020 को नाडा के अधिकारियों और एंटी डोपिंग अनुशासनात्मक पैनल और अपील पैनल के सदस्यों को आभासी माध्यम के जरिए प्रशिक्षण प्रदान किया। अन्य विषयों के अलावा, श्री दारान ने विश्व स्तर पर 1 जनवरी 2021 से लागू होने वाले वाडा कोड 2021 में हुए महत्वपूर्ण बदलावों पर प्रकाश डाला। नाडा के अधिकारियों और पैनल के सदस्यों ने श्री दारान के साथ बातचीत की और उनके प्रश्नों का समाधान किया ।

DG, NADA alongwith NADA officials and Panel Members during meeting with Sports Integrity Australia

डोपिंग रोधी और खेलकूद विज्ञान पर राष्ट्रीय वेबिनार

राष्ट्रीय डोपिंग रोधी एजेंसी (नाडा) ने राष्ट्रीय खेलकूद विश्वविद्यालय (एनएसयू) और राष्ट्रीय डोप परीक्षण प्रयोगशाला (एनडीटीएल) के सहयोग से खेलों में डोपिंग रोधी, पोषण संबंधी और चिकित्सीय आवश्यकता विषय के साथ 7 दिसंबर 2020 को "एंटी डोपिंग एंड स्पोर्ट्स साइंस" विषय पर एक राष्ट्रीय वेबिनार का सफलतापूर्वक आयोजन किया है। वेबिनार का उद्घाटन 7 दिसंबर 2020 को सुबह 11 बजे भारत सरकार के माननीय राज्यमंत्री श्री किरेन रिजिजू ने किया था। विभिन्न प्रख्यात अतिथियों और प्रासंगिक क्षेत्र के विशेषज्ञ वक्ताओं ने सत्रों में भाग लिया और प्रतिभागियों के साथ अपनी मूल्यवान विशेषज्ञता साझा की । देश भर से लगभग 1500 प्रतिभागियों ने इस वेबिनार में भाग लिया है।

Sh. Kiren Rijiju, Hon'ble Minster for Youth Affairs and Sports with eminent guest during National Webinar

खेलकूद क्षेत्र में डोपिंग रोधी जागरूकता कार्यक्रम

नाडा देशभर में खिलाड़ियों, युवा एथलीटों, कोचों और सहायक कर्मचारियों के लिए खेलों में निषिद्ध दवाओं/पदार्थों और तरीकों के बारे में शैक्षिक और जागरूकता सेमिनार आयोजित कर रहा है । कोविड–19 प्रकोप के कारण, नाडा ओलंपिक जाने वाले खिलाड़ियों और सहायक कर्मचारियों को वाडा वेबसाइट पर उपलब्ध ऑनलाइन डोपिंग ई लर्निंग (।क्मस) में भाग लेने और डोपिंग रोधी जानकारी के प्रति स्वयं को प्रमाणित करने के लिए प्रोत्साहित कर रहा है । स्वतंत्रता दिवस सप्ताह के दौरान विशेष डोपिंग रोधी शिक्षा कार्यक्रम भी आयोजित किए गए थे। इस अवधि के दौरान, प्रतिभागियों के विभिन्न समूहों के लिए नाडा ने ऑनलाइन जागरूकता सह इंटरैक्टिव सत्रों का आयोजन किया थाः

नाडा के मोबाइल एप्लीकेशन का शुभारंभ

दिनांक 30/06/2020 को माननीय युवा मामले और खेलकूद राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार), श्री किरेन रिजिजू ने एंटी डोपिंग मोबाइल ऐप (एंड्रॉयड वर्जन) अर्थात् नाडा इंडिया को सफलतापूर्वक लॉन्च किया गया है । इस अवसर पर , खेल सचिव श्री रवि मित्तल, नाडा के महानिदेशक सह सीईओ श्री नवीन अग्रवाल और एडीडीपी के अध्यक्ष श्री विनीत ढांडा मौजूद रहे। मोबाइल ऐप प्रतिबंधित पदार्थों के संबंध में खिलाड़ियों को आवश्यक जानकारी प्रदान करने में सहायक सिद्ध हो रहा है। इसके अलावा, नाडा के डोपिंग कंट्रोल ऑफिसर्स (डीसीओ) भी इस ऐप का इस्तेमाल कर डोप टेस्टिंग के लिए अपनी उपलब्धता की सूचना प्रदान कर सकते हैं।

श्री किरेन रिजिजू, माननीय राज्य मंत्री (आई/सी) युवा मामले और खेल, श्री। रवि मित्तल, खेल सचिव और श। नवीन अग्रवाल, डीजी सह सीईओ, मोबाइल ऐप लॉन्च के दौरान नाडा

काडा एंटी डोपिंग सेमिनार 2020

नाडा के अधिकारियों ने एशिया, ओशनिया में आयोजित हुए 2020 काडा (कोरियाई एंटी डोपिंग एजेंसी) एंटी डोपिंग सेमिनार में भाग लिया। यह कार्यक्रम वर्चुअल माध्यम से 3 नवंबर, 2020 को आयोजित किया गया था। इसका विषय "मूविंग फॉर्वड टूगेदर टूवड्र्स इंटेलिजेंस लेड डोपिंग कंट्रोल" था। इस संगोष्ठी में निम्नलिखित 4 सत्र शामिल थेः

- निदेशक, इंटेलिजेंस एंड इन्वेस्टीगेशन्स, वाडा ने व्हिसल ब्लोअर्स के महत्व और वाडा के स्पीक अप का प्रबंधन कैसे करें, विषयों पर पहले सत्र में विशेषज्ञ के रूप में अपना ज्ञान साझा किया।
- दूसरा सत्र काडा के इंवेस्टिगेशन केस पर आधारित था।
- इंटेलिजेंस लेड डोपिंग कंट्रोल के लिए सहयोग विषय पर स्पोर्ट्स इंटिग्रिटी ऑस्ट्रेलिया के सीनियर इंटेलीजेन्स एनालिस्ट ने तीसरे सत्र में अपनी विशेषज्ञता साझा की ।
- यूकेएडी आई एंड आई एंड केस स्टडीज का परिचय विषय पर हेड, इंटेलिजेंस एंड इन्वेस्टिगेशन, यूकेएडी ने चौथे सत्र में अपनी विशेषज्ञता को प्रतिभागियों के साथ साझा किया ।

इस वेब संगोष्ठी में 57 देशों के लगभग 160 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

संविधान दिवस पर शपथ ग्रहण समारोह

नाडा के महानिदेशक श्री नवीन अग्रवाल ने 26 नवंबर को सुबह 11.15 बजे भारत के संविधान की प्रस्तावना पढ़ी और राष्ट्रीय डोपिंग रोधी एजेंसी के सभी अधिकारियों ने संविधान के मूल्यों का अक्षरशः पालन करने की शपथ ली।

श्री नवीन अग्रवाल, डीजी एंड सीईओ, नाडा के साथ भारत के संविधान की प्रस्तावना पढ़ते हुए

नाडा की गवर्निंग बॉडी और जनरल बॉडी की बैठक

नाडा की गवर्निंग बॉडी और जनरल बॉडी की बैठक दिनांक 15/12/2020 को भारत सरकार के युवा मामले और खेल मंत्री श्री किरेन रिजिजू की अध्यक्षता में हुई। बैठक में मौजूद प्रख्यात सदस्यों की बहुमूल्य सूचनाएं प्राप्त करने के बाद देश में नाडा द्वारा चलाए जा रहे डोपिंग रोधी कार्यक्रम से संबंधित विभिन्न निर्णय लिए गए ।

दिनांक 15/12/2020 को नाडा की गवर्निंग बॉडी और जनरल बॉडी की अध्यक्षता करते हुए युवा मामले और खेलकूद मंत्री श्री किरेन रिजिजू

यूनेस्को की अनुमोदन समिति की बैठक

खेलों में डोपिंग को समाप्त करने के लिए यूनेस्को की अनुमोदन समिति की आभासी माध्यम से बैठक 03.09.2020 को आयोजित की गई थी, जिसमें समिति के अन्य सदस्यों के बीच नाडा के महानिदेशक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्री नवीन अग्रवाल ने एशिया–प्रशांत क्षेत्र का प्रतिनिधित्व किया था। बैठक में विभिन्न देशों में डोपिंग रोधी उपायों को मजबूत करने के लिए संसाधन जुटाने (निजी क्षेत्र सहित) से संबंधित मामलों पर चर्चा की गई ।

दिनांक 03/09/2020 को यूनेस्को की अनुमोदन समिति की आभासी माध्यम से संपन्न हुई बैठक के दौरान नाडा के महानिदेशक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्री नवीन अग्रवाल

यूनेस्को दूसरी क्षेत्रीय परामर्श बैठक

खेलकूदों में डोपिंग के खिलाफ अंतर्राष्ट्रीय अभिसमय के पक्षकारों के सम्मेलन में 7वें सत्र के ब्यूरो की दूसरी क्षेत्रीय परामर्श बैठक यूनेस्को द्वारा 14 अक्टूबर 2020 को वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से आयोजित की गई थी। नाडा के डीजी और सीईओ श्री नवीन अग्रवाल ने उक्त परामर्श बैठक में भाग लिया और बैठक के दौरान एशिया क्षेत्र के लिए अनुमोदन समिति के सदस्य की हैसियत से एक मध्यस्थ के रूप में काम किया । बैठक में एशिया और प्रशांत क्षेत्र के अन्य देशों (स्टेट पार्टिज़) के विभिन्न प्रतिनिधियों ने भाग लिया ।

बैठक में इस बात पर चर्चा की गई कि स्टेट पार्टिज़ को हर वर्ष यूनेस्को को किए जाने वाले न्यूनतम आवंटित अंशदान के अतिरिक्त 1 प्रति ात और अधिक वित्तपोषण देने की आवश्यकता है । बैठक के दौरान, इस क्षेत्र के कुछ पड़ोसी देशों ने भी अपनी डोपिंग रोधी प्रणाली को और विकसित करने के लिए निधि और संसाधन के संदर्भ में यूनेस्को से सहायता प्राप्त करने की इच्छा जताई ।

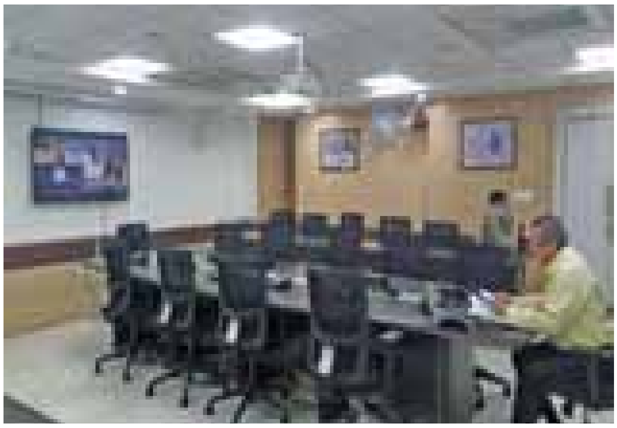

दिनांक 14.10.2014 को यूनेस्को की दूसरी क्षेत्रीय परामर्श बैठक के दौरान नाडा के महानिदेशक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्री नवीन अग्रवाल

राष्ट्रीय अनुपालन मंच (एनसीपी) की पहली बैठक

खेल विभाग, एमवाईएएस द्वारा राष्ट्रीय अनुपालन मंच के गठन के बाद, राष्ट्रीय अनुपालन मंच (एनसीपी) की पहली बैठक संपन्न हुई जिसमें खेल विभाग, राष्ट्रीय डोपिंग रोधी एजेंसी, भारतीय ओलंपिक संघ, वित्त, शिक्षा, गृह मामलों, स्वास्थ्य, कानून और न्याय और फार्मास्यूटिकल्स के हितधारक शामिल हुए थे। यह बैठक दिनांक 28.10.2020 को खेल सचिव की अध्यक्षता में आयोजित की गई थी । एनसीपी के सदस्य सचिव होने के नाते नाडा के डीजी और सीईओ श्री नवीन अग्रवाल ने हितधारकों को एनसीपी के गठन और खेल में डोपिंग के खिलाफ यूनेस्को कन्वेंशन के उद्देश्य की जानकारी दी । भारत में नाडा द्वारा चलाए जा रहे डोपिंग रोधी कार्यक्रम के बारे में हाल ही के समय में की गई प्रगति और विकास के बारे में एनसीपी के सदस्यों को संक्षिप्त रूप से अवगत कराया गया था ।

अंतर्राष्ट्रीय अभिसमय के प्रति भारत सरकार की प्रतिबद्धता के उचित अनुपालन के लिए विभिन्न विभागों से की जाने वाली अपेक्षाओं पर भी प्रकाश डाला गया ।

*****

अध्याय – 8

नेशनल डोप टेस्टिंग लैबोरेट्री (एनडीटीएल)

भारत सरकार ने मानव डोप टेस्टिंग के लिए नेशनल डोप टेस्टिंग लैबोरेट्री (एनडीटीएल) की स्थापना की है। यह देश की एकमात्र एंटीडोपिंग प्रयोगशाला है, जिसमें अत्याधुनिक सुविधाएं हैं, जो देश के खिलाड़ियों को प्रतिबंधित दवाओं का इस्तेमाल किए बिना राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय खेल स्पर्धाओं में प्रतिस्पर्धा करने के लिए प्रोत्साहित करती हैं । इस प्रयोगशाला को वाडा और आईएसओ/आईईसी: 17025 मान्यता दी गई है और यह एंटी डोपिंग संबंधी कोपेनहेगन घोषण II (2004) का हिस्सा है ।

यह प्रयोगशाला एंटीडोपिंग के लिए खिलाड़ियों के मूत्र और रक्त के नमूनों का विश्लेषण करती है। इसके अलावा, यह डोपिंग रोधी विज्ञान संबंधी अनुसंधान और विकास के लिए भी समर्पित है और परीक्षण की नई दवाओं/तरीकों से संबंधित मामलों में हितधारकों के बीच जागरूकता पैदा करती है । वर्तमान में, इस प्रयोगशाला के वाडा से मिले प्रत्यायन को वाडा इंटरनेशनल स्टैंडर्ड फॉर लेबोरेटरीज (आईएसएलएस) के अनुरूप न होने के कारण निलंबित कर दिया गया है। हालांकि, प्रयोगशाला अपनी वाडा मान्यता बहाल करने के लिए सभी आवश्यक उपाय कर रही है।

वर्ष 2020–21 में प्रयोगशाला ने अपनी अनुसंधान और विकास गतिविधियों को मजबूत करने, वाडा आवश्यकताओं के अनुसार सभी निषिद्ध पदार्थों के लिए मौजूदा विश्लेषणात्मक विधियों और सत्यापन के तरीकों का उन्नयन करने के लिए कई पहल की है । इस अवधि के दौरान प्रयोगशाला द्वारा उठाए गए कुछ प्रमुख कदम निम्नलिखित हैं:–

क. राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय संगठनों के साथ वैज्ञानिक सहयोग/समझौता:

इस प्रयोगशाला ने वैज्ञानिक सहयोग और अनुसंधान और विकास गतिविधियों को शुरू करने के लिए दो अंतर्राष्ट्रीय वाडा मान्यता प्राप्त प्रयोगशालाओं के साथ काम करना शुरू किया है। वाडा के आईएसएल के अनुसार, एनडीटीएल ने दो वाडा मान्यता प्राप्त प्रयोगशालाओं– टोक्यो प्रयोगशाला, जापान और जर्मनी में कोलोन प्रयोगशाला से अनुसंधान और विकास गतिविधियों को शुरू करने और एनडीटीएल–भारत के साथ सहयोग करने की उनकी इच्छा के बारे में संभावनाओं का पता लगाया है। दोनों प्रयोगशालाओं ने पारस्परिक लाभों के लिए डोपिंग रोधी अनुसंधान का अनुसरण करने में संयुक्त अनुसंधान परियोजनाओं की स्थापना और संचालन करने में अपनी रुचि और इच्छा दिखाई है । तथापि, टोक्यो प्रयोगशाला के निदेशक ने दीर्घकालिक सहयोग और अनुसंधान के अतिरिक्त एनडीटीएल से अनुरोध किया है कि वह कुछ वैज्ञानिकों/शोधकर्ताओं को उनकी प्रयोगशाला में प्रशिक्षण के लिए भेजें ताकि वे डोप परीक्षण के रणनीतिक/नवोन्मेषी क्षेत्रों जैसे सूखे रक्त नमूने, जीन डोपिंग परीक्षण आदि में प्रशिक्षण प्राप्त कर सकें । एनडीटीएल से प्रतिनियुक्त किए जाने वाले वैज्ञानिकों को न केवल डोप परीक्षण के सबसे नवीन तरीकों में प्रशिक्षण और एक्सपोजर मिल रहा होगा बल्कि वे आगामी टोक्यो ओलंपिक के लिए विश्लेषकों के रूप में भी कार्य करेंगे और एनडीटीएल लौटने के बाद, वे देश के लिए अपने ज्ञान और कौशल को साझा

करेंगे और प्रयोगशाला के अन्य कर्मचारियों को प्रशिक्षण देंगे।

एनडीटीएल ने संदर्भ सामग्री मेंसामंजस्य स्थापित करने के लिए गुवाहाटी के नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ फार्मास्यूटिकल एजुकेशन एंड रिसर्च (एनआईपीईआर) के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं;

ख. प्रयोगशाला को सुदृढ़ करने के उपाय

- प्रयोगशाला ने अपनी भौतिक और साइबर सुरक्षा में सुधार किया है जिससे उन्हें और अधिक मजबूत, पुख्ता और अनधिकृत पहुंच से अभेद्य बना दिया गया है । इस दिशा में, एनडीटीएल में विश्व स्तरीय सूचना प्रौद्योगिकी सेट–अप का कार्यान्वयन करने और उसका प्रशासन करने पर काम चल रहा है जिसके माध्यम से एनडीटीएल मल्टी लेयर डेटा सुरक्षा और बैक–अप सुविधा प्राप्त करेगा।
- प्रयोगशाला में सुरक्षा को सुदृढ़ किया जा रहा है और वाडा के आईएसएल के नवीनतम संस्करण के अनुपालन में अपनी बिजली और नागरिक सुविधाओं में सुधार कर रहा है ।
- एनडीटीएल 'डिजिटल इंडिया' की अवधारणा को अमल में ला रहा है और कार्य प्रक्रियाओं में सुधार लाने और सटीकता, दक्षता और पारदर्शिता लाने के लिए उपाय कर रहा है।

ग. प्रयोगशाला की महत्वपूर्ण समितियां

प्रयोगशाला में निम्नलिखित महत्वपूर्ण वैज्ञानिक समितियां हैं:

(1) अनुसंधान समीक्षा समिति (आरआरसी),

(2) वैज्ञानिक सलाहकार बोर्ड (एसएबी)

(3) आचार समिति (ईसी)

अनुसंधान समीक्षा समिति (आरआरसी) का नेतृत्व प्रयोगशाला के वैज्ञानिक निदेशक करते हैं और यह समिति प्रयोगशाला की अनुसंधान परियोजनाओं की व्यवहार्यता और प्रगति और इस संबंध में किए गए व्यय की समीक्षा करने के लिए आंतरिक अनुसंधान समीक्षा समिति (आईआरआरसी) के रूप में कार्य करती है । यह वैज्ञानिक सलाहकार बोर्ड (एसएबी) को अपने प्रस्ताव और सिफारिशें प्रस्तुत करती है। यह बोर्ड प्रयोगशाला की वैज्ञानिक और अनुसंधान और विकास गतिविधियों की निगरानी, पर्यवेक्षण और मार्गदर्शन करता है । एनडीटीएल के वैज्ञानिक सलाहकार बोर्ड (एसएबी) की पहली बैठक 28 सितंबर, 2020 को डीपीएसआरयू के कुलपति प्रो आरके गोयल की अध्यक्षता में हुई थी। इसी प्रकार एनडीटीएल की आचार समिति की दो बैठकें पूर्व विभागाध्यक्ष प्रो. वाई.के. गुप्ता, फार्माकोलॉजी विभाग प्रमुख, एम्स, नई दिल्ली, प्रधान सलाहकार, टीएचएसटीआई–डीबीटी, भारत सरकार, अध्यक्ष–एम्स–भोपाल और एम्स–जम्मू की बैठकें क्रमशः 25 सितंबर, 2020 और 15 अक्टूबर, 2020 को आयोजित की गई।

सम्मेलन / प्रशिक्षण / कार्यशालाएं:–जनवरी, 2020 से दिसंबर, 2020 के दौरान, एनडीटीएल ने 20 से अधिक प्रशिक्षणों / कार्यशालाओं / सम्मेलनों में भाग लिया है और प्रयोगशाला के लगभग 30 अधिकारियों को प्रशिक्षित किया गया है। इसके अलावा, लगभग 1500 एथलीट, कोच के अलावा, विश्वविद्यालय और कॉलेजों के फेडरेशन पदाधिकारियों और छात्रों ने 7 दिसंबर, 2020 को राष्ट्रीय डोपिंग रोधी एजेंसी (नाडा) और राष्ट्रीय खेल विश्वविद्यालय, मणिपुर और एनडीटीएल द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित "नेशनल वेबिनर ऑन एंटी डोपिंग एंड स्पोर्ट्स साइंस" में भाग लिया।

अध्याय - 9

2020-21 के दौरान प्राप्त की गईं मुख्य उपलब्धियां

फिटनेस का डोज़ आधा घंटा रोज़:

विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने एक ट्वीट में 10 दिसंबर, 2020 को देश में चलाए जा रहे अभियान "फिटनेस का डोज़ आधा घंटा रोज़" के माध्यम से शारीरिक गतिविधि को बढ़ावा देने के बारे में भारत सरकार की पहल की सराहना की है। 01 दिसंबर को केंद्रीय खेल मंत्री द्वारा राष्ट्रव्यापी फिट इंडिया आंदोलन के हिस्से के रूप में शुरू किए गए इस अभियान को विभिन्न क्षेत्रों–बॉलीवुड, खिलाड़ियों, लेखकों, डॉक्टरों, फिटनेस प्रभावित करने वालों का समर्थन प्राप्त हुआ था, जिन्होंने भारतीय लोगों से हर दिन 30 मिनट फिटनेस पर ध्यान रखने के मूल मंत्र का पालन करने का उत्साहपूर्वक आग्रह किया है ।

योगासन को मान्यता देना:

आयुष मंत्रालय और युवा मामले और खेल मंत्रालय ने 17 दिसंबर, 2020 को नई दिल्ली में केंद्रीय आयुष मंत्री और केंद्रीय युवा मामले एवं खेल मंत्री द्वारा आयोजित संयुक्त प्रेस सम्मेलन में योगासन को प्रतिस्पर्धी खेल के रूप में औपचारिक रूप से मान्यता देने की घोषणा की । सरकार ने इस विधा में प्रतिस्पर्धा बढ़ाने और इसे विश्वभर में प्रसारित करने के लिए से यह कदम उठाया है।

स्वदेशी खेलकूदों को मान्यता देना:

स्वदेशी खेलकूदों को बढ़ावा देने के उद्देश्य से 20 दिसंबर, 2020 को खेलकूद विभाग ने खेलो इंडिया यूथ गेम्स 2021 में गटका, कलारीपट्टू, थांग–टा और मल्लाखंबा को शामिल किया था, इन खेलो इंडिया यूथ गेम्स को अक्टूबर–नवंबर 2021 के दौरान हरियाणा में आयोजित किया जाएगा। चार चयनित खेल देश के विभिन्न भागों का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं अर्थात कलारीपयट्टू (इसका उद्गम मल्लाखम्बा, केरल से है) पूरे भारत में प्रसिद्ध है, हालांकि, मध्य प्रदेश और महाराष्ट्र इस खेल के आकर्षण के केंद्र रहे हैं, गटका का उद्गम पंजाब राज्य से हुआ है, और थांग–टा, मणिपुर की मार्शल आर्ट का एक रूप है।

निजी अकादमियों को मौद्रिक सहायता:

खेल मंत्रालय ने पहली बार 14 नवंबर, 2020 को वित्त वर्ष 2020–21 से शुरू होने वाले खेलो इंडिया योजना के माध्यम से 500 निजी अकादमियों को मौद्रिक सहायता प्रदान करने के लिए एक प्रोत्साहन संरचना शुरू की है ताकि देश के अधिकांश दूरस्थ क्षेत्रों में भी खेल प्रतिभाओं को तैयार किया जा सके। इस मॉडल में अकादमी द्वारा प्रशिक्षित खिलाड़ियों की गुणवत्तापूर्ण उपलब्धि, अकादमी में उपलब्ध कोचों के स्तर, खेल के मैदान की गुणवत्ता और संबद्ध बुनियादी ढांचे, खेल विज्ञान सुविधाओं और कर्मचारियों की उपलब्धता के आधार पर निजी अकादमियों को विभिन्न श्रेणियों में वर्गीकृत किया जाएगा ।

भारतीय तीरंदाजी संघ को मान्यता देना:

इस अवधि के दौरान मंत्रालय ने देश में तीरंदाजी खेल के संवर्धन और विनियमन के लिए राष्ट्रीय खेल महासंघ के रूप में भारतीय तीरंदाजी संघ (एएआई) की मान्यता बहाल कर दी । भारतीय राष्ट्रीय खेल विकास संहिता, 2011(खेल संहिता) के अनुसार चुनाव

कराने में विफल होने के कारण आठ साल पहले एएआई की सरकारी मान्यता वापस ले ली गई थी। सरकार ने एएआई की मान्यता को एक साल के लिए बहाल किया है।

खेलो इंडियाः

खेलो इंडिया यूथ गेम्स के तीसरे संस्करण का 10 से 22 जनवरी, 2020 तक गुवाहाटी में सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। महाराष्ट्र 256 पदकों (स्वर्ण–78, रजत–77, कांस्य–101) के साथ पदक तालिका में अव्वल स्थान पर रहा, इसके बाद हरियाणा ने 200 पदक (स्वर्ण–68, रजत–60, कांस्य–72) और दिल्ली ने 122 पदक (स्वर्ण–39, रजत–36, कांस्य–47) जीतकर क्रमशः दूसरा और तीसरा स्थान प्राप्त किया। मेजबान राज्य असम कुल पदक तालिका में 76 पदकों (स्वर्ण–20, रजत–22 और कांस्य–34) के साथ 7वें स्थान पर रहा।

प्रथम खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स 22 फरवरी से 1 मार्च, 2020 तक कटक और भुवनेश्वर (ओडिशा) में आयोजित किया गया था। देश भर के विश्वविद्यालयों के लगभग 3400 एथलीटों ने 17 विभिन्न खेल विधाओं में भाग लिया।

प्रथम खेलो इंडिया विंटर गेम्स 7 से 11 मार्च, 2020 तक जम्मू–कश्मीर के गुलमर्ग में आयोजित किया गया था जिसमें कुल 1123 लोगों ने भाग लिया था। युवाओं के सकारात्मक जुड़ाव के लिए जम्मू–कश्मीर में खेल संस्कृति का निर्माण करने के लिए भारत सरकार के युवा मामले और खेल मंत्रालय का यह सतत प्रयास रहा है।

खेलो इंडिया एथलीट के रूप में चयनित नवोदित प्रतिभाओं को लगभग 8 वर्ष की दीर्घकालिक अवधि के लिए 10,000 रुपये के मासिक आउट ऑफ पॉकेट भत्ते (ओपीए) सहित 6.28 लाख रुपये प्रति वर्ष की वित्तीय सहायता दी जाती है। खेलो इंडिया योजना के तहत प्रशिक्षण के लिए 21 खेल विधाओं में 2932 प्रतिभा संपन्न युवकों की पहचान की गई है। खेलो इंडिया योजना ने देश के युवाओं में लोकप्रियता हासिल की है और यह बहुत सफल साबित हुई है ।

भारत के ओलंपिक सपनों को साकार करने के लिए प्रत्येक राज्य/केंद्र शासित प्रदेश में एक विश्व स्तरीय खेल सुविधा और प्रशिक्षण केंद्र बनाने के उद्देश्य से खेलो इंडिया राज्य उत्कृष्ट केंद्र शुरू करने पर विचार किया गया था, अब तक राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों में 23 केआईएससी अधिसूचित किए गए हैं। ऐसे प्रत्येक केआईएससी को खेल विज्ञान, कोचों और सहायक स्टाफ की नियुक्ति करने, खेल उपकरण आदि के लिए वित्तीय सहायता प्रदान की जाएगी ।

देश के प्रत्येक जिले में 1000 लघु खेलो इंडिया केन्द्र (एसकेआईसी) स्थापित करने के लिए जुलाई, 2020 के दौरान एक और पहल शुरू की गई थी। इनमें से प्रत्येक एसकेआईएस को राज्य और राष्ट्रीय स्तर के पूर्व खिलाड़ियों/कोचों के माध्यम से चलाया जाएगा और प्रति वर्ष ₹ 5 लाख की आवर्ती सहायता के साथ सहायता प्रदान की जाएगी। एसकेआईसी जमीनी स्तर से प्रतिभाओं की स्काउटिंग करने, नवोदित प्रतिभाओं को पोषित करने के साथ–साथ पूर्व खिलाड़ियों के अनुभव का सार्थक उपयोग करेगा।

चालू वित्तीय वर्ष के लिए एक ऑनलाइन मंच पर तैयार किए गए प्रशिक्षण और प्रतियोगिताओं का वार्षिक कैलेंडर (एसीटीसी), (2020) तैयार किया गया था। इस कैलेंडर में दिए गए अनुसार ही देश में प्रशिक्षण शिविरों के साथ–साथ राष्ट्रीय स्तर पर विभिन्न खेल विधाओं के संबंध में जूनियर और सीनियर दोनों टीमों के लिए प्रतियोगिता कार्यक्रम तय किया जाता है। अनुमोदित एसीटीसी कैलेंडर और बजट को भारतीय

खेल प्राधिकरण की वेबसाइट पर एक लिंक के साथ सार्वजनिक डोमेन में उपलब्ध करा दिया गया था।

एक भारत, श्रेष्ठ भारत

एक भारत, श्रेष्ठ भारत (ईबीएसबी) कार्यक्रम में खेल विभाग सक्रिय भागीदार रहा है। इसमें 4500 खिलाड़ियों और तकनीकी अधिकारियों की भागीदारी के साथ लड़के और लड़कियों दोनों के लिए देश भर में 44 स्थानों पर नवंबर 2019 से जून 2020 तक 82 खेल स्पर्धाओं का आयोजन करने की योजना बनाई गई थी । 31 मार्च, 2020 तक खेल विभाग ने राष्ट्रीय खेल संघों के माध्यम से देश भर में उन्नीस स्थानों पर छत्तीस ईबीएसबी चैम्पियनशिप स्पर्धाओं का आयोजन किया । इन स्पर्धाओं में करीब 2250 खिलाड़ियों ने भाग लिया। इन कार्यक्रमों को हजारों दर्शकों ने देखा और यह कार्यक्रम भाग लेने वाले राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों की सांस्कृतिक विविधता और अनूठे पहलुओं को बढ़ावा देने के लिए एक प्रभावी मार्ग था ।

फिट इंडिया मूवमेंट 2020 के तहत गतिविधियां/पहल:

- फिट इंडिया डायलॉग के दूसरे संस्करण में केंद्रीय खेल मंत्री ने मिल्का सिंह, फुलेला गोपीचंद, सुश्री मिताली राज, अनिल कपूर और भाईचुंग भूटिया जैसी हस्तियों और खेल जगत के सितारों के साथ बातचीत की, जिसमें फिटनेस और स्वास्थ्य की अनिवार्य आवश्यकता पर जोर दिया गया । इस कार्यक्रम का 27 दिसंबर 2020 को जी नेटवर्क पर प्रसारण किया गया था।

- फिट इंडिया प्रभातफेरी 1 से 6 दिसंबर तक चलने वाला सप्ताहभर चलने वाला कार्यक्रम था, जिसमें 14 लाख से अधिक लोगों ने भाग लिया और नेहरू युवा केंद्र संगठन (एनवाईकेएस) के युवाओं ने आगे बढ़कर देश में पचास हजार से भी अधिक प्रभातफेरी का आयोजन किया है। इन प्रभातफेरियों में "फिटनेस की डोज़, आधा घंटा रोज़" के संदेश का पक्ष समर्थन किया गया था ।

- फिट इंडिया साइक्लोथॉन का दूसरा संस्करण 7 दिसंबर से 31 दिसंबर 2020 तक आयोजित किया गया था, जिसमें 48 लाख से अधिक लोगों ने भाग लिया था।

- 1 दिसंबर से 31 दिसंबर 2020 तक फिट इंडिया स्कूल वीक का दूसरा संस्करण आयोजित किया गया था, जिसमें 31 दिसंबर, 2020 तक 2,52,311 स्कूलों ने भाग लिया था। फिट इंडिया स्कूल सप्ताह का आयोजन बच्चों तक ही सीमित नहीं था बल्कि इसमें उनके माता-पिता, शिक्षकों और स्कूल स्टाफ को भी फिटनेस के बारे में जागरूकता पैदा करने के उद्देश्य से आयोजित किया गया था।

- सरल और आसान कैप्सूल में परिवारों के बीच फिटनेस दिनचर्या पैदा करने के उद्देश्य से विशेषज्ञों के साथ फिटनेस पर फिट भारत परिवार सत्र आयोजित किया गया । फिट इंडिया एक्टिव कैप्सूल बेसिक योग के साथ खड़े रहकर किए जाने वाले आसन अभ्यास फिट इंडिया यूट्यूब चैनल और फिट इंडिया वेबसाइट के माध्यम से देश भर के सभी स्कूलों के लिए भी उपलब्ध कराए गए।

- सीबीएसई/आईसीएसई बोर्डों के सहयोग से 15 अप्रैल, 2020 से 'फिट इंडिया एक्टिव डे' शुरू किया गया जिसमें प्रति दिन 1 लाख प्रति सत्र की औसत से व्यूअरशिप मिली।

- स्कूली बच्चों के लिए 3 जुलाई, 2020 को 'फिट है तो हिट है इंडिया' कार्यक्रम शुरू किया गया। इस कार्यक्रम के तहत एमओएचआरडी के सहयोग से शीर्ष स्पोर्ट्स सेलिब्रिटीज के साथ स्कूली बच्चों के लिए फिट इंडिया संवाद सत्रों की एक श्रृंखला का आयोजन किया गया । इस बातचीत को छोटे

बच्चों के लिए पूरी तरह रोचक और प्रेरणादायक बनाने बनाया गया था ।

- भारत के 74 वें स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य में 10 अगस्त से 14 अगस्त 2020 तक "फ्रीडम सीरीज" चलाई गई जिसमें यूट्यूब पर लाइव और रिकॉर्ड किए गए सत्रों प्रसारित किए गए थे । फिट इंडिया वेबसाइट पर आने वाले दर्शकों की संख्या 2020 के अगस्त महीने के दौरान 2 करोड़ से अधिक हो गई थी।

- सोशल डिस्टेंसिंग के नियमों का पालन करते हुए फिटनेस को प्रोत्साहित करने और प्रतिभागियों को पोर्टल में अपनी सुविधाओं के अनुसार उनके पैदल यात्रा में कवर किए गए मीलों को पोर्टल में पंजीकृत करने के लिए प्रोत्साहित करने के लिए फिट इंडिया फ्रीडम रन 15 अगस्त, 2020 से 2 अक्टूबर, 2020 तक आयोजित की गई थी । इसमें 2 करोड़ से ज्यादा प्रतिभागियों के साथ सोशल मीडिया पर 30 करोड़ से ज्यादा लोगों में भाग लिया।

- पहली फिट इंडिया वर्षगांठ के आयोजन के एक भाग के रूप में, 24 सितंबर, 2020 को एक ऑनलाइन कार्यक्रम आयोजित किया गया, जहां माननीय प्रधानमंत्री जी ने फिटनेस इंफ्लूएंसरों के साथ ऑनलाइन बातचीत की और फिटनेस और स्वास्थ्य की अनिवार्य आवश्यकता को रेखांकित किया। इस अवसर पर, माननीय प्रधानमंत्री ने 05–18 वर्ष, 18–65 वर्ष और 65 + वर्ष के रूप में वर्गीकृत विभिन्न आयु समूहों के लिए गोल्स (सक्रिय जीवन शैली के लिए लक्ष्य) के रूप में आयु के हिसाब से उपयुक्त फिटनेस प्रोटोकॉल शुरू किए गए ।

- राष्ट्रमंडल के महासचिव ने 24 जुलाई, 2020 को वैश्विक मंत्रिस्तरीय मंच पर फिट इंडिया मूवमेंट ऑफ इंडिया की सराहना करते हुए इस आंदोलन को कोविड महामारी से लड़ने की अनूठी पहल करार दिया।

कोविड–19 के समय में अपनी स्वायत्त संस्था, भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) के माध्यम से खेल विभाग ने 10,000 से अधिक कोचों के लिए ऑनलाइन कौशल विकास कार्यक्रम का आयोजन किया, जिसमें उन्होंने दैनिक आधार पर सक्रिय रूप से भाग लिया और इस कौशल उन्नयन कार्यक्रम से लाभ प्राप्त किया। लाइव विद साई एक ऐसा ऑनलाइन मंच था जिसमें एथलिट्स के साथ विशेषज्ञों द्वारा अनुभव साझा किया जाता था। इसके अलावा, 27 विभिन्न खेल विधाओं के विदेशी कोचों/खेल विशेषज्ञों द्वारा ऑनलाइन प्रशिक्षण सत्र आयोजित किए गए, जिसमें उन्होंने नवीनतम खेल तकनीकों और रणनीतियों को साझा और प्रसारित किया । फिट इंडिया मूवमेंट के फेसबुक पेज, फिट इंडिया मूवमेंट के यूट्यूब चैनल और मायगॉव इंडिया पर, जून 2020 के बाद से हर महीने भारत के 15 स्वदेशी खेलों के बारे में वृत्तचित्रों को लाइव स्ट्रीम किया गया था । इन वृत्तचित्रों की पहुँच लगभग 1.7 मिलियन दर्शकों तक थी। स्वदेशी खेलों की डॉक्यूमेंट्री दूरदर्शन के डीडी स्पोर्ट्स चैनल पर भी प्रसारित की गई थी।

खिलाड़ियों, कोचों और पूर्व खिलाड़ियों को सहायताः

युवा मामले और खेल मंत्रालय का यह सतत प्रयास रहता है कि भारत में खेलकूद के क्षेत्र में काम करने वाले किसी भी व्यक्ति की सहायता को सुनिश्चित किया जाए । तदनुसार, पंडित दीनदयाल उपाध्याय राष्ट्रीय कल्याण खिलाड़ी निधि योजना के तहत, खेल विभाग ने संकटग्रस्त, गंभीर बीमारी से पीड़ित या दरिद्र परिस्थितियों जीवन व्यतीत कर रहे 24 एथलीटों, कोचों और पूर्व खिलाड़ियों के लिए 1 लाख रुपये से लेकर 10 लाख रुपये तक की कुल 1 करोड़ रूपये की वित्तीय सहायता प्रदान की।

वर्चुअल मोड में राष्ट्रीय खेल और एडवेंचर पुरस्कार समारोह की मेजबानी करना और पुरस्कार राशि की वृद्धि करना:

युवा मामले और खेल मंत्रालय ने राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर 29 अगस्त, 2020 को वर्चुअल माध्यम से राष्ट्रीय खेल और एडवेंचर पुरस्कार समारोह का सफलतापूर्वक आयोजन किया। विभाग ने कोविड–19 महामारी के कारण उत्पन्न होने वाली दिक्कतों को ध्यान में रखते हुए चयन को अंतिम रूप देते हुए सभी आवेदनों को ऑनलाइन स्वीकार कर लिया था। इन पुरस्कारों में न केवल नियमित ओलंपिक खेलों को शामिल किया गया, बल्कि पारंपरिक और स्वदेशी खेलों को भी प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से कबड्डी, मल्लाखम्ब, खो–खो जैसी विधाओं को शामिल किया गया । माननीय राष्ट्रपति ने 74 खिलाड़ियों/पुरस्कार विजेताओं को पुरस्कार प्रदान किए। खेल विभाग ने राष्ट्रीय खेल पुरस्कारों की सात में से चार श्रेणियों में पुरस्कार राशि में इजाफा किया। राजीव गांधी खेल रत्न पुरस्कार के लिए पुरस्कार राशि को 7.5 लाख रुपये से बढ़ाकर 25 लाख रुपये कर दिया गया था, अर्जुन पुरस्कार की राशि को 5 लाख रुपये से बढ़ाकर 15 लाख रुपये कर दिया गया था, द्रोणाचार्य (लाइफटाइम) पुरस्कार विजेताओं को दिए जाने वाले नकद पुरस्कार की राशि को भी 5 लाख रुपये से बढ़ाकर 15 लाख रुपये कर दिया गया, इसी प्रकार द्रोणाचार्य (नियमित) के लिए ₹5 लाख प्रति पुरस्कार राशि को बढ़ाकर 10 लाख रुपये कर दिया गया। ध्यानचंद पुरस्कार विजेताओं को पहले ₹5 लाख रूपये दिए जाते थे जबकि अब इसे बढ़ाकर 10 लाख रुपये कर दिया गया है।

21 नई खेल विधाओं का समावेश

विभिन्न खेल विधाओं के योग्य खिलाड़ियों को खेल कोटे का लाभ देने के उद्देश्य से खेल विभाग ने स्वदेशी खेल विधाओं सहित कई खेल विधाओं को शामिल करने के लिए कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग को राजी करने के लिए सक्रिय है । इस वर्ष के दौरान इन प्रयासों का लाभ मिला । डीओपी एंड टी ने मल्लाखामए टग ऑफ वार और रोल बॉल जैसे स्वदेशी और पारंपरिक खेलों सहित 21 नई विधाओं को शामिल करने के खेल विभाग के प्रस्ताव को स्वीकार कर लिया।

लक्ष्य ओलंपिक पोडियम योजना; टॉप्स

ओलंपिक के लिए पदक की संभावित संभावनाओं की पहचान करनेए उन्हें तैयार करने और उनका पोषण करने के उद्देश्य से 2014 में लक्ष्य ओलंपिक पोडियम योजना ;टॉप्सद्ध बनाई गई थी । टॉप्स में अलग.अलग विधाओं में 94 खिलाड़ियों का चयन किया गया है। इस योजना के तहतए 2024 में पेरिस और 2028 में लॉस एंजिल्स में होने वाले भविष्य के ओलंपिक खेलों पर नजर रखते हुएए विकास समूह में जूनियर एथलीटों की पहचान करने का भी फैसला किया गया है। विकासात्मक समूह में चयनित एथलीटों को जनवरी 2020 से 25ए000 रुपये प्रति माह की दर से आउट ऑफ पॉकेट भत्ते का भुगतान किया जाता है। टॉप्स डेवलपमेंट ग्रुप में 258 एथलीटों की पहचान कर उन्हें इस योजना में शामिल किया गया है।

अब तक, 36 स्पर्धाओं के लिए 80 एथलीट 7 खेल विधाओं में क्वालीफाई कर चुके हैं। टोक्यो ओलंपिक 2021 के लिए 52 और एथलीटों का 36 स्पर्धाओं के लिए क्वालीफाई करने की उम्मीद है । भारत की ओर से 16 खेल विधाओं में 72 स्पर्धाओं में भाग लेने के लिए 126 एथलीटों के अपने सबसे बड़े ओलंपिक दल को भेजने की उम्मीद जताई जा रही है। खेल विभाग सफलता और पदक जीतने के परिणामों की उच्च दर सुनिश्चित करने के लिए

सभी अपेक्षित तैयारियां कर रहा है और इसके लिए समर्थन जुटा रहा है ।

ओलंपिक खेलों की तैयारी के लिए विश्व स्तरीय प्रशिक्षण और सहायता प्रदान करने के लिए 26 नवंबर को मिशन ओलंपिक सेल ;एमओसीद्ध की 50 वीं बैठक में लिए गए निर्णय के अनुसार इस अवधि के दौरान चार विभिन्न खेलों पैरा एथलेटिक्सए पैरा शूटिंगए पैरा बैडमिंटन और पैरा टेबल टेनिस में आठ पैरा एथलीटों को लक्ष्य ओलंपिक पोडियम स्कीम (टॉप्स) में शामिल किया गया था ।

*****

अध्याय – 10

मुख्य पात्रता और खेल के क्षेत्र की प्रेरणाएँ ड्यूरिंग 2020–21 एक चमक में

फिट इंडिया मूवमेंट के उद्देश्य

भारत को एक फिट और स्वस्थ राष्ट्र बनाएं

"फिटनेस एक शब्द नहीं है बल्कि स्वस्थ और समृद्ध जीवन की एक जरूरी शर्त है"

फट इंडिया मूवमेंट

सुधार की आवश्यकता

विश्व स्वास्थ संगठन ने वर्ष 2017 की रिपोर्ट में निम्न मदों पर गणना के कुछ प्रारंभिक आंकड़े जारी किए हैं, हर एक के जीवन में फिटनेस गतिविधियों को मिलाकर व्यापक क्षेत्र में जागरूकता पैदा की और फिट रहो की आवश्यकता पर विवेचना की है।

भारत को फिट बनाने की तत्काल आवश्यकता क्यों है: डब्ल्यूएचओ के वर्ष 2017 की रिपोर्ट के अनुसार

- अगर फिटनेस में भाग नहीं लिया तो वर्ष 2030 तक एक तिहाई भारतीय मधुमेह गस्थ होंगे।
- 12–19 वर्ष की आयु में मोटापन वर्ष 1970 से तिगुणा हो चुकी है।
- शहरों में रहनेवाले 70 प्रतिशत भारतीयों में मोटापा बढ़ रहा है।
- 70 प्रतिशत भारतीय रोजाना व्यायाम नहीं करते।

माननीय प्रधानमंत्री जी का विजन था कि भारत को फिट ट्रैक को फास्ट ट्रैक पर लाने का निवारक उपाय और तुरंत जनता की मूवमेंट शुरू किया। फिटनेस एक मनोरंजन, फिटनेस आसान, फिटनेस निःशुल्क इस धारणा को प्रोन्नत करते वर्ष 2019 में फिट इंडिया मूवमेंट का शुभारंभ किया।

विश्व के अधिकतर विकसित अर्थव्यवस्थाओं में, जैसे संयुक्त राष्ट्र संघ, युनाइटेड किंगडम, ऑस्ट्रेलिया को मिलाकर अपने–अपने फिटनेस मूवमेंट रहें, क्योंकि फिट नागरिक ही सुदृढ़ अर्थव्यवस्था में सहयोग दे सकते हैं और अच्छे कार्यनिष्पादन के ज़रिये जीडीपी को बढ़ा सकते हैं। परिसम्पत्तियों के सृजन पर खर्च किया जा सकता है, जिसमें बड़े पैमाने पर अधिसंरचना विकास, उपभोक्ता सामग्री उद्योग पर खर्चा, रियल एस्टेट, शेयर बाज़ार पर, अन्य के जैसे सम्मिलित होंगे, यदि नागरिकों ने अपने आप को शरीरिक रूप से स्वस्थ रखा हो।

फिट इंडिया मूवमेंट के शुभारंभ से, भारत ने यूनाइटेड किंगडम (दिस गर्ल केन), ऑस्ट्रेलिया (10,000 कदम) और संयुक्त राष्ट्र संघ (अध्यक्षीय फिटनेस युवा कार्यक्रम) के साथ शामिल है।

क्या भारत फिट राष्ट्र नहीं ?

सुधारों का सफरः

फिट इंडिया मूवमेंट अपनी पहली तरह का सुधार है, फिटनेस क्षेत्र के विशेषज्ञों, फिटनेस को बढ़ावा

देने वाले एकीकृत कम्पनियां और विभिन्न मंत्रालयों जैसे स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, आयुष मंत्रालय, शिक्षा मंत्रालय, रक्षा मंत्रालय, महिला एवं बाल विकास मंत्रालय, दूसरों के साथ बातचीत हुई। यह नागरिकों के फिटनेस लब्धि विकास का सृजन की रूपरेखा (फ्रेमवर्क) को योजनावद्ध क्रियाकलापों के द्वारा ध्यान केंद्रित करने, संतुलित आहार लेने और मानसिक स्वस्थता पर ध्यान केंद्रित करने की विवेचना की। माननीय प्रधानमंत्री जी के करकमलों से औपचारिक तौर पर अगस्त 2019 में यह मूवमेंट शुभारंभ करने के एक साल पहले ही इन पर विचार–विमर्श किए गए हैं।

एक दिन जरूर : भारत बनेगा फिट

फिट इंडिया प्लॉग रन

02 अक्तूबर 2019 को महात्मा गांधी जी के 150 वॉ जन्म जयंती के अवसर पर फिट इंडिया प्लॉग रन आयोजित की गयी ।

फिट इंडिया साइक्लोथान

जनवरी 2020 में आयोजित की गयी और इसमें 35 लाख से अधिक भागीदारी देखी गई। फिट इंडिया साइक्लोथान 2020 के संस्करण के तहत वर्तमान में 15 लाख से अधिक पंजीकरण प्रक्रिया में है।

फिट इंडिया प्रभातफेरी

फिटनेस पर जागरूकता पैदा करने के लिए आयोजित कम्यूनिटी वाक में 55,000 से अधिक कम्यूनिटी वाक्स के साथ एक विशाल समुदाय की भागीदारी भी देखी गयी।

फिट इंडिया फ्रीडम रन

श्री किरेन रीजीजू ने 15 अगस्त से 2 अक्तूबर तक हमारे 74वां स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर "फिट इंडिया फ्रीडम रन" आरंभ की।

यह एक वर्चुअल दौड़ थी और यह अभियान सामाजिक मीडिया पर 30 करोड़ लोगों तक पहूँची और 7 करोड़ से अधिक लोगों ने भाग लिया और इस स्पर्धा के दौरान 18 करोड़ कि.मी. की दूरी पूरी की गई।

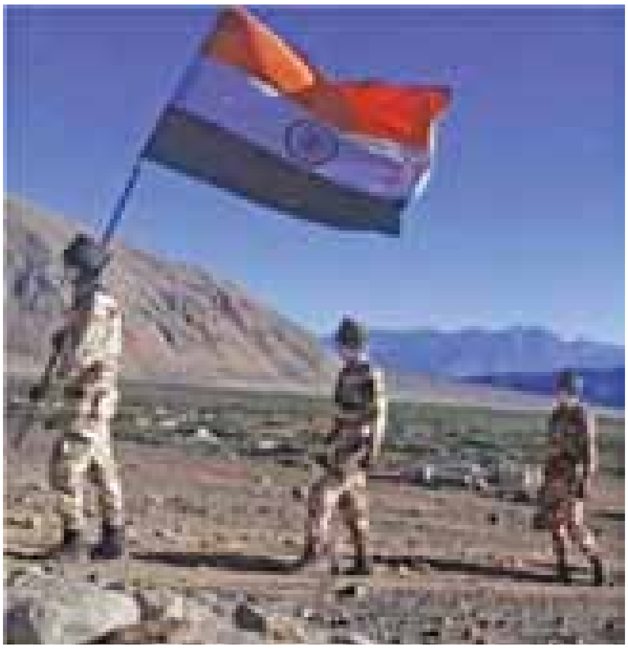

फिट इंडिया स्कूल क्रियाकलाप

फिट इंडिया स्कूल प्रामाणन

माननीय शिक्षा मंत्री श्री रमेश पोखरियाल, और माननीय मंत्री, युवा कार्यक्रम और खेल, श्री किरेन रिजिजू द्वारा शुरू किया गया। 4 दिसंबर 2019 को स्कूलों को सरल मापदंडों के अनुसार स्कूलों में उपलब्ध शारीरिक क्रियाकलापों और अधिसंरचना आधारित फिट इंडिया फलग, 3 स्टार और 5 स्टार प्रामाणपत्रों को प्रदान किए जा रहे है

- कुल मिलाकर 2,22,308 स्कूलों को फिट इंडिया फलाग प्रदान किए गए।
- कुल मिलाकर 32,386 और 12,262 स्कूलों ने फिट इंडिया 3 स्टार और 5 स्टार के साथ क्रमशः स्कूल प्रामाणन के लिए पंजीकृत किया है।

फिट इंडिया स्कूल प्रामाणन

56	37	2,22,308
बोर्ड्स	राज्य/संघशासित	स्कूल

अनुरोध पर स्कूल प्रामाणन

फिट इंडिया फ्लैग	3 स्टार	5 स्टार
2,22,308	37,386	12,262

फिट इंडिया स्कूल सप्ताह

- पूरे सप्ताह का समारोह के माध्यम से बच्चों, माता–पिता और अध्यापकों इत्यादि के बीच फिटनेस के बारे में जागरूकता पैदा करने हेतु 2019 में आरंभ किया है।
- 1.5 लाख स्कूलों ने 2020 संस्करण में भाग लिए जिसे वर्चुवली आयोजित किया गया।

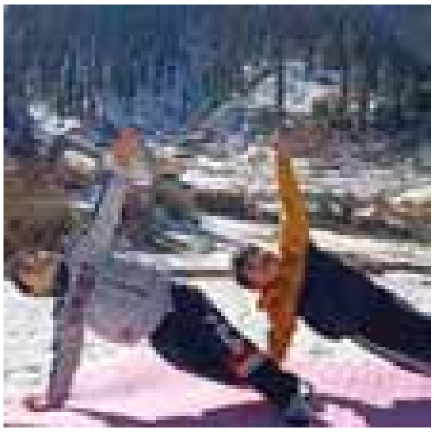

फिट इंडिया डायलॉग

माननीय प्रधान मंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी ने फिट इंडिया मूवमेंट की पहली वर्ष समारोह पर फिटनेस और स्वास्थ्य की अनिवार्य आवश्यकता पर बल देते हुए देश के प्रमुख फिटनेस इन्फ्लूएनर्स से विचार विमर्श किया। उन्होंने भारतीयों को दिन में 30 मिनट अपनी फिटनेस लगाने का आह्वाहन किया। माननीय प्रधान मंत्री जी के आह्वाहन पर प्रेरित हुए। फिट इंडिया के कथ्यपरक अभियान" फिटनेस का डोज आधा घंटा रोज" को माननीय युवा कार्यक्रम और खेल मंत्री श्री किरेन रीजीजू जी द्वारा दिसम्बर, 2020 में आरंभ किया गया था।

फिटनेस का डोज आधा घंटा रोज was launched by Hon'ble Minister of Youth Affairs and Sports

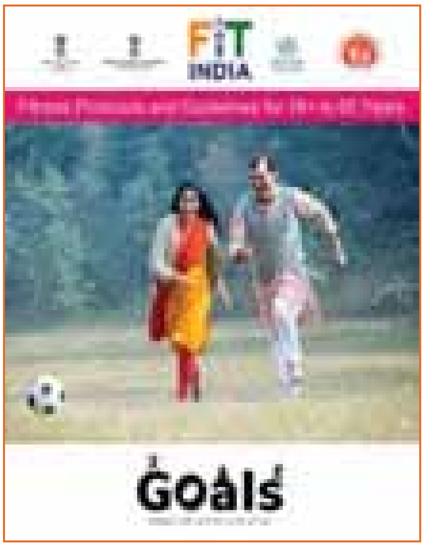

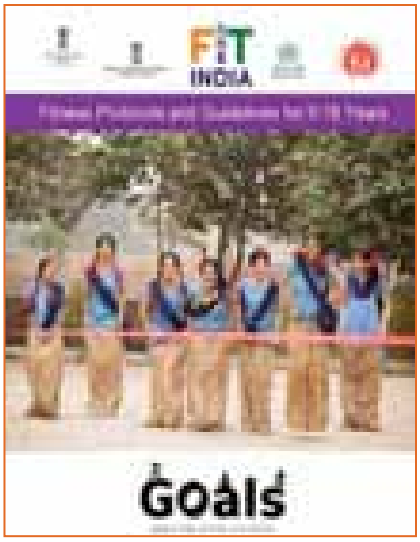

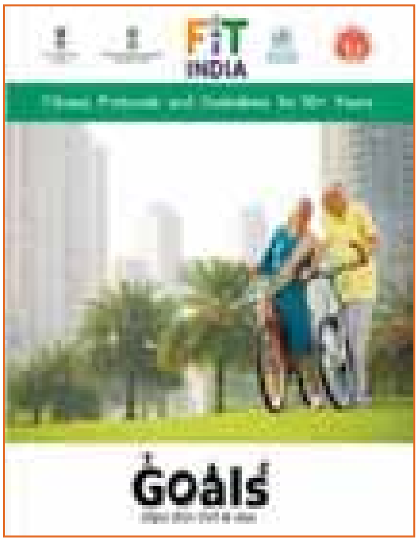

अन्य क्रियाकलाप

फिट इंडिया आयु उपयुक्त दिशानिर्देश

15 अगस्त 2020 को फिट इंडिया युवा क्लब प्रमाणन लांच किया गया और जिसमें हमारे युवाओं को फिटनेस परिवर्तित एजेंट के रूप में अनुबंधित किया गया।

दिसंबर 2020 तक 47,133 युवा क्लबों ने" फिट इंडिया युथ क्लब" के अंतर्गत अपने आप पंजीकृत किया।

फिट इंडिया प्रथम वर्षगांठ समारोह

[illegible] घंटा [illegible] मंत्र [illegible]।"

– प्रधानमंत्री [illegible]

And India Agrees...

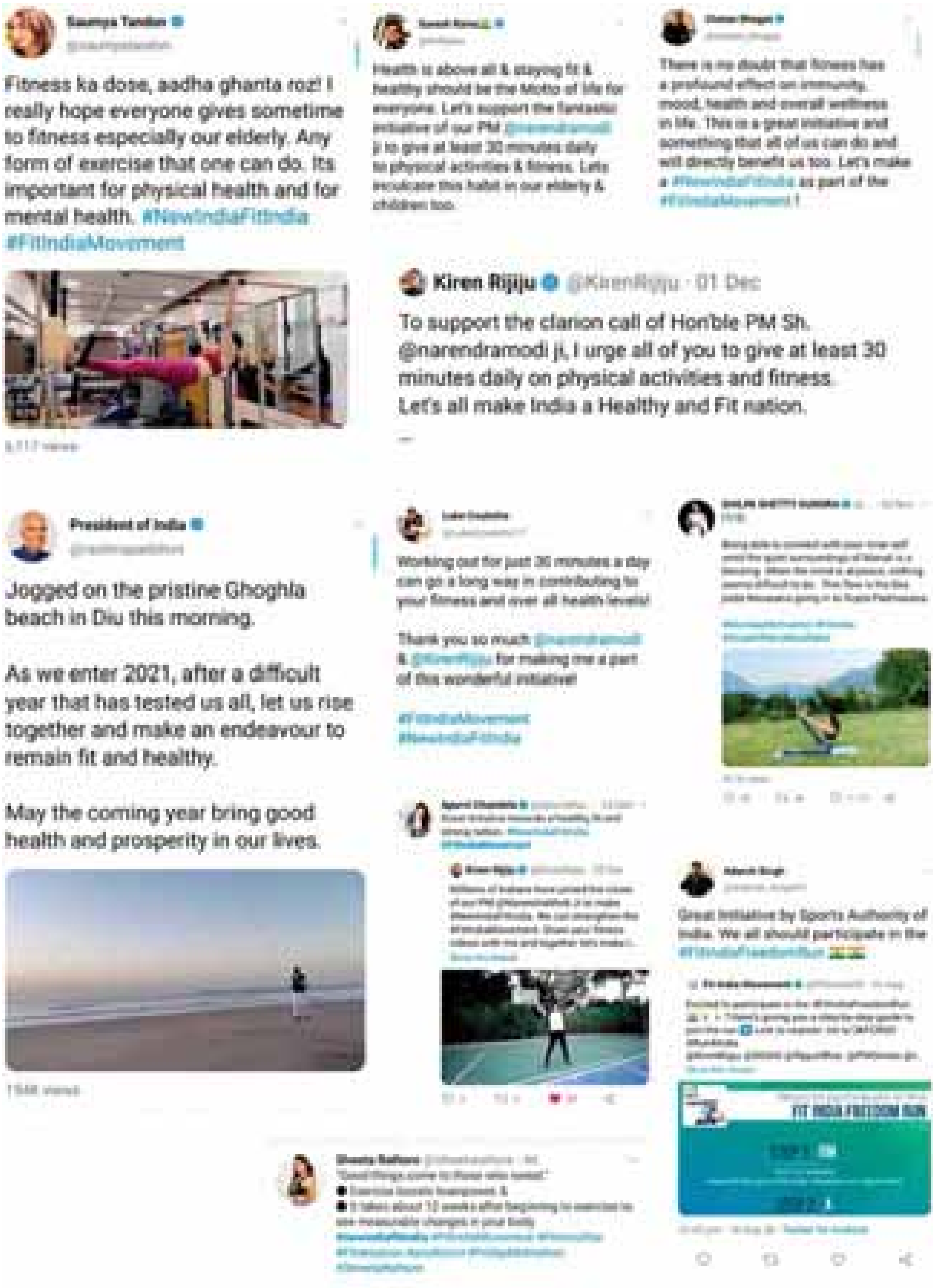

*****

अनुबंध–I

संगठनात्मक फ्लो चार्ट

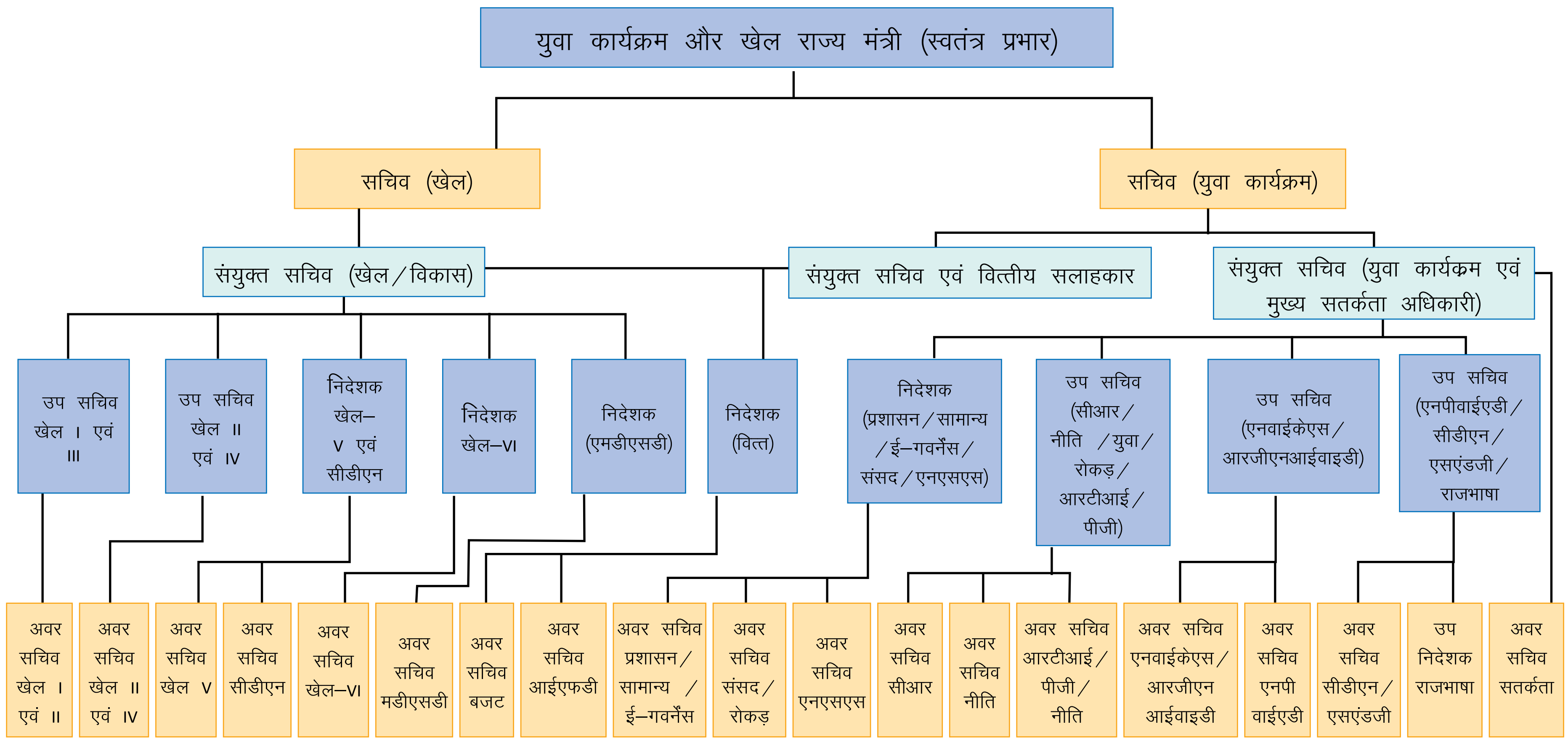

31.12.2020 की स्थिति के अनुसार

संकेताक्षर

जे.एस. एंड एफए	:	संयुक्त सचिव और वित्तीय सलाहकार
जे.एस.	:	संयुक्त सचिव
सीसीए	:	मुख्य लेखा नियंत्रक
डीएस	:	उप सचिव
डीसीए	:	उप मुख्य लेखा नियंत्रक
यूएस	:	अवर सचिव
वाईए	:	युवा कार्यक्रम
डीडी	:	उप निदेशक
आईसी	:	अंतर्राष्ट्रीय सहयोग
ओएल	:	राजभाषा
एनपीवायएडी	:	राष्ट्रीय युवा और किशोर विकास कार्यक्रम
एनएसएस	:	राष्ट्रीय सेवा योजना
एसपी	:	खेल
एमडीएसडी	:	मिशन निदेशालय– खेल विकास
एडीएमएन	:	प्रशासन
वीआईजी	:	सतर्कता
पीएआरएल	:	संसद
एसएआई	:	भारतीय खेल प्राधिकरण
एनवाईकेएस	:	नेहरू युवा केन्द्र संगठन
जीईएन .	:	सामान्य
पीओएल.	:	नीति
पीयूबी.	:	प्रकाशन
वाईएच	:	युवा छात्रावास
आरजीएनआईवाईडी	:	राजीव गांधी राष्ट्रीय युवा विकास संस्थान
सीडीएन	:	समन्वय
एडी	:	सहायक निदेशक
सीआर	:	केंद्रीय रजिस्ट्री

अनुबंध–II

वित्तीय परिव्यय 2021–22

बजट प्राक्कलन 2020–21 और संशोधित प्राक्कलन 2020–21 तथा बजट प्राक्कलन 2021–22 के लिए वित्तीय परिव्यय नीचे तालिका में दिया गया है

(रु. करोड़ में)

बजट प्राक्कलन और संशोधित प्राक्कलन 2020–21 तथा बजट प्राक्कलन 2021–22 को दर्शाने वाला विवरण				
क्र सं.	**स्कीम का नाम**	**बजट प्राक्कलन 2020–21@**	**संशोधित प्राक्कलन 2020–21@**	**बजट प्राक्कलन 2021–22@**
युवा कार्यक्रम विभाग				
1	**2**	**3**	**4**	**5**
क.	**सचिवालय–सामाजिक सेवा**	**33.00**	**30.00**	**35.00**
ख.	**राष्ट्रीय युवा सशक्तिकरण कार्यक्रम**			
1.	नेहरू युवा केंद्र संगठन	300.00	267.75	326.50
2.	राष्ट्रीय युवा कोर	90.00	60.00	75.00
3.	युवा नेता कार्यक्रम	22.00	4.35	14.00
4.	राष्ट्रीय युवा एवं किशोर विकास कार्यक्रम	23.00	20.00	21.00
5.	अंतर्राष्ट्रीय सहयोग	30.00	6.92	14.00
6.	युवा छात्रावास	20.00	3.00	6.00
7.	स्काउटिंग और गाइडिंग	1.50	0.75	1.50
	कुल(ख) आरवाईएसके	**486.50**	**362.77**	**458.00**
ग.	**राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस)**	**172.00**	**72.98**	**165.00**
घ.	**राजीव गांधी राष्ट्रीय युवा विकास संस्थान (आरजीएनआईवाईडी)**	**35.00**	**21.00**	**32.00**
	सकल योग (क+ख+ग+घ)	**726.50**	**486.75**	**690.00**

@- पूर्वोत्तर क्षेत्र सहित

वित्तीय परिव्यय 2020–21

बजट प्राक्कलन 2020–21 और संशोधित प्राक्कलन 2020–21 तथा बजट प्राक्कलन 2021–22 के लिए वित्तीय परिव्यय नीचे तालिका में दिया गया है

(रु. करोड़ में)

बजट प्राक्कलन और संशोधित प्राक्कलन 2020–21 तथा बजट प्राक्कलन 2021–22 को दर्शाने वाला विवरण				
क्र सं.	**स्कीम का नाम**	**बजट प्राक्कलन 2020–21@**	**संशोधित प्राक्कलन 2020–21@**	**बजट प्राक्कलन 2021–22@**
	खेल विभाग			
1	2	3	4	5
ड.	**खेल संस्थानों में विकास**			
1.	भारतीय खेल प्राधिकरण	500.00	612.21	660.41
2.	लक्ष्मीबाई राष्ट्रीय शारीरिक शिक्षा संस्थान	55.00	45.00	55.00
3.	राष्ट्रीय डोप परीक्षण प्रयोगशाला	2.50	13.47	12.00
4.	राष्ट्रीय डोपरोधी एजेंसी	12.50	9.00	10.00
5.	राष्ट्रीय खेल विज्ञान एवं अनुसंधान केंद्र (एनसीएसएसआर)	75.00	6.00	10.00
6.	राष्ट्रीय खेल कौचिंग केंद्र	5.00	2.00	2.00
7.	पूर्वोत्तर में खेल विश्वविद्यालय	60.00	6.72	51.72
8.	विश्व डोप रोधी एजेंसी	2.00	10.00	2.50
	कुल (ड.)	**712.00**	**704.40**	**803.63**
च.	**खिलाड़ियों को प्रोत्साहन और पुरस्कार**			
1.	पुरस्कार	40.00	23.50	38.00
2.	मेधावी खिलाड़ियों को पेंशन	30.00	14.00	15.00
3.	राष्ट्रीय खेल परिसंघों को सहायता	245.00	132.00	280.00
4.	खेलों में मानव संसाधन विकास	5.00	1.00	3.80
5.	राष्ट्रीय खेल विकास कोष	50.00	7.23	25.00
6.	राष्ट्रीय खिलाड़ी कल्याण कोष	2.00	2.00	2.00
	कुल (च)	**372.00**	**179.73**	**363.80**

छ.	**खेलो इंडियाः राष्ट्रीय खेल विकास कार्यक्रम**			
1.	खेलो इंडिया	890.42	328.77	657.71
2.	राष्ट्रमंडल खेल	75.00	75.00	30.00
3.	जम्मू और कश्मीर में खेल सुविधा का संवर्धन	50.00	25.00	50.00
4.	सेमीनार, समिति की बैठकों आदि पर व्यय	1.00	0.50	1.00
	कुल (छ)	**1016.42**	**429.27**	**738.71**
	सकल योग (ङ+च+छ)	**2100.42**	**1313.40**	**1906.14**

@ - पूर्वोत्तर क्षेत्र सहित

अनुबंध–III

युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय से संबंधित नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक के लंबित पैराओं तथा उनकी वर्तमान स्थिति का ब्यौरा दर्शाने वाला विवरण

क्रम सं.	रिपोर्ट संख्या और वर्ष	पैरा संख्या या अध्याय संख्या	टिप्पणियों का संक्षिप्त विषय या सार	की गई कार्रवाई नोटों की वर्तमान स्थिति
युवा कार्यक्रम विभाग–1				
1.	2017 की रिपोर्ट सं. 12	अध्याय XXIII पैरा 23.1	नेहरू युवा केंद्र संगठन में वित्तीय प्रबंधन	19.12.2018 को पोर्टल के माध्यम से लेखा परीक्षा को की गई कार्रवाई नोट प्रस्तुत किया गया। लेखा परीक्षा ने 23.01.2019 के अपने पत्र द्वारा संशोधित की गई कार्रवाई नोट प्रस्तुत करने का निदेश दिया है। संशोधित की गई कार्रवाई नोट को 08.08.2019 को अपलोड किया गया। लेखा परीक्षा ने 06.09.2019 के पत्र द्वारा सभी संगत दस्तावेजों के साथ अपलोड करने का निदेश दिया। आगे की कार्रवाई की जा रही है।
खेल विभाग–5				
1.	2013 की रिपोर्ट संख्या 19	पैरा 16.1	अनुदानों की अप्रभावी निगरानी मंत्रालय राष्ट्र मंडल खेल 2010 से संबंधित अनुदान जारी करने की प्रभावी निगरानी करने में असफल रहा। इसके परिणामस्वरूप 191.86 करोड़ रु. की निधियां 17 से 26 माह तक एसएआई के पास पड़ी रही। इससे अनुदान के उपयोग को शासित करने वाली स्वीकृतियों के प्रावधानों का उल्लंघन हुआ। इसके अलावा, मंत्रालय एसएआई को आगे अनुदान जारी करने से पहले 22.12 करोड़ रु. की खर्च नहीं किए गए अनुदान पर अर्जित ब्याज को हिसाब में लेने में असफल रहा।	युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय ने राष्ट्र मंडल खेल 2010 से संबंधित खेल ढ़ांचे के नवीकरण/उनन्नयन और राष्ट्रमंडल खेल 2010 के लिए भारतीय टीमों की तैयारी की स्कीम के तहत भारतीय टीम तैयार करने के लिए भारतीय खेल प्राधिकरण को क्रमशः 2604.84 करोड़ रु. और 248.77 करोड़ रु. की निधियां जारी की थीं। इसमें से एसएआई ने मंत्रालय को 1.37 करोड़ रु. की अप्रयुक्त राशि लौटाई है और मंत्रालय द्वारा जारी निधियों पर एसएआई को अर्जित ब्याज विनियमित करने का अनुरोध किया गया। वित्त मंत्रालय से अर्जित ब्याज विनियमित करने के अनुरोध पर विचार करने का अनुरोध किया गया क्योंकि एसएआई ने सदाशयपूर्ण कार्य के लिए निधि का उपयोग किया है। साथ ही 29 जून, 2017 को आयोजित बैठक के दौरान लोक–लेखा समिति द्वारा लेखा परीक्षाओं की जांच की गई और यथा वांछित प्रश्नावली उत्तर दिनांक 15.12.2017 के पत्र द्वारा लोक–लेखा समिति को प्रस्तुत कर दिया गया है। ब्याज को विनियमित करने का मामला वित्त मंत्रालय के विचाराधीन है। संशोधित की गई कार्रवाई नोट को 13.12.2019 को अपलोड किया गया है। लेखा परीक्षा ने इसे 17.12.2019 को लौटा दिया। आगे की कार्रवाई की जा रही है।

क्रम सं.	रिपोर्ट संख्या और वर्ष	पैरा संख्या या अध्याय संख्या	टिप्पणियों का संक्षिप्त विषय या सार	की गई कार्रवाई नोटों की वर्तमान स्थिति
2.	2014 की रिपोर्ट सं. 25	पैरा 20.1	चिकित्सा बिलों का धोखाधड़ीपूर्ण आहरण एसएआई के कनिष्ठ लेखा अधिकारी को भुगतान के लिए बिलों की जांच करने और उनका सत्यापन करने का कार्य सौंपा गया था परंतु उसने अपने पद का लाभ उठाते हुए स्वयं केलिए 11.10 लाख रु. के जाली चिकित्सा बिल पास कर दिये।	कनिष्ठ लेखा अधिकारी श्री अंजन बोर्थाकुर की सेवाओं को 21.07.2014 से एसएआई से समाप्त कर दिया गया है। साथ ही एसएआई को आवश्यक कार्रवाई करने के लिए कहा गया है और उसने श्री अंजन से 11,61,215/– रु. की राशि वसूल करने के लिए उनके विरूद्ध मुकदमा दायर किया है। चूंकि यह मामला न्यायाधीन है, अतः इस मामले में अभी तक कोई वसूली नहीं की गई है। की गई कार्रवाई नोट 23.08.2016 को अपलोड कर दिया गया।लेखा परीक्षा द्वारा पुनरीक्षा करने के बाद 23.08.2016 को इसे अग्रेषित कर दिया गया जिसमें की गई कार्रवाई नोट के अंत में लेखा परीक्षा की टिप्पणियों को शामिल करते हुए की गई कार्रवाई नोट को अंतिम रूप देने के लिए कहा गया।
3.	2015 की रिपोर्ट सं. 18	पैरा 14.1	भारतीय खेल प्राधिकरण– व्यय को बेकार रखना सुरक्षा मुद्दों पर उचित ध्यान दिए बिना खेल ढ़ांचे के निर्माण से 14.15 करोड़ रु. का ढ़ांचा और 1.28 करोड़ रु. का अनुपयोगी व्यय बेकार बड़ा रहा। इसके अलावा, जनजातीय युवाओं को खेल प्रशिक्षण देने का उद्देश्य पूरा नहीं हुआ।	हजारी बाग में एसएआई प्रशिक्षण केंद्र को दुरस्थ और उग्रवाद प्रभावित क्षेत्रों में प्रतिभाओं को निखारने के उद्देश्य से स्थापित किया गया था क्योंकि शांति और विकास का संवर्धन करने के लिए खेल एक सशक्त माध्यम है। परंतु केंद्र सुरक्षा चिंताओं के कारण उस तरह कार्य नहीं कर सका जैसे कल्पना की गई थी। एसएआई बाल खेल कंपनी स्कीम के तहत पद्म कॉम्पलेक्स हजारी बाग, में खेल के बुनियादी ढ़ांचे को चलाने के लिए केंद्रीय पुलिस संगठनों को बार–बार कहता रहा है, जिसे भारतीय सेना के सहयोग से चला या जा रहा है। पुनरूद्धार कार्यों, जिनमें प्रशासनिक भवन, लड़के और लड़कियों के लिए छात्रावास, 400 मीटर का एथलेटिक ट्रेक, फुटबाल मैदान, तीरंदाजी मैदान, वॉलीबाल कोर्ट, हॉकी मैदान, कोचों और स्टाफ के लिए क्वाटर तथा चारदीवारी शामिल हैं, का पहला चरण शीघ्र ही पूरा होगा और बहुद्देश्य हॉल का पुनरूद्धार दूसरे चरण में शुरू किया जाएगा। लोक लेखा समिति की 26 जून, 2017 को आयोजित बैठक में लेखा परीक्षा पैरा पर विचार–विमर्श किया गया और प्राप्त प्रश्नावली के संबंध में टिप्पणियां भारतीय खेल प्राधिकरण से टिप्पणियां प्राप्त होने के बाद प्रस्तुत की जाएंगी। संशोधित की गई कार्रवाई नोट को 13.12.2019 को अपलोड किया गया है। लेखा परीक्षा ने इसे 17.12.2019 को लौटा दिया। आगे की कार्रवाई की जा रही है।

क्रम सं.	रिपोर्ट संख्या और वर्ष	पैरा संख्या या अध्याय संख्या	टिप्पणियों का संक्षिप्त विषय या सार	की गई कार्रवाई नोटों की वर्तमान स्थिति
4.	2015 की रिपोर्ट सं. 18	पैरा 14.2	भारतीय खेल प्राधिकरण–अनुपयोगी व्यय एसएआई द्वारा लक्षित केंद्र के उपयोग की व्यवहार्यता का पता लगाए बिना नॉर्थ–इस्टर्नहिल युनिवर्सीटी, शिलांग में एसट्रोटर्फ हॉकी मैदान बनाने के अनुमोदन से कार्य को रद्द करना पड़ा परिणामस्वरूप, उस स्थल पर किया गया 82 लाख रु. का व्यय बेकार चला गया।	नॉर्थ–इस्टर्न हिल युनिवर्सीटी, शिलांग में हॉकी टर्फ बिछाने की योजना स्थानीय लोगों को हॉकी खेलने के लिए प्रेरित करने के उद्देश्य से की गई थी, चूंकि यह भारत में सबसे लोकप्रिय खेल है। हॉकी के लिए सिंथेटिक टर्फ और खेल मैदान तैयार करने का कार्य वित्तीय बाधाओं के कारण अक्तूबर, 2012 में रोक दिया गया। कार्य रोके जाने से पहले 82 लाख रु. का व्यय किया जा चुका था। तैयार आधार को फुटबाल टर्फ तैयार करने के लिए इस्तेमाल किया जाएगा और इसे 05. 09.2017 को एसएआई की 79वीं वित्त समिति में अनुमोदित कर दिया गया है। इस कार्य के 06 माह में पूरा किए जाने की आशा थी। साथ ही, 29 जून, 2017 को आयोजित बैठक के दौरान लोक–लेखा समिति द्वारा पूछे गए प्रश्नों के उत्तर 07.09.2017 के पत्र द्वारा प्रस्तुत किए जा चुकेंहैं। संशोधित की गई कार्रवाई नोट को 13.12.2019 को अपलोड किया गया है। लेखा परीक्षा ने इसे 17.12.2019 को लौटा दिया। आगे की कार्रवाई की जा रही है।
5.	2016 की रिपोर्ट सं. 11	पैरा सं. 21.1	लक्ष्मीबाई राष्ट्रीय शारीरिक शिक्षा संस्थान (एलएनआईपीई), ग्वालियर एलएनआईपीई, ग्वालियर ने भारतीय खेल प्राधिकरण/ राज्य खेल प्राधिकरण के माध्यम से सिंथेटिक एथलेटिक ट्रैक सामग्री आयात करने की मंत्रालय की सलाह का पालन नहीं किया जिससे ब्याज, डेमरेज और अन्य प्रभारों सहित 1.06 करोड़ रु. के सीमा शुल्क का परिहार्य भुगतान हुआ।	एलएनआईपीई द्वारा लेखा–परीक्षा को 22.03. 2017 को पैरा का उत्तर प्रस्तुत किया गया। लेखा–परीक्षा से प्रतिक्रिया की प्रतीक्षा है। तथापि, यह पैरा जांच के लिए लोक लेखा समिति द्वारा चुना गया है। संशोधित की गई कार्रवाई नोट 25.10.2018 को अपलोड कर दिया गया। लेखा परीक्षा ने इसे 26.10.2018 को लौटा दिया। आगे की कार्रवाई की जा रही है।

अनुबंध –IV

देश में युवा छात्रावासों का राज्य /संघ राज्य क्षेत्र–वार ब्यौरा इस प्रकार है:

क्रम. सं.	राज्य/संघ राज्य क्षेत्र का नाम	राज्य/संघ राज्य क्षेत्र में युवा छात्रावासों की संख्या	युवा छात्रावासों का स्थान
1	असम	2	गुवाहाटी, तेजपुर
2	अण्डमान और निकोबार द्वीप समूह	1	पोर्ट ब्लेयर
3	आंध्र प्रदेश	5	कडपा, तिरुपति, विजयवाड़ा, विशाखापत्तनम, विजयनगरम
4	अरुणाचल प्रदेश	2	नाहरलागुन, रोइंग
5	बिहार	1	पटना
6	गोवा	2	पणजी, पेड्डेम मापुसा
7	गुजरात	1	गांधीनगर
8	हरियाणा	7	भिवानी, गुड़गांव, कुरुक्षेत्र, पंचकुला, रेवाड़ी, सिरसा, यमुनानगर
9	हिमाचल प्रदेश	1	डलहौजी
10	जम्मू और कश्मीर	2	पटनीटॉप, श्रीनगर
11	कर्नाटक	4	हसन, मैसूर, सोगलु, तीर्थरामेश्वर
12	केरल	3	कालीकट (कोझीकोड), एर्नाकुलम (कोच्चि), त्रिवेंद्रम,
13	मध्य प्रदेश	3	भोपाल, जबलपुर, खजुराहो
14	महाराष्ट्र	1	औरंगाबाद
15	मणिपुर	3	चुराचांदपुर, इंफाल, थौबल
16	मेघालय	1	शिलांग
17	मिज़ोरम	1	आइजोल
18	नागालैंड	1	दीमापुर
19	ओडिशा	4	गोपालपुर–ऑन–सी, जोशीपुर, कोरापुट, पुरी
20	पुडुचेरी	1	पुडुचेरी
21	पंजाब	6	अमृतसर, जालंधर, पटियाला, रोपड़, संगरूर, तरनतारन
22	राजस्थान	4	अजमेर, जयपुर, जोधपुर, उदयपुर
23	सिक्किम	1	गंगटोक
24	तमिलनाडु	5	चेन्नई, मदुरै, ऊटी, तंजावूर, त्रिची
25	तेलंगाना	3	नागार्जुनसागर, सिकंदराबाद, वारंगल
26	त्रिपुरा	1	अगरतला
27	उत्तर प्रदेश	2	आगरा, लखनऊ
28	उत्तराखंड	4	बद्रीनाथ, मसूरी, नैनीताल, उत्तरकाशी
29	पश्चिम बंगाल	1	दार्जिलिंग
	कुलः	**73**	

अनुबंध –V

युवा छात्रावासों की सूची जिन्हें नेहरू युवा केन्द्र संगठन (एनवाईकेएस)/भारतीय खेल प्राधिकरण (एसएआइ) संबंधित राज्य सरकारों को हस्तांतरित किया गया है

क्रम. सं	राज्य/संघ राज्य क्षेत्र का नाम /	निर्मित युवा छात्रावासों की संख्या	युवा छात्रावासों का स्थान
1.	असम	2	गोलाघाट, नोगांव
2.	हिमाचल प्रदेश	1	बिलासपुर
3.	जम्मू और कश्मीर	1	नागरोटा
4.	महाराष्ट्र	1	बुलढाणा
5.	मणिपुर	1	उखरूल
6.	मेघालय	1	तूरा
7.	नागालैंड	1	मोकोकचुंग
8.	सिक्किम	1	नामची
9.	पश्चिम बंगाल	2	चुरुलिया, बुर्दवां
	कुलः	11	

अनुबंध–VI

01.04.2020 से 31.12–2020 की अवधि के दौरान 'उपयोग और निर्माण/खेल अवसंरचना के उन्नयन के तहत जारी अनुदान का विवरण।

राशि करोड रू. में

क्र.सं	राज्य का नाम	परियोजना का नाम	स्वीकृत अनुदान	जारी अनुदान
1.	आंध्र प्रदेश	श्री पद्मावती महिला विश्वविद्यालय (महिला विश्वविद्यालय), तिरुपति, चित्तूर जिले में बहुउद्देशीय इंडोर हॉल का निर्माण।	4,50,00,000	–
2.	अरुणाचल प्रदेश	कामले जिले के अंतर्गत बोआ शिमला में बहुउद्देशीय खेल स्टेडियम हॉल का निर्माण	8,00,00,000	–
3.	असम	तेजपुर विश्वविद्यालय में बहुउद्देशीय हॉल का निर्माण।	4,50,00,000	–
4.	बिहार	नवादा में बहुउद्देशीय इंडोर हॉल का निर्माण	4,50,00,000	–
5.	बिहार	पूर्णिया विश्वविद्यालय, पूर्णिया के रंगभूमि मैडियन में सिंथेटिक एथलेटिक ट्रैक का शिलान्यास।	7,00,00,000	–
6.	बिहार	भागलपुर के तिलका मांझी भागलपुर विश्वविद्यालय परिसर में बहुउद्देशीय हॉल का निर्माण	4,50,00,000	–
7.	बिहार	बॉटनी कैंपस बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर बिहार विश्वविद्यालय, मुजफ्फरपुर में बहुउद्देशीय हॉल का निर्माण	4,50,00,000	–
8.	बिहार	जेपी विश्वविद्यालय छपरा, राहुल सांकृत्यायन नगर, छपरा, बिहार में बहुउद्देशीय हॉल का निर्माण।	4,50,00,000	–
9.	बिहार	जेपी विश्वविद्यालय छपरा, राहुल सांकृत्यायन नगर, छपरा, बिहार में सिंथेटिक एथलेटिक ट्रैक का शिलान्यास।	7,00,00,000	–
10.	बिहार	पटना विश्वविद्यालय, पटना के सैदपुर परिसर में बहुउद्देशीय हॉल का निर्माण।	4,50,00,000	–
11.	बिहार	पटना विश्वविद्यालय के सैदपुर परिसर में स्वीमिंग पूल का निर्माण।	5,00,00,000	–

क्र.सं	राज्य का नाम	परियोजना का नाम	स्वीकृत अनुदान	जारी अनुदान
12.	बिहार	न्यू कैंपस, वीर कुंवर सिंह विश्वविद्यालय, आरा, बिहार में बहुउद्देशीय हॉल का निर्माण।	4,50,00,000	–
13.	बिहार	बिहार कृषि विश्वविद्यालय, सवर्ण परिसर, भागलपुर में स्वीमिंग पूल का निर्माण	5,00,00,000	–
14.	छत्तीसगढ़	महासमुंद में सिंथेटिक एथलेटिक ट्रैक का निर्माण।	6,60,00,000	–
15.	छत्तीसगढ़	नगर निगम अंबिकापुर में बहुउद्देश्यीय इंडोर हॉल का निर्माण	4,50,00,000	–
16.	छत्तीसगढ़	जगदलपुर के इंदिरा प्रियदर्शनी स्टेडियम में रनिंग ट्रैक के साथ सिंथेटिक टर्फ फुटबॉल ग्राउंड का निर्माण।	5,00,00,000	–
17.	गोवा	पडडेम स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स, मापुसा में हॉकी ग्राउंड का निर्माण।	5,50,00,000	–
18.	गोवा	स्क्वैश कोर्ट का उन्नयन और चिकलिम स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स, चिकलिम में अंतर्राष्ट्रीय मानकों की अन्य प्रतिष्ठित सुविधाएं प्रदान करना।	5,47,00,000	–
19.	गोवा	ओपन स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स, पं जवाहर लाल नेहरू स्टेडियम, फतोरा में लॉन टेनिस कोर्ट का विकास।	3,89,00,000	–
20.	गोवा	सेंट क्रूज़ में फुटबॉल ग्राउंड में सिंथेटिक टर्फ का विकास कार्य	4,24,00,000	–
21.	हरियाणा	कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय में एफआईएच द्वारा अनुमोदित वैश्विक श्रेणी के सिंथेटिक हॉकी मैदान का शिलान्यास।	5,50,00,000	–
22.	हरियाणा	कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय में मेपल वुड फ्लोरिंग के साथ बहुउद्देशीय इंडोर स्पोर्ट्स हॉल	4,50,00,000	–
23.	हिमाचल प्रदेश	जिला मंडी के सुंदरनगर में बहुउद्देशीय हॉल का प्रस्ताव	4,50,00,000	–
24.	हिमाचल प्रदेश	सोलन में बहुउद्देशीय इंडोर हॉल का निर्माण।	4,50,00,000	–

क्र.सं	राज्य का नाम	परियोजना का नाम	स्वीकृत अनुदान	जारी अनुदान
25.	हिमाचल प्रदेश	सिरमौर जिले के सीनियर सेकेंडरी स्कूल के सरकारी परिसर में सिंथेटिक हॉकी मैदान का निर्माण।	5,50,00,000	–
26.	झारखंड	आईआईटी (इंडियन स्कूल ऑफ माइंस) धनबाद में 12 कोर्ट हॉल के साथ बहुउद्देशीय इंडोर हॉल का निर्माण।	4,50,00,000	–
27.	कर्नाटक	उडुपी जिले के करकला में इंडोर स्टेडियम का निर्माण।	3,50,00,000	–
28.	कर्नाटक	चिकमगलुर जिले में जिला स्टेडियम, चिकमगलूर टाउन में बहुउद्देश्यीय इंडोर हॉल का निर्माण।	4,50,00,000	–
29.	कर्नाटक	जिला स्टेडियम चिकमगलुर में सिंथेटिक एथलेटिक ट्रैक का शिलान्यास।	7,00,00,000	–
30.	कर्नाटक	जिला स्टेडियम, कोप्पल में बहुउद्देश्यीय हॉल का निर्माण	4,50,00,000	–
31.	कर्नाटक	सहयाद्री कॉलेज परिसर में इंडोर स्टेडियम का निर्माण, कुवेम्पू विश्वविद्यालय के लिए शिवमोगगा, शंकरघट्टा, शिवमोगगा जिला।	4,50,00,000	–
32.	कर्नाटक	उडुपी जिला स्टेडियम में टेंसिल स्ट्रक्चरल रूफिंग का निर्माण और उडुपी जिले के अजजराकाडू में स्विमिंग पूल के लिए गैलरी छत का निर्माण।	2,31,60,000	–
33.	केरल	जीएचएसएस, कुननमकुलम, त्रिशूर में सिंथेटिक एथलेटिक ट्रैक का शिलान्यास	7,00,00,000	–
34.	केरल	मेडिकल कॉलेज, परियाराम, कन्नूर में 400 मीटर सिंथेटिक एथलेटिक ट्रैक बिछाना।	7,00,00,000	–
35.	मध्य प्रदेश	जिला भिंड के गोरताल में वाटर स्पोर्ट्स सेंटर की स्थापना।	4,96,00,000	–
36.	मध्य प्रदेश	जबलपुर के रंजी में सिंथेटिक एथलेटिक ट्रैक का शिलान्यास।	6,94,00,000	–
37.	मध्य प्रदेश	उज्जैन में सिंथेटिक एथलेटिक ट्रैक का निर्माण	7,00,00,000	–

क्र.सं	राज्य का नाम	परियोजना का नाम	स्वीकृत अनुदान	जारी अनुदान
38.	महाराष्ट्र	सांता गगडेबाबाअम्वती विश्वविद्यालय, अमरावती, महाराष्ट्र के सामने अग्रिम तीरंदाजी रेंज और उपकरण खरीद का निर्माण	1,39,13,685	70,00,000
39.	महाराष्ट्र	सोलापुर विश्वविद्यालय सोलापुर में बहुउद्देशीय हॉल का निर्माण।	4,50,00,000	–
40.	मणिपुर	बिष्णुपुर जिला एचक्यूएस में आरसीसी गैलरी, शौचालय, चेंज रूम के साथ स्वीमिंग पूल का निर्माण।	5,00,00,000	–
41.	मणिपुर	खेलो इंडिया के तहत मणिपुर के 32 ब्लॉकों में खेल बुनियादी ढांचे के निर्माण को मंजूरीः– 1चहकम खेल का मैदान/चपिकारोंग (चंदेल) 2. कुकीमुन (चूड़ाचंदपुर) 3.मोइरंग लोकल ग्राउंड (बिष्णुपुर) 4.वांगोई सब डिव (इंफाल वेस्ट) में चिंग 5. सना शिंगखोल, थौबल जिला (थौबल) 6. खलमी प्ले ग्राउंड मोलनोई (टेंग्नोपल) 7. क्यूमेगी प्ले ग्राउंड (इंफाल पूर्व) 8. ऐहांग प्ले ग्राउंड (चंदेल) / 2॰08 प्रति ब्लॉक ;8ग2॰08 त्र 16॰64द्ध	16,64,00,000	–
42.	मेघालय	विलियमनगर, ईस्ट गारो हिल्स डिस्ट्रिक्ट में बहुउद्देशीय इंडोर हॉल का निर्माण	4,50,00,000	–
43.	मेघालय	लुम्मवबाह, पूर्वी खासी हिल्स में बहुउद्देशीय इंडोर हॉल का निर्माण	4,50,00,000	–
44.	मेघालय	जोंगशा, पूर्वी खासी हिल्स में बहुउद्देशीय इंडोर हॉल का निर्माण	4,50,00,000	–
45.	मेघालय	पश्चिम गारो हिल्स जिले के जिंगजल में बहुउद्देशीय इंडोर हॉल का निर्माण	4,50,00,000	–
46.	मेघालय	वहीजर पश्चिम जैंतिया हिल्स जिले में सिंथेटिक फुटबॉल टर्फ का बिछाना	5,00,00,000	–

क्र.सं	राज्य का नाम	परियोजना का नाम	स्वीकृत अनुदान	जारी अनुदान
47.	मेघालय	मदन सेंटर नोंगारेम, पूर्वी खासी हिल्स जिले में सिंथेटिक फुटबॉल टर्फ का बिछाना	5,00,00,000	–
48.	मिजोरम,	आइजोल जिले के मुल्लुंगथू में सिंथेटिक फुटबॉल टर्फ का निर्माण।	5,00,00,000	–
49.	मिजोरम,	आइजोल साउथ, आइजोल में मल्टीपर्पज हॉल का निर्माण।	4,50,00,000	–
50.	नागालैंड	कोहिमा के विश्वेमा में बहुउद्देशीय हॉल का निर्माण।	8,00,00,000	4,00,00,000
51.	नागालैंड	मेड़जीमेमादिमापुर में बहुउद्देशीय हॉल का निर्माण।	8,00,00,000	4,00,00,000
52.	नागालैंड	रिफिम, एंगलान, वोखा जिला, नागालैंड में बहुउद्देशीय हॉल का निर्माण।	8,00,00,000	4,00,00,000
53.	नागालैंड	याचेम ईएसी मुख्यालय, लोंगलेंग जिले में इंडोर बैडमिंटन हॉल का निर्माण।	4,00,00,000	–
54.	नागालैंड	सोम फुटबॉल ग्राउंड में रनिंग ट्रैक और सोलर लाइटिंग के साथ सिंथेटिक फुटबॉल टर्फ का निर्माण।	5,00,00,000	–
55.	पंजाब	गांव मराड़ जिला गुरदासपुर में ग्लोबल कैटेगरी एफआईएच के प्रस्ताव को हॉकी एस्टेरियो टर्फ को मंजूरी।	5,50,00,000	–
56.	पंजाब	जिला फिरोजपुर के शहीद भगत सिंह स्टेडियम में सिंथेटिक एथलेटिक ट्रैक बिछाने का प्रस्ताव।	7,00,00,000	–
57.	पंजाब	जिला शहीद भगत सिंह नगर के नवाटांड़ में बहुउद्देशीय इंडोर हॉल का निर्माण।	4,50,00,000	–
58.	राजस्थान	राजस्थान पुलिस अकादमी, जयपुर में बहुउद्देशीय इंडोर हॉल का निर्माण	4,50,00,000	–
59.	सिक्किम	सिक्किम के गंगटोक के पल्जोर स्टेडियम में सिंथेटिक टर्फ फुटबॉल ग्राउंड का निर्माण।	4,98,00,000	–

क्र.सं	राज्य का नाम	परियोजना का नाम	स्वीकृत अनुदान	जारी अनुदान
60.	सिक्किम	दक्षिण सिक्किम के जोरेथांग में बहुउद्देशीय इंडोर व्यायामशाला हॉल का निर्माण।	4,50,00,000	–
61.	सिक्किम	उत्तरी सिक्किम के फोडोंग गप्पू के फोडोंग मठीय स्कूल में संबद्ध सुविधाओं के साथ खेल के मैदान और तीरंदाजी मैदान का निर्माण।	1,81,00,000	–
62.	तमिलनाडु	जिला खेल परिसर में सिंथेटिक एथलेटिक ट्रैक का बिछाना, इरोड	7,00,00,000	–
63.	तमिलनाडु	तमिलनाडु शारीरिक शिक्षा और खेल विश्वविद्यालय, मेलाकोटीयुर, चेन्नई, कंचेरपुरम जिले में स्विमिंग पूल का निर्माण।	5,00,00,000	–
64.	तमिलनाडु	पेरियार विश्वविद्यालय, सलेम में सिंथेटिक एथलेटिक ट्रैक बिछाना।	7,00,00,000	–
65.	तेलंगाना	उस्मानिया विश्वविद्यालय, हैदराबाद में महिलाओं के लिए स्विमिंग पूल का निर्माण।	5,00,00,000	–
66.	तेलंगाना	उस्मानिया विश्वविद्यालय, हैदराबाद में सिंथेटिक एथलेटिक ट्रैक बिछाना।	7,00,00,000	–
67.	तेलंगाना	हैदराबाद के उस्मानिया विश्वविद्यालय परिसर में सिंथेटिक टेनिस कोर्ट का निर्माण।	1,50,00,000	–
68.	त्रिपुरा	रीजनल कॉलेज ऑफ फिजिकल एजुकेशन (आरसीपीई), पानीसागर, उत्तरी त्रिपुरा में स्वीमिंग पूल का निर्माण।	5,00,00,000	–
69.	त्रिपुरा	डारथ देब स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स (डीडीएसएससी), बड़हरघाट, अगरतला में सिंथेटिक एथलेटिक ट्रैक का निर्माण।	7,00,00,000	–
70.	त्रिपुरा	खोवाई जिला के खोवाई राजकीय उच्च माध्यमिक (बाल) स्कूल खेल मैदान में सिंथेटिक फुटबॉल टर्फ का निर्माण।	5,00,00,000	–
71.	उत्तर प्रदेश	संपूर्णानंद स्पोर्ट्स स्टेडियम जिला वाराणसी में सिंथेटिक जॉगिंग ट्रैक का बिछाना	2,36,00,000	–

क्र.सं	राज्य का नाम	परियोजना का नाम	स्वीकृत अनुदान	जारी अनुदान
72.	उत्तर प्रदेश	डॉ. संपूर्णानंद स्पोर्ट्स स्टेडियम जिला वाराणसी में सी.सी. इंटरलॉकिंग पावॅर रोड एंड सीवरेज सिस्टम नियर स्वीमिंग पूल, बास्केट कोर्ट, बैडमिंटन कोर्ट, टीएम हॉल के सामने जिम हॉल और मुख्य प्रवेश द्वार का निर्माण।	1,11,00,000	–
73.	उत्तर प्रदेश	बहुउद्देशीय हॉल युवा कल्याण और पी.आर.डी. मुख्यालय का निर्माण, जेल रोड, आनंद नगर, लखनऊ ।	3,51,00,000	–
74.	उत्तर प्रदेश	ग्राम–कोटरा, जयराजपुर के बाद ब्लॉकखंड–ताड़ियावन, हरदोई में प्राकृतिक फुटबॉल कोर्ट और एथलेटिक ट्रैक के साथ बहुउद्देशीय हॉल का निर्माण।	4,50,00,000	–
75.	उत्तर प्रदेश	बागपत, ग्राम मिल्ली, विकासखंड– बागपत में बहुउद्देशीय हॉल का निर्माण।	3,32,00,000	–
76.	उत्तर प्रदेश	जैतपुर पुलिस लाइन रोड जिला रायबरेली में बहुउद्देशीय हॉल का निर्माण।	4,50,00,000	–
77.	उत्तराखंड	बहुउद्देशीय इंडोर हॉल, गणेशपुरकलाखेड़ा, यूएस नगर का निर्माण।	4,50,00,000	–
78.	उत्तराखंड	देहरादून जिले के नानोराखेड़ा में मिनी स्टेडियम के लिए फुटबॉल मैदान, घास और सिंचाई व्यवस्था का निर्माण।	1,80,00,000	–
79.	अंडमान निकोबार द्वीप समूह	मिथिला गांव, रंगत, उत्तर और मध्य और अंडमान में स्विमिंग पूल का निर्माण	5,00,00,000	–
80.	दिल्ली	दिल्ली में 4 कोर्ट स्क्वैश कॉम्प्लेक्स	6,00,00,000	–
81.	जम्मू–कश्मीर	जिला बडगाम के शैलनार, अरगाम में बहुउद्देशीय इंडोर स्पोर्ट्स हॉल का निर्माण।	4,50,00,000	–
82.	लद्दाख	खुले स्टेडियम में फुटबॉल के लिए सिंथेटिक ट्रैक और एस्ट्रो टर्फ बिछाने	10,37,85,375	5,19,00,100
83.	लद्दाख	कामले जिले के तहत लेह के एनडीएस स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में जिम्नेजियम हॉल का निर्माण	1,12,77,674	56,39,000

क्र.सं	राज्य का नाम	परियोजना का नाम	स्वीकृत अनुदान	जारी अनुदान
84.	लद्दाख	24 वीं ठद, आईटीबीपी लेह में आइस हॉकी रिंक का निर्माण	3,22,00,000	–
85.	लक्षद्वीप	राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला (जीएसएस) किलतान, लक्षद्वीप में बहुउद्देशीय इंडोर स्टेडियम का निर्माण	4,50,00,000	–
86.	लक्षद्वीप	महात्मा गांधी सीनियर सेकेंडरी स्कूल (एमजीएसएस), एंड्रॉट लक्षद्वीप में बहुउद्देशीय इंडोर स्टेडियम का निर्माण	4,50,00,000	–
87.	पुडुचेरी	400 मीटर एथलेटिक ट्रैक, वॉलीबॉल कोर्ट और फुटबॉल मैदान एसबी गवर्नमेंट प्राइमरी स्कूल सावित्री नगर खेल मैदान, यानम में।	4,02,00,000	–
कुल			**440,58,36,734**	**18,45,39,100**

खेलो इंडिया के तहत 01.04.2020 से पहले स्वीकृत परियोजनाओं की बाद की किश्तों के रूप में जारी की गई राशि

क्र.सं.	राज्य का नाम	परियोजना का नाम	जारी अनुदान
1.	आंध्र प्रदेश	पूर्वी गोदावरी जिले के जिला खेल प्राधिकरण मैदान काकीनाडा में एस्ट्रो टर्फ हॉकी मैदान का शिलान्यास।	1,09,50,000
2.	मध्य प्रदेश	टी. टी. नगर स्टेडियम भोपाल में बहुउद्देश्यीय इंडोर हॉल का निर्माण	2,40,00,000
3.	मध्य प्रदेश	मौजूदा 50एमटीआर शूटिंग रेंज, ग्राम गौरा, भोपाल का विस्तार,	3,71,00,000
4.	मध्य प्रदेश	भोपाल के टीटी नगर स्टेडियम में सिंथेटिक एथलेटिक ट्रैक को फिर से बिछाना	2,26,81,798
5.	ओड़िशा	भुवनेश्वर के कलिंग स्टेडियम स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में बहुउद्देश्यीय इंडोर हॉल का निर्माण	3,50,00,000
6.	ओड़िशा	खेलो इंडिया योजना के तहत जिला मुख्यालय, जिला बौध में स्वीमिंग पूल का निर्माण	1,25,00,000
7.	ओड़िशा	जिला खेल परिसर बुर्ला में मल्टीपर्पज इंडोर हॉल	3,75,00,000
8.	ओड़िशा	जिला खेल परिसर, पुरी, ओडिशा में बहुउद्देशीय इंडोर हॉल का निर्माण	1,62,50,000
9.	राजस्थान	सीनियर सेकंडरी स्कूल जवारामगढ़ में बहुउद्देशीय इंदौर हॉल का निर्माण	1,15,00,000
10.	उत्तर प्रदेश	गांव–मुडगांव, ब्लॉक मोहम्मदाबाद, जिला फर्रुखाबादसदर में एथलेटिक ट्रैक के साथ निर्माण बहुउद्देशीय हॉल	91,00,000
11.	उत्तर प्रदेश	गांव में एथलेटिक ट्रैक के साथ बहुउद्देशीय हॉल का निर्माण–रोडवेज वर्कशॉप के पास सुनमाई, ब्लॉक– सुल्तानगंज, जिला –मैनपुरी	1,19,00,000
12.	उत्तर प्रदेश	गांव–रफत नगर सेंथारा, ब्लॉक–निधौली कलां, तहसील एटा, जिला–एटा में बहुउद्देश्यीय हॉल का निर्माण	1,90,00,000
13.	उत्तर प्रदेश	गांव– धरौली, पोस्ट– बनीकोदर, जिला बाराबंकी में बहुउद्देश्यीय हॉल का निर्माण	1,48,50,000
14.	उत्तर प्रदेश	मल्टीपर्पज हॉल का निर्माण, ग्राम मिढुलुई, ब्लॉक– छिब्बरमऊ, जिला कन्नौज में 400 मीटर प्राकृतिक रनिंग ट्रैक	1,54,00,000
15.	उत्तर प्रदेश	गांव पत्थलगड़ कलां, जिला मिर्जापुर में बहुउद्देश्यीय हॉल का निर्माण	98,00,000

क्र.सं.	राज्य का नाम	परियोजना का नाम	जारी अनुदान
16.	उत्तर प्रदेश	मल्टीपर्पज हॉल का निर्माण, गांव–अलाहदादपुर, प्रखंड–धनीपुर, जिला अलीगढ़ में	2,07,50,000
17.	उत्तर प्रदेश	एसएआई रीजनल सेंटर लखनऊ में कुश्ती हॉल का निर्माण।	3,80,00,000
18.	उत्तर प्रदेश	मेरठ के कैलाश प्रकाश स्टेडियम में सिंथेटिक हॉकी मैदान का शिलान्यास	3,00,00,000
19.	जम्मू–कश्मीर	आईयूटी अवंतीपोरा, पुलवामा में सिंथेटिक एथलेटिक ट्रैक का निर्माण	3,57,00,000
		कुल	**41,19,81,798**

01.04.2020 से 31.12.2020 की अवधि के दौरान पूर्ववर्ती शहरी खेल बुनियादी ढांचा योजना (यूएसआईएस) के तहत स्वीकृत परियोजनाओं की प्रतिबद्ध देनदारियों के खिलाफ जारी की गई राशि।

क्र.सं.	राज्य का नाम	परियोजना का नाम	अनुदान जारी किया गया
1.	कर्नाटक	बेलगाम में बहुउद्देश्यीय इंडोर हॉल का निर्माण।	40,00,000
2.	ओड़िशा	भुवनेश्वर, ओडिशा के कलिंग स्टेडियम स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में सिंथेटिक एथलेटिक ट्रैक का शिलान्यास	1,62,50,000
कुल			**2,02,50,000**

अनुबंध– VII

खेलो इंडिया योजना के अन्य कार्यक्षेत्रों के तहत जारी अनुदान का ब्यौरा 01.04.2020 से 31.12.2020 तक की अवधि के दौरान जारी किया गया।

क्र.सं.	परियोजना का नाम/शीर्ष	राशि
1	प्ले फील्ड्स डेवलपमेंट	0,17
2	राज्य स्तरीय खेलो इंडिया केंद्र	16,46
3	वार्षिक खेल प्रतियोगिताएं	9ण31
4	राष्ट्रीय/क्षेत्रीय/राज्य खेल अकादमियों को समर्थन	111,26
5	प्रतिभा खोज और विकास	
6	स्कूल जाने वाले बच्चों की शारीरिक फिटनेस	9,77
7	महिलाओं के लिए खेल	2,28
8	शांति और विकास के लिए खेल	3,57
9	दिव्यांगों में खेलों को बढ़ावा	1,17
10	ग्रामीण और स्वदेशी/जनजातीय खेलों को बढ़ावा	8,09
कुल		**162,08**

अनुबंध–VIII

2019–20 (31.12.2019 तक) के लिए एनएसएफ को सहायता योजना के तहत एनएसएफ को दी गई राशि का विवरण।

राशि लाख रू. में

क्र.सं.	परिसंधों का नाम	राशि
1	इंडियन पेनेक सिलैट फेडरेशन	1.38
2	आर्मी स्पोर्ट्स इंस्टीट्यूट	5.3
3	अखिल भारतीय शतरंज महासंघ	1.88
4	एशियाई प्रशांत युवा खेल	2.73
5	अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ	274
6	बधिरों की अखिल भारतीय क्रीड़ा परिषद	8.5
7	ऑल इंडिया टेनिस एसोसिएशन	66.70
8	तीरंदाजी एसोसिएशन ऑफ इंडिया	49.49
9	एथलेटिक फेडरेशन ऑफ इंडियां	94.42
10	अत्या पात्या फेडरेशन ऑफ इंडिया	1.25
11	भारतीय बैडमिंटन संघ	61.37
12	बास्केटबॉल फेडरेशन ऑफ इंडिया	48.69
13	बिलियड्र्स एंड स्नूकर्स फेडरेशन ऑफ इंडिया	34.88
14	बॉक्सिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया	468
15	ब्रिज फेडरेशन ऑफ इंडिया	5.47
16	साइकिल पोलो फेडरेशन ऑफ इंडिया	1.87
17	साइक्लिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया	15.89
18	घुड़सवारी फेडरेशन ऑफ इंडिया	16.04
19	तलवारबाजी एसोसिएशन ऑफ इंडिया	17.58
20	जिमनास्टिक फेडरेशन ऑफ इंडिया	20.68
21	हैंडबॉल फेडरेशन ऑफ इंडिया	1.89
22	हॉकी इंडिया	84.41
23	इंडियन गोल्फ यूनियन	7.25
24	भारतीय रग्बी फुटबॉल संघ	3.37
25	इंडियन कयाकिंग एंड कैनोइंग एसोसिएशन	31.63
26	भारतीय ओलंपिक संघ	259
27	भारतीय भारोत्तोलन महासंघ	88.3
28	जूडो फेडरेशन ऑफ इंडिया	28.7
29	खो खो फेडरेशन ऑफ इंडिया	18.16
30	नेशनल राइफल एसोसिएशन ऑफ इंडिया	242
31	नेटबॉल फेडरेशन ऑफ इंडिया	10.00

32	पैरा ओलंपिक समिति ऑफ इंडिया	**64.93**
33	सेपकाकरव फेडरेशन ऑफ इंडिया	**7.81**
34	शूटिंग बॉल फेडरेशन ऑफ इंडिया	**1.75**
35	दक्षिण एशियाई खेल	**13.23**
36	सुब्रतो मुखर्जी स्पोर्ट्स एजुकेशनल सोसायटी	**25**
37	भारतीय तैराकी महासंघ	**12.37**
38	टेबल टेनिस फेडरेशन ऑफ इंडिया	**18.74**
39	तायक्वोंडो	**17.19**
40	टेनिस बॉल क्रिकेट फेडरेशन ऑफ इंडिया	**8.75**
41	वॉलीबॉल फेडरेशन ऑफ इंडिया	**13.56**
42	भारतीय कुश्ती महासंघ	**79.25**
43	वुशु फेडरेशन ऑफ इंडिया	**36.19**
44	नौकायन एसोसिएशन ऑफ इंडिया	**8.76**
	कुल	**2,278.36**

सत्यमेव जयते

भारत सरकार

युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय

सी-विंग, शास्त्री भवन, डॉ. राजेन्द्र प्रसाद मार्ग, नई दिल्ली-110001
www.yas.nic.in

Jaina Offset Printers: 9873149889, 9811269844